

ੴ

صاحب سو خمنی ورہ

د روحانیت په لور سفر
پینتو ڦباره

فهرست

1	صاحب سو خمنی ورہ
186	اردس
190	د سفر لپاره فلسفہ
192	د پگری اهمیت
193	پہ سیک مذہب کی د بنخو روں
196	د عاجزی کلیدی جوہر ستاسو پہ سفر کی



We are distributing Free Gutkas, Divine message of the Guru globally in all the major languages, To Continue this Monumental task, please donate at <https://sggsonline.com/donation>

Sewadars & SikhBookClub have done this Sewa.

This text is only a translation and only gives the essence of the Guru's Divine word. For a more complete understanding, please read the Gurumukhi Sri Guru Granth Sahib Ji. If any errors are noticed, please notify us immediately via email at walnut@gmail.com.

[Publisher: SikhBookClub.com](http://SikhBookClub.com)

گاਊڙڻي سُخمانी مः ٤ ॥

ڪا-اوره سوختني مهلا ٥

گورى سخمانى

سِلْكُو

سلوك

سلوكو

٩٨ سَاتِيْرَغَارَ بُسَارِدَ ॥

ايک-انکار ستگور پرساد

واه گرو يو دی چي د رينتني گرو په فضل سره موندل کيدي شي.

آَسِتِيْرَغَارَ نَمَاهَ ॥

آد گر-آي نمه

زه لومندي استاد ته سلام کوم.

جُغَارِدِيْرَغَارَ نَمَاهَ ॥

جگاد گر-آي نمه

زه د پخوانيو استادانو ته سلام کوم.

سَاتِيْرَغَارَ نَمَاهَ ॥

ستگر-آي نمه

ربنتيني استاد ته سلام وایم.

سُرِيْرَغَارَدَهَ نَمَاهَ ॥ ٩ ॥

سارى گرديو-آي نمه

زه شري گرديو جي ته سلام کوم.

اسْتَپَدِيْ ॥

اشتپدي

استاپدي

سِيمَارِعِ سِيمَارِيْ سِيمَارِيْ سُرُخَ پَاوَعِ ॥

سمراوه سمر سمر سوخ پاو اوه.

د روح عاشق نوم ياد کري او په يادولو سره يي خوشي تر لاسه کري.

کَلِيْرَغَارَ تَنَ مَاهِيْ مِيتَاهِ ॥

کال کليس تن ماهي متاوه.

د دي بدن تول غمونه او دردونه پاک کره.

سِيمَارِعِ جَاسُ بِسْمُبُرَ رَيْكَيْ ॥

سمراوه جاس بسمبهار ايکي.

بوازی د نری د پالونکی ستاینه وکرئ.

ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਅਗਨਤ ਅਨੇਕੈ ॥

نام جਪت اگنت انیکی.

دیری خلک د ੱਖਿਤਨ ਮੁੱਲ ਨੋਮਨੇ ਯਾਦੀ.

ਬੇਦ ਪੁਰਾਨ ਸਿੰਮ੍ਰਿਤਿ ਸੁਧਾਖਰ ॥

ਬੇਦ ਪ੍ਰਾਨ ਸਮਰਤ ਸਦਾਖਿਆਰ.

ਓਧਿਵਾਨੇ, ਪ੍ਰਾਨੋਨੇ ਅਤੇ ਪਾਦਾਸ਼ਿਵਾਨੇ ਦ ਮਕਾਨ ਲਿਕਾਨੇ ਸੇ.

ਕੀਨੇ ਰਾਮ ਨਾਮ ਇਕ ਆਖਰ ॥

ਕਿਨੇ ਰਾਮ ਨਾਮ ਏਕ ਆਖਿਆਰ.

ਦਾ ਦਰਬ ਦ ਨੋਮ ਦ ਧੋ ਜੁਰੂਲ ਦੀ.

ਕਿਨਕਾ ਏਕ ਜਿਸੁ ਜੀਅ ਬਸਾਵੈ ॥ ਤਾ ਕੀ ਮਹਿਮਾ ਰਾਨੀ ਨ ਆਵੈ ॥

ਕਿਨਕਾ ਏਕ ਜਿਸੁ ਜੀਅ ਬਸਾਵੈ. ਤਾ ਕੀ ਮਹਿਮਾ ਰਾਨੀ ਨ ਆਵੈ.

ਦ ਹਗੇ ਚਾ ਪੇ ਜਿਹੇ ਕੀ ਚੀ ਦਰਾਮ ਪੇ ਨੋਮ ਲੇ ਖੇ ਹਮ ਓਸਿਰੀ, ਦ ਹਗੇ ਉਤਸਤ ਬਿਧਾ ਕਿਦੀ ਨਥੀ.

ਕਾਂਖੀ ਏਕੈ ਦਰਸ ਤੁਹਾਰੇ ॥ ਨਾਨਕ ਉਨ ਸੰਗਿ ਮੋਹਿ ਉਧਾਰੇ ॥੧॥

ਕਾਂਖੀ ਏਕੈ ਦਰਸ ਤੁਹਾਰੇ. ਨਾਨਕ ਉਨ ਸੰਗਿ ਮੋਹਿ ਉਧਾਰੇ.

ਇ ਰਿਹੇ! ਹਗੇ ਕਸਾਨ ਚੀ ਸਟਾ ਦ ਲਿਡੋ ਲਿਵਾਲ ਦੀ, ਮਾ ਪੇ ਖੜ੍ਹੇ ਮਲਗਰੀ ਕੀ ਵਸਾਤੇ ਅਤੇ ਮਾ ਨਾਨਕ ਬਰਿਅਲੀ ਕਰੇ.

ਸੁਖਮਨੀ ਸੁਖ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਪ੍ਰਭੁ ਨਾਮ ॥

ਸੁਖਮਨੀ ਸੁਖ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਪ੍ਰਭੁ ਨਾਮ.

ਦ ਖਿਤਨ ਦ ਖੋਸਾਲੇ ਮਥ ਨੋਮ ਚੀ ਜਿਵਾਨੇ ਰਾਸ਼ੀ ਕੌ ਅਮਰਤ ਨੋਮ ਦੀ.

ਭਗਤ ਜਨਾ ਕੈ ਮਨਿ ਬਿਸ੍ਰਾਮ ॥ ਰਹਾਉ ॥

ਭਗਤ ਜਨਾ ਕੈ ਮਨਿ ਬਿਸ੍ਰਾਮ. ਰਾਬਲੋ.

ਦ ਹਗੇ ਹਾਂਹੀ ਦ ਬੰਦਕਾਨੋ ਪੇ ਜਿਹੇ ਕੀ ਦੀ.

ਪ੍ਰਭੁ ਕੈ ਸਿਮਰਨਿ ਗਰਭਿ ਨ ਬਸੈ ॥

ਪ੍ਰਭੁ ਕੈ ਸਿਮਰਨਿ ਗਰਭਿ ਨ ਬਸੈ.

ਦ ਖਿਤਨ ਯਾਦ ਪੇ ਰੋਝ ਬਾਨੀ ਬਾਰ ਨੇ ਕੌ.

ਪ੍ਰਭੁ ਕੈ ਸਿਮਰਨਿ ਦੂਖੁ ਜਮੁ ਨਸੈ ॥

ਪ੍ਰਭੁ ਕੈ ਸਿਮਰਨਿ ਦੂਖੁ ਜਮੁ ਨਸੈ.

ਦ ਰਿਬ ਪੇ ਯਾਦ ਕੁਲ ਦ ਦਰਦ ਅਤੇ ਮਰਗ ਵਿਰਾਗੀ ਕੌ.

ਪ੍ਰਭੁ ਕੈ ਸਿਮਰਨਿ ਕਾਲੁ ਪਰਹਰੈ ॥

ਪ੍ਰਭੁ ਕੈ ਸਿਮਰਨਿ ਕਾਲੁ ਪਰਹਰੈ.

ਦ ਖਿਤਨ ਯਾਦ ਫਲੀ ਹਮ ਲੇ ਮਨੈ ਵਿਰਾਗੀ.

ਪ੍ਰਭੁ ਕੈ ਸਿਮਰਨਿ ਦੁਸਮਨੁ ਟਰੈ ॥

ਪ੍ਰਭੁ ਕੈ ਸਿਮਰਨਿ ਦੁਸਮਨੁ ਟਰੈ.

ਪ੍ਰਭ ਕੀ ਸਿਮਰਨਿ ਦੁਸਮਨੁ ਟਰੈ.

د ٿينتن په ذکر کولو سره دينمن له منھے ٿي.

پُرُّ سِمَرَاتْ كَهْ بِيَنْ نَ لَارَأِي ॥

پرب سمرت کچ بیگن نه لاغي.

د ٿينتن په ياد کي هيٺ خند نشته.

پُرُّ كَيْ سِمَرَنِيْ آنَدِيَنْ جَارَأِي ॥

پرب کي سمرن اندین جاگي.

د ٿينتن ذکر کول شبه او ورخ ويبن ساتي.

پُرُّ كَيْ سِمَرَنِيْ بَرَعِيْ نَ بِيَانَأِي ॥

پرب کي سمرن بهو نه بياپي.

د ٿينتن ياد په ويره اغيزه نه کوي.

پُرُّ كَيْ سِمَرَنِيْ دَعَنْ سَمْتَأِي ॥

پرب کي سمرن دكه نه ستني.

د ٿينتن ياد په غم او تکلیف اغيزه نه کوي.

پُرُّ كَيْ سِمَرَنْ سَأَيْ كَيْ سَمْرَأِي ॥

پرب کا سمرن سادھ کي سنگ.

د واه گورو يادونه يو د سينيانو شرکت ورکوي.

سَرَبْ نِيَانَ نَانَكْ هَرْ رَيْنَگَ ॥٢॥

سرب ندهان نانک هر رنگ

اي نانک! تولي خزانی د واه گرو په فضل دي.

پُرُّ كَيْ سِمَرَنِيْ رِيَيْ سِيَيْ نَعِيْ نِيَيْ ॥

پرب کي سمرن رده سده نو نده.

د ٿينتن په ياد کي خوشحالی، بريا او نهه خزانی دي.

پُرُّ كَيْ سِمَرَنِيْ رِيَيْ آنَوْ تَرَبَّعَيْ ॥

پرب کي سمرن گيان ڏيان ت بدھ.

د ٿينتن په يادولو سره، يو څوک د پوهی، مراقبت، الهي بصیرت او حکمت جوهر ترلاسه کوي

پُرُّ كَيْ سِمَرَنِيْ جَيْ تَرَبَّعَيْ ٻُرَجَا ॥

پرب کي سمرن جپ تپ پوجا

د ٿينتن ياد ذکر، توبه او عبادت دی

پُرُّ كَيْ سِمَرَنِيْ بِيَنَسَيْ دَعَزَا ॥

پرب کي سمرن بنسي دوجا.

د ٿينتن ياد د بدبو کارونو مخه نيسی.

پُرُّ كَيْ سِمَرَنِيْ تَيَرَسْ إِسَنَانِيْ ॥

پرب کي سمرن تيرته اسناني.

د رب په ذکر سره د غسل زیارت میوه حاصلیوی.

پُوّ کے سِمَرْنِی دَرَگَاهَ مَانِی ॥

پرب کی سمرن درگی معنی.

د څښتن په ذکر سره مخلوق د هغه په دربار کی عزت او عزت ترلاسه کوي

پُوّ کے سِمَرْنِی هَوَیْ سُبَلَا ॥

پرب کی سمرن هوئے سو بھلا.

د څښتن په ذکر کولو سره د هغه اراده د مخلوقاتو خوبنیوی

پُوّ کے سِمَرْنِی سُدَلَ دَلَا ॥

پرب کی سمرن سفل فلی

د څښتن یاد د انسان د زیپون هدف پوره کوي.

سِمَرْنِی جِنْ آَپِ سِمَرْنِی ॥

سی سمره کبني جنه اوپ سمراي.

هغه بواري د هغو خلکو لخوا یادیري چې هغه بی د یادولو اجازه ورکوي.

نَانَكَ تَأَكَّى لَأَغَارِيْيَ ٤ ॥

نانک تاکی لاڳو پاي.

ای نانک! زه د دغو ذکر شویو سترو انسانانو پینی لمسوم.

پُوّ کَا سِمَرْنِی سَبَّ تَعَلَّى ॥

پرب کا سمرن سب تے اوچا.

د څښتن یاد تر تولو لور شی دی.

پُوّ کے سِمَرْنِی عَيْرَةَ مُعَلَّى ॥

پرب کی سمرن ابری موجه

د څښتن په ذکر کولو سره پیری خلک ڙغورل کيري.

پُوّ کے سِمَرْنِی تِلْمَنَ بَعْدَ ॥

پرب کی سمرن ترسنا بوجهی

د څښتن یاد حرص او شهوت له منځه وري.

پُوّ کے سِمَرْنِی سَبُّ كَلْعَى ॥

پرب کی سمرن سب کچه سجې.

د رب په یادولو سره هر خه درک کيري.

پُوّ کے سِمَرْنِی نَاهِيْ جَمَّ تَرَاسَ ॥

پرب کی سمرن نه دي جم تراسه.

د څښتن یاد د يما (مرگ) ويره لري کوي.

پُوّ کے سِمَرْنِی بَرَنَ آَسَا ॥

پرب کی سمرن پورن آسا.

د څښتن یاد د عزم او ارادی پوره کوي.

ਪ੍ਰਭ ਕੈ ਸਿਮਰਹਿ ਮਨ ਕੀ ਮਲੁ ਜਾਇ ॥

ਪ੍ਰਭ ਕੀ ਸਮਰਨ ਮਨ ਕੀ ਮਲ ਜਾਇ.

ਦ ਖੰਨਨ ਪਾਦ ਦ ਜਰੇ ਜੰਗ ਲਾਈ ਕੌਇ.

ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਨਾਮੁ ਰਿਦ ਮਾਹਿ ਸਮਾਇ ॥

ਅਮਰਤ ਨਾਮ ਰਦ ਮਾਹੀ ਸਮਾਇ۔

ਓਦ ਖਾਇ ਦ ਨੁਮ ਅਮਰ ਪੇ ਜਰੇ ਕੀ ਜੰਬੀਰੀ.

ਪ੍ਰਭ ਜੀ ਬਸਹਿ ਸਾਧ ਕੀ ਰਸਨਾ ॥

ਪ੍ਰਭ ਜੀ ਬਿਸੇ ਸਾਡੇ ਕੀ ਰਸਨਾ

ਉਦ ਖਾਇ ਕੁਵਨਕੀ ਰਬ ਦ ਖੜਲੋ ਅਵਲਿਆਵੋ ਪੇ ਜਬੇ ਜੰਵਨਦ ਕੌਇ.

ਨਾਨਕ ਜਨ ਕਾ ਦਾਸਨਿ ਦਸਨਾ ॥੪॥

ਨਾਨਕ ਜਾਨ ਕਾ ਦਾਸਨ ਦੱਸਨਾ।

ਏ ਨਾਨਕ! ਜੇ ਦ ਸ਼ਹਿਦਾਨੁ ਖਾਦਮ ਇਮ.

ਪ੍ਰਭ ਕਉ ਸਿਮਰਹਿ ਸੇ ਧਨਵੰਤੇ ॥

ਪ੍ਰਭ ਕਾਂ ਸਮਰੇ ਸੀ ਦਨੁਣਤੀ।

ਹਗੇ ਥੁਕ ਚੀ ਰਬ ਯਾਦੀ, ਦਾਸੀ ਖਲਕ ਪੇ ਹਤਿਕਤ ਕੀ ਸ਼ਣਮਨ ਦੀ.

ਪ੍ਰਭ ਕਉ ਸਿਮਰਹਿ ਸੇ ਪਤਿਵੰਤੇ ॥

ਪ੍ਰਭ ਕਾਂ ਸਮਰੇ ਸੀ ਪੰਤਿਵੰਤੀ।

ਹਗੇ ਥੁਕ ਚੀ ਰਬ ਯਾਦੀ, ਹਮਦੀ ਦ ਰਿਣਤੀਨੀ ਉਤ ਖਾਵਨਦਾਨ ਦੀ।

ਪ੍ਰਭ ਕਉ ਸਿਮਰਹਿ ਸੇ ਜਨ ਪਰਵਾਨ ॥

ਪ੍ਰਭ ਕਾਂ ਸਮਰੇ ਸੀ ਜਾਨ ਪ੍ਰਵਾਨ।

ਹਗੇ ਥੁਕ ਚੀ ਰਬ ਯਾਦੀ ਦ ਰੱਬ ਪੇ ਦਰਬਾਰ ਕੀ ਮਿਥੇ ਹੁਕਮਾਨ ਦੀ।

ਪ੍ਰਭ ਕਉ ਸਿਮਰਹਿ ਸੇ ਪੁਰਖ ਪ੍ਰਧਾਨ ॥

ਪ੍ਰਭ ਕਾਂ ਸਮਰੇ ਸੀ ਪੁੱਖ ਪ੍ਰਦਹਾਨ।

ਥੁਕ ਚੀ ਦ ਰੱਬ ਨਾਕੀ, ਪੇ ਦੱਨਿਆ ਕੀ ਮਿਥੇ ਹੁਕਮਾਨ ਦੀ।

ਪ੍ਰਭ ਕਉ ਸਿਮਰਹਿ ਸ੍ਰਿ ਬੇਮੁਹਤਾਜੇ ॥

ਪ੍ਰਭ ਕਾਂ ਸਮਰੇ ਸੀ ਬੀਮਹਤਾਜੀ।

ਹਗੇ ਥੁਕ ਚੀ ਰਬ ਯਾਦੀ ਦ ਹਿਚਾ ਮਹਤਾਜ ਨੇ ਦੀ।

ਪ੍ਰਭ ਕਉ ਸਿਮਰਹਿ ਸ੍ਰਿ ਸਰਬ ਕੇ ਰਾਜੇ ॥

ਪ੍ਰਭ ਕਾਂ ਸਮਰੇ ਸੀ ਸਰਬ ਕੀ ਰਾਜੀ।

ਹਗੇ ਖਲਕ ਚੀ ਰਬ ਯਾਦੀ, ਦੋਵੀ ਦ ਹਰਖੇ ਮਾਲਕ ਦੀ।

ਪ੍ਰਭ ਕਉ ਸਿਮਰਹਿ ਸੇ ਸੁਖਵਾਸੀ ॥

ਪ੍ਰਭ ਕਾਂ ਸਮਰੇ ਸੀ ਸੁਖਵਾਸੀ।

هغه خلک چي ٿبنتن يادوي په خوشحالی کي ژوند کوي.

پُڙ کُو سِمَرَهِ سَدَا اَسْبَنَةِ سَمَّيٍ ||

پرب کاو سمره سی سدا اپناستی.

هغه خلک چي رب يادوي، دوى تل پاتي کيري.

سِمَرَنْ تَلَ لَارَوْ جِنْ اَاَپِي دَسِيَالَلَا ||

سمرن تے لڳے جنه اوپ دیالا

په چا باندي چي گرو مهربانه وي، بواري هغه خلک رب يادوي.

نَانَكَ جَنَّ كَيْ مَنْجَيْ رَدَالَلَا || ۴ ||

نانک جان کی منگے رو والا.

ای نانک! زه د ٿبنتن د بندگانو د پئنو خاوری غوارم.

پُڙ کُو سِمَرَهِ سَمِيَّ دَعَيَالَهَارِي ||

پرب کاو سمره سی پراپکاري

هغه کسان چي رب يادوي، داسی خلک خيرخواه کيري.

پُڙ کُو سِمَرَهِ تِنَ سَدَ بَلِيهَارِي ||

پرب کاو سمره تن سد بلیهاري

هغه خوک چي رب يادوي، زه تل له هغوي قربان یم.

پُڙ کُو سِمَرَهِ سَمِيَّ مُحَمَّدَ سُهَادَهَ ||

پرب کاو سمره سی مخ سوهاوی

خوک چي رب يادوي، مخونه یي ڪليري.

پُڙ کُو سِمَرَهِ تِنَ سُعِيدَ بِهَادَهَ ||

پرب کاو سمره تن سوخ بیهاري

هغه خوک چي رب يادوي، په خوشحالی کي ژوند کوي.

پُڙ کُو سِمَرَهِ تِنَ اَعْمَلَ جَيَّذَهَ ||

پرب کاو سمره تن آتم جيتا

هغه خوک چي رب يادوي، خپل نفس کنترولوي.

پُڙ کُو سِمَرَهِ تِنَ نِرَمَلَ رَيَّذَهَ ||

پرب کاو سمره تن نرمل ريتا

خوک چي رب يادوي، ژوند یي له خوبنيو ڈک وي.

پُڙ کُو سِمَرَهِ تِنَ اَنَدَ غَنِيرَهَ ||

پرب کاو سمره تن اند غنيره

هغه خوک چي رب يادوي، ڊير خوبني او بركتونه ترلاسه کوي.

پُڙ کُو سِمَرَهِ بَسَرَهِ هَرِيَ نَرَهَ ||

پرب کاو سمره بيسه هر نيره.

هغه ٿوک چي رب ڀادوي، د گرو سره نردي پاتي کيري

سُنج کیپا تے اندازنا جاگا ॥

سنٽ کرپا تے اندازنا جاگ

د اوليابو په فضل سره، دوى شپه او ورخ ويٺن وي.

نانك سيمارن پڻ رئي ٻارغا ॥٦ ॥

نانك سمن پورے بهاڳ

اي نانك! د ٿبنتن پاد بوازي د تقدير په واسطه ترلاسه کيري.

پڻ کي سيمارن کارج پڻ رئي ॥

پرب کي سمن کارج پورے

د ٿبنتن په ڀادولو سره ٿول کارونه سرتنه رسيري.

پڻ کي سيمارن کارج ن ڙڻ رئي ॥

پرب کي سمن کبهو نه جهورے.

د ٿبنتن په ڀادولو سره، هيچکله په مصبيت کي نه رائي.

پڻ کي سيمارن هري گان ٻاني ॥

پرب کي سمن بر گن باني.

د ٿبنتن په ڀادولو سره انسان د ٿبنتن ستائنه کوي.

پڻ کي سيمارن سهنج سماني ॥

پرب کي سمن سهنج سمانى.

د ٿبنتن په ڀادولو سره، يو ٿوک په اسانى سره د گرو په ڀادونو کي جذب کيري.

پڻ کي سيمارن نيهچل آسان ॥

پرب کي سمن نيهچل آسان

د ٿبنتن په ڀادولو سره هجه يو ثابت مقام ترلاسه کوي.

پڻ کي سيمارن کمال بيرامن ॥

پرب کي سمن کمل بگاسان

د ٿبنتن په ڀادولو سره د انسان زيره د کمل په خير خلاصيري.

پڻ کي سيمارن انهاز د ڻنکار ॥

پرب کي سمن انهز جهنكار.

الهامي سندره د رب د ياد له لاري گونجييري.

مسخ پڻ سيمارن کا امتع ن پار ॥

سکھ پربه سمن کا انت نه پار

د خوبني هيش حد يا پاي نشته چي د رب په ڀاد کي رائي.

سيمارن سے جن جن کو پڻ مانیا ॥

سمره سی جان جن کاو پربه مئی
هغه خلک چي د خدای لخوا برکت شوي وي هغه يي ياد ساتي.

ਨਾਨਕ ਤਿਨ ਜਨ ਸਰਨੀ ਪਾਇਆ ॥੭॥

نਾਨਕ ਤਨ ਜਾਨ ਸਰਨੀ ਪਾਇਆ
ای نਾਨਕ! (ਯਾਤਰੀ ਨੈਕਮਰਗੇ) ਹਗੇ ਚਾਤੇ ਪਨਾਹ ਵਰੀ ਚੀ ਦਾ ਰਬ ਧਾਵੀ.

ਹਰਿ ਸਿਮਰਨੁ ਕਰਿ ਭਗਤ ਪ੍ਰਗਟਾਏ ॥

ਹਰ ਸਮਰਨ ਕਰ ਬੇਹਗਤ ਪ੍ਰਗਟਾਏ-
ਦ ਖਦਾਵ ਪੇ ਨਕਲ ਕੀ ਬੰਦਕਾਨ ਪੇ ਖਲਕੁ ਕੀ ਮਿਥੋਰ ਕਿਓਂ.

ਹਰਿ ਸਿਮਰਨਿ ਲਗਿ ਬੇਦ ਉਪਾਏ ॥

ਹਰ ਸਮਰਨ ਲਗ ਬੇਦ ਆਪਾਏ-
ਵਿਦੋਨੇ (ਅਵਾਜ਼ੀ ਕਾਨੁਨੇ) ਦ ਖਦਾਵ ਪੇ ਯਾਦ ਕੀ ਸ਼ਾਮਲ ਸ਼ਾਵੀ ਦੀ.

ਹਰਿ ਸਿਮਰਨਿ ਭਏ ਸਿਧ ਜਤੀ ਦਾਤੇ ॥

ਹਰ ਸਮਰਨ ਬਹਾਵੀ ਸਦੇ ਜਤੀ ਦਾਤੇ-
ਦਾ ਦ ਖਦਾਵ ਪੇ ਯਾਦ ਦੀ ਚੀ ਸ੍ਰਵੀ ਸਾਦੋ, ਰਾਹੰਬ ਅਵ ਸਖੀ ਕਿਓਂ.

ਹਰਿ ਸਿਮਰਨਿ ਨੀਚ ਚਹੁ ਕੁੰਟ ਜਾਤੇ ॥

ਹਰ ਸਮਰਨ ਨੀਚ ਚਾਪੁ ਕੁਨ੍ਠ ਜਾਤੇ-
ਦ ਖਿੰਨਨ ਪੇ ਧਾਵਲੁ ਸਰੇ, ਗਨਾਹਕਾਰਾਨ ਪੇ ਤਾਲੁ ਲਾਰਿਨੁਵਾਨੁ ਮਿਥੋਰ ਸ਼ੁਲ.

ਹਰਿ ਸਿਮਰਨਿ ਧਾਰੀ ਸਭ ਧਰਨਾ ॥

ਹਰ ਸਮਰਨ ਧਹਾਰੀ ਸਭੇ ਦੇਹਨਾ.
ਦ ਖਦਾਵ ਦੁਕਾਰ ਤੁਲੇ ਹੰਮਕੇ ਲਰੀ.

ਸਿਮਰਿ ਸਿਮਰਿ ਹਰਿ ਕਾਰਨ ਕਰਨਾ ॥

ਸਮਰ ਸਮਰ ਕਰਨ ਕਰਨਾ-
ਅਤੇ ਤੱਤੀ! ਤਲ ਦ ਨ੍ਰੀ ਖਿੰਨਨ ਖਦਾਵ ਧਾਵੀ.

ਹਰਿ ਸਿਮਰਨਿ ਕੀਓ ਸਗਲ ਅਕਾਰਾ ॥

ਹਰ ਸਮਰਨ ਕੀਓ ਸਗਲ ਆਕਾਰਾ-
ਦ ਖਿੰਨਨ ਦ ਚੱਪ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਵਾਸੇ ਵਾਸੇ.

ਹਰਿ ਸਿਮਰਨ ਮਹਿ ਆਪਿ ਨਿਰੰਕਾਰਾ ॥

ਹਰ ਸਮਰਨ ਮੀਂ ਆਪ ਨਰਨਕਾਰਾ-
ਚਿਰਤੇ ਚੀ ਦ ਖਿੰਨਨ ਦੁਕਾਰ ਕਿਓਂ, ਗੁਰੂ ਪੱਖੇ ਹਗੇ ਹਾਂ ਕੀ ਸਤਨ ਲਰੀ.

ਕਰਿ ਕਿਰਪਾ ਜਿਸੁ ਆਪਿ ਬੁਝਾਇਆ ॥

ਕਰ ਕੁਝ ਜਸ ਅੱਪ ਬਜਹਾਇਆ ਗੀ-
ਅਤੇ ਨਾਨਕ! ਖਦਾਵ ਚੀ ਦ ਧਾਵਲੁ ਪੋਹੇ ਵਰਕੀ.

ਨਾਨਕ ਗੁਰਮੁਖਿ ਹਰਿ ਸਿਮਰਨੁ ਤਿਨਿ ਪਾਇਆ ॥੮॥੧॥

نانک گرمکھ بہ سمرن تن پائیا.
د گورو په واسطه، داسی کس ته د خدائی د یادولو فرصت ترلاسہ کیری

ਸਲੋਕ ॥

سلوک

شلوک

ਦੀਨ ਦਰਦ ਦੁਖ ਭੰਜਨਾ ਘਟਿ ਘਟਿ ਨਾਥ ਅਨਾਥ ॥

ਦਿਨ ਦਰਦ ਦੁਖ ਬਾਨ੍ਹਨੇ, ਰੂਪ ਰੂਪ ਨਾਥ ਨਾਥ

ای د مظلومਾਨੁ ਦ ਦਰਦਨੁ ਦ ਲਰੀ ਕੁਲੋ ਥਿਣਤੇ! ਇ گورو ਚੀ ਪੇ ਹਰ ਬਦਨ ਕੀ ਜੜਬ ਸ਼ਵੀ! ਇ ਦ ਧਿਤਮਾਨੁ ਮਰਿਣਦੀਓਹ.

ਸਰਣਿ ਤੁਮੁਹਾਰੀ ਆਇਓ ਨਾਨਕ ਕੇ ਪ੍ਰਭੁ ਸਾਥ ॥੧॥

ਸੁਨ ਤੁਮਹਾਰੀ ਆਈ ਨਾਨਕ ਕੇ ਪ੍ਰਭੁ ਸਾਥ

ਜੇ ਸਤਾ ਪੇ ਪਿਨ੍ਹਾ ਕੀ ਰਾਗੀ ਧਮ, ਤੇ ਜਮਾਰੁ (ਨਾਨਕ) ਸਰੇ ਦੀ ਸ਼ੇ.

ਅਸਟਪਦੀ ॥

ਅਸਟਪਦੀ

ਅਸਟਪਦੀ

ਜਹ ਮਾਤ ਪਿਤਾ ਸੁਤ ਮੀਤ ਨ ਭਾਈ ॥

ਜੇ ਮਾਤ ਪਿਤਾ ਸੁਤ ਮੀਤ ਨੇ ਬਹੈ-

ਹਲਤੇ ਮੁਰ, ਪ੍ਲਾਰ, ਜਾਵੀ, ਮਲਕ੍ਰਿ ਅਵ ਰੂਰ ਨਿਤੇ.

ਮਨ ਉਹਾ ਨਾਮੁ ਤੇਰੈ ਸੰਗਿ ਸਹਾਈ ॥

ਮੁਨ ਅਵ ਨਾਮ ਤਿਰੈ ਸੱਨਗ ਸੱਹਾਈ-

ਹਲਤੇ, ਇ ਜਮਾ ਜਿਰੇ! ਦ گੁਰੂ ਨੁਮ ਬੇ ਸਤਾਸੁ ਮਰਿਣਦੀਓਹ ਵੀ.

ਜਹ ਮਹਾ ਭਇਆਨ ਦੂਤ ਜਮ ਦਲੈ ॥

ਜੇ ਮੇਹਾ ਬਹੇਲਾਨ ਦੁਤ ਜਮ ਦਲੈ-

ਚਿਰਤੇ ਚੀ ਦ ਮਰਕ ਖੋਕਮਨ ਫਰਿਣਤੇ ਬੇ ਨਾਸੁ ਮਾਤ ਕ੍ਰਿ,

ਤਹ ਕੇਵਲ ਨਾਮੁ ਸੰਗਿ ਤੇਰੈ ਚਲੈ ॥

ਤੇ ਕਿਓਾਨ ਨਾਮ ਸੱਨਗ ਤਿਰੈ ਚਲੈ-

ਯਾਵਾਰੀ ਦ ਥਿਣਤੇ ਨੁਮ ਬੇ ਸਤਾਸੁ ਸਰੇ ਹਲਤੇ ਵੀ.

ਜਹ ਮੁਸਕਲ ਹੋਵੈ ਅਤਿ ਭਾਰੀ ॥

ਜੇ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੋਵੈ ਅਤ ਬਹਾਰੀ-

ਚਿਰਤੇ ਚੀ ਲਾਵੀ ਮਸਕਲ ਵੀ

ਹਰਿ ਕੇ ਨਾਮੁ ਖਿਨ ਮਾਹਿ ਉਧਾਰੀ ॥

ਹਰ ਕੋ ਨਾਮ ਕਹੀ ਮਾਹੀ ਅੜਾਰੀ-

ਹਲਤੇ ਦ ਗੁਰੂ ਨੁਮ ਬੇ ਪੇ ਯੋਹ ਸ਼ਿਬੀ ਕੀ ਸਤਾਸੁ ਸਾਨੇ ਵਕ੍ਰੀ.

ਅਨਿਕ ਪੁਨਹਚਰਨ ਕਰਤ ਨਹੀਂ ਤਰੈ ॥

ਅਨਿਕ ਪੁਨਹਚਰਨ ਕਰਤ ਨਹੀਂ ਤਰੈ.

ਹਤੀ ਦ ਦਿਵੋ ਦਿਵੀ ਆਮਲੇ ਪੇ ਤ੍ਰਸਰੇ ਕਲੁ ਸਰੇ, ਯੋ ਖੁਕ ਦ ਗਨਾਹਨੁ ਖੱਖੇ ਨਥੀ ਜਗੂਰਲ ਕਿਦੀ.

ਹਰਿ ਕੋ ਨਾਮੁ ਕੋਇ ਪਾਪ ਪਰਹਰੈ ॥

ਬਰ ਕੋ ਨਾਮ ਕੁਠ ਪਾਪ ਪੰਧਰੈ.

ਮੁੰਗ ਦ ਗੁਰੂ ਨੁਮ ਦ ਮਲੀਓਨੁ ਗਨਾਹਨੁ ਕਫਾਰੇ ਕਿਹੀ.

ਗੁਰਮੁਖਿ ਨਾਮੁ ਜਪਹੁ ਮਨ ਮੇਰੇ ॥

ਗੁਰਮੁਖ ਨਾਮ ਜੇਪ੍ਰੇ ਮੁੰਗ.

ਏ ਜਮਾ ਜ਼ਰੇ! ਦ ਗੁਰੂ ਪੇ ਮਲੀਗੀਆ ਕੀ ਦ ਖੱਬਣ ਨੁਮ ਯਾਦ ਕਰੇ.

ਨਾਨਕ ਪਾਵਹੁ ਸੁਖ ਘਨੇਰੇ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਪਾਵਹੁ ਸੁਖ ਘਨੇਰੇ.

ਏ ਨਾਨਕ! ਤਾਸੋ ਬੇ ਪੇ ਦੀ ਯੋਲ ਦੀਰ ਖੋਸ਼ਾਲੇ ਥੀ.

ਸਗਲ ਸਿਸਟਿ ਕੋ ਰਾਜਾ ਦੁਖੀਆ ॥

ਸਗਲ ਸਿਸਟਿ ਕੋ ਰਾਜਾ ਦੁਖੀਆ.

ਦ ਤਲੀ ਨ੍ਰੀ ਪਾਚਾ (ਹਤੀ ਦ ਯੋ ਸ੍ਰੀ ਪੇ ਖਿਰ) ਦੁਖਤ ਦੀ.

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਹੋਇ ਸੁਖੀਆ ॥

ਬਰ ਕਾ ਨਾਮ ਜੇਪ੍ਰੇ ਸਕਹੀਆ.

ਮੁੰਗ ਦ ਗੁਰੂ ਨੁਮ ਯਾਦੁਲ ਯੋ ਖੁਕ ਖੋਸ਼ਾਲੇ ਕੌਇ.

ਲਾਖ ਕਰੋਰੀ ਬੰਧੁ ਨ ਪਰੈ ॥

ਲਾਕੇ ਕਰੋਰੀ ਬੰਧੁ ਨ ਪੰਧਰੈ.

ਹਤੀ ਕੇ ਯੋ ਖੁਕ ਪੇ ਮਲੀਓਨੁ, ਮਲੀਓਨੁ ਬਲਕਨੁ ਕੀ ਬੰਧੁ, ਮੁੰਗ.

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਨਿਸਤਰੈ ॥

ਬਰ ਕਾ ਨਾਮ ਜੇਪ੍ਰੇ ਨਿਸਤਰੈ.

ਦ ਖੱਬਣ ਨੁਮ ਯਾਦੁਲ ਨਜਾਤ ਰਾਓਇ.

ਅਨਿਕ ਮਾਇਆ ਰੰਗ ਤਿਖ ਨ ਬੁਝਾਵੈ ॥

ਅਨਿਕ ਮਾਇਆ ਰੰਗ ਤਿਖ ਨ ਬੁਝਾਵੈ.

ਦ ਮਾਲ ਅਵਲ ਕਥਤ ਦ ਅਨਸਾਨ ਹਰਚ ਨ ਥੀ ਖਤਮਿ. (ਮੁੰਗ)

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਆਘਾਵੈ ॥

ਬਰ ਕਾ ਨਾਮ ਜੇਪ੍ਰੇ ਆਘਾਵੈ.

ਦ ਗੁਰੂ ਨੁਮ ਪੇ ਯਾਦੁਲ ਸਰੇ ਹੁਗੇ ਮੁੰਗੀਨੀ ਕਿਹੀ.

ਜਿਹ ਮਾਰਗਿ ਇਹੁ ਜਾਤ ਇਕੇਲਾ ॥

ਜਿਹ ਮਾਰਗ ਬੀ ਜਾਤ ਏਕੀਲਾ.

ਪੇ ਕੁਮੇ ਲਾਰੇ ਚੀ ਮੁਲ੍ਹੇ ਯਾਵੇ ਤਿਰੀਓ.

ਤਹ ਹਰਿ ਨਾਮੁ ਸੰਗਿ ਹੇਤ ਸੁਹੇਲਾ ॥

ਤੇ ਬ੍ਰ ਨਾਮ ਸਨ੍ਗ ਹੋਤ ਸ਼ੇਖਲਾ.

ਹਲਟੇ ਦ ਕੁਰੂ ਨੁਮ ਕਿਤੂਰ ਦੀ.

ਐਸਾ ਨਾਮੁ ਮਨ ਸਦਾ ਧਿਆਈਐ ॥

ਇਸਾ ਨਾਮ ਮਨ ਸਦਾ ਧਿਆਈਐ.

ਇ ਜਮਾਂ ਜਰੇ! ਤੇ ਦਾਸੀ ਨੁਮ ਪਾਦ ਕਰੇ,

ਨਾਨਕ ਗੁਰਮੁਖਿ ਪਰਮ ਗਤਿ ਪਾਈਐ ॥੨॥

ਨਾਨਕ ਗੁਰਮੁਖ ਪ੍ਰਮ ਕਿਤ ਪਾਈਐ.

ਇ ਨਾਨਕ! ਦ ਕੁਰੂ ਤੇ ਪਨਾ ਲਾਨਦੀ ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਵਿਲੂ ਸਰੇ ਨਜਾਤ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਿਤ੍ਰਿ.

ਛੂਟਤ ਨਹੀਂ ਕੋਟਿ ਲਖ ਬਾਹੀ ॥

ਚੌਹੁਤ ਨਹੀਂ ਕੁਠ ਲਕੇ ਬਾਹੀ.

ਚਿਪਰੀ ਚੀ ਯੋ ਥੁਕ ਦ ਮਲੀਨੁਨੁ ਵਿਲੂ ਦਰਲਦੁ ਸਰੇ ਹਮ ਪ੍ਰਮਖਤਕ ਨਥੀ ਕੁਲੀ

ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਤਹ ਪਾਰਿ ਪਰਾਹੀ ॥

ਨਾਮ ਜੀਪਤ ਤੇ ਪਾਰ ਪ੍ਰਾਬੀ.

ਹਲਟੇ ਜਕ ਕੁਲ ਯੋ ਸ੍ਰੀ ਰਾਗੁਰੀ.

ਅਨਿਕ ਬਿਘਨ ਜਹ ਆਇ ਸੰਘਾਰੈ ॥

ਅਨਿਕ ਪੱਗੇਨ ਜੇ ਆਇ ਸੰਗਾਰੈ.

ਚਿਰਤੇ ਚੀ ਦੁਲ ਦੁਲ ਖਨਿਉਨੇ (ਮਚਿਭਿਉਨੇ) ਰਾਹੀਂ ਅਓ ਅਨਸਾਨ ਤਿਹ ਕੋਇ,

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਤਤਕਾਲ ਉਧਾਰੈ ॥

ਬ੍ਰ ਕਾ ਨਾਮ ਤੱਤਕਾਲ ਅੰਦਰੀ.

ਹਲਟੇ ਦ ਥਿਨੰਨ ਨੁਮ ਸਮਲਾਸੇ ਦ ਹੁਗੇ ਸਾਨੇ ਕੋਇ.

ਅਨਿਕ ਜੋਨਿ ਜਨਮੈ ਮਰਿ ਜਾਮ ॥

ਅਨਿਕ ਜੋਨ ਜੰਮੈ ਮਰ ਜਾਮ.

ਹੁਗੇ ਥੁਕ ਚੀ ਪੇ ਬਿਰੂ ਰਾਹੁਨੁ ਕੀ ਜਿਹੁਨੁ ਕੋਇ ਅਓ ਮੁ ਕਿਤ੍ਰਿ,

ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਪਾਵੈ ਬਿਸ੍ਰਾਮ ॥

ਨਾਮ ਜੀਪਤ ਪਾਵੈ ਬਿਸ੍ਰਾਮ.

ਹੁਗੇ ਦ ਰਬ ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਵਿਲੂ ਸਰੇ ਆਰ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੋਇ.

ਲੁ ਕਬਹੁ ਨ ਪੋਵੈ ॥

ਬਾਉ ਮੀਲਾ ਮਲ ਕਿਹੋ ਨੇ ਦਹੂਵੇ.

ਇਓ ਕਨਾਹਕਾਰ ਮਖੂਕ ਹਿੱਥਕਲੇ ਦਾ ਕਲਾਫਤ ਨੇ ਥੀ ਮਿਨ੍ਹਲ ਕਿਦੀ.

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਕੋਟਿ ਪਾਪ ਖੇਵੈ ॥

ਬ੍ਰ ਕਾ ਨਾਮ ਕੁਠ ਪਾਪ ਕਿਹੂਵੇ.

(ਮੁਕਾਰ) ਦ ਵਾਹ ਕੁਰੂ ਨੁਮ ਪੇ ਮਲੀਨੁਨੁ ਕਨਾਹਨੇ ਲੇ ਮਿਨ੍ਹੇ ਵਰ੍ਹੀ.

ਐਸਾ ਨਾਮੁ ਜਪਹੁ ਮਨ ਰੰਗਿ ॥

ایسਾਨਾਮ ਚੇਹੋ ਮਨ ਰੰਗ.

ਏ ਜਮਾਂ ਜ਼ਰੇ! ਦਕੂਰੂ ਦਾਸੀ ਨੁਮ ਪੇ ਮਿਨੇ ਯਾਦ ਕ੍ਰੋਏ

ਨਾਨਕ ਪਾਈਐ ਸਾਧ ਕੈ ਸੰਗਿ ॥੩॥

ਨਾਨਕ ਪਾਈਐ ਸਾਡੇ ਕੈ ਸਨਗ.

ਅਨਾਨਿਕ! ਦਕੂਰੂ ਨੁਮ ਯਾਤ੍ਰਾ ਦ ਸੱਤਾਨਾ ਪੇ ਮਲਕੁਰਿਆ ਕੀ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਿਹੜੀ.

ਜਿਹ ਮਾਰਗ ਕੇ ਗਨੇ ਜਾਹਿ ਨ ਕੋਸਾ ॥

ਜੇ ਮਾਰਗ ਕੈ ਗੜੇ ਜਾਬੀ ਨੇ ਕੋਸਾ.

ਦਲਾਰੀ (ਦ੍ਰਵਨਦ) ਲੁਣਤ ਨਾਥੀ ਸ਼ਮੀਰਲ ਕਿਦੀ,

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਉਹਾ ਸੰਗਿ ਤੇਸਾ ॥

ਭਰ ਕਾ ਨਾਮ ਆਇਆ ਸਨਗ ਤੋਸਾ.

ਬੀਆ ਬੇ ਦਕੂਰੂ ਨੁਮ ਸਟਾਸੋ ਸਰੇ ਯੋ ਕਿਨ੍ਤੀ ਸਰਮਾਇਵ ਵੀ.

ਜਿਹ ਪੈਡੈ ਮਹਾ ਅੰਧ ਰੁਬਾਰਾ ॥

ਜੇ ਪੈਦਾਈ ਮੇਹਾ ਅਨਦੇਹ ਗੁਬਾਰਾ.

ਲਾਰੇ ਤੁਰੇ ਦੇ

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਸੰਗਿ ਉਜੀਆਰਾ ॥

ਭਰ ਕਾ ਨਾਮ ਸਨਗ ਅਜਿਆਰਾ.

ਦਲਨੇ ਦਕੂਰੂ ਨੁਮ ਬੇ ਲੇ ਤਾ ਸਰੇ ਖੁਗ ਵੀ

ਜਹਾ ਪੰਥਿ ਤੇਰਾ ਕੋ ਨ ਸਿਵਾਨ੍ਤੁ ॥

ਜੇ ਬਾਨ ਪਿਨ੍ਹੇ ਤਿਰਾ ਕੋ ਨੇ ਸੱਗਜਾਨ੍ਹ.

ਪੇ ਕੁਮੇ ਲਾਰੇ ਚੀ ਤੇ ਨੇ ਪੋ ਹਿਡ੍ਰੀ

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਤਹ ਨਾਲਿ ਪਛਾਨ੍ਤੁ ॥

ਭਰ ਕਾ ਨਾਮ ਨਾਲ ਪਚਾਨ੍ਹ.

ਹਲਨੇ ਬੇ ਦਕੂਰੂ ਨੁਮ ਦਰਤੇ ਮੁਲੂਮ ਵੀ.

ਜਹ ਮਹਾ ਭਇਆਨ ਤਪਤਿ ਬਹੁ ਘਾਮ ॥

ਜੇ ਮੇਹਾ ਬਹੇਤਾਨ ਤੈਪਿ ਬੋ ਗ੍ਰਹਾਮ.

ਚਿਡ੍ਰੀ ਚੀ ਸੁਖ ਤੁਦੁਖੇ ਓ ਸ਼ਦਿਦ ਲਮਰ ਵੀ

ਤਹ ਹਰਿ ਕੇ ਨਾਮ ਕੀ ਤੁਮ ਉਪਰਿ ਛਾਮ ॥

ਤੇ ਬੇ ਕੈ ਨਾਮ ਕੀ ਤੇ ਅਵਿਰ ਚੇਹਾਮ.

ਹਲਨੇ ਦਕੂਰੂ ਨੁਮ ਬੇ ਤਾਸੋ ਸਿਹੂਰੀ ਕੌਇ.

ਜਹਾ ਤ੍ਰਿਖਾ ਮਨ ਤੁਝੁ ਆਕਰਖੈ ॥

ਜੇ ਬਾਨ ਤ੍ਰਿਖਾ ਮਨ ਤੁਝੁ ਆਕਰਖੈ.

ای انسان! چرتہ چی (د شتمنی) حرص تا رابستکته کوی،

ਤਹ ਨਾਨਕ ਹਰਿ ਹਰਿ ਅੰਮ੍ਰਿਤੁ ਬਰਖੈ ॥੪॥

نانک پائیئے سادھੇ ਕੇ ਸਨਗ۔

هلنہ ای نانک! دا د هری پرمیشور په نوم امرت باران کوی.

ਭਗਤ ਜਨਾ ਕੀ ਬਰਤਨਿ ਨਾਮੁ ॥

ਤੇ ਨਾਨਕ ਬੇ ਬੇ ਅਮਰਤ ਬ੍ਰਕਮੇ۔

د واه گورو نوم د پਿਰਾਨੋ ਲਪਾਰੇ ਦ ਉਮਲ ਵਰ ਨੁਕੀ ਦੀ.

ਸੰਤ ਜਨਾ ਕੈ ਮਨਿ ਬਿਸ਼੍ਵਾਸੁ ॥

ਬੇਹਗਤ ਜਨਾ ਕੀ ਬ੍ਰਤਨ ਨਾਮ۔

د واه گورو نوم د سਨਤਾਨੁ ਜ੍ਰਿਵਨੁ ਤੇ ਖੋਬਿ ਓ ਅਤ੍ਮਿਨਾਨ ਰਾਓਰੀ.

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਦਾਸ ਕੀ ਓਟ ॥

ਸੰਤ ਜਨਾ ਕੇ ਮਨ ਬ੍ਰਾਮ।

د واه گورو نوم د ਹੁਗੇ ਦ ਉਬਾਦਤ ਕੁਨਕੀ ਮਲਾਤਰ ਦੀ.

ਹਰਿ ਕੈ ਨਾਮਿ ਉਧਰੇ ਜਨ ਕੋਟ ॥

ਬੇ ਕਾ ਨਾਮ ਦਾਸ ਕੀ ਓਥ۔

ਪੇ ਮਲ੍ਯਾਨੁਨੁ ਏਸਾਨਾਨੁ ਦ ਵਾਹ گورو ਲੇ ਨੁਮ ਖੁਖੇ ਕੱਠੇ ਪੂਰਤੇ ਕ੍ਰਿ.

ਹਰਿ ਜਸੁ ਕਰਤ ਸੰਤ ਦਿਨੁ ਰਾਤਿ ॥

ਬੇ ਕੇ ਨਾਮ ਅੰਦਰੇ ਜੇ ਕੁਠ۔

ਸੰਤਾਨ ਸ਼ੇਹੇ ਓ ਵਰੁੱਖ ਦ ਹਰੀ ਸਨਾਈ ਕੋਇ.

ਹਰਿ ਹਰਿ ਅਉਖਧੁ ਸਾਧ ਕਮਾਤਿ ॥

ਬੇ ਜੇ ਕ੃ਤ ਸੰਤ ਦਿਨ ਰਾਤ।

ਸੰਤਾਨ ਦ ਹਰੀ ਪਾਰਮਿਖੁ ਨੁਮ ਦ ਖੀਚ ਦਰਮਲ ਪੇ ਤੁਕੇ ਕਾਰੀ.

ਹਰਿ ਜਨ ਕੈ ਹਰਿ ਨਾਮੁ ਨਿਧਾਨੁ ॥

ਬੇ ਬੇ ਅਕੇਹੜ ਸਾਦੇ ਕਮਾਤ।

ਦ ਵਾਹ گورو ਨੁਮ ਦ ਵਾਹ گورو ਦ ਦਿੰਤਗਾਰ ਖੜਾਨੇ ਦੇ.

ਪਾਰਬ੍ਰਹਮਿ ਜਨ ਕੀਨੋ ਦਾਨ ॥

ਬੇ ਜੇ ਕੇ ਬੇ ਨਾਮ ਨਿਹਾਨ।

ਵਾਹ گورو ਹੁਗੇ ਤੇ ਦਾ ਮਰਸਤੇ ਵਰਕ੍ਰਿ ਦੇ.

ਮਨ ਤਨ ਰੰਗਿ ਰਤੇ ਰੰਗ ਏਕੈ ॥

ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ਜੇ ਕਿਨੋ ਦਾਨ।

ਦ ਹੁਗੇ ਜੀਰੇ ਓ ਬਦਨ ਦ ਗੁਰੂ ਪੇ ਮਿਨੇ ਕੀ ਦੁਬ ਦੇ.

ਨਾਨਕ ਜਨ ਕੈ ਬਿਰਤਿ ਬਿਬੇਕੈ ॥੫॥

من ਤਨ ਰਨਗ ਰਟੇ ਰਨਗ ਏਕੈ.

ਇ ਨਾਨਕ! ਦਿ ਗਲਮਾਨੁ ਫੁਰਤ ਉਮ ਦਿ.

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਜਨ ਕਉ ਮੁਕਤਿ ਜੁਗਤਿ ॥

ਨਾਨਕ ਜਨ ਕੈ ਬਰਤ ਬੀਕੈ.

ਯਾਵਾਂ ਦ ਖੰਬਣਨ ਨੁਮ ਦ ਬਨਦੇ ਦ ਨਜਾਤ ਲਾਮ ਦਿ.

ਹਰਿ ਕੈ ਨਾਮਿ ਜਨ ਕਉ ਤ੍ਰਿਪਤਿ ਭੁਗਤਿ ॥

ਭਰ ਕਾ ਨਾਮ ਜਨ ਕੋ ਮੁਕਤ ਜੁਗਤ.

ਦ ਖੰਬਣਨ ਦ ਬਨਦੇ ਖਾਵਾਰੇ ਹੁਗੇ ਨੁਮ ਦਿ ਚੀ ਹੁਗੇ ਰਾਸਿ ਕਾਵੀ.

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਜਨ ਕਾ ਰੂਪ ਰੰਗੁ ॥

ਭਰ ਕੇ ਨਾਮ ਜਨ ਕੋ ਤਰੀਪਿਤ ਬੋਹੁੰਗ.

ਦ ਖੰਬਣਨ ਨੁਮ ਦ ਹੁਗੇ ਦ ਬਨਦੇ ਬੱਕਲਾ ਅਥਾਵਾ ਖੋਵਨੀ ਦਿ.

ਹਰਿ ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਕਬ ਪਰੈ ਨ ਭੰਗੁ ॥

ਭਰ ਕਾ ਨਾਮ ਜਨ ਕਾ ਰੂਪ ਰੋਪ ਰਨਗ.

ਦ ਖਾਦੀ ਨੁਮ ਯਾਦੁਲ ਹਿਖਕਲੇ ਯੋ ਕਸ ਤੇ ਹਿਖ ਤਕਲਿਫ ਨੇ ਰਸਾਵੀ.

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਜਨ ਕੀ ਵਡਿਆਈ ॥

ਭਰ ਨਾਮ ਜਿਪਤ ਕਿ ਪੜਾਈ ਨੇ ਬੋਹਨਗ.

ਦ ਖਾਦੀ ਨੁਮ ਦ ਹੁਗੇ ਬਨਦੇ ਲੋਹਾਰੇ ਉਤ ਅਥਾਵਾ ਜਲਾਵੀ.

ਹਰਿ ਕੈ ਨਾਮਿ ਜਨ ਸੋਭਾ ਪਾਈ ॥

ਭਰ ਕਾ ਨਾਮ ਜਨ ਕੀ ਓਧਿਆਈ.

ਦ ਖੰਬਣਨ ਪੇ ਨੁਮ ਦ ਹੁਗੇ ਬਨਦੇ ਪੇ ਨਾਰੀ ਕੀ ਉਤ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਾਵੀ.

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਜਨ ਕਉ ਭੇਗ ਜੋਗ ॥

ਭਰ ਕੇ ਨਾਮ ਜਨ ਚੋਬੇ ਪਾਈ.

ਦ ਖੰਬਣਨ ਨੁਮ ਦ ਬਨਦੇ ਗਾਨੁ ਲੋਹਾਰੇ ਦ ਮਰਸ਼ਟੀ ਅਥਾਵਾ ਦ ਕੁਰਨੀ ਦ ਦੁਓਡੀ ਅਥਾਵਾ ਰੂਜ਼ੀ ਵਸੀਲੇ ਦਿ.

ਹਰਿ ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਕਛ ਨਾਹਿ ਬਿਓਗੁ ॥

ਭਰ ਕਾ ਨਾਮ ਜਨ ਕੋ ਬੋਹੁੰਗ ਜੋਗ.

ਦ ਖੰਬਣਨ ਨੁਮ ਯਾਦੁਲ ਹੁਗੇ ਤੇ ਹਿਖ ਗਮ ਅਥਾਵਾ ਤਕਲਿਫ ਨੇ ਰਸਾਵੀ.

ਜਨੁ ਰਾਤਾ ਹਰਿ ਨਾਮ ਕੀ ਸੇਵਾ ॥

ਭਰ ਨਾਮ ਜਿਪਤ ਕਿ ਚੋਹੇ ਨਹੀਂ ਬ੍ਰਿਓਗ.

ਦ ਖਾਦੀ ਬਨਦੇ ਦ ਹੁਗੇ ਨੁਮ ਪੇ ਸੇਵਾ ਕੀ ਬੁਖਤ ਦਿ.

ਨਾਨਕ ਪੁਜੈ ਹਰਿ ਹਰਿ ਦੇਵਾ ॥੬॥

ਜਨ ਰਾਤਾ ਭਰ ਨਾਮ ਕੀ ਸ੍ਰਿਵਾ.

ਇ ਨਾਨਕ! (ਖੇਡਕਾਰ ਤੌਲ) ਦ ਖੰਬਣਨ ਅਥਾਵਾ ਗੁਰੂ ਪ੍ਰਮਿਸ਼ੂਰ ਉਬਾਦਤ ਕਾਵੀ.

ਹਰਿ ਹਰਿ ਜਨ ਕੈ ਮਾਲੁ ਖਜੀਨਾ ॥

ਨਾਨਕ ਪ੍ਰਗੇ ਬ੍ਰ ਬ੍ਰ ਦਿਆ।

ਦ ਹਰਿ ਪਾਰਮਿਸ਼ੂਰ ਨੁਮ ਦ ਉਚਿਤਮੰਦ ਲਪਾਰੇ ਦ ਸ਼ਤਮਨੀ ਖਾਨੇ ਦੇ।

ਹਰਿ ਧਨੁ ਜਨ ਕਉ ਆਪਿ ਪ੍ਰਭਿ ਦੀਨਾ ॥

ਬ੍ਰ ਬ੍ਰ ਜਨ ਕੇ ਮਾਲ ਕਹੀਨਾ।

ਦ ਹਰਿ ਪੇ ਨੁਮ ਸ਼ਤਮਨੀ ਖੱਬਣ ਪੱਥੇ ਖੱਬੇ ਬੰਦੇ ਤੇ ਵਰਕ੍ਰਿ ਦੇ।

ਹਰਿ ਹਰਿ ਜਨ ਕੈ ਓਟ ਸਤਾਣੀ ॥

ਬ੍ਰ ਦੇਹ ਜਨ ਕੋ ਆਪ ਪ੍ਰਭੇ ਦਿਨਾ।

ਦ ਹਰਿ ਪਰਮਿਸ਼ੂਰ ਨੁਮ ਦ ਹੁਗੇ ਦ ਉਚਿਤ ਕੌਝ ਸੁਚੀਨੇ ਦੇ।

ਰਿ ਪ੍ਰਤਾਪਿ ਜਨ ਅਵਰ ਨ ਜਾਣੀ ॥

ਬ੍ਰ ਬ੍ਰ ਜਨ ਕੇ ਓਠ ਸਤਾਨੀ।

ਦ ਹਰਿ ਹੁਕ ਪ੍ਰਤੇ, ਬੰਦੇ ਬੱਖ ਨੇ ਪੰਤਾਨੀ।

ਓਤਿ ਪੋਤਿ ਜਨ ਹਰਿ ਰਸਿ ਰਾਤੇ ॥

ਬ੍ਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਜਨ ਅਵਰ ਨ ਜਾਨੀ।

ਦ ਤੁਕਰ ਪੇ ਥਿਰ, ਦ ਖੱਬਣ ਬੰਦੇ ਦ ਹਰਿ ਪੇ ਯਾਦ ਕੀ ਬੁਖਤ ਵੀ।

ਸੁੰਨ ਸਮਾਪਿ ਨਾਮ ਰਸ ਮਾਤੇ ॥

ਓਠ ਪੋਠ ਜਨ ਬ੍ਰ ਰਸ ਰਾਤੇ।

ਪੇ ਯਾਤਰੂਬ ਸਮਾਡੀ ਕੀ ਬੱਖ ਸ਼ਾਵੀ, ਹੁਗੇ ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਖੁਰਾਵ ਕੀ ਮਸਤ ਪਾਤੀ ਕਿਹੀ।

ਆਠ ਪਹਰ ਜਨੁ ਹਰਿ ਹਰਿ ਜਪੈ ॥

ਸਨ ਸਮਾਡੇ ਨਾਮ ਰਸ ਮਾਤੇ।

ਉਦਾਤ ਕੁਵਨਕੀ ਦ ਵਰਖੀ ਅਤੇ ਸਾਉਤੇ ਦ ਹਰਿ ਪਰਮਿਸ਼ੂਰ ਨੁਮ ਯਾਦੀ।

ਹਰਿ ਕਾ ਭਗਤੁ ਪ੍ਰਗਾਟ ਨਹੀਂ ਛਪੈ ॥

ਅਤੇ ਪ੍ਰਗੇ ਜਨ ਬ੍ਰ ਜਪੀ।

ਦ ਹਰਿ ਉਦਾਤ ਪੇ ਨੜੀ ਕੀ ਮਹੂਰ ਕਿਹੀ, ਪੱਤ ਨੇ ਦੀ।

ਹਰਿ ਕੀ ਭਗਤਿ ਮੁਕਤਿ ਬਹੁ ਕਰੇ ॥

ਬ੍ਰ ਕਾ ਬੇਹਗੇ ਪ੍ਰਗੇ ਨੇਹਿਂ ਚੇਪਾਈ।

ਦ ਖੱਬਣ ਉਦਾਤ ਦਿਰੀ ਖਲਕੂ ਤੇ ਨਜਾਤ ਵਰਕ੍ਰਿ।

ਨਾਨਕ ਜਨ ਸੰਗਿ ਕੇਤੇ ਤਰੇ ॥੧॥

ਬ੍ਰ ਕੀ ਬੇਹਗੇ ਮੁਕ ਬ੍ਰ ਕੇ।

ਇ ਨਾਨਕ! ਥੁਮਰੇ ਖਲ੍ਕ ਦ ਮੁਬਦਾਨ੍ਵ ਪੇ ਮਲਗਰਿਆ ਕੀ ਦ ਕਾਨਨਾਤ ਲੇ ਬਹੁ ਥੁਖੇ ਤਿਰਿਰੀ?

ਪਾਰਜਾਤੁ ਇਹੁ ਹਰਿ ਕੇ ਨਾਮ ॥

ਨਾਨਕ ਜਨ ਸਨ੍ਗ ਕਿਤੇ ਤਰੇ।

ਦ ਹਰਿ ਨੁਮ ਦ ਨਜਾਤ ਵਨੇ ਦੇ।

کامېنہن هری هری گوں گام ॥
 پارجات اه ہر کو نام۔
 د هری پرمیشور نوم ستائیں د تولو مصیبتوںو علاج دی۔

سਭ ਤੇ ਉਤਮ ਹਰਿ ਕੀ ਕਥਾ ॥
 کامਦੀਨ ਬ੍ਰਗੁ ਕਾਮ۔
 د ਹਰਿ ਨਾਨਕ ਗੁਰੂ ਦੀ।

ਨਾਮ ਸੁਨਤ ਦਰਦ ਦੁਖ ਲਥਾ ॥
 سب ਤੇ ਅਤਮ ਬ੍ਰਗੁ ਕਥਾ۔
 د ਖਾਵਿ ਨੋਮ ਪੇ ਓਰਿਡੁ ਸਰੇ ਦਰਦਨੇ ਲੇ ਮਨੁੰ ਹੈ।

ਨਾਮ ਕੀ ਮਹਿਮਾ ਸੰਤ ਰਿਦ ਵਸੈ ॥
 ਨਾਮ ਸੁਣ ਦਰਦ ਦਕਾਲਥਾ۔
 د ਨੋਮ ਉਸਤ ਦ ਓਲਿਾਵੁ ਪੇ ਜ੍ਰੇ ਕੀ ਦੀ।

ਸੰਤ ਪ੍ਰਤਾਪ ਦੁਰਤ ਸਭੁ ਨਸੈ ॥
 ਨਾਮ ਕੀ ਮੇਮਾ ਸੁਣ ਰਦ ਵਸੈ۔
 د ਓਲਿਾਵੁ ਦ ਹਾਕ ਪੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੁਲੁ ਸਰੇ, ਤੁਲ ਗਨਾਹਨੇ ਲੇ ਮਨੁੰ ਹੈ।

ਸੰਤ ਕਾ ਸੰਗੁ ਵਡਭਾਰੀ ਪਾਈਐ ॥
 ਸੁਣ ਪ੍ਰਤਾਪ ਦੁਰਤ ਸ਼ਬੇ ਨਸੈ۔
 د ਓਲਿਾਵੁ ਮਲਗਰਿਆ ਯਾਵਾਂ ਦ ਫਸਤ ਪੇ ਵਾਸਤੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਿਧੀ।

ਸੰਤ ਕੀ ਸੇਵਾ ਨਾਮੁ ਧਿਆਈਐ ॥
 ਸੁਣ ਕਾ ਸੱਗ ਵਿਧਾਗੀ ਪਾਈ۔
 ਨੋਮ ਦ ਓਲਿਾਵੁ ਪੇ ਖੁਦ ਕੀ ਯਾਦ ਸ਼ਵੀ

ਨਾਮ ਤੁਲਿ ਕਛੁ ਅਵਰੁ ਨ ਹੋਇ ॥
 ਸੁਣ ਕੀ ਸਿਵਾ ਨਾਮ ਦੇਹਾਈ۔
 ਦ ਵਾਹ ਕੁਰੂ ਨੋਮ ਸਰੇ ਬ੍ਰਾਬਰ ਨਾਨਕ।

ਨਾਨਕ ਗੁਰਮੁਖਿ ਨਾਮੁ ਪਾਵੈ ਜਨੁ ਕੋਇ ॥੮॥੨॥
 ਨਾਮ ਤੂਲ ਕੱਚੇ ਓਰ ਨੇ ਬੋਈ۔
 ਏ ਨਾਨਕ! ਯਾਵਾਂ ਯੋ ਨਾਦਰ ਮਲਗਰੀ ਨੋਮ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਾਵੀ।

ਸਲੋਕ ॥
 ਸਲੋਕ
 ਸ਼ਲੋਕ

ਬਹੁ ਸਾਸਤ੍ਰ ਬਹੁ ਸਿਮ੍ਰਿਤੀ ਪੇਖੇ ਸਰਬ ਢਢੋਲਿ ॥
 ਬੇਤ ਸਾਸਤੇ ਬੇਤ ਸਮਰਤੀ ਦਿਕਹੇ ਸਰ੍ਬ ਦੇਹੜੁ।
 ਦਿਵਾਂ ਸਹਿਫੀ ਅਵਿਧੀ ਯਾਦਿਨਿਤੀ ਯੀ ਲਿਲੀ ਅਵ ਤੁਲ ਯੀ (ਬੇਤ) ਪਿਲੀ ਦੀ।

ਪੁਜਸਿ ਨਾਹੀ ਹਰਿ ਹਰੇ ਨਾਨਕ ਨਾਮ ਅਮੇਲ ॥੧॥

ਪ੍ਰਯਾਨੀਂ ਬ੍ਰਹਮੈ ਨਾਨਕ ਨਾਮ ਅਮੋਲ-

(ਮਗਰ) ਦਾ ਵਾਹਿਨੇ ਨਥੀ ਕਿਉਂ ਨੁਮਾ ਸਰੇ ਬਰਾਬਰ ਥਿਆ। ਇ ਨਾਨਕ! ਦ ਹਰਿ ਪ੍ਰਮਿਥੂਰ ਨੁਮ ਬੀ ਅਰਜ਼ਿਤੇ ਦੀ।

ਅਸਟਪਦੀ ॥

ਅਸਟਪਦੀ

ਅਸਟਪਦੀ

ਜਾਪ ਤਾਪ ਰਿਆਨ ਸਭਿ ਧਿਆਨ ॥

ਜਾਪ ਤਾਪ ਕੀਨ ਸਿਖੇ ਦੇਹਿਆਂ-

ਨਕਰ ਮਿਹਾਦੇ, ਤੁਲ ਸਿਖੇ ਅਤੇ ਮਾਫ਼ੇ,

ਖਟ ਸਾਸਤ੍ਰੂ ਸਿਮ੍ਰਿਤਿ ਵਖਿਆਨ ॥

ਕਹੇ ਸਾਸਤ੍ਰ ਸੁਰਤ ਕਹੀਆਂ-

ਸਿਪ੍ਰਮ: ਦ ਸਚਿਖੇ ਅਤੇ ਯਾਦਿਨੇ ਦ ਕਾਨੂੰਨੇ ਤੇ ਵਿਖੇ,

ਜੇਗ ਅਭਿਆਸ ਕਰਮ ਧੂਮ ਕਿਰਿਆ ॥

ਜੋਗ ਅਭਿਆਸ ਕਰਮ ਦੇਰਮ ਕਰਿਆ।

ਦ ਯੋਗ ਵਿਧੀ ਅਤੇ ਮਾਸਾਂ ਤੇ ਸੁਰੱਸਾਂ ਕੇ ਕੁਝ,

ਸਗਲ ਤਿਆਗ ਬਨ ਮਧੇ ਫਿਰਿਆ ॥

ਸਗਲ ਤਿਆਗ ਬਨ ਮਧੇ ਫਰਿਆ।

ਹਰ ਖੇ ਪ੍ਰਿਵਦੇ ਅਤੇ ਖੜਕ ਕੀ ਗੜ੍ਹਦੇ,

ਅਨਿਕ ਪ੍ਰਕਾਰ ਕੀਏ ਬਹੁ ਜਤਨਾ ॥

ਅਨਿਕ ਪ੍ਰਕਾਰ ਕੀਏ ਬਹੁ ਜਤਨਾ।

ਦਿਵਾਂ ਦੇ ਲੋਨੇ ਹੱਥੇ ਓਕੇ,

ਪੁੰਨ ਦਾਨ ਹੇਮੈ ਬਹੁ ਰਤਨਾ ॥

ਪੁੰਨ ਦਾਨ ਹੇਮੈ ਬਹੁ ਰਤਨਾ।

ਚੰਦੇ, ਖਿਰਾਂ, ਕੁਰਨੀ ਉਬਦਤ ਅਤੇ ਰਿਹਾਂ ਦੇ ਮਚਰਿਅਤ,

ਸਰੀਰੁ ਕਟਾਇ ਹੇਮੈ ਕਰਿ ਰਾਤੀ ॥

ਸਰੀਰ ਕਟਾਇ ਬੋਮੈ ਕਰ ਰਾਤੀ।

ਦ ਬੰਨ ਤੋਤੀ ਤੋਤੀ ਕੁਝ ਅਤੇ ਓਰ ਕੀ ਸੋਖੂਲ,

ਵਰਤ ਨੇਮ ਕਰੈ ਬਹੁ ਭਾਤੀ ॥

ਵਰਤ ਨੇਮ ਕਰੈ ਬਹੁ ਭਾਤੀ।

ਦ ਰੋਝੀ ਦ ਮੁਖਾਂ ਦੇ ਲੋਨੇ ਅਤੇ ਅਕਾਲ ਮਾਰੂਤ ਕੁਝ

ਨਹੀ ਤੁਲਿ ਰਾਮ ਨਾਮ ਬੀਚਾਰ ॥

ਨਹੀ ਤੁਲਿ ਰਾਮ ਨਾਮ ਬੀਚਾਰ।

ਮਗਰ ਦਾ ਤੁਲ ਦ ਰਾਮ ਦ ਨੁਮ ਉਬਦਤ ਕੁਲੋ ਸਰੇ ਬਰਾਬਰ ਨਹੀਂ।

نਾਨਕ ਗੁਰਮੁਖਿ ਨਾਮੁ ਜਪੀਐ ਇਕ ਬਾਰ ॥੧॥

نਾਨਕ گੁਰਮੁਖਿ ਨਾਮ ਜਪੀਐ ਏਕ ਬਾਰ.

ای نانک! (ਮੈ) ਦਾ ਨੁਮ ਯਾਵਾਂ ਯੋ ਖੁਲ ਦਗ੍ਰੋ ਪੇ ਪਨਾਂ ਕੀ ਲਉਸਟਲ ਕਿਦੀ ਥਿ.

ਨਉ ਖੰਡ ਪ੍ਰਿਥਮੀ ਫਿਰੈ ਚਿਰੁ ਜੀਵੈ ॥

ਨਾਉ ਕਹੌਣ੍ਹ ਪ੍ਰਤਹਮੀ ਫਰੈ ਚਿਰ ਜੀਵੈ.

ਹਤੀ ਕੇ ਯੋ ਖੁਕ ਦ ਹੁਕਮੀ ਨਹੋ ਬਰਖੋ ਤੇ ਸਫਰ ਵਕਰੀ, ਦ ਓਬ੍ਰਦੀ ਮੁਦੀ ਲ੍ਪਾਰੇ ੜਾਵਨਦ ਕੋਇ (ਓਬ੍ਰਦ ੜਾਵਨਦ)

ਮਹਾ ਉਦਾਸੁ ਤਪੀਸਰੁ ਥੀਵੈ ॥

ਮਹਾ ਆਦਾਸ ਤ੍ਪੀਸਰ ਤ੍ਹੀਵੈ.

ਹੁਗੇ ਬਿਰ ਮੁਤਮੀਨ ਅਤ ਮਤਾਪੁਸ਼ ਕਿਰੀ

ਅਗਾਨਿ ਮਾਹਿ ਹੋਮਤ ਪਰਾਨ ॥

ਅਗਨ ਮਾਹੀ ਬੁਮਤ ਪਾਰਾਨ.

ਖੀਲ ਬਦਨ ਪੇ ਅਤ ਕੀ ਪ੍ਰਿਵੀਦਾ

ਕਨਿਕ ਅਸੂ ਹੈਵਰ ਭੂਮਿ ਦਾਨ ॥

ਕਨਕ ਅਸੂ ਬ੍ਬਾਰ ਬ੍ਬੋਮ ਦਾਨ

ਹੁਗੇ ਬਾਇਦ ਸਰੇ ਜ਼ਰ, ਆਸੋਨੇ ਅਤ ਹੁਕਮੀ ਪੇ ਖਿਰਾਤ ਕੀ ਵਰਕਰੀ.

ਨਿਉਲੀ ਕਰਮ ਕਰੈ ਬਹੁ ਆਸਨ ॥

ਨਿਲੀ ਕਰਮ ਕਰੈ ਬੇਤ ਆਸਨ.

ਹੁਗੇ ਬਾਇਦ ਦ ਕੁਲਮੁ ਹਰਕਤਨੇ (ਦ ਯੋਗਾ ਪੇ ਸ਼ਕਲ ਕੀ ਨਾਸਤ ਵਿ) ਅਤ ਬਿਰੀ ਯੋਗਾ ਪ੍ਰਿਸ਼ਨੇ ਵਕਰੀ,

ਜੈਨ ਮਾਰਗ ਸੰਜਮ ਅਤਿ ਸਾਧਨ ॥

ਜੈਨ ਮਾਰਗ ਸੱਜਮ ਅਤ ਸਾਦਹਨ.

ਦੋਵ ਬਾਇਦ ਦ ਜੰਤਿਆਨੁ ਲਾਰੇ ਤ੍ਹੀਵੀ ਕਰੀ ਅਤ ਸਖਤ ਕਾਰਵਨੇ ਅਤ ਮਾਰਜ਼ ਵਕਰੀ.

ਨਿਮਖ ਨਿਮਖ ਕਰਿ ਸਰੀਰੁ ਕਟਾਵੈ ॥

ਨਿਮਖ ਨਿਮਖ ਕਰਿ ਸਰੀਰ ਕਥਾਵੈ.

ਅਜਾਹੇ ਰਾਕਰੀ ਚੀ ਖੀਲ ਬਦਨ ਪੇ ਕੁਚਨੀਓ ਤ੍ਹੀਤੀਓ ਵੀਥਿਓ,

ਤਉ ਭੀ ਰਉਮੈ ਮੈਲੁ ਨ ਜਾਵੈ ॥

ਤਾਉ ਭੀ ਬੋਮੀ ਮੈਲ ਨ ਜਾਵੈ

ਹਤੀ ਦ ਹੁਗੇ ਗੁਰੂ ਪਾਇ ਤੇ ਨਹ ਰਸੀਰੀ.

ਹਰਿ ਕੇ ਨਾਮ ਸਮਸਰਿ ਕਛੁ ਨ ਨਾਹਿ ॥

ਹਰਿ ਕੇ ਨਾਮ ਸਮਸਰਿ ਕਚੁ ਨ ਨਾਹਿ.

ਦ ਖਦਾਵ ਦ ਨੁਮ ਸਰੇ ਬ੍ਬਾਬਰ ਹੀਥ ਥਾਂ ਨਿਵਾਹੀ

ਨਾਨਕ ਗੁਰਮੁਖਿ ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਗਤਿ ਪਾਹਿ ॥੨॥

ਨਾਨਕ گੁਰਮੁਖਿ ਨਾਮ ਜਪਿਤ ਗਤ ਪਾਹਿ.

ਹਤੀ ਨਾਨਕ! ਦ ਗੁਰੂ ਲੇ ਲਾਰੀ ਦ ਖਦਾਵ ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਵਿਲੋ ਸਰੇ, ਯੋ ਖੁਕ ਬ੍ਬਾਇ ਤ੍ਰਿਲਾਸੇ ਕੋਇ.

ਮਨ ਕਾਮਨਾ ਤੀਰਖ ਦੇਹ ਛੁਟੈ ॥

من کامਨਾ ਤਿਰਥ ਦਿਏ ਚੇਠਾਈ.

ਹੀਨੀ ਖਲਕ ਗੁਵਾਰੀ ਜੀ ਪੇ ਜਿਅਰਤ ਕੀ ਖੀਲ ਰਾਵਨ ਕ੍ਰਬਾਨੀ ਕ੍ਰਿ.

ਗਰਬੁ ਗੁਮਾਨੁ ਨ ਮਨ ਤੇ ਹੁਟੈ ॥

ਗਰਬੁ ਗੁਮਾਨੁ ਨ ਮਨ ਤੇ ਬੱਠਾਈ.

ਖੋ (ਲਾ ਹਮ) ਦ ਅਸਾਨ ਗੁਰੂ ਲੇ ਉਫਲ ਨੇ ਲੰਡੀ ਨੇ ਦੀ.

ਸੋਚ ਕਰੈ ਦਿਨਸੁ ਅਰੁ ਰਾਤਿ ॥

ਸੋਚ ਕਰੈ ਦਿਨ ਅਰੁ ਰਾਤ.

ਹਤੀ ਕੇ ਸ੍ਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਅਵੇਂ ਪਾਕ ਵੀ.

ਮਨ ਕੀ ਮੈਲੁ ਨ ਤਨ ਤੇ ਜਾਤਿ ॥

ਮਨ ਕੀ ਮੈਲੁ ਨ ਤਨ ਤੇ ਜਾਤ.

ਮੁੜ ਦ ਰੂਹ ਨਜਾਸਤ ਲੇ ਬਦਨ ਖੜਨ ਹੀ.

ਇਸੁ ਦੇਹੀ ਕਉ ਬਹੁ ਸਾਧਨਾ ਕਰੈ ॥

ਇਸੁ ਦੇਹੀ ਕਉ ਬਹੁ ਸਾਧਨਾ ਕਰੈ.

ਅਧਿਆਤ੍ਮ ਯੋਗ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਕ੍ਰਿ.

ਮਨ ਤੇ ਕਬਹੂ ਨ ਬਿਖਿਆ ਟਰੈ ॥

ਮਨ ਤੇ ਕਬਹੂ ਨ ਬਿਖਿਆ ਟਰੈ.

ਬਿਆਹ ਦ ਸ਼ਵਤ੍ਰੀ ਨਾਵਰੀ ਦ ਹਫ਼ੇ ਰੂਹ ਨੇ ਪ੍ਰਿਵਾਦੀ.

ਜਲਿ ਧੋਵੈ ਬਹੁ ਦੇਹ ਅਨੀਤਿ ॥

ਜਲ ਧੋਵੈ ਬਹੁ ਦੇਹ ਅਨੀਤ.

ਹਤੀ ਕੇ ਯੋ ਸ੍ਰੀ ਦਾ ਮ੍ਰਿਦੁ ਬਦਨ ਖੜ ਲੇ ਪੇ ਅਭਿ ਪਾਕ ਕ੍ਰਿ.

ਸੁਧ ਕਹਾ ਹੋਇ ਕਾਚੀ ਭੀਤਿ ॥

ਸੁਧ ਕਹਾ ਹੋਇ ਕਾਚੀ ਭੀਤ.

ਨੂ ਹਤੀ (ਦਾ ਦ ਬਦਨ ਪੇ ਖਿਰ) ਖਾਮ ਦਿਓਾਲ ਪੇ ਕੁਮ ਖਾਇ ਕੀ ਪਾਕ ਕਿਦੀ ਥੀ?

ਮਨ ਹਰਿ ਕੇ ਨਾਮ ਕੀ ਮਹਿਮਾ ਉਚ ॥

ਮਨ ਹਰਿ ਕੇ ਨਾਮ ਕੀ ਮਹਿਮਾ ਉਚ.

ਅਵਿਗਿਤ ਦ ਹਰਿ ਨੂਮ ਉਸਤ ਖੁਰਾ ਲੁਰ ਦੀ.

ਨਾਨਕ ਨਾਮਿ ਉਧਰੇ ਪਤਿਤ ਬਹੁ ਮੂਚ ॥੩॥

ਨਾਨਕ ਨਾਮ ਅਧੇਰੇ ਪਤਿਤ ਬਹੁ ਮੂਚ.

ਅਵਿਗਿਤ! ਦੇਵ ਕਾਨਾਹਕਾਰਾਨ ਦ (ਰਬ) ਪੇ ਨੂਮ ਰਾਗੁਰਲ ਸ਼ਾਵੀ ਦੀ.

ਬਹੁਤੁ ਸਿਆਣਪ ਜਮ ਕਾ ਭਉ ਬਿਆਪੈ ॥

ਬਹੁਤੁ ਸਿਆਣਪ ਜਮ ਕਾ ਭਉ ਬਿਆਪ.

ਦੇਵਿਤੀ ਹੋਬਿਤੀ ਲੇ ਅਮੇਦ ਮੁਕ ਵਿਰੇ ਅਸਾਨ ਤੇ ਰਾਬਿਕਤੇ ਕ੍ਰਿ.

ਅਨਿਕ ਜਤਨ ਕਰਿ ਤਿਸੁਨ ਨਾ ਧੂਪੈ ॥

انک جتن کرتارسن نادھر اپے۔

ہر ڈومਰہ کوبਿਨਵ ਕੜੀ، ਹਰਚ ਲੇ ਮਨੋਹ ਨੇ ਹੈ।

ਭੇਖ ਅਨੇਕ ਅਗਨਿ ਨਹੀ ਬੁਝੈ ॥

ਬਹਿਕ ਅਨਿਕ ਅਗਨੀ ਨੈਂ ਬਜਹਾਏ۔

ਦਿਰੀ ਮਢਹੀ ਲਬਸ਼ਨੇ (ਦ ਹਰਚ) ਅਤੇ ਨੇ ਮਰ੍ਹੀ।

ਕੋਟਿ ਉਪਾਵ ਦਰਗਾਹ ਨਹੀ ਸਿੜੈ ॥

ਕੁਠ ਆਪੋਦਾਰਗੇ ਨੈਂ ਸਜਹਾਏ۔

ਹਤੀ ਦ (ਦਾ ਪੁਲ) ਮਲ੍ਹਿਨੁਨੋ ਸਕਿਮੁਨੋ ਸਰੇ ਹਮ ਯੋ ਸ੍ਰੇਵੀ ਦ ਰੱਬ ਪੇ ਦਰਬਾਰ ਕੀ ਨਥੀ ਢਗੁਰਲੀ।

ਛੁਟਸਿ ਨਾਹੀ ਉਭ ਪਇਆਲਿ ॥

ਚੋਹੁਤਸ ਨਾਹੀਂ ਅਵੇਂ ਪੰਤਾਲ।

ਕਹ ਦੋਵੀ ਜੱਨ ਯਾ ਦੋਵੁਖ ਤੇ ਲਾਰ ਥੀ, ਦੋਵੀ ਨੇ ਢਗੁਰਲ ਕਿਓਵੀ।

ਮੌਹਿ ਬਿਆਪਹਿ ਮਾਇਆ ਜਾਲਿ ॥

ਮੌਹਿ ਬਿਆਪ ਮਾਨੀ ਜਾਲ।

ਹਗੇ ਖਲਕ ਚੀ ਦ ਹਰਚ ਲੇ ਅਮਲੇ ਦ ਮਲ ਪੇ ਜਾਲ ਕੀ ਰਾਕਿਰ ਦੀ।

ਅਵਰ ਕਰਤੁਤਿ ਸਗਲੀ ਜਮੁ ਢਾਨੈ ॥

ਔਰ ਕਰਤੂਤ ਸਕਲੀ ਜਮ ਦਾਨੇ।

ਧੁਮਾਗ ਅਨੁਸਾਰ ਦ ਨਹੂ ਦ ਨਹੂ ਤੁਲੁ ਅਤੁਲੁ ਸਾ ਵਰਕੀ

ਗੋਵਿੰਦ ਭਜਨ ਬਿਨੁ ਤਿਲੁ ਨਹੀ ਮਾਨੈ ॥

ਗੁਣ ਬੇਹਨ ਬੱਨੀ ਨੈਂ ਮਾਨੇ।

(ਮੁਹੱਗ) ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਦ ਉਬਾਦਤ ਪ੍ਰਤੇ ਦ ਮੁੜ ਪੇ ਅਹੇ ਯੋ ਖੇ ਪ੍ਰਵਾਨੇ ਕੋਵੀ।

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਦੁਖ ਜਾਇ ॥

ਬ੍ਰਕਾਨਮ ਜੀਤ ਦਕਹ ਜਾਏ।

ਦ ਖੰਬਿਤਨ ਤੁਲਾਇ ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਵਿਲੋ ਸਰੇ ਹਰ ਪੁਲ ਘੁਮਨੇ ਲੇ ਮਨੋਹ ਹੈ।

ਨਾਨਕ ਬੋਲੈ ਸਹਜਿ ਸੁਭਾਇ ॥੮॥

ਨਾਨਕ ਬੋਲੈ ਸੱਭ ਸਭਾਏ।

ਨਾਨਕ! ਦਾ ਹਗੇ ਖੇ ਦੀ ਚੀ ਪ੍ਰਾਤੀਕੀ ਮਾਜਾਵ ਵਾਇ।

ਚਾਰਿ ਪਦਾਰਥ ਜੇ ਕੋ ਮਾਰੈ ॥

ਚਾਰ ਪਦਾਰਥ ਜੇ ਕੋ ਮਾਕੇ।

ਕਹ ਯੋ ਸ੍ਰੇਵੀ ਖ਼ਲੂਰ ਸ਼ਿਵਾਨ ਲੀਰੀ: ਦਰਮ, ਅਰਤੇ, ਕਾਰ, ਆਵਾਡੀ; ਤੇ ਲਿਵਾਲੇ ਅਵੀ।

ਸਾਧ ਜਨਾ ਕੀ ਸੇਵਾ ਲਾਰੈ ॥

ਸਾਧ ਜਨਾ ਕੀ ਸ੍ਰਿਵਾ ਲਾਕੇ।

ਨਾਵ ਹਗੇ ਬਾਇਦ ਦ ਅਵਿਲਾਵ ਪੇ ਖੁਦਮ ਕੀ ਬਿਕੀਲ ਥੀ।

ਜੇ ਕੋ ਆਪੁਨਾ ਦੂਖੁ ਮਿਟਾਵੈ ॥

ਜੇ ਕੋ ਆਪਨਾ ਦੁਕਹ ਮਤਾਵੈ -

ਕਹ ਅਸਾਨ ਲੇ ਗਮੇ ਖਲਾਚੁਲ ਗ਼ਵਾਰੀ

ਹਰਿ ਹਰਿ ਨਾਮੁ ਰਿਦੈ ਸਦ ਗਾਵੈ ॥

ਹਰ ਹਰ ਨਾਮ ਰਦੀ ਸਤ ਗੁਰੂ ਧੀ

ਹਉ ਬਾਇਦ ਤਲ ਦ ਹਰੀ ਪਰਮਿਸ਼ੂਰ ਨੁਮ ਪੇ ਖੀਲ ਜੀਵ ਕੀ ਯਾਦ ਕ੍ਰੀ.

ਜੇ ਕੋ ਅਪੁਨੀ ਸੋਭਾ ਲੇਰੈ ॥

ਜੇ ਕੋ ਅਪਨੀ ਸੋਭਾ ਲੇਰੈ

ਕਹ ਸ੍ਰੀ ਖੀਲ ਗੁਰੂ ਗ਼ਵਾਰੀ

ਸਾਧਸੰਗਿ ਇਹ ਹਉਮੈ ਛੋਰੈ ॥

ਸਾਹਸਨਗ ਹੋ ਹਮੌਚੁਰੀ

ਹਉ ਬਾਇਦ ਦ ਓਲਿਾਵੋ ਪੇ ਮਲਗਰਤਿਆ ਕੀ ਪਾਤੀ ਥੀ ਅਵ ਦਾ ਗੁਰੂ ਪਰਿਵਾਰੀ.

ਜੇ ਕੋ ਜਨਮ ਮਰਣ ਤੇ ਡਰੈ ॥

ਬਹਿਕ ਅਨਿਕ ਅਗਨ ਨੇਹਿ ਬਜਹਾਵੈ -

ਕਹ ਸ੍ਰੀ ਦ ਪਿਦਾਇਨਿ ਅਵ ਮੁਗ ਲੇ ਗਮਨੁ ਵਿਰਿਵਿ,

ਸਾਧ ਜਨਾ ਕੀ ਸਰਨੀ ਪਰੈ ॥

ਕੁਠ ਐਲਾਦਾਰਗੈ ਨੇਹਿ ਸਜਹਾਵੈ -

ਨੋ ਹਉ ਬਾਇਦ ਦ ਸਨਾ ਪਨਾ ਵਾਖੀ.

ਜਿਸੁ ਜਨ ਕਉ ਪ੍ਰਭੁ ਦਰਸ ਪਿਆਸਾ ॥

ਖੀ ਕੋ ਜਨਮ ਮੁਨ ਤੇ ਦਰੀ

ਹਉ ਸ੍ਰੀ ਚੀ ਦ ਗੁਰੂ ਦ ਲਿਲ੍ਹੇ ਫ਼ਰੀ ਅਰਾਦੇ ਲ੍ਰੀ,

ਨਾਨਕ ਤਾ ਕੈ ਬਲਿ ਬਲਿ ਜਾਸਾ ॥੫॥

ਸਾਡ ਜਨਾ ਕੀ ਸ੍ਰਨੀ ਪ੍ਰੀ

ਏ ਨਾਨਕ! ਜੇ ਤਲ ਵਰਤੇ ਵਕਾਫ ਬੇ.

ਸਗਲ ਪੁਰਖ ਮਹਿ ਪੁਰਖੁ ਪ੍ਰਧਾਨੁ ॥

ਜਸ ਜਨ ਕੋ ਪ੍ਰਭੇ ਦਰਸ ਪ੍ਰਿਵਾਸੇ

ਦ ਤੁਲੁ ਨਾਰੀਨੇ ਵੇ ਪੇ ਮਨੁ ਕੀ, ਵਰਤੇ ਸ੍ਰੀ ਗਲਬ ਦੀ.

ਸਾਧਸੰਗਿ ਜਾ ਕਾ ਮਿਟੈ ਅਭਿਮਾਨੁ ॥

ਨਾਨਕਾ ਕੀ ਬਲ ਬਲ ਜਾਸੇ

ਹਉ ਸ੍ਰੀ ਚੀ ਪੇ ਚਹੂਤ ਕੀ ਤਕਰ ਲੇ ਮਨੁ ਖੀ.

ਆਪਸ ਕਉ ਜੇ ਜਾਣੈ ਨੀਚਾ ॥

ਸੱਕਲ ਪੁਰਖ ਮੀ ਪੁਰਖ ਪ੍ਰਬਨਾਨ.

ਹਉ ਸ੍ਰੀ ਚੀ ਹਾਨ ਤੀਤ ਕੀ

ਸੋਉ ਗਾਨੀਐ ਸਭ ਤੇ ਉਚਾ ॥

سادھسنگ جا کا متی ابھمان

ਹਗੇ ਗੁਰੇ (ਲੂਰ) گੜੀ ਕਿਓਇ.

ਜਾ ਕਾ ਮਨੁ ਹੋਇ ਸਗਲ ਕੀ ਰੀਨਾ ॥

ਅਪ ਕੇ ਜੋ ਜਾਨੀ ਨਿਚਾ

ਹਗੇ ਸ੍ਰੇਵੀ ਚੀ ਰੋਖ ਬੀ ਦ ਹਰ ਚਾਡ ਪੈਣ੍ਹੋ ਖਾਵੀ ਥੀ

ਹਰਿ ਨਾਮੁ ਤਿਨਿ ਘਟਿ ਘਟਿ ਚੀਨਾ ॥

ਸ੍ਰੋ ਅਗਨੀ ਅਥ ਤੀ ਅਓਚਾ

ਹਗੇ ਪੇ ਹਰ ਜ੍ਰੇਹ ਕੀ ਦ ਹਰੀ ਪਰਮਿਥੁਰ ਨੁਮ ਵਿਨੀ.

ਮਨ ਅਪੁਨੇ ਤੇ ਬੁਰਾ ਮਿਟਾਨਾ ॥

ਕਾਮਨ ਹਵਾਇ ਸੱਗਲ ਕੀ ਰਿਨਾ.

ਖੁਕ ਚੀ ਲੇ ਜ੍ਰੇਹ ਖੜੇ ਬਦੀ ਲ੍ਰੀ ਕੋਇ

ਪੇਖੈ ਸਗਲ ਸਿਸਟਿ ਸਾਜਨਾ ॥

ਹਰ ਹਰ ਨੁਮ ਤਿੰਨਿੰਕ ਚਿਨਾ.

ਹਗੇ ਤੌਲੇ ਨ੍ਰੇਹ ਖੱਪ ਦੋਸਤ ਗੜੀ.

ਸੁਖ ਦੁਖ ਜਨ ਸਮ ਦਿਸਟੇਤਾ ॥

ਮਨ ਅਪੁਨੇ ਤੇ ਬੁਰਾ ਮਿਟਾਨਾ ॥

ਏ ਨਾਨਕ! ਹਗੇ ਸ੍ਰੇਵੀ ਚੀ ਖੋਬਨੀ ਅਵ ਗੁਮ ਯੋ ਸ਼ਾਨ ਗੜੀ

ਨਾਨਕ ਪਾਪ ਪੁੰਨ ਨਹੀ ਲੇਪਾ ॥੬॥

ਪ੍ਰਿਕੇ ਦ ਸੱਗਲ ਸ੍ਰੀਸਿਤ ਸਾਖੇ

ਹਗੇ ਦ ਗਨਾਹ ਅਨਿਕੀ ਖੜੇ ਪਾਕ ਪਾਤੀ ਕਿਓਇ.

ਨਿਰਧਨ ਕਉ ਧਨੁ ਤੇਰੋ ਨਾਉ ॥

ਸੁਖ ਦੁਖ ਜਨ ਸਮ ਦਿਸਟੇਤਾ

ਏ ਨਾਨਕ! ਸਤਾ ਨੁਮ ਦ ਗਰੀਬਾਨੁ ਲ੍ਪਾਰੇ ਸ਼ਤਮਨੀ ਦੇ.

ਨਿਖਾਵੇ ਕਉ ਨਾਉ ਤੇਰਾ ਥਾਉ ॥

ਨਾਨਕ ਪਾਪ ਪੈਨ ਨੇ ਲ੍ਪਿਆ.

ਸਤਾਸਾਨੁ ਨੁਮ ਦ ਬੀ ਵੱਜ਼ਾਨੁ ਲ੍ਪਾਰੇ ਮਲਾਤਰ ਦੇ.

ਨਿਮਾਨੇ ਕਉ ਪ੍ਰਭੁ ਤੇਰੋ ਮਾਨੁ ॥

ਨਰਦੇਹਨ ਕਾ ਓਪਿਨਿਰੋ ਨਾਵ

ਏ ਰਾਬੇ! ਸ੍ਪਿਕਾਵੀ ਬੀ ਵਿਧ ਦੇ.

ਸਗਲ ਘਟਾ ਕਉ ਦੇਵਹੁ ਦਾਨੁ ॥

ਨਿਖਾਵੇ ਕਾਵ ਨਾਵਿਤਾ ਨਹਾਵ.

ਹਗੇ ਦ ਨੁਲੁ ਰੜਨਿਧੀ ਮੁਗੁਦਾਨੁ ਵਰਕੁਵਨਕੀ ਦੇ.

کرناں کرائونہار مُعآمی ॥

نیمانی کاو پرب تیری مان

ای د نری ٿبنته! تاسو هر چه پخپله کوئ او په روحونو سره یی کوئ

سگال ڀتا کے اُنجڑاڻامي ॥

سگل غیه کاودیو هو دان.

نو لویه نری غیب ده.

اپنی گاتی میتی جا نہ اپے ॥

کرن کاروانهار سوامي.

ای مالکه! تاسو خپل سرعت او حدود پیڙنی

اپن سینگا آپی پُٹھ را تے ॥

سگل غیه کی انترجامی.

ای ربھ! تاسو پخپله رنگ شوی یاست.

تمُو هرگی عیسیٰ تی تی تے ہوئی ॥

اپنی گت مت جانهو اپی.

ای گوره! یوازی تاسو کولی شئ خپل حان تعریف کرئ.

نا نک ادھر ن جا نسی کوئی ॥۱॥

اپن سنگ اپ پربه راتی

ای نانک! بل ٿوک ستا عظمت نه پیڙنی

سرا بی پرم مهی سُسٹ پرم ॥

تمھری اوست تمتی هوای.

د ټولو مذہبونو څخه لوی هغه دی

هاری کوئ نام جای پی نیرم ل کرم ॥

نا نک او رن نه جانس کوئ.

د گورو نوم یادول او نیک عملونه کول.

سگال کیا مهی عیڈم کیریا ॥

سرب دھرم می سریست دھرم.

نر ټولو غوره دینی عمل دی

سای سینگا دُرمیتی ملھ ہیریا ॥

هر کو نوم جپ نرمل کارم.

په بنھے صحبت کی په پاتی کیدو سره د جھالت کبر و مینھل شی.

سگال عیڈم مهی عیڈم ٻلما ॥

سگل کریا می اعظم کریا.

دا د ټولو هخو غوره هخه ده

ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਜਪਹੁ ਜੀਅ ਸਦਾ ॥

ਸਾਡਹਨਗੁਰਮਤ ਮਾਲ ਹਰਿਆ।

ਪੇ ਜ੍ਰੇ ਕੀ ਦ ਹਰੀ ਨੁਮ ਤੱਲ ਯਾਦ ਸਾਤੇ।

ਸਗਲ ਬਾਨੀ ਮਹਿ ਅੰਮ੍ਰਿਤੁ ਬਾਨੀ ॥

ਸੱਕਲ ਆਮ ਮੀ ਅਦਮਿਹਾਲੇ।

ਦ ਤੂਲੋ ਗੁਬਾਨੁ ਪੇ ਮਨੁ ਕੀ, ਅਮਰਤ ਗੁਰੂ ਹੁਗੇ ਦੀ

ਹਰਿ ਕੇ ਜਸੁ ਸੁਨਿ ਰਸਨ ਬਖਾਨੀ ॥

ਹਰ ਕੁ ਨੁਮ ਜ੍ਹੇਹੁ ਜ੍ਹੀਅ ਸਦਾ।

ਦ ਗੁਰੂ ਉਤਸਤ ਵਾਓ ਅਤੇ ਪੇ ਖੈਲੇ ਥੈਹੇ ਬੀ ਵਾਇਸਟ।

ਸਗਲ ਥਾਨ ਤੇ ਓਹੁ ਉਤਮ ਥਾਨੁ ॥

ਸੱਕਲ ਬਾਨੀ ਮੀ ਅਮਰਤ ਬਾਨੀ।

ਏ ਨਾਨਕ! ਹੁਗੇ ਥਾਵੇ ਤੇ ਤੂਲੋ ਗੁਰੂ ਹੁਗੇ ਥਾਵੇ ਦੀ

ਨਾਨਕ ਜਿਹ ਘਟਿ ਵਸੈ ਹਰਿ ਨਾਮੁ ॥੮॥੩॥

ਹਰ ਕੁ ਜਸ ਸੁਣ ਰਸਨ ਬਖਾਨੀ।

ਪੇ ਹੁਗੇ ਕੀ ਦ ਖਾਵੇ ਨੁਮ ਅਵਸਿਰੀ।

ਸਲੋਕੁ ॥

ਸਲੋਕ

ਸਲੋਕਾ

ਨਿਰਗੁਨੀਆਰ ਇਆਨਿਆ ਸੋ ਪ੍ਰਭੁ ਸਦਾ ਸਮਾਲਿ ॥

ਨਰਕੀਧਾਰ ਯੈਨਿਆ ਸੁ ਪ੍ਰਭੇ ਸਦਾ ਸਮਾਲ।

ਏ ਬੀ ਉਚਲੇ ਅਤੇ ਬੀ ਉਚਲੇ! ਦਾ ਅਨਿਤ ਤੱਲ ਯਾਦ ਸਾਤੇ।

ਜਿਨਿ ਕੀਆ ਤਿਸੁ ਚੀਤਿ ਰਖੁ ਨਾਨਕ ਨਿਬਹੀ ਨਾਲਿ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਜ਼ਹੁਗੁਤ ਵਸਾਇ ਹਰ ਨੁਮ।

ਏ ਨਾਨਕ! ਹੁਗੇ ਥੁਕ ਚੀ ਤਾਸੋ ਪ੍ਰਿਦਾ ਕ੍ਰੀ, ਸਟਾਸੋ ਪੇ ਜ੍ਰੇ ਕੀ ਅਵਸਿਰੀ, ਬਿਵਾਇ ਹੁਗੇ ਗ੍ਰੂ ਬੇ ਸਟਾਸੋ ਮਲਾਤਰ ਵੱਕ੍ਰੀ।

ਅਸਟਪਦੀ ॥

ਅਸਟਪਦੀ

ਅਸਟਪਦੀ।

ਰਮਈਆ ਕੇ ਗੁਨ ਚੇਤਿ ਪਰਾਨੀ ॥

ਰਮਈਕੇ ਗੁਨ ਚੇਤਿ ਪਰਾਨੀ

ਏ ਮਰਦਾਰ ਮਖਲੋਕੇ! ਦ ਹਰ ਅਰਖਿਜ਼ ਰਾਮ ਸਫਤ ਬੀਅਨ ਕ੍ਰੀ

ਕਵਨ ਮੂਲ ਤੇ ਕਵਨ ਦਿਸਟਾਨੀ ॥

ਕਵਨ ਮੂਲਿੰ ਕੁਨਦਾਰਸਤਾਨੀ।

ستاسو اصل ٿه دی او تاسو ٿه ڊول بنکاری؟

ਜਿਨਿ ڏੂੰ ਸਾਜਿ ਸਵਾਰਿ ਸੀਗਾਰਿਆ ॥

جنتوں ساج سوار سਿੱਗਲੀا.

هغه چا چي ته يي پيدا کري، بنایست او عزمن يي،

ਗਰਭ ਅਗਨਿ ਮਹਿ ਜਿਨਹਿ ਉਬਾਰਿਆ ॥

گرب اکن مي جني اوباريا

چا چي تا د رحمت په اور کي سائلی دی

ਬਾਰ ਬਿਵਸਥਾ ਤੁਝਹਿ ਪਿਆਰੈ ਦੂਧ ॥

بار بيوسته توئي پيارپوده.

په ماشومتوب کي چا شيدي خبلي

ਭਰਿ ਜੋਬਨ ਭੋਜਨ ਸੁਖ ਸੁਧ ॥

بر جوبنبنن سوخ سودہ

جا چي تاته په ٿوانی کي رزق، خوبني او عقل درکري.

ਬਿਰਧਿ ਭਇਆ ਉਪਰਿ ਸਾਕ ਸੈਨ ॥

برد بهئيا اوپر ساک سين

او ٿوک، کله چي تاسو زور شئ، تاسو به خپلوان او ملگري ولري

ਮੁਖ ਅਪਿਆਉ ਬੈਠ ਕਉ ਦੈਨ ॥

مے اپیاو بیت کاو دین

د ناستي په وخت کي خواره په خوله کي اچول - ستاسو د خدمت لپاره ورکول شوي.

ਇਹੁ ਨਿਰਗੁਨ ਗੁਨ ਕਛੁ ਨ ਬੂੜੈ ॥

ايه نرگون گون کچھو نه بوڙه

دا ناشكره سبری د احسانونو قدر نه کوي.

ਬਖਸਿ ਲੇਹੁ ਤਉ ਨਾਨਕ ਸੀਐ ॥੧॥

بخاش ليهو تاو نانک سيجه

د نانک وينا دا ده چي اي گوره! یوازي که تاسو هغه وبنئي هغه ڙغورل کيدي شي.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਧਰ ਉਪਰਿ ਸੁਖਿ ਬਸਹਿ ॥

جه پرساد دهر اوپر سوخ بسہ

اي مخلوقاتو! د هغه په فضل سره تاسو په ڪمکه کي خوشحاله ڙوند کوي

ਸੁਤ ਕ੍ਰਾਤ ਮੀਤ ਬਨਿਤਾ ਸੰਗਿ ਹਸਹਿ ॥

سات بھرات میت بننے سنگ هسہ.

او د خپل زوي، ورور، ملگري او ميرمني سره خندا او لوبي کوي،

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਪੀਵਹਿ ਸੀਤਲ ਜਲਾ ॥

جه پرساد پيو هوه سينتل جلا.

د چا په فضل هغه سري او به ٿبندي

مُڪداڻي پڏنُ پاڻکو امُلا ॥

کوان مولتے کوندارستانی

او تا راحته هوا او قيمتي اور موندل دى،

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਭੇਗਹਿ ਸਭਿ ਰਸਾ ॥

پਿਕੇ ਦ ਸੱਗ ਸ੍ਰਿਸਤ ਸਾਖੜੇ

د هغه په فضل تاسو ٿول خوندونه تر لاسه کوئ.

ਸਗਲ ਸਮਰ੍ਗੀ ਸੰਗਿ ਸਾਬਿ ਬਸਾ ॥

سوخ داي پون پاوك امله

او د تولو شيانو سره چي تاسو ژوند کوي،

ਦੀਨੇ ਹਸਤ ਪਾਵ ਕਰਨ ਨੇੜ੍ਹੁ ਰਸਨਾ ॥

جہ پرساد بوگੇ ਸ਼ਬਦ ਰਸਾ

چا چي تانه لاس، پنسی، غورونه، ستريگي او ژبه دركري دی،

ਤਿਸਹਿ ਤਿਆਗਿ ਅਵਰ ਸੰਗਿ ਰਚਨਾ ॥

سੱਗ ਸਮਕ੍ਰਿ ਸਨਕ ਸਾਤ ਬਿਸਾ

(ای مخلوقه!) ته دا گرو هپروي او له نورو سره مينه کوي.

ਐਸੇ ਦੋਖ ਮੂੜ ਅੰਧ ਬਿਆਪੇ ॥

دینੀ ہسਥਤ پاؤ کرن نਿਤਰ رਸਨੇ.

دا ڊول عيونه په ناپوه احمقانو کي موندل کيري.

ਨਾਨਕ ਕਾਢਿ ਲੇਹੁ ਪ੍ਰਭ ਆਪੇ ॥੨॥

ਤਿਸੇ ਤਿਕਾਂ ਓਵਰ ਸਨਕ ਰਚਨਾ

د نانک وينا د چي اي ربه! د هغوي ٿانونه وساتي.

ਅਦਿ ਅੰਤ ਜੋ ਰਾਖਨਹਾਰੁ ॥

ایسی دوخ موره انده بیاپے.

پاراتما چي د پيل ٿخه تر پاي پوري (له زيرون ٿخه تر مرگ پوري) د تولو ساتونکي دی.

ਤਿਸ ਸਿਉ ਪ੍ਰੀਤਿ ਨ ਕਰੈ ਗਵਾਰੁ ॥

نانک کاد لیهو پربه آپے.

يو ناپوه سري د هغى سره مينه نه کوي.

ਜਾ ਕੀ ਸੇਵਾ ਨਵ ਨਿਧਿ ਪਾਵੈ ॥

آد انت جو راکھنہار.

د چا په خدمت کي هغه نهه خزانی تر لاسه کوي

ਤਾ ਸਿਉ ਮੂੜਾ ਮਨੁ ਨਹੀ ਲਾਵੈ ॥

تss سیو پریت نه کری گوار.
یو احمق مخلوق دا په زرہ کی نه نبنلوی.

ਜੋ ਠਾਕੁਰੁ ਸਦ ਸਦਾ ਹਜੂਰੇ ॥

جا کی سیوا نوونਦੀ پاوی
ਹਗੇ ਰਬ ਚੀ ਤੱਲ ਨਿਵਦੀ ਦੀ

ਤਾ ਕਉ ਅੰਧਾ ਜਾਨਤ ਦੂਰੇ ॥

ਤਾ ਸਿਵੇ ਮੁਰੇ ਮਨ ਨੇ ਲਾਓ
ਗਾਹਲ ਮخلوق ਯੀ ਲਰੀ ਕਨੀ.

ਜਾ ਕੀ ਟਹਲ ਪਾਵੈ ਦਰਗਾਹ ਮਾਨੁ ॥

جو ਤਹਾਕੁਰ ਸਦਾ ਹਾਥੁਕੁ
ਦ ਚਾ ਉਬਦਤ ਦ ਰਬ ਪੇ ਦਰਬਾਰ ਕੀ ਉਤ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਾਓ.

ਤਿਸਹਿ ਬਿਸਾਰੈ ਮੁਗਾਧੁ ਅਜਾਨੁ ॥

ਤਾ ਕਾਵੇ ਅਨੇ ਜਾਨਤ ਦੁਰੀ.
ਯੋ ਨਾਪੋਹ ਅਵਾਪੋਹ ਸ੍ਰੇਵੀ ਦਾ ਗੁਰੂ ਹੈਵ੍ਰੀ.

ਸਦਾ ਸਦਾ ਇਹੁ ਭੂਲਨਹਾਰੁ ॥

ਗਾਕੀ ਤੱਹਾਡੀ ਦਰਗੇ ਮਨ
ਵੜਾਨਕੀ ਮੁਖਲੋਕਤ ਤੱਲ ਹਿਰ ਵੀ.

ਨਾਨਕ ਰਾਖਨਹਾਰੁ ਅਪਾਰੁ ॥੩॥

ਤਿਸੇ ਬਿਸਾਰੇ ਮੁੜੀ ਅਗਨ
ਏ ਨਾਨਕ! ਯਾਵਾਇ ਅਭਿਆਸੀ ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਸਾਤਨਕੀ ਦੀ.

ਰਤਨੁ ਤਿਆਗਿ ਕਉਡੀ ਸੰਗਿ ਰਚੈ ॥

ਸਦਾ ਸਦਾ ਅਹ ਬਹੁਲਨਹਾਰ.
ਦ ਨਮ ਅਵ ਜੋ ਹਰ ਪ੍ਰਬੰਨਦੀ ਸਰੇ ਸਰੇ ਦ ਦੁਲਤ ਪੇ ਖੜਾਨੇ ਕੀ ਖੋਸ਼ਲਾਹ ਦੀ.

ਸਾਚੁ ਛੋਡਿ ਝੂਠ ਸੰਗਿ ਮਚੈ ॥

ਨਾਨਕ ਰਾਕਹਨਹਾਰ ਆਪਾਰ.
ਹਗੇ ਦ ਹਾਲ ਦ ਖੜਾਨੇ ਦ ਵਿਖੇ ਦ ਵਿਖੇ ਦ ਵਿਖੇ ਦ ਵਿਖੇ.

ਜੋ ਛੱਡਨਾ ਸੁ ਅਸਥਿਰੁ ਕਰਿ ਮਾਨੈ ॥

ਰਤਨ ਤਿਕਾਗ ਕਾਵੀ ਸਨਗ ਰਚੀ.
ਦ ਨੇਵੀ ਹਗੇ ਸ਼ਿਵਾਨ ਚੀ ਹਗੇ ਪ੍ਰਿਵਿਦੀ, ਹਗੇ ਦਾਇਮੀ ਕਨੀ.

ਜੋ ਹੋਵਨੁ ਸੈ ਦੂਰਿ ਪਰਾਨੈ ॥

ਸਾਜ ਜਹੂਦ ਜਹੂਠ ਸਨਗ ਮੌਜ.
ਹਗੇ ਗੁਰੀ ਚੀ ਹਗੇ ਥੇ ਚੀ ਬਾਇਦ ਲਰੀ ਰਾਣੀ.

ਛੋਡਿ ਜਾਇ ਤਿਸ ਕਾ ਸੁਸੁ ਕਰੈ ॥

انتر بیاپے لوپ سوان

په زرہ کی یی د حرص اور دی او په ظاہر کی یی پرہبزگاری او بی پروایی نیولی ده.

گالی پا سور کیسے ترے آخاہ ॥

انتر اگن با بر تن سواہ

هغہ ٹنگہ کولای شی چی په غارہ کی د شہوت پبری سره لہ ژور سمندر ٹخہ تپر شی؟

ਜا کے اُنجیری بسمے پُٹھ آپی ॥

گل پتھر کیسے تری اٹھاہ

ای نانک! د چا په زرہ کی گرو پخپله ژوند کوی.

نا نک تے جن سہجیں سماڑی ॥۴॥

جا کے انتر بسے پرب آپ.

دا ڈول سری په اسانی سره د چینتن سره اریکہ ترلاسہ کوی.

سُنِ اُنجپا کیسے مارگ راہی ॥

نانک تے جان سہج سمات

یو چوند سری ٹنگہ کولای شی یوازی په اوریدو خپله لارہ و مومی؟

کرھ راہی لے هر چیز نیساہاہی ॥

سن اندھ کیسے مارگ پاوی.

لاس بی و نیسی (تر خو) تر اخرہ پوری مینہ و کری

کھا بُشَارَتِ بُعْدَیِ دُرَّہا ॥

کر گه لیھو اور نبھاوی.

کانہ سری ٹنگہ پوھیدای شی؟

نیسی کھی ائے تری سماۓ بُرَہا ॥

کھا بوجھارت بوجھے دورا.

کله چی مور شپھ و ایو، هغہ و رخ معنی لری.

کھا بِسَنَپَدَ رَاہِيِ رُنْگا ॥

نس کہیئ تاو سمجھے بھورا.

یو گونگ سری ٹنگہ سندری کولی شی؟

ਜَنَ کرے تری بُرَی سُرَ بُنْگا ॥

کھا بسنپد گاوی گونگ.

حتی کہ هغہ هٹھ و کری، غبر یی مات شی.

کھا پِنْگُلَ پَرَبَّاتَ پَرَ بَدَنَ ॥

جن کری تاو بھی سور بھنگ.

ٹنگہ کولای شو چی د غرہ په لور روان شی؟

نَرِیِ هَرَتِ عِلْهَا عِسُّوِ رَاہَنَ ॥

که پنگل پربت پر بھون.
دا ممکنه نه ده چي هغه هلنہ لار شي.

کرਤਾਰ ਕਰੁਣਾ ਮੈਂ ਦੀਨੁ ਬੇਨਤੀ ਕਰੈ ॥

ਨਹੀਂ ਭੋਤ ਆਪਾ ਅਸ ਗੁਵਾਨ

ای نانک! ای مہربانہ! ای ہوبنیار عالمہ! (دا) عاجز بندہ دا دعا کوی

ਨਾਨਕ ਤੁਮਰੀ ਕਿਰਪਾ ਤਰੈ ॥੬॥

کرتار کرونا مئੀ دین بینتੀ کرੀ

دا یوازی ستاسو په فضل دی چي تخلیق کولی شي د کائنات له بحر ੜخੇ نیر شي.

ਸੰਗਿ ਸਹਾਈ ਸੁਆਵੈ ਨ ਚੀਤਿ ॥

ਨਾਨਕ ਤਮਰੀ ਕਰਪਾਤਰੀ

ਹغه ستر ذات چي د مخلوق ملگری او مرستندوی دی، هغه په خپل ذهن کی نه یادوي.

ਜੋ ਬੈਗਾਈ ਤਾ ਸਿਉ ਪ੍ਰੀਤਿ ॥

ਸਨਗ ਸਹਾਇ ਸੋ ਆਓ ਨੇ ਚੀਤ

بلکی ਲਹ ਹਗੇ ਚਾ ਸਰੇ ਮਿਨੇ ਕੌਧੀ, ਚੀ ਦਿਨਸਨ ਧੀ ਵੀ.

ਬਲੂਆ ਕੇ ਗਿਰ੍ਹ ਭੀਤਰਿ ਬਸੈ ॥

جو ਬਿਰਾਏ ਤਾ ਸਿਧੀ ਪ੍ਰੀਤ

ਹਗੇ ਦ ਬਾਲੋ (ਰੀਤ) ਪੇ ਕੁਰ ਕੀ ਓਸਿਰੀ.

ਅਨਦ ਕੇਲ ਮਾਇਆ ਰੰਗਿ ਰਸੈ ॥

ਭਲਾਕੇ ਗੜੇ ਬੋਹੀਤ ਬੱਸੀ

ਹਗੇ ਦ ਲੋਕਸ ਲੋਬੋ ਓਦ ਸ਼ਟਮਨੀਂ ਰਨਗਨੁ ਥੱਖੇ ਖੋਨਦ ਅਖੀ (ਖੋਸ਼ੀ).

ਦਿੜ੍ਹ ਕਰਿ ਮਾਨੈ ਮਨਹਿ ਪ੍ਰਤੀਤਿ ॥

ਅਨਦ ਕੀਲ ਮਾਨਿਆ ਰਨ੍ਗ ਰਸੀ.

ਹਗੇ ਦਾ ਹਲਕੀ ਪੇ ਜ਼ਿਰੇ ਕੀ ਫੋਧੀ ਬਾਵਰ ਗਨੀ.

ਕਾਲੁ ਨ ਆਵੈ ਮੁੜੇ ਚੀਤਿ ॥

ਦਰੀਰ ਕਰੀ ਮਨੀ ਪ੍ਰਤੀਤ.

ਖੋ ਅਹਮਿ ਸੇਵੀ ਪੇ ਜ਼ਿਰੇ ਕੀ (ਮੁੜ) ਨੇ یادੀ.

ਬੈਰ ਬਿਰੋਧ ਕਾਮ ਕ੍ਰੋਧ ਮੇਹ ॥

ਕਾਲ ਨੇ ਆਓ ਮੁਰੀ ਚੀਤ.

ਦਿਨਸਨੀ, ਮਖਾਲਤ, ਸ਼ਹੋਤ, ਗੁਝੇ, ਹ੍ਰਚ,

ਝੂਠ ਬਿਕਾਰ ਮਹਾ ਲੋਭ ਧੋਹ ॥

ਬਿਰ ਬਰੂੜ੍ਹ ਕਾਮ ਕਰੂੜ੍ਹ ਮੋਹ

ਦਾਦ੍ਰੋਗ, ਕਨਾਹ, ਲਾਲਚ ਅਤੇ ਖਿਅਨਤ ਥੱਖੇ

ਇਆਹੂ ਜੁਗਤਿ ਬਿਹਾਨੇ ਕਈ ਜਨਮ ॥

جھوٹ بکار مہا لوب دھروه.
انسان د ژوند پیری دوری په چالونو تپری کپری دی

ناںک راخی لئهु آپن کری کرم ॥۹॥

ایاھو جگت بھیانے کئے جنم

د نانک غوبنتھ دا ده چی ای ربھ! د خپل رحمت چادر په اغوسنلو سره د کائناتو له سمندر ੱخھ مخلوقات
وڙغوره.

ਤੁ ਠਾਕਰ ਤੁਮ ਪਹਿ ਅਰਦਾਸਿ ॥

نانک راکھ لਿਹੋ ਆਪਨ ਕਰ ਕਰਮ

(ای خدابھ) ته زمੁਰ رب بی او مور تائਹ دعا کوو.

ਜੀਉ ਪਿੰਡ ਸਭੁ ਤੇਰੀ ਰਾਸਿ ॥

ਤੁ ਤਹਾਕੁਰ ਤਮ ਪੇ ਅਰਦਾਸ

دا روح او بਦਨ ਤੂਲ ਸਟਾ ਦ੍ਵਾਰਾ.

ਤੁਮ ਮਾਤ ਪਿਤਾ ਹਮ ਬਾਰਿਕ ਤੇਰੇ ॥

ਜ੍ਯੋ ਪੰਨ ਸ਼ਬਦ ਤਿਵਰੀ ਰਾਸ

ਤਾਸੋ ਜਮੁਰ ਮੁਰ ਓ ਪਲਾਰ ਧਾਰਿ ਅਤ ਓ ਮੁਰ ਸਟਾਸੋ ਮਾਸ਼ੁਮਾਨ ਯੋ.

ਤੁਮਰੀ ਕ੍ਰਿਪਾ ਮਹਿ ਸੁਖ ਘਨੇਰੇ ॥

ਤਮ ਮਾਤ ਪਿਤਾ ਹਮ ਬਾਰਕ ਤਿਰੈ

ਸਟਾਸੋ ਪੇ ਮਹਰਬਾਨੀ ਕੀ ਦਿਵੀ ਖੋਬਨੀ ਦ੍ਰਿ.

ਕੋਇ ਨ ਜਾਨੈ ਤੁਮਰਾ ਅੰਤੁ ॥

ਤਮਰੀ ਕ੍ਰਿਪਾ ਮਹਿ ਸੁਖ ਘਨੇਰੈ.

ਇ ਰਬਾ! ਹਿਖੁਕ ਸਟਾਸੋ ਪਾਇ ਨਹ ਪੋਹਿਰਾਇ.

ਉਚੇ ਤੇ ਉਚਾ ਭਗਦੰਤ ॥

ਕੋਇ ਨ ਜਾਨੈ ਤਮਾ ਅਨੁ.

ਨੂ ਲਾਵੀ ਖੰਨਨ ਦ੍ਰਿ.

ਸਗਲ ਸਮਗਰੀ ਤੁਮਰੈ ਸੁਤ੍ਰ ਧਾਰੀ ॥

ਸੁਗ੍ਰੰਥ ਸਮਗਰੀ ਤਮਰੀ ਸਤਰ ਦਹਾਰੀ.

ਤੁਲੇ ਨ੍ਰੀ ਸਟਾ ਪੇ ਤਾਰ ਕੀ ਅਵਦਲ ਸ਼ਾਵੀ ਦ੍ਰਿ.

ਤੁਮ ਤੇ ਹੋਇ ਸੁਆਗਿਆਕਾਰੀ ॥

ਤਮ ਤੇ ਬੌਨੈ ਸੁਆਗਿਆਕਾਰੀ.

ਹਰ ਖੇ ਚੀ ਲੇ ਤਾ ਖੱਖੇ ਪ੍ਰਿਦਾ ਸ਼ਾਵੀ ਦ੍ਰਿ, ਹੁਗੇ ਸਟਾਦ ਅਮਰ ਵਰਨਕੀ ਦ੍ਰਿ.

ਤੁਮਰੀ ਗਤਿ ਮਿਤਿ ਤੁਮ ਹੀ ਜਾਨੀ ॥

ਤਮਰੀ ਗਤਿ ਮਿਤਿ ਤਮ ਬੀ ਜਾਨੀ.

ਯਾਵਾਇ ਤਾਸੋ ਖਪਲ ਸਰੁਤ ਓ ਹਦ ਪੰਝਨੀ

ਨਾਨਕ ਦਾਸ ਸਦਾ ਕੁਰਬਾਨੀ ॥੮॥

نਾਨਕ ਦਾਸ ਸਦਾ ਕਰਿਅਨੀ

ਇ ਨਾਨਕ! ਸਟਾ ਬਨਦੇ ਤਲ ਲੇ ਤਾ ਕਰਿਅਨ ਵੀ.

ਸਲੋਕ ॥

سلوک

شلوکا

ਦੇਨਹਾਰ ਪ੍ਰਭ ਛੋਡਿ ਕੈ ਲਾਗਹਿ ਆਨ ਸੁਆਇ ॥

ਦਿਨਹਾਰ ਪ੍ਰਭ ਕੀ ਲਾਗੇ ਆਂ ਸਾਂਵਾਂ.

ਦ ਮਹਰਿਆਨ ਰਿਵ ਨੇ ਉਲਾਵੇ ਮਖ਼ਲਿਕਾਤ ਪੇ ਨੁਰੋ ਲਤਿਨੁ ਬੁਖ਼ਤ ਦੀ, ਖੋ

ਨਾਨਕ ਕਹੁ ਨ ਸੀਝਈ ਬਿਨੁ ਨਾਵੈ ਪਤਿ ਜਾਇ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਕਹੋ ਨੇ ਸਿਜਹੀ ਬਿਨੁ ਨਾਵੇ ਪਿ ਜਾਏ.

ਇ ਨਾਨਕ! ਦਾ ਪੁਲ ਮਖ਼ਲਿਕ ਹਿੱਖਲੇ ਬਰਿਆਲੀ ਨੇ ਥੀ ਹੱਕੇ ਚੀ ਦ ਥਿੰਡਨ ਲੇ ਨੁਮ ਪ੍ਰਤੇ ਉਤ ਅਤ ਓਕਾਰ ਨਿਣਤੇ.

ਅਸਟਪਦੀ ॥

استپدی

اشتاپدی.

ਦਸ ਬਸਤੁ ਲੇ ਪਛੈ ਪਾਵੈ ॥

ਦਸ ਬਸਤੁ ਲੇ ਪਾਚੇ ਪਾਵੈ

ਅਨਸਾਨ ਲੁ ਸ਼ਿਯਾਨ (ਲੇ ਗ੍ਰੂ ਥੱਖੇ) ਅਖੀ ਅਤ ਬਿਰਤੇ ਯੀ ਅਖੀ.

ਏਕ ਬਸਤੁ ਕਾਰਨਿ ਬਿਖੋਟਿ ਗਵਾਵੈ ॥

ਏਕ ਬਸਤੁ ਕਾਰਨ ਬਕਹੋਤ ਗ੍ਰਾਵੈ.

(ਮੁਗਰ) ਦ ਯੋ ਥੀ ਲੀਪਾਰੇ ਹੁਗੇ ਖੀਪ ਆਇ ਲੇ ਲਾਸੇ ਓਰਕੌਇ.

ਏਕ ਭੀ ਨ ਦੇਇ ਦਸ ਭੀ ਹਿਰਿ ਲੇਇ ॥

ਏਕ ਬੀ ਨੇ ਦੇਇ ਦਸ ਬੀ ਬ੍ਰਾਈ.

ਕੇ ਥਿੰਡਨ ਯੋ ਥੀ ਹਮ ਨੇ ਓਰਕੌਇ ਅਤ ਲੁ ਥੀ ਹਮ ਅਖੀ

ਤਉ ਮੁੜਾ ਕਹੁ ਕਹਾ ਕਰੇਇ ॥

ਤਾਂ ਮੁਰਬਾ ਕਹੋ ਕਹਾ ਕਰੈ.

ਨੋ ਤੇ ਓਵਾਇ ਚੀ ਦਾ ਅਹੁਕ ਥੇ ਕੁਲੀ ਥੀ?

ਜਿਸੁ ਠਾਕੁਰ ਸਿਉ ਨਾਹੀ ਚਾਰਾ ॥

ਜਸ ਤਹਾਕੁਰ ਸਿਉ ਨਾਹੀ ਚਾਰਾ

ਦ ਚਾ ਪੇ ਮੁਖ ਕੀ ਹਿਖ ਹੁਕ ਹਰਕਤ ਨਥੀ ਕੁਲੀ

ਤਾ ਕਉ ਕੀਜੈ ਸਦ ਨਮਸਕਾਰਾ ॥

ਤਾਂ ਕਹੋ ਕਿਜੀ ਸਦ ਨਮਸਕਾਰਾ.

ਯੋ ਖੁਕ ਬਾਇਦ ਤਲ ਦ ਹੁਗੇ ਪੇ ਓਰਾਨਦੀ ਸਗਦੇ ਓਕ੍ਰੀ.

ਜਾ ਕੈ ਮਨਿ ਲਾਗਾ ਪੜ੍ਹ ਮੀਠਾ ॥

جا کی من لاگا پربھے میٹھا.

د چا زਰੇ چੀ ਰਬ ਤੇ ਗੁਰਾਨ ਵਿ

ਸਰਬ ਸੂਖ ਤਾਹੂ ਮਨਿ ਫੁਠਾ ॥

سرب سوਕੇ ਤਾਬੋ ਮਨ ਵਿਤਾ.

ਤੋਲੀ ਖੋਣੀ ਦ ਹੁਗੇ ਪੇ ਜਰੇ ਕੀ ਓਸ਼ਿਓਧੀ.

ਜਿਸੁ ਜਨ ਅਪਨਾ ਹੁਕਮੁ ਮਨਾਇਆ ॥

جس جن اپنا بکਮ منائیا.

ای نانک! ਹੁਗੇ ਸਰੀ ਚੀ ਖਾਇ ਦ ਹੁਗੇ ਹਕਮ ਪੂਰੇ ਕੌਇ

ਸਰਬ ਥੋਕ ਨਾਨਕ ਤਿਨਿ ਪਾਇਆ ॥੧॥

سرب ਤਹੁਕ ਨਾਨਕ ਤਨ ਪਾਨਿਆ.

ਦ ਨਰੀ ਤੋਲ ਸ਼ਿਅਨ ਦ ਹੁਗੇ ਲੇ ਖਾ ਮੁਨਦ ਸ਼ਉਧੀ ਦੀ.

ਅਗਨਤ ਸਾਹੁ ਅਪਨੀ ਦੇ ਰਾਸਿ ॥

اਗਨਤ ਸਾਬੋ ਅਪਨੀ ਦੇ ਰਾਸ

ਦਿਵਾਇ ਛਿਨਨ ਰੋਹਨੂ ਤੇ ਬੀ ਸ਼ਮੀਰੇ ਸ਼ਤਮਨੀ (ਸ਼ਿਅਨ) ਵਰਕੌਇ.

ਖਾਤ ਪੀਤ ਬਰਤੈ ਅਨਦ ਉਲਾਸਿ ॥

ਕਹਾਤ ਪੀਤ ਬਰਤੀ ਅਨਦ ਆਸ

ਮਖ਼ਲਕਾਤ ਪੇ ਖੋਣੀ ਅਤੇ ਖੋਣੀ ਸਰੀ ਹੁਕਮੀ, ਖੱਬੀ ਅਤੇ ਮਚਰਫ਼ੀ.

ਅਪੁਨੀ ਅਮਾਨ ਕਛੁ ਬਹੁਰਿ ਸਾਹੁ ਲੇਇ ॥

اਪਨੀ ਅਮਾਨ ਕਚੇ ਬੇਰ ਸਾਬੋ ਲੇਇ

ਕਹ ਦ ਗਨੀ ਛਿਨਨ ਲੇ ਖੈਲ ਫੁਲ ਖੁਹੈ ਯੋ ਥੇ ਵਿਅਸੀ.

ਅਗਿਆਨੀ ਮਨਿ ਰੋਸੁ ਕਰੇਇ ॥

اਗਿਆਨੀ ਮਨ ਰੋਸ ਕਰੇ.

ਨੂ ਯੋ ਨਾਪੋਹ ਸਰੀ ਪੇ ਜਰੇ ਕੀ ਗੁਝੇ ਕੌਇ.

ਅਪਨੀ ਪਰਤੀਤਿ ਆਪ ਹੀ ਖੋਵੈ ॥

اਪਨੀ ਪਰਤੀਤ ਆਪ ਬੀ ਕਹੋਵੈ

ਪੇ ਦੀ ਤੋਗੇ ਹੁਗੇ ਪੇ ਖੈਲ ਹਾਂ ਬਾਵਰ ਲੇ ਲਾਸੇ ਵਰਕੌਇ.

ਬਹੁਰਿ ਉਸ ਕਾ ਬਿਸੂਅ ਨ ਹੋਵੈ ॥

ਬੇਰ ਅਸ ਕਾ ਬਸ਼ਾਸ ਨ ਹੋਵੈ.

ਛਿਨਨ ਬਿਆ ਪੇ ਹੁਗੇ ਬਾਵਰ ਨੇ ਕੌਇ.

ਜਿਸ ਕੀ ਬਸਤੁ ਤਿਸੁ ਆਰੈ ਰਾਖੈ ॥

جس کੀ ਬਸਤ ਤੱਥ ਅਕੀ ਰਾਖੇ.

ਬਾਇਦ ਦ ਹੁਗੇ ਚਾ ਪੇ ਮਖ ਕੀ (ਪੇ ਖੋਣੀ ਸਰੀ) ਕੱਨਵੁਲ ਥੀ ਚੀ ਮਾਲਕ ਬਿ ਵਿ

پُر بُر کی آرگیا آ مانے ماءِی ॥

پربه کی آگیا منئی ماتھئی
او د خبتن حکم ورتہ د مثلو ور دی.

عِس تے صِعِنَانَ كَرَّ نِيْهَلَّا ॥

اس تے چوگن کرئی نہال.
خبتن هغه د پخوا په پرتله خلور خلہ پیر شکر کوي.

نَانَكَ سَارِيَبُر سَدَا دَسِيَّا لَّا ॥ ۲ ॥

نانک صاحب سدا دئال.
ای نانک! واہ گورو تل مهربانہ وي.

اَنِيكَ بَرَّا تِيَّا كَرَّهَتَ ॥ سَرَّا پَرَّا هَوَّا تَّا ॥

انک بهات مائیا کے بیت. سرپر بوت جان انتیت.
د شتمنی جالونه ڈول ڈول دی، مگر په پای کی دا ٹول تباہ کوونکی وگنی.

بِرَحَ كَيِّا دَنِيَّا سِيِّعِيَ رَنِيَّا لَّا ॥

برکھ کی چھائیا سیو رنگ لاوے.
بو سری د ونی سیوری خوبنوي. (مگر)

دَهَ بِنِمَّا عِرُو مَنِيَّا پَلَّا ॥

اوہ بنسی اوہ من پچھڑاوے.
کله چی هغه مر شی، هغه په زرہ کی توبہ کوي.

جَوَ دِيَسِيَّا سَوَ چَالِهَارَ ॥

جو دیسی سو چالنہار
بسکارہ دنیا موقتہ ده

لَّاَفَتِ رَهِيَّا تَهَّا اَيَّا اَمَّا رَهَ ॥

لپت ربیو ته انه اندھار
یوه ناپوھه دا دنیا خپله کری ده.

بَرَّا عِلِّيَّا سِيِّعِيَ جَوَ لَّا ॥

بناؤ سیو جو لاوے نے
هر هغه سری چی د مسافر سره مینه لري

تَاهَ كَوِيَّا هَرِيَّا نَآهَّا كَهَ ॥

تا کؤ باتھ نه آوے کہ
په پای کی، هیث شی د هغه لاس ته نه راحی.

مَنَ هَرِيَّا كَهَ نَامَ كَيِّا پُرِيَّا سُوكَسَّا ॥

من بر کے نام کی پریت سخ دائی.
ای زما زرہ! د خبتن د نوم سره مینه راحته ده.

کری کیرپا نانک آپ لایے لائی ॥۳॥

کر کرپا نانک آپ لئے لائی.

ای نانک! په دی توگہ گورو ھوک چی ھوک چی خوبنوي له ھان سره نببلوی.

میشیਆ ترنا یعنی کرتبھ مسماۓ ایਆ ॥

مٹھیا تن دهن گتمب سباعیا

دا بدن، مال او کورنی تول دروغ دی.

میشیਆ ہٹی میں ممتاز ماماۓ ایਆ ॥

مٹھیا پئمے ممتا مائیا.

غور، حرص او مال ھم دروغ دی.

میشیਆ راج نے بن یعنی مال ॥

مٹھیا راج جو بن دهن مال

دولت، ھوانی، مال او شمنی تول سرابونہ دی.

میشیਆ کام کروپ بیکرال ॥

مٹھیا کام کروڈھ بکرال

لالج او سختہ غوسمہ تول انسانان دی.

میشیਆ ربا ہمسڑی اسٹے بسڑا ॥

مٹھیا رتبہ پستی اسو ابسترا

بنائستہ گاڈی، ھاتیان، آسونہ او غورہ لباسونہ تول فاسق دی.

میشیਆ رنج سینگ ماماۓ ایا پیخی ہمسڑا ॥

مٹھیا رنگ سنگ مائیا پیکھہ پستا

د شمنی د راتولولو مینہ، چی سری خندوی، ھم دروغ دی.

میشیਆ پھر مہے ابھیماں ॥

مٹھیا دھروہ موہ ابھمان

خیانت، دنیاگی خواخوری او غور، ھم موقتی دی.

میشیਆ آپس عیپری کرڑ گراماں ॥

مٹھیا آپس اوپر کرت گمان

په خپل ھان فخر کول دروغ دی.

امسیحیو برگاتی ساپ کی سرنا ॥

استھر بھگت سادھ کی سرن

د گورو عبادت او د سنتانو پناہ ڈاہمنہ دہ.

نانک جپی جپی جیوے ہری کے صرنا ॥۸॥

نانک جپ جپ جیوے بر کے چرن

ای نانک! یوازی د خدای پہ پیشو کی بنکته کیدو سره مخلوق واقعیا ژوند کوی.

ਮਿਥਿਆ ਸ੍ਰਵਨ ਪਰ ਨਿੰਦਾ ਸੁਨਹਿ ॥
ਮੈਂਹਿਆ ਸ੍ਰਵਨ ਪਰ ਨਨਦਾ ਸਨਹੇ.
ਦ ਅਨਸਾਨ ਗੁਬਰਨੇ ਦਰਵਾਗ ਦਿ ਜੀ ਦ ਨੁਰੂ ਬਦੀ ਓਰੀ.

ਮਿਥਿਆ ਹਸਤ ਪਰ ਦਰਬ ਕਉ ਹਿਰਹਿ ॥
ਮੈਂਹਿਆ ਪੱਥ ਪਰ ਦਰਬ ਕੌ ਬਰਬੈ.
ਹਗੇ ਲਾਸੋਨੇ ਹਮ ਦਰਵਾਗ ਦਿ ਜੀ ਦ ਨੁਰੂ ਖਖੇ ਪਿੱਸੀ ਗਲਾ ਕੋਇ.

ਮਿਥਿਆ ਨੇਤ੍ਰ ਪੇਖਤ ਪਰ ਤ੍ਰਿਅ ਰੁਪਾਦ ॥
ਮੈਂਹਿਆ ਨੈਨਟਰ ਪ੍ਰਿਕਹਤ ਪਰ ਤ੍ਰੈਅ ਰੁਪਾਦ.
ਹਗੇ ਸਟਰਗੀ ਦਰਵਾਗ ਦਿ ਜੀ ਦ ਯੋਇ ਅਜਿਹੀ ਬਨ੍ਹੀ ਬੱਕਲਾ ਵਿਨੀ

ਮਿਥਿਆ ਰਸਨਾ ਭੇਜਨ ਅਨ ਸ਼ਾਦ ॥
ਮੈਂਹਿਆ ਰਸਨਾ ਬਹੁਜਨ ਅਨ ਸ਼ਾਦ.
ਹਗੇ ਰੰਬੇ ਜੀ ਲੇ ਖੁਰੂ ਅਨੁ ਖਨਦਨੁ ਖਖੇ ਅਖਣਲ ਕੱਪਰੀ ਹਮ ਦਰਵਾਗ ਦਿ.

ਮਿਥਿਆ ਚਰਨ ਪਰ ਬਿਕਾਰ ਕਉ ਧਾਵਹਿ ॥
ਮੈਂਹਿਆ ਚੜਨ ਪਰ ਬਕਾਰ ਕੌ ਢਾਵਹੈ.
ਹਗੇ ਪੰਨੀ ਦਰਵਾਗਜਨੀ ਦਿ, ਜੀ ਦ ਨੁਰੂ ਪੇ ਜਿਅਨ ਰਸਾਅਵੀ.

ਮਿਥਿਆ ਮਨ ਪਰ ਲੇਭ ਲੁਭਾਵਹਿ ॥
ਮੈਂਹਿਆ ਮਨ ਪਰ ਲੇਭ ਲੁਭਾਵਹੈ
ਹਗੇ ਨਫਸ ਹਮ ਦਰਵਾਗਜਨੇ ਦਿ ਜੀ ਦ ਬਲ ਦ ਮਾਲ ਪੇ ਨਿੰਤ ਖਰਾਬੀ.

ਮਿਥਿਆ ਤਨ ਨਹੀਂ ਪਰਉਪਕਾਰਾ ॥
ਮੈਂਹਿਆ ਤਨ ਨਹੀਂ ਪਰਉਪਕਾਰਾ
ਹਗੇ ਬਦਨ ਦਰਵਾਗ ਦਿ ਜੀ ਬਨੇ ਕਾਰ ਨੇ ਕੋਇ.

ਮਿਥਿਆ ਬਾਸੁ ਲੇਤ ਬਿਕਾਰਾ ॥
ਮੈਂਹਿਆ ਬਾਸੁ ਲੇਤ ਬਿਕਾਰਾ
ਦਾ ਪ੍ਰਵੇਦ ਬੀ ਕੱਤੀ ਦੇ, ਦ ਜਸਮੀ ਖਨਦਨੁ ਬ੍ਰਾਵੀ ਕੋਇ.

ਬਿਨੁ ਬੁਝੇ ਮਿਥਿਆ ਸਭ ਭਏ ॥
ਬਿਨੁ ਬੁਝੇ ਮੈਂਹਿਆ ਸਭ ਭਏ
ਪ੍ਰਤੇ ਲੇ ਦਿ ਜੀ ਪ੍ਰਵੇਦ ਕੀ ਹਰ ਅਤੇ ਮੇਰ ਦੇ.

ਸਫਲ ਦੇਹ ਨਾਨਕ ਹਰਿ ਹਰਿ ਨਾਮ ਲਏ ॥੫॥
ਸਫਲ ਦੀਅ ਨਾਨਕ ਬ੍ਰ ਨਾਮ ਲੈ.
ਇ ਨਾਨਕ! ਹਗੇ ਬਦਨ ਬ੍ਰਿਅਲੀ ਦਿ, ਜੀ ਦ ਹ੍ਰਿ ਪ੍ਰਮਿਸ਼ੁਰ ਨੁਮ ਯਾਦੀ.

ਬਿਰਖੀ ਸਾਕਤ ਕੀ ਆਰਜਾ ॥
ਬਿਰਖੀ ਸਾਕਤ ਕੀ ਆਰਜਾ
ਦ ਪ੍ਰਚੁਨੀ ਅਨਸਾਨ ਰੜਨਦ ਬੀ ਕੱਤੀ ਦੇ.

ਮਾਚ ਬਿਨਾ ਕਰ ਹੋਵਤ ਸੁਚਾ ॥

ਬਿਰਤਾ ਨਾਮ ਬਨਾ ਨਦੇ

ਹਗੇ ਖੜਕ ਲੇ ਹਿੱਤ ਪਰਤੇ ਪਾਕ ਕਿਦੀ ਥਿ?

ਬਿਰਥਾ ਨਾਮ ਬਿਨਾ ਤਨੁ ਅੰਧ ॥

ਮਕਥ ਆਵਤ ਤਾ ਕੌਡੀ ਦਰਗੜਦੇ

ਦ ਨਾਪਾਵ ਸ੍ਰਿ ਬਦਨ ਦ ਹਗੇ ਦ ਨੁਮ ਲੇ ਅਮਲੇ ਬੀ ਕਤੀ ਦੀ। (ਹਕੇ)

ਮੁਖ ਆਵਤ ਤਾ ਕੈ ਦੁਰਗੰਧ ॥

ਬਨ ਸਮ੍ਰਨ ਦਨ ਰਿਨ ਬਰਤਾ ਬਹੈ

ਦ ਦੂਵੀ ਖੁਲੇ ਬਦ ਬ੍ਰਾਵੀ ਕੌਵੀ.

ਬਿਨੁ ਸਿਮਰਨ ਦਿਨੁ ਰੈਨਿ ਬ੍ਰਾਥਾ ਬਿਹਾਇ ॥

ਮਿਗੇ ਬਨਾ ਜਿਓ ਕਹਿਤੀ ਜਾਂਦੇ

ਵਰਖੀ ਅਵ ਸ਼੍ਰੀ ਦ ਰੂਬ ਲੇ ਪਾਡਾਵ ਲੇ ਪਰਤੇ ਬੀ ਕਤੀ ਤਿਰਿਵੀ.

ਮੇਘ ਬਿਨਾ ਜਿਉ ਖੇਤੀ ਜਾਇ ॥

ਗੁਬਦ ਬੇਹਨ ਬਨ ਬਰਤੇ ਸ਼ਬੇ ਕਾਮ

ਲਕੇ ਦ ਬਾਰਾਨ ਪਰਤੇ ਫੁਲ ਲੇ ਮਨੁੰ ਹੈ.

ਰੋਬਿਦ ਭਜਨ ਬਿਨੁ ਬ੍ਰਾਥੇ ਸਭ ਕਾਮ ॥

ਜਿਓ ਕਰਪਨ ਕੇ ਨਰਾਤ ਦਾਮ

ਤਾਵ ਹਗੇ ਕਾਰ ਚੀ ਦ ਗੁਵਿੰਦ ਦ ਸਨਦ੍ਰੋ ਲਖਾ ਤਰਸ੍ਰੇ ਕੀਵੀ ਬੀ ਕਤੀ ਦੀ.

ਜਿਉ ਕਿਰਪਨ ਕੇ ਨਿਗਾਰਥ ਦਾਮ ॥

ਦੇਹ ਦੇਹ ਤੇ ਜੇ ਜੇ ਗੇਹੜ ਬ੍ਰਾਵੀ ਬ੍ਰਾਨਾਵ

ਲਕੇ ਦ ਬੁਖੀਲ ਮਾਲ ਬੀ ਅਰਜਨਤੇ ਦੀ.

ਧੰਨਿ ਧੰਨਿ ਤੇ ਜਨ ਜਿਹ ਘਟਿ ਬਸਿਓ ਹਰਿ ਨਾਉ ॥

ਨਾਨਕ ਤਾ ਕੌਡੀ ਬਲ ਬਲ ਜਾਂਦੇ

ਹਗੇ ਛੁਕ ਪੇਰ ਬਖਤੁਰ ਦੀ ਚੀ ਪੇ ਜ਼ਰੇ ਕੀ ਯੀ ਦ ਖੜਿਤਨ ਨੁਮ ਅਵਸਿੰਦੀ.

ਨਾਨਕ ਤਾ ਕੈ ਬਲਿ ਬਲਿ ਜਾਉ ॥੬॥

ਰਾਬਤ ਔਰੜ ਕੱਚੇ ਔਰੜ ਕਮਾਵਤ

ਏ ਨਾਨਕ! ਜੇ ਪੇ ਹਗੁਵੀ ਕਰਬਾਨ ਇਮ.

ਰਹਤ ਅਵਰ ਕਛੁ ਅਵਰ ਕਮਾਵਤ ॥

ਮਨ ਨੇਹਿਨ ਪ੍ਰੀਤ ਮੁਕਹੇ ਗੜਦੇ ਲਾਵਤ

ਸ੍ਰਿ ਯੋ ਥੇ ਵਾਇ ਅਵ ਬਲ ਥੇ ਕੌਵੀ.

ਮਨਿ ਨਹੀ ਪ੍ਰੀਤਿ ਮੁਖਹੁ ਗੰਢ ਲਾਵਤ ॥

ਜਾਨਹਾਰ ਪ੍ਰਬਹੂ ਪ੍ਰਬਿੰਨ

ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਜ਼ਰੇ ਕੀ (ਦ ਖਾਇ ਲਪਾਰੇ) ਮਿਨੇ ਨਿ਷ਠੇ, ਮੁਗ ਹਗੇ ਪੇ ਖੁਲੇ ਬੀ ਹਾਇ ਖਬੀ ਕੌਵੀ.

ਜਾਨਨਹਾਰ ਪ੍ਰਭੁ ਪਰਬੀਨ ॥

ਬਾਬੇ ਬੇਹਿਕੇਹਨੇ ਕਾਬੋ ਬੇਹਿਨ

ਹਗੇ ਰਬ ਚੀ ਪੇ ਹਰ ਥੈ ਪੋਹੀਰੀ ਦਿਰ ਹੋਵਿਆਰ ਦੀ

ਬਾਹਰਿ ਭੇਖ ਨ ਕਾਹੂ ਭੀਨ ॥

ਓਰੜ ਆਪਿਸੀ ਆਪ ਨੇ ਕਰੀ

(ਹਿੱਖਲੇ) ਦ ਚਾ ਲੇ ਝਾਹਰੇ ਰਾਚੀ ਨੇ ਵੀ.

ਅਵਰ ਉਪਦੇਸੈ ਆਪਿ ਨ ਕਰੈ ॥

ਆਵਤ ਜਾਵਤ ਜਨਮੈ ਮਰੈ.

ਹਗੇ ਥੁਕ ਚੀ ਨੁਰੋ ਤੇ ਬਨੀ ਖਬੀ ਕੌਇ ਅਵ ਪੱਖਲੇ ਦ ਹਗੇ ਪਿਰੀ ਨੇ ਕੌਇ

ਆਵਤ ਜਾਵਤ ਜਨਮੈ ਮਰੈ ॥

ਜਸ ਕੌੜੇ ਅਨ੍ਤਰ ਬੱਸੇ ਨਰਨਕਾਰ.

ਹਗੇ (ਦੀਨਾ ਤੇ) ਰਾਹੀਂ ਅਵ ਰੁਨਦ ਕੌਇ ਅਵ ਕਿਰੀ.

ਜਿਸ ਕੈ ਅੰਤਰਿ ਬਸੈ ਨਿਰੰਕਾਰ ॥

ਤਸ ਕੀ ਸਿਕਹੇ ਤਰੇ ਸਨਸਾਰ.

ਦ ਹਗੇ ਸ੍ਰੀ ਪੇ ਰਿਹੇ ਕੀ ਚੀ ਦ ਸ਼ਕਲ ਅਵ ਥੁਖੇ ਪਾਕ ਵੀ ਥੰਭਣਾਂ ਅਵਸਿਰੀ

ਤਿਸ ਕੀ ਸੀਖ ਤਰੈ ਸੰਸਾਰ ॥

ਜੇ ਤਮ ਬਹਾਂ ਤੇ ਨ ਪ੍ਰਭੇ ਜਾਤਾ.

ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਟ੍ਰਿਲੀਗ ਸਰੇ ਤੋਲੇ ਨ੍ਰੀ (ਦ ਅਫ਼ਤਨੁ ਥੁਖੇ) ਰਾਗੁਰ ਕਿਰੀ.

ਜੇ ਤੁਮ ਭਾਨੇ ਤਿਨ ਪ੍ਰਭੁ ਜਾਤਾ ॥

ਨਾਨਕ ਅਵ ਜੇ ਚੰਨ ਪ੍ਰਤਾ.

ਏ ਰਿਹੇ! ਬਾਵਾਵੀ ਹਗੇ ਥੁਕ ਚੀ ਤਾਸੁ ਤੇ ਬਨੀ ਬਨਕਾਰੀ ਤਾਸੁ ਪੀਤਾਨੀ.

ਨਾਨਕ ਉਨ ਜਨ ਚਰਨ ਪਰਾਤਾ ॥੧॥

ਕਰੂ ਬਿੰਨੀ ਪਾਰਬਰਿ ਸਭੇ ਜਾਨੇ

ਏ ਨਾਨਕ! ਰਿਹੇ ਦ ਦਾਸੀ ਬਨਦਗਾਨੁ ਪੰਧੀ ਬਨਕਲੁਮ.

ਕਰਉ ਬੇਨਤੀ ਪਾਰਥੁਰੁ ਸਭੁ ਜਾਨੈ ॥

ਅਪਨਾ ਕਿਆ ਆਪਿ ਮਨੈ

ਰਿਹੇ ਦੀ ਪਾਰਬਰਾਹਮਾ ਪੇ ਵਰਾਨਦੀ ਦੁਆ ਕੁਮ, ਥੁਕ ਚੀ ਪੇ ਹਰਥੈ ਪੋਹੀਰੀ.

ਅਪਨਾ ਕੀਆ ਆਪਿ ਹਿਮਾਨੈ ॥

ਬਾਬੇ ਬੇਹਿਕੇਹਨੇ ਕਾਬੋ ਬੇਹਿਨ

ਹਗੇ ਪੱਖਲੇ ਖੀਲ ਮਖ਼ਲਿਕਾਨੁ ਤੇ ਉਤ ਵਰਕੀ.

ਆਪਿ ਆਪ ਆਪਿ ਕਰਤ ਨਿਬੇਰਾ ॥

ਅਪੇ ਆਪ ਆਪ ਕਰਤ ਨਿਬੀਰਾ

ਪੇ ਦੀ ਤੋਕੇ ਗ੍ਰੁ ਪੱਖਲੇ ਅਨਾਫ਼ ਕੌਇ (ਦ ਮਖ਼ਲਿਕ ਦ ਉਮਲਨੁ ਸਰੇ ਸਮ).

کیسے دُری جناہ ت کیسے بُشناہ ت نے را ॥
کسے دور جانلوت کسے بجهاؤت نیرا
یو ته دا احساس ورکوی چی واہ گورو مور ته نبڑی دی او یو احساس کوی چی واہ گورو لري دی.

عُپاہ سِیاہ نپ سگال تے رہا ॥
اپاو سیانپ سگل تے راہت
د تولو هخو او هوبنیاری خخہ پورتہ گرو دی.

سُبُ کھُ جا نے آٹا م کی رہا ॥
سبھ کچھ جانی آتم کی راہت.
(حکم) هغه د انسان د زیرہ په حالت بنہ پوھیری.

ਜیسُ بُراہیٰ تیسُ لادے لڈیٰ لای ॥
جس بھاوی تسلی لڑ لائے.
هغه هغه لہ خانہ سره وری، کوم چی هغه خوبنوي

خان بُنْڈری رہیا سمای ॥
نهان تھننتر ریبا سمائے.
خینتن په یولو خایونو کی سیوری لری.

سے سے دکھ جیس کیرپا کری ॥
سو سیوک جس کرپا کری
هغه خوک چی گرو رحم پری وکری د هغه خادم دی.

نیم خ نیم خ جپی نا نک هری ॥۶॥۵॥
نمکھ نمکھ جپ نانک بری.
ای نانک! هرہ شیبیہ د هری یادولو ته دوام ورکرئ.

سَلْوَك ॥
سلوک
شلوک

کام کرے اُر لے اُ مੋہ بی نسی جا ای ॥
کام کروڈھا ر لو بھ موه بنس جائے اہمیو
ای گورہ! زما شہوت، قهر، حرص او غزور دی ختم شی.

نا نک پُبُ سر لانگاڑی کری پُسادُ گُر دے ॥۹॥
نانک پربھ سرنگتی کر پرساد گردیو
زه ستا پناہ ته را غلی یم. ای گرو دیو! په ما مهربانہ او سه

اس تا پدی ॥
اساتیدی
اشتایپدی.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਛਤੀਹ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਖਾਹਿ ॥

ਜੇ ਪ੍ਰਸਾਦ ਚੇਤੀਹ ਅਮਰਿ ਕਹਾਵੀ

(ਏ ਮਖ਼ਲੋਗ!) ਦ ਹੁਗੇ ਪੇ ਫੁਲ ਸਰੇ ਤਾਸੋ ਸ਼ਪਾਰਸ ਦੂਲੇ ਖੁਨਦੁਰ ਖਾਰੇ ਖੁਰੇ.

ਤਿਸੁ ਠਾਕੁਰ ਕਉ ਰਖੁ ਮਨ ਮਾਹਿ ॥

ਤੇਸ ਤਹਾਕਰ ਕੌ ਰਕੇ ਮਾਬੀ

ਦਾ ਛੁਣਨ ਪੇ ਖੈਲ ਰੀਹ ਕੀ ਯਾਦ ਸਾਨੇ

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਸੁਰੰਧਤ ਤਨਿ ਲਾਵਹਿ ॥

ਜੇ ਪ੍ਰਸਾਦ ਸੁਗਨਦੇਹ ਤਨ ਲਾਵੀ

ਦ ਚਾ ਪੇ ਫੁਲ ਤਾਸੋ ਖੈਲ ਬਦਨ ਖੁਸ਼ਿਓਈ

ਤਿਸ ਕਉ ਸਿਮਰਤ ਪਰਮ ਗਤਿ ਪਾਵਹਿ ॥

ਤੇਸ ਕੌ ਸਮਰਤ ਪ੍ਰਮ ਗੱਤ ਪਾਵੀ

ਦ ਹੁਗੇ ਪੇ ਉਬਦ ਕਲੁ ਸਰੇ ਬੇ ਤਾਸੋ ਨਜਾਤ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਰੀ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਬਸਹਿ ਸੁਖ ਮੰਦਰਿ ॥

ਜੇ ਪ੍ਰਸਾਦ ਬੇ ਸਕੇ ਮੰਦਰ

ਦ ਚਾ ਪੇ ਫੁਲ ਤਾਸੋ ਪੇ ਗਾਉਂਦੇ ਕੀ ਖੁਖਲਾਈ ਯਾਸਟ,

ਤਿਸਹਿ ਧਿਆਇ ਸਦਾ ਮਨ ਅੰਦਰਿ ॥

ਤੇਸੇ ਦੇਹਿਆਈ ਸਦਾ ਮਨ ਅੰਦਰ.

ਤੇਲ ਪੇ ਰੀਹ ਕੀ ਦ ਹੁਗੀ ਪੇ ਅਰੇ ਫਕਰ ਓਕੜੀ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਗਿਰ੍ਹ ਸੰਗਿ ਸੁਖ ਬਸਨਾ ॥

ਜੇ ਪ੍ਰਸਾਦ ਗੁਰੇ ਸੰਗ ਸਕੇ ਬੰਸਾਬੀ.

ਦ ਚਾ ਪੇ ਫੁਲ ਸਰੇ ਪੇ ਖੈਲ ਕੁਰ ਕੀ ਖੁਖਲਾਈ ਯਾਸਟ

ਆਠ ਪਹਰ ਸਿਮਰਹੁ ਤਿਸੁ ਰਸਨਾ ॥

ਅਤੇ ਪੇਰ ਸਮਰੇ ਤੇਸ ਰਸਨਾਬੀ

ਪੇ ਖੈਲੇ ਰੰਬੇ ਬੀ ਨਕਰ ਕਰੀ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਰੰਗ ਰਸ ਭੋਗ ॥

ਨਾਨਕ ਸਦਾ ਦੇਹਿਆਈ ਦੇਹਿਅਨ ਜੁਗ

ਏ ਨਾਨਕ! ਦ ਹੁਗੇ ਪੇ ਫੁਲ ਸਰੇ ਰਨਗਾਨੇ, ਖੁਨਦੁਰ ਖਾਰੇ ਅਤੇ ਬਿਖ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਿਹੜੀ,

ਨਾਨਕ ਸਦਾ ਧਿਆਈਐ ਧਿਆਵਨ ਜੋਗ ॥੧॥

ਜੇ ਪ੍ਰਸਾਦ ਰਨਗ ਰਸ ਬੋਹੁਗ

ਧੋ ਖੁਕ ਬਾਇਦ ਤੇਲ ਦੀ ਗੁਰੂ ਪਾਦਨਾਵ ਓਕੜੀ ਕੀ ਦ ਯਾਦਲੁ ਵਰ ਦੀ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਪਾਟ ਪਟੰਬਰ ਹਢਾਵਹਿ ॥

ਜੇ ਪ੍ਰਸਾਦ ਪਾਟ ਪਿਤੀਮਰ ਪਦਾਵਿਹ

د چا په فضل سره ناسو د وربنسمو جامی اغوسنی،

ਤਿਸਹਿ ਤਿਆਗਿ ਕਤ ਅਵਰ ਲੁਭਾਵਹਿ ॥

تنه تیاخ کت اور لہاویه.

ولی دی په هبرولو سره په نورو کی نشہ یبی؟

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਸੁਖਿ ਸੇਜ ਸੋਈਜੈ ॥

جہ پرساد سکھ سے ج سوئجئ۔

د هغہ په فضل ناسو په آرام بستر کی خوب کوئ.

ਮਨ ਆਠ ਪਹਰ ਤਾ ਕਾ ਜਸੁ ਗਾਵੀਜੈ ॥

من آٹھ پہر تا کا جس گاویجئ۔

ای زما زیرہ! دا رب باید هر وخت ستائیه وشی.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੁਝ ਸਭ ਕੇਉ ਮਾਨੈ ॥

جہ پرساد تجھ سبھ کੌਰ ਮਾਨੈ

د هغہ په مهربانی سره هر سری ستا عزت کوئ.

ਮੁਖਿ ਤਾ ਕੇ ਜਸੁ ਰਸਨ ਬਖਾਨੈ ॥

مکھ تا کੌਰ جس رسن بکھانੈ.

تل د خپلی خولی او ژبی سره د هغہ ستائیه وکرئ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੇਰੇ ਰਹਤਾ ਧਰਮੁ ॥

ਖੀ ਪ੍ਰਸਾਦ ਤੇ ਰਾਹਤੇ ਦਹਰਮ

د چا په فضل ستا دین پاتی کਬری

ਮਨ ਸਦਾ ਧਿਆਇ ਕੇਵਲ ਪਾਰਬ੍ਰਹਮੁ ॥

من سدا دھیایی کیوں پاربرہم

ای زما زیرہ! نو تل دا پاربرہما په یاد ولرئ.

ਪ੍ਰਭ ਜੀ ਜਪਤ ਦਰਗਹ ਮਾਨੁ ਪਾਵਹਿ ॥

ਪਾਰਬੇ ਜੀ ਚੱਪਟ ਦਰਗੇ ਮਾਨ ਪਾਵਾਹੀ

د خدائی په عبادت کولو سره به د هغہ په دربار کی ਖਾਇ ترلاਸੇ ਕ੍ਰਿ.

ਨਾਨਕ ਪਤਿ ਸੇਤੀ ਘਰਿ ਜਾਵਹਿ ॥੨॥

نانک پت سੀਤੀ ਗ੍ਰਹ ਜਾਵੇ

ای نانک! په دی توਗੇ ਬੇ ਨਾਸੋ ਪਹ ਉਤ ਸਰੇ ਖੱਲ ਕੁਰ (آخرت) ਤੇ ਹੈ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਆਰੋਗ ਕੰਚਨ ਦੇਹੀ ॥

ਖੀ ਪ੍ਰਸਾਦ ਆਰੋਗ ਕਨੌਂ ਦਿਹੀ

ای زیرہ! د چا په فضل ਤਾਦ ਸਰੋ ਜ਼ਰੂ ਪਹ ਸ਼ਾਨ ਬਿਨੀ ਬਦਨ ਤਰਲਾਸੇ ਕ੍ਰਿ ਦੀ

ਲਿਵ ਲਾਵਹੁ ਤਿਸੁ ਰਾਮ ਸਨੋਹੀ ॥

لیو لاوه نس رام سنیهی
د دی محبوب رام خخه خان خلاص کرئ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੇਰਾ ਓਲਾ ਰਹਤ ॥
ਖੀ ਪ੍ਰਸਾਦ ਤਿਰਾ ਓਲਾ ਰਾਹਤ
ਦ ਚਾ ਪੇ ਫੁਲ ਸਤਾ ਪ੍ਰਦੇ ਪਾਤੀ ਦ

ਮਨ ਸੁਖ ਪਾਵਹਿ ਹਰਿ ਹਰਿ ਜਸੁ ਕਹਤ ॥
ਮਨ ਸੁਖ ਪਾਵਹਿ ਹਰਿ ਹਰਿ ਜਸੁ ਕਹਤ
ਦ ਦੀ ਰਬ ਪੇ ਥਨਾ ਵਿਲੋ ਸਰੇ ਬੇ ਖੋਸ਼ਹਾਲੀ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਸ਼ੀ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੇਰੇ ਸਗਲ ਛਿਦ੍ਰ ਢਾਕੇ ॥
ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦ ਤੇਰੇ ਸਗਲ ਛਿਦ੍ਰ ਢਾਕੇ
ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਫੁਲ ਸਤਾਸੁ ਤੁਲ ਕਨਾਹਨੇ ਪੱਤ ਦੀ.

ਮਨ ਸਰਨੀ ਪਰੁ ਠਾਕੁਰ ਪ੍ਰਭ ਤਾ ਕੈ ॥
ਮਨ ਸਰਨੀ ਪਰੁ ਠਾਕੁਰ ਪ੍ਰਭ ਤਾ ਕੈ
ਅਧੀਨੇ ਰਾਹ ਪ੍ਰਭ ਤਾ ਕੈ
ਅਧੀਨੇ ਰਾਹ ਪ੍ਰਭ ਤਾ ਕੈ

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੁਝੁ ਕੋ ਨ ਪਹੂੰਚੈ ॥
ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦ ਤੁਝੁ ਕੋ ਨ ਪਹੂੰਚੈ
ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਫੁਲ ਹਿਖੁਕ ਸਤਾ ਬ੍ਰਾਬਰ ਨੇ ਦੀ,

ਮਨ ਸਾਸਿ ਸਾਸਿ ਸਿਮਰਹੁ ਪ੍ਰਭ ਉਚੇ ॥
ਮਨ ਸਾਸਿ ਸਾਸਿ ਸਿਮਰਹੁ ਪ੍ਰਭ ਉਚੇ
ਅਧੀਨੇ ਰਾਹ ਪ੍ਰਭ ਤਾ ਕੈ

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਪਾਈ ਦੁਲਭ ਦੇਹ ॥
ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦ ਪਾਈ ਦੁਲਭ ਦੇਹ
ਦ ਚਾ ਪੇ ਫੁਲ ਸਤਾ ਬ੍ਰਾਬਰ ਨੇ ਦੀ

ਨਾਨਕ ਤਾ ਕੀ ਭਗਤਿ ਕਰੇਹ ॥੩॥
ਨਾਨਕ ਤਾ ਕੀ ਭਗਤਿ ਕਰੇਹ
ਅਧੀਨੇ ਰਾਹ ਪ੍ਰਭ ਤਾ ਕੈ

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਆਕੂਖਨ ਪਹਿਰੀਜੈ ॥
ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦ ਆਕੂਖਨ ਪਹਿਰੀਜੈ
ਦ ਚਾ ਪੇ ਫੁਲ ਗਾਨੀ ਅਗੁਸਟਲ ਕਿਹੀ,

ਮਨ ਤਿਸੁ ਸਿਮਰਤ ਕਿਉ ਆਲਸੁ ਕੀਜੈ ॥
ਮਨ ਤਿਸੁ ਸਿਮਰਤ ਕਿਉ ਆਲਸੁ ਕੀਜੈ
ਅਧੀਨੇ ਰਾਹ ਪ੍ਰਭ ਤਾ ਕੈ

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਅਸੂ ਹਸਤਿ ਅਸਵਾਰੀ ॥

جي پرساد اسو حسط اسواری.

د چا په فضل تاسو په اسونو او هاتيو سپارہ یاست،

ਮਨ ਤਿਸੁ ਪ੍ਰਭੁ ਕਉ ਕਬਹੂ ਨ ਬਿਸਾਰੀ ॥

من تنس پرب کئو نہ بساري.

ای زرہ! دا استاد ہیخکلہ مہ ہیروئ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਬਾਗ ਮਿਲਖ ਧਨਾ ॥

جي پرساد باگ ملخ دھنه.

د هغه په فضل د کروندي، ہمکي او شتمنی ترلاسہ شوي.

ਰਾਖੁ ਪਰੋਇ ਪ੍ਰਭੁ ਅਪੁਨੇ ਮਨਾ ॥

راکھ پرورئے پربھ اپنے منا.

دا گرو په خپل ذهن کی وساتئ.

ਜਿਨਿ ਤੇਰੀ ਮਨ ਬਨਤ ਬਨਾਈ ॥

جي تھ ری من بانت بنای.

ای زرہ! هر هغه ٹھے چي گرو تاسو پیدا کري دي،

ਉਠਤ ਬੈਠਤ ਸਦ ਤਿਸਹਿ ਧਿਆਈ ॥

جي تھ ری من بانت بنای

دا باید هر وخت د ناستي په وخت کي ذكر شي.

ਤਿਸਹਿ ਧਿਆਈ ਜੋ ਏਕ ਅਲਖੈ ॥

اوته بیتہ ساد تسہ ذیائی

ای نانک! د دی ناخرگند رب په اره فکر وکرئ.

ਈਹਾ ਉਹਾ ਨਾਨਕ ਤੇਰੀ ਰਖੈ ॥੪॥

تسہ ذیائی جو ایک الخی

هغه بہ په دنیا او آخرت کی ستا حفاظت وکری.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਕਰਹਿ ਪੁੰਨ ਬਹੁ ਦਾਨ ॥

اپها اوہا نانک تھ رخئی

د هغه په فضل سرہ تاسو لوی خیرات ورکوئ

ਮਨ ਆਠ ਪਹਰ ਕਰਿ ਤਿਸ ਕਾ ਧਿਆਨ ॥

جہ پرساد کرھی پن بھو دان

ای زرہ! دا باید په اتو بجو مراقبت وشي.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੂ ਆਚਾਰ ਬਿਉਹਾਰੀ ॥

من آت پھر کر تنس کا ذیان

د هغه په فضل سرہ تاسو دینی او دنیاوی اعمال ترسرہ کوئ،

ਤਿਸੁ ਪ੍ਰਭੁ ਕਉ ਸਾਸਿ ਸਾਸਿ ਚਿਤਾਰੀ ॥

باید دا رب په هره ساه کي یاد کرو.
جه پرساد تو اچار بیاھاری

ਜਿਹ ਪੁਸਾਦਿ ਤੇਰਾ ਸੁੰਦਰ ਰੂਪੁ ॥

تے پربه کاؤ ساس ساس چتاری
د هغه په فضل ستا بنکلی شکل دی

ਸੋ ਪ੍ਰਭੂ ਸਿਮਰਹੁ ਸਦਾ ਅਨੂਪੁ ॥

جہ پرساد تیرا سندر روپ

دا بې مثاله رب دې تل ياد وي.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੇਰੀ ਨੀਕੀ ਜਾਤਿ ॥

سو پربه سمر هو سدا آنوب

د هغه په رحمت سره تا ته تر تولو لوړ (انسانی) طبیعت ترلاسه شوي دي،

ਸੇ ਪ੍ਰਭੂ ਸਿਮਰਿ ਸਦਾ ਦਿਨ ਰਾਤਿ ॥

جہ پرساد تیرے نیکی جات

تل د دی څښتن په اړه شپه او ورځ فکر وکړئ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੇਰੀ ਪਤਿ ਰਹੈ ॥

سو پر بہ سمر سدا دن رات

د هغه په فضل ستا شهرت دوام لري،

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਨਾਨਕ ਜਸੁ ਕਰੈ ॥੫॥

جہ پرساد تیرے پٹ رحمے

ای نانک! د گورو په فضل سره د هغه عظمت بیان کړي.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਸੁਨਹਿ ਕਰਨ ਨਾਦ ॥

گور پرساد نانک جس کہے

د هغه په رحمت سره تاسو په خپلو غورونو خبری اورئ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਪੇਖਹਿ ਬਿਸਮਾਦ ॥

جہ پرساد سنہ کرن ناد

د هغه په رحمت سره یو څوک په زړه پوري حیرانتیاوې ګوري.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਬੋਲਹਿ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਰਸਨਾ ॥

جہ پر ساد پیکے بسماد

د هغه په رحمت سره په ژبه خوږي خبری کوي.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਸੁਖਿ ਸਹਜੇ ਬਸਨਾ ॥

جہ پرساد بولہ امرت رسا

د هغه په فضل سره یو خوک د زیرون له پیل خخه آرام ژوند کوي.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਹਸਤ ਕਰ ਚਲਹਿ ॥

جہ پرساد سکھ سہجے بسنا

د هغه په رحم سره ستاسو لاسونه حرکت کوي او کار کوي.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਸੰਪੂਰਨ ਫਲਹਿ ॥

جہ پرساد ہست کر چلے.

د هغه په رحمت سره ستاسو تول کارونه بشپر شوي.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਪਰਮ ਗਤਿ ਪਾਵਹਿ ॥

جہ پرساد سمپورن فاله.

د هغه په رحمت سره تاسو ژغورل شوي یاست

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਸੁਖਿ ਸਹਜਿ ਸਮਾਵਹਿ ॥

جہ پرساد پرم گت پاواهی

د هغه په رحمت سره به تاسو په اسانی سره په خوبنی کي جذب شئ،

ਐਸਾ ਪ੍ਰਭੂ ਤਿਆਗਿ ਅਵਰ ਕਤ ਲਾਗਹੁ ॥

جہ پرساد سکھ سہج سماوی

داسي رب پرپرده، ولی د بل چا په لته کي یي؟

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਨਾਨਕ ਮਨਿ ਜਾਗਹੁ ॥੬॥

ایسا پریه تیاگ اوار کٹ لاگبو

ای نانک! د گرو په فضل سره، خپل زرہ گرو ته بیدار کرئ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੂੰ ਪ੍ਰਗਟੁ ਸੰਸਾਰਿ ॥

گور پرساد نانک من جاگبو

د چا په فضل هغه په نزی کي مشهور شو

ਤਿਸੁ ਪ੍ਰਭੁ ਕਉ ਮੂਲਿ ਨ ਮਨਹੁ ਬਿਸਾਰਿ ॥

جہ پرساد تون پرگت سنسار

دا رب هيخلکله له زرہ خخه مه هیروئ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੇਰਾ ਪਰਤਾਪੁ ॥

تس پریه کاف مول نه منہ بسار

د چا په فضل ستا جلال جور شوي دی،

ਰੇ ਮਨ ਮੁੜ ਤੂ ਤਾ ਕਉ ਜਾਪੁ ॥

جہ پرساد تیرا پرتاپ

ای زما ناپوه زرہ! نو د هغه عبادت ته دوام ورکرئ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੇਰੇ ਕਾਰਜ ਪੁਰੇ ॥

رے من مور تو تا کاؤ جاپ
د هغه په رحمت سره ستا ٿول کارونه سرته رسیروی،

ਤਿਸਹਿ ਜਾਨੁ ਮਨ ਸਦਾ ਹਜੂਰੇ ॥

جہ پرساد تیرے کارج پورے^۱
تل یئی په زرہ کی وساتی

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੂੰ ਪਾਵਹਿ ਸਾਚੁ ॥

ਤਿਸੇ ਜਾਨ ਮਨ ਸਦਾ ਹਜੂਰੇ

د هغه په رحمت سره تاسو حقیقت تر لاسه کوئ،

ਰੇ ਮਨ ਮੇਰੇ ਤੂੰ ਤਾ ਸਿਉ ਰਾਚੁ ॥

جہ پرساد ਤੋਨ ਪਾਵਾਹੀ ਸਜ
ای زما زرہ! نو ਲੇ هغه سਰੇ ਮੈਨੇ ਵਕ੍ਰੇ.

ਜਿਹ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਸਭ ਕੀ ਗਤਿ ਹੋਇ ॥

ਰੇ ਮਿਰੇ ਤੋਨ ਤਾ ਸਿਉ ਰਾਜ
ਦ ਚਾ ਪੇ ਫੁਲ ਸਰੇ ਹਰ ਖੇ ਕਾਰ ਕੋਇ

ਨਾਨਕ ਜਾਪੈ ਜਪੈ ਜਪੁ ਸੋਇ ॥੧॥

ਜਹ ਪ੍ਰਸਾਦ ਸਬ ਕੀ ਗੜ ਬੌਨੈ
ای نانک! د ਦਿ ਖੰਨਨ ਦ ਨੁਮ ਯੋਹ ਰਾਸ ਬਾਇਦ ਵੀਲ ਥੀ.

ਆਪਿ ਜਪਾਏ ਜਪੈ ਸੋ ਨਾਉ ॥

ਨਾਨਕ ਜਾਪ ਜੰਨੀ ਜੰ ਸੋਨੈ

ਓਰਤੇ ਅਭਾਦ ਕੁਵਨਕੀ ਦ ਕਾਰੂ ਨੁਮ ਅਖੀ, ਚੀ ਹਗੇ ਬਿ ਦ ਯਾਦਲੁ ਅਗਾਹ ਵਰਕ੍ਰੋਹੀ.

ਆਪਿ ਗਾਵਾਏ ਸੁ ਹਰਿ ਗੁਨ ਗਾਉ ॥

ਆਪ ਜੰਨੈ ਜੰਨੀ ਸੋ ਨਾਉ

ਯਾਵਾਂ ਹਗੇ ਦ ਕਾਰੂ ਸਟਾਈਨੇ ਕੋਇ ਚੀ ਹਗੇ ਹਾਂ ਤੇ ਅਗਾਹ ਵਰਕ੍ਰੋਹੀ ਚੀ ਸਟਾਈਨੇ ਵਕ੍ਰੇ.

ਪ੍ਰਭ ਕਿਰਪਾ ਤੇ ਹੋਇ ਪੁਗਾਸੁ ॥

ਅਪ ਗੁਵਾਨੈ ਸੋ ਬੁਗੁਨ ਗਾਊ

ਦ ਰਬ ਪੇ ਫੁਲ ਸਰੇ ਰਨਾ ਦਹ.

ਪ੍ਰਭੁ ਦਇਆ ਤੇ ਕਮਲ ਬਿਗਾਸੁ ॥

ਪਰਿਵੇ ਕਰਪਾਤੇ ਬੌਨੈ ਪ੍ਰਗਾਸ

ਦ ਖੰਨਨ ਪੇ ਫੁਲ, ਜਰੂ ਦ ਕਮਲ ਪੇ ਖਿਰ ਖਲਾਚ ਦੀ.

ਪ੍ਰਭੁ ਸੁਪੁਸ਼ਨ ਬਸੈ ਮਨਿ ਸੋਇ ॥

ਪ੍ਰਬਹੁ ਦਿਆਤੇ ਕਮਲ ਬਕਾਸ

ਕਲੇ ਚੀ ਰਬ ਰਾਸੀ ਥੀ, ਹਗੇ ਰਾਖੀ ਅਵ ਦ ਅਨਸਾਨ ਪੇ ਜਰੂ ਕੀ ਓਸਿਰ੍ਹੀ.

ਪ੍ਰਭ ਦਇਆ ਤੇ ਮਤਿ ਉਤਮ ਹੋਇ ॥

ਪ੍ਰਭੇ ਸੀਰਸ਼ ਬੈ ਮਨ ਸੌਣੇ

ਦ ਹਿੰਦਨ ਪੇ ਰਹਮਤ ਸਰੇ ਦ ਅਨੁਸਾਨ ਉਚਲ ਕਮਿਆਂ।

ਸਰਬ ਨਿਧਾਨ ਪ੍ਰਭ ਤੇਰੀ ਮਇਆ ॥

ਪ੍ਰਭੇ ਦਿਆ ਤੇ ਮਤ ਆਤਮ ਬੋਨੇ

ਏ ਰਾਮ! ਤਾਵੀ ਖੜਾਨੀ ਸਟਾ ਪੇ ਰਹਮਤ ਕੀ ਦੀ।

ਆਪਹੁ ਕਛੁ ਨ ਕਿਨਹੁ ਲਇਆ ॥

ਸ੍ਰਬ ਨਦੀਨ ਪ੍ਰਭੇ ਤਿਰੀ ਮੇਡਾ।

ਯੋ ਖੁਕ ਪੱਖੀਲੇ ਹੀਥ ਸ਼੍ਰੀ ਨੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਾਵੀ।

ਜਿਤੁ ਜਿਤੁ ਲਾਵਹੁ ਤਿਤੁ ਲਗਹਿ ਹਰਿ ਨਾਥ ॥

ਅਪ੍ਰਾਹੁ ਕਿਛੁ ਨੇ ਕਿਨ੍ਹੁ ਲਿਆ।

ਏ ਹਰਿ ਪ੍ਰਮਿਥਾਰ! ਚੜਤੇ ਚ੍ਰਿਤ ਤਾਸੇ ਮਖਲਿਕਾਵਾਂ ਵੱਕਰੀ, ਹਲਤੇ ਬੀ ਵੱਕਰੀ।

ਨਾਨਕ ਇਨ ਕੈ ਕਛੁ ਨ ਹਾਥ ॥੮॥੬॥

ਨਾਨਕ ਅਨ ਕੀ ਕਿਛੁ ਨੇ ਬਾਤਾਹੇ।

ਏ ਨਾਨਕ! ਦਾ ਮਖਲਿਕਾਵਾਂ ਹੀਥ ਨੇ ਲਿਆ।

ਸਲੋਕੁ ॥

ਸਲੋਕ

ਸਲੋਕਾ

ਅਗਮ ਅਗਾਧ ਪਾਰਬ੍ਰਹਮੁ ਸੋਇ ॥

ਅਗਮ ਅਕਾਦਹ ਪਾਰਬ੍ਰਿਮ ਸੌਣੇ।

ਹੁਗੇ ਬੀ ਸ਼ਕਲੇ ਰੱਬ ਦ ਫਕਰ ਅਵਦੀ ਖੜ੍ਹੇ ਬੇਹਰ ਦੀ।

ਜੋ ਜੋ ਕਹੈ ਸੁ ਮੁਕਤਾ ਹੋਇ ॥

ਜੋ ਜੋ ਕਹੈ ਸੁ ਮੁਕਤਾ ਬੋਨੇ।

ਖੁਕ ਚ੍ਰਿਤ ਦ ਹੁਗੇ ਨੁਮ ਯਾਦ ਕ੍ਰਿਤ ਹੁਗੇ ਬੇ ਵੜਗੁਰਲ ਥੀ।

ਸੁਨਿ ਮੀਤਾ ਨਾਨਕੁ ਬਿਨਵੰਤਾ ॥

ਸੁਨਿ ਮੀਤਾ ਨਾਨਕ ਬਿਨਵੰਤਾ।

ਨਾਨਕ ਦੁਆ ਕ੍ਰਿਤ: ਏ ਰਾਮ ਮਲਕ੍ਰਿਤ! ਪੇ ਗੁਰ ਸਰੇ ਵਾਹਿ ਵਾਹਿ।

ਸਾਧ ਜਨਾ ਕੀ ਅਚਰਜ ਕਥਾ ॥੧॥

ਸਾਧ ਜਨਾ ਕੀ ਅਚਰਜ ਕਥਾ।

ਦ ਸਾਦੇ ਕਿਸੇ ਖੁਰਾ ਬੀ ਸਾਰੀ ਦੇ।

ਅਸਟਪਦੀ ॥

ਅਸਟਪਦੀ।

ਅਸਟਪਦੀ।

سَايَ کِيْ سَيْنِگا مُعْبَدْ عِزْلَهْ رَهْتَ ॥

ساده کئے سنگ مکھ او جل بوت.

د سادوانو په ملگرتیا سره، مخ رو بشانه کیری.

سَايَ سَيْنِگا مَلْ مَرْغَلَهْ بَهْتَ ॥

ساده سنگ مل سگلی خوت.

د سادانو په ملگرتیا سره تول شرونہ له مینخه ورل کیری.

سَايَ کِيْ سَيْنِگا مِيتَ اَبِيمَانَهْ ॥

ساده کئے سنگ مٹائے ابھمان.

غورور د سادانو په ملگرتیا له منخه خی.

سَايَ کِيْ سَيْنِگا بُرْغَاتَهْ سُرِيجَاهْ ॥

ساده کئے سنگ پرگتی سگبان.

د سادوانو په ملگرتیا سره یو خوک خپل پوهه پیدا کوي.

سَايَ کِيْ سَيْنِگا بُرْجَهْ بُرْجَهْ نَهْرَهْ ॥

ساده کئے سنگ بجهه پربه نیرا.

د سادوانو په صحنہ کی، خبنتن نبردی بشکاري.

سَايَ سَيْنِگا سَبْرَهْ رَهْتَ نِيهَرَهْ ॥

ساده سنگ سبھ بوت نیرا

تولي شخري د سادوانو شرکت لخوا حل کيري.

سَايَ کِيْ سَيْنِگا بَاهِ نَامَ رَتَنَهْ ॥

ساده کئے سنگ پائے نام رن

نومونه او گاني د سادو سره د ملگرتیا له لاري ترلاسه کيري

سَايَ کِيْ سَيْنِگا اَكَهْ عِيْفَرِيْ جَاهْ ॥

ساده کئے سنگ ایک او پر جتن

د سادو په صحنہ کي یو خوک یوازي د یو واه گرو لپاره هخه کوي.

سَايَ کِيْ مَهِيمَهْ بَرَنَهْ كَعِنَهْ بُرَانِيْ ॥

ساده کی مهما برنه کاؤن پرانی

کوم مخلوق کولی شي د سادو عظمت بیان کيري؟

نَانَكَ سَايَ کِيْ سَهْبَهْ بُرْجَهْ مَاهِيْ سَمَانِيْ ॥۹॥

نانک ساده کی سوبها پربه مابی سمانی

ای نانک! د سادو جلال د خبنتن جلال سره یو خای کيري.

سَايَ کِيْ سَيْنِگا اَرْجَصَرُهْ مِيلَهْ ॥

ساده کئے سنگ اگوچر ملئ.

د سادوانو په صحنہ کي ناخترگند گرو موندل کيري.

سَاپِ كَيْ سَرْغِيْ سَدَا پَرْدُلَلَه ॥

ساده کئے سنگ سدا پرفائے.

د سادوانو په ملگرتیا کی تل خوشحاله وي.

سَاپِ كَيْ سَرْغِيْ آَدَهِيْ بَسِيْ پَنْصَا ॥

ساده کئے سنگ آوبی بس پنچا.

پنھے دبمنان (حس، غوسه، حرص، غور) د سادوانو د شرکت لخوا کنترول کيري.

سَاپِ سَرْغِيْ أَمْبُلَّ رَسُ بُلْصَا ॥

ساده سنگ امرت رس بهنچا.

د سادوانو په ملگرتیا کي يو خوک د امرت نوم سخه خوند اخلي.

سَاپِ سَرْغِيْ رَهِيْ سَبِّ كَيْ رَهِنَ ॥

ساده سنگ بوئے سبھ کي رئين

د سادوانو په ملگرتیا سره، يو خوک د تولو خاوری کيري.

سَاپِ كَيْ سَرْغِيْ مَنْهَرَ بَيِّنَ ॥

ساده کئے سنگ منبر بين

د سادو په ملگرتیا کي، خبری اتری خوندور کيري.

سَاپِ كَيْ سَرْغِيْ نَكْرَهَ يَادَهِ ॥

ساده سنگ نه کلہوں دھاوئے

ذهن د سادوانو په ملگرتیا کي هيچ خاي ته نه خي.

سَاپِ سَرْغِيْ أَسْبِيْتِيْ مَنْهَرَ ॥

ساده سنگ استھت من پاوئے.

د سادوانو په ملگرتیا سره زره ثبات ترلاسه کوي.

سَاپِ كَيْ سَرْغِيْ مَاهِيَا تَهْ بِينَ ॥

ساده کئے سنگ مئیا تے بھن.

د سادوانو په صحبت کي له مال خخه خلاصيري.

سَاپِ سَرْغِيْ نَانَكَ بُلْ مُسْمَنَ ॥۲॥

ساده سنگ نانک پربھ سپرسن.

ای نانک! د سادوانو په صحبت کي پاتي کيدل رب راضي کوي.

سَاپِ سَرْغِيْ دَسْمَنَ سَبِّيْتِيْ ॥

ساده سنگ دشمن سبھ میت

د سادوانو په ملگرتیا کي تول دبمنان ملگري کيري.

سَاپِ كَيْ سَرْغِيْ مَهَارَ بُلْنَتِيْ ॥

د سادو په ملگرتیا سره يو خوک په بشپر دول پاک کيري.

سَاپْ سَمْسِيْغَا كِيمْ مِيْعِ نَهْيِي بَيْرُ ||
سادھو کئے سنگ مہا پُنیت
د سادوانو په صحبت کي له هیچا سره دبنمني نه لري.

سَاپْ كَيْ سَمْسِيْغَا نَبَيْرَا بَيْرُ ||
سادھسنگ کس سیو نہیں بیر.
د سادانو په ملگرتیا سره یو څوک د بدی لاری په لور گام نه کوي.

سَاپْ كَيْ سَمْسِيْغَا نَاهْيِي كَوْ مَنْدا ||
سادھ کئے سنگ نه بیگا پیر
د سادو په ملگرتیا کي هیچ بد نشته.

سَاپْ سَمْسِيْغَا جَانَهْ پَرْمَا نَدْا ||
سادھسنگ نہیں کو مند
د سادو په ملگرتیا کي، یو څوک یوازی ګرو پیژنی، د لوی خوبنی خاوند.

سَاپْ كَيْ سَمْسِيْغَا نَاهْيِي هَعِيْ تَأَپُ ||
سادھسنگ جانے پرماندا
د سادو په ملگرتیا سره د انسان غرور له منھه خي.

سَاپْ كَيْ سَمْسِيْغَا تَجْنَى سَبْرَ آَپُ ||
سادھ کئے سنگ نہیں ٻؤ تاپ.
د سادوانو په ملگرتیا سره، یو څوک ټول غرور پریزدی.

آَپَهْ جَانَهْ سَاپْ بَدَائِي ||
سادھ کئے سنگ تجئی سبھ آپ.
گرو پخپله د سادوانو په عظمت پوهیري.

نَانَكْ سَاپْ بَعْ بَنِيْ آَيِ || ۳ ||
آپے جانے سادھ بدائي.
ای نانک! د سادو او پارمیشور مینه پخیري.

سَاپْ كَيْ سَمْسِيْغَا نَكَبَهْ يَادِ ||
نانک سادھ پربھو بن آئي.
د مخلوق زره هیڅکله د سادو له صحبت خنه نه وھي.

سَاپْ كَيْ سَمْسِيْغَا سَدَا سُبْحَ بَادِ ||
سادھ کئے سنگ نه کبهون دھاؤئے
د سادو په ملگرتیا سره هغه ابدی خوبنی ترلاسه کوي.

سَاپْ سَمْسِيْغَا بَسْرَ اَرْغَصَرَ لَهِ ||
سادھ کئے سنگ سدا سکھ پائے
د سادوانو په ملگرتیا سره هغه ناخترگند شی چي نوم نومیري ترلاسه کيري.

سَاپُ کِيْ سَيْنِيْجَا آجَرُ مَهِيْ ||

سادھنگ بست اگوچر لہئے

د سادوانو په صحبت سره یو ٿوک نه کم کیدونکی ٿواک ترلاسه کوي.

سَاپُ کِيْ سَيْنِيْجَا بَمَسِيْ بَانِيْ عِيْصِيْ ||

سادھو کئے سنگ اجر سہائے

د سادوانو په صحبت کي پاتي کيدل په لور مقام کي ٿروند کوي.

سَاپُ کِيْ سَيْنِيْجَا مَهَلِيْ بَحْرِيْسِيْ ||

سادھو کئے سنگ بسے ٿهان اوچئے

د سادانو په ملگرتيا سره یو ٿوک د روح حقیقت ته رسی.

سَاپُ کِيْ سَيْنِيْجَا دِيْرِيْ سَبِيْ يَرَمِ ||

سادھو کئے سنگ محل پیوچئے

د سادوانو په ملگرتيا سره د مخلوق دین په بشپر ڊول تاسیس کيري.

سَاپُ کِيْ سَيْنِيْجَا كَهَلَلَ بَارَبَهَمِ ||

سادھو کئے سنگ درئے سبھ دھرم

د سادوانو په ملگرتيا کي، یو ٿوک یوازي د بي شکل خان عبادت کوي.

سَاپُ کِيْ سَيْنِيْجَا پَاءِ نَامِ نِيْيَاَنِ ||

سادھو کئے سنگ کیوال پاربر بم

د سادوانو په ملگرتيا سره یو ٿوک د نوم په بنه شتمني ترلاسه کوي.

نَانَكَ سَاپُ کِيْ كُرَبَانِ || ٨ ||

سادھو کئے سنگ پائے نام ندهان

ای نانک! ما په دي سادو باندي خپل زره وربنکاره کر.

سَاپُ کِيْ سَيْنِيْجَا سَبَ كُرَلِ عِيْيَارِ ||

نانک سادھو کئے کربان

د سادو د تولني له لاري، د انسان تول نسل ڙغورل کيري.

سَاپَ سَيْنِيْجَا سَاجَنَ مَيْتَ كُرَبَانِ ||

سادھو کئے سنگ سبھ کل ادھارئے

د سادو په صحبت کي پاتي کيدو سره ، د انسان ملگري د کائنات له سمندر څخه ڙغورل کيري.

سَاپُ کِيْ سَيْنِيْجَا سَمَيْ يَنِيْ ||

سادھنگ ساجن ميت گتمب نستارئے

د سادو په ملگرتيا سره یو ٿوک دا شتمني ترلاسه کوي.

جِيْسَ يَنَ تَے سَبَرَ كَوَ دَرَسَادِيْ ||

سادھو کئے سنگ سو دهن پائے

هغه مال چي هر انسان تري گته او راحت ترلاسه کوي.

سَاپْ سَرْغِيْ يَرْمَبْ رَأْسِيْ كَرَهْ سَمَدَهْ ||

جَسْ دَهْنْ تَرْ سَبَهْ كَوْ وَرْسَائِيْ

يَمَرَاجْ هَمْ دَ سَادُو پَهْ مَلَكْرَتِيَا كَيْ خَدَمَتْ كَويْ.

سَاپْ كَيْ سَرْغِيْ سَمَبَهْ سُرَرَدَهْ ||

سَادَهْسَنْگْ دَهْرَمْ رَايْ كَرَهْ سَيْوا

هَغَهْ چَوْكْ چَيْ دَ سَادُو پَهْ صَحَنَهْ كَيْ ژَوَنَدْ كَويْ دَ فَرَبَنْتوْ اوْ خَدَيَانَوْ لَخَوا سَتَابَنَهْ كَيرَيْ.

سَاپْ كَيْ سَرْغِيْ بَأَپْ بَلَاسِيْنْ ||

سَادَهْ كَئِيْ سَنْگْ سَوبَهَا سَرَديَّوا

دَ سَادُو وَ پَهْ مَلَكْرَتِيَا سَرَهْ تَولْ كَناهَونَهْ لَهْ مَنَهَهْ حَيْ.

سَاپْ سَرْغِيْ أَرْمِيْتْ غَرَنْ رَأَسِيْنْ ||

سَادَهْ كَئِيْ سَنْگْ پَاَپْ بَلَائِيْنْ

دَ سَادُو دَ شَرَكَتْ لَهْ لَارِيْ، يَوْ چَوْكْ دَ اَمَرَتْ نَامْ تَسْبِيَحْ تَلَاوَتْ كَويْ.

سَاپْ كَيْ سَرْغِيْ سُبَّ بَانْ رَهِيْمِ ||

سَادَهْسَنْگْ اَمَرَتْ گَنْ گَائِيْنْ

دَ سَادُو دَ اَتَاحَادِيَّ لَهْ لَارِيْ يَوْ چَوْكْ تَولُو خَايَونَوْ تَهْ رَسِيرَيْ.

نَانَكْ سَاپْ كَيْ سَرْغِيْ سَدَلْ جَنْمِ || ٤ ||

سَادَهْ كَئِيْ سَنْگْ سَربْ تَهَانْ گَمْ

اَيْ نَانَكْ! دَ سَادُو اَنَوْ پَهْ مَلَكْرَتِيَا كَيْ دَ يَوْ چَا ژَوَنَدْ بَرِيَالِيْ كَويْ.

سَاپْ كَيْ سَرْغِيْ نَهَرِيْ كَدْلَهَلْ ||

نَانَكْ، سَادَهْ كَئِيْ سَنْگْ صَفَلْ جَنْ

دَ سَادُو پَهْ مَلَكْرَتِيَا كَيْ يَوْ چَوْكْ سَخَتْ كَارْ تَهْ اَرَتِيَا نَلَريْ.

دَرَسَنْ بَلَطَتْ رَهَتْ نِيَاهَلْ ||

سَادَهْ كَئِيْ سَنْگْ نَهَيَنْ كَچَهْ گَهَالْ

دَ سَادُو لَيدَلْ اوْ دَ دَوَى پَهْ درَبَارْ كَيْ نَذَرَانِيْ كَولْ دَ منَنِي اَحَسَاسْ رَامِينَخَتَهْ كَويْ.

سَاپْ كَيْ سَرْغِيْ كَلَعَهَتْ رَهَرِ ||

درَشَنْ بَهِيَتْ بَوتْ نَهَالْ

دَ سَادُو وَ پَهْ مَلَكْرَتِيَا دَ اَنَسَانْ تَولْ كَناهَونَهْ لَهْ مَنَهَهْ حَيْ.

سَاپْ كَيْ سَرْغِيْ نَرَكْ بَرَهَرِ ||

سَادَهْ كَئِيْ سَنْگْ كَلوَكَهَتْ بَرَئِ

دَ سَادُو پَهْ صَحَبَتْ اَنَسَانْ لَهْ جَهَنَمْ خَخَهْ ژَغُوريْ اوْ دَ سَادُو پَهْ صَحَبَتْ اَنَسَانْ لَهْ جَهَنَمْ خَخَهْ ژَغُوريْ.

سَاپْ كَيْ سَرْغِيْ إِيَهَا عِيَهَا سُرَهَلَهْ ||

سَادَهْ كَئِيْ سَنْگْ نَرَكْ پَرَبَرِئِ

دَ سَادُو وَ پَهْ صَحَبَتْ سَرَهْ مَخْلُوقْ دَ آخَرَتْ لَهْ عَذَابْ خَخَهْ ژَغُورَلْ كَيرَيْ.

سَايَ سَمْيَنْ بِشْهُرَتْ هَرِيَ مَلَأَ ||

ساده کئے سنگ ایبا او با سہیلا

د سادوانو د اتحاد په برکت، هغه څوک چې له رب څخه لیری وي، د هغه سره ملاقات کوي.

جَوَ إِنْدَهْ مَوْسَى دَلَلَ پَادِي ||

ساده سنگ بچہرت ہر میلا

د سادو د اتحاد په برکت، د خپلی خوبنی سره سم میوه ترلاسه کوي.

سَايَ كَيْ سَمْيَنْ نَ بِيرَشَا جَاهِي ||

جو اچھئے سوئی فل پائے

د ساد و په صحبت کي خالي لاس نه ٿي.

پَارَبُوْهَمَ سَايَ رِيدَ بَسِيْ ||

ساده کئے سنگ نه برتها جائے

رب برهماد سادو په زرونو کي اوسيري

نَانَكَ عِيَرَهْ سَايَ سُونِي رَهِي ||

نانک اُذھرئے ساده سن رسئے

ای نانک! د سادانو له ژبي څخه د واه گرو نوم په اوریدلو سره ، یو څوک لور کيري (هر منزل ته لاسرسی اسانه کيري).

سَايَ كَيْ سَمْيَنْ سُونَعِي هَرِيَ نَاهِي ||

ساده کئے سنگ سنو بر نار

د سادو په ملگرتيا کي د څښتن نوم واوري.

سَايَ سَمْيَنْ هَرِيَ كَيْ گُونَ رَاهِي ||

ساده سنگ بر کے گن گاو

د سادوانو په ملگرتيا کي، د گرو عظمت بيان کړئ.

سَايَ كَيْ سَمْيَنْ نَ مَنَ تَ بِسَرَهِ ||

ساده کئے سنگ نه من تے بسرائي

د سادانو په ملگرتيا سره د انسان زړه درب له یاد څخه نه غافل کيري.

سَايَ سَمْيَنْ سَرَپَرَ نِسَتَهِ ||

ساده سنگ سرپر نستئے

د سادو په ملگرتيا کي هغه د احساساتو له سمندر څخه خلاصيري.

سَايَ كَيْ سَمْيَنْ لَهِ بَلَهِ مَيَثَا ||

ساده کئے سنگ لگئے پربه میثا

د سادو په ملگرتيا کي یو څوک د څښتن سره مبنه احساسوي.

سَايَ كَيْ سَمْيَنْ يَهِي يَهِي دَيَثَا ||

ساده کئے سنگ گهٹ گهٹ دیثا

د سادو په ملگرتیا سره، څښتن په هر زره کې خرگندیري

سَاپْسِنْگْ بَهْئَرْ آَغْيَاكَارِي ॥

ساده سنگ بهئر آگیاکاری

د سادو په ملگرتیا کي ، یو څوک د ګرو اطاعت کونکي خادم کيري.

سَاپْسِنْگْ رَاتِيْ بَهْيَهْ هَمَارِي ॥

ساده سنگ ګت بهئر پماری.

د سادانو په ملگرتیا کي مور سرعت ترلاسه کر.

سَاپْ كَيْ سِنْگْ مِيتَهْ سَبِيلَهْ رَوَهْ ॥

ساده کئے سنگ مئے سبه روگ.

د سادانو په صحبت کي پاتي کيدل د تولو ناروغيو څخه خلاصون ورکوي.

نَانَكَ سَاپَ بَهْتَهْ سِنْجُوكَ ॥۲॥

نانک ساده بهئر سنجوگ

ای نانک! د سادو په اتفاق سره ملاقات کوي.

سَاپْ كَيْ مَهِيمَا بَهْدَهْ نَجَاهِيْ ॥

ساده سنگ ګت بهئر پماری

حتی وید هم د سادو په شان نه پوهیزی.

جَهْتَهْ سُونَهِيْ تَهْتَهْ بَهْتِيْهِ ॥

ساده کئے سنگ مئے سبه روگ

هر څومره چې دوى د دوى په اړه اوري، هغومره یې بیانوی

سَاپْ كَيْ عِيْپَهْ تِهْرَهْ گُرَونَهْ تَهْ دُرِيْ ॥

نانک ساده بهئر سنجوگ

د سادو اپما (پرتلہ) له تولو دریو ځانګرتیاو څخه لري ده

سَاپْ كَيْ عِيْپَهْ رَهْتَهْ بَرَپُورِيْ ॥

ساده کي مهما بيد نه جان

سادو ته د هغه په صفتونو کي پرتلہ کول هر ځاي دي.

سَاپْ كَيْ سَهْبَهْ کَاهْ نَاهِيْ اَمْتَهْ ॥

جیتا سنے تینا بکھیانے

د سادو بھرنۍ او داخلۍ رنا پای نه لري.

سَاپْ كَيْ سَهْبَهْ سَهْدَهْ بَهْمَتَهْ ॥

ساده کي اپما تېو گن تېو دور.

د سادو بھرنۍ او داخلۍ بنکلا ابدی ده.

سَاپْ كَيْ سَهْبَهْ عِيْصَهْ تَهْ عِيْصَهْ ॥

ساده کي اپما رې بھرپور

د سادو خارجي او داخلي روښانتيا تر تولو لوره ده

سآپ کي سेभا مूच ते मूची ॥

ساده کي سوبها کا نهیں انت۔

د سادو بھرنی او داخلي بشکلا تر تولو لویه ده۔

سآپ کي سेभا سآپ बनि आई ॥

ساده کي سوبها سدا بے انت۔

د سادو بھرنی او داخلي بشکلا یوازی د سادو لپاره مناسبه ده۔

نानक सآپ पूछ भेदु न भाई ॥८॥९॥

ساده کي سوبها اج تے اچی۔

د نانک وینا ده چي اي زما وروره! د سادو او څښتن ترمنځ هیڅ توپیر نشته۔

سल्लैकु ॥

سلوك

শলোক

ਮनि साचा मुखि साचा मोइ ॥

من سچا مخ سچا سوی

د چا زره او ژبه دواړه رښتیا وي

अदरु न पैखै एकमु बिनु कैषि ॥

اور نه پیخی ایکس بین کوئی

او د یو رب پرته بل خوک نه وینی

नानक इह लङ्घण बूहम गिआनी हैषि ॥१॥

نانک اه لچهن بریم گیانی ہونی

ای نانک! دا صفات په هغه چا پوری اړه لري چي د خدای پوهه لري

अस्टपदी ॥

اساتپدی

اشتابدی

बूहम गिआनी सदा निरलेप ॥

بریم گیانی سدا نرلیپ

هغه خوک چي د ګرو پوهه لري تل له دی نړی خخه حې

जैसे जल महि कमल अलेप ॥

جیسے جل مین کمال الیپ

لکه د کمل ګل په او بوي کي پاک وي

बूहम गिआनी सदा निरदेख ॥

بریم گیانی سدا نردوخ

هغه خوک چې رب پېڙني تل بي گناه وي

ਜੈਸੇ ਸੁਰੂ ਸਰਬ ਕਉ ਸੋਖ ॥

جیسے سور سرب کو سوخ

لکه ٿنگه چي لمر تول (سیندونه) وچوي

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਿ ਸਮਾਨਿ ॥

برہم گیانی کی دریست سمان

خوک چي د واہ گورو پوهه لري هغه تول په یوه سترا گوري.

ਜੈਸੇ ਰਾਜ ਰੰਕ ਕਉ ਲਾਗੈ ਤੁਲਿ ਪਵਾਨ ॥

جیسے راج رنک کو لاڳنی تل پاون

لکه ٿنگه چي پیش شوي؛ پاچا او فقير یو شان دي.

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਧੀਰਜੁ ਏਕ ॥

برہم گیانی کی دھیرج ایک

د هغه چا زغم چي د اجازي پوهه ولري همداسي د.

ਜਿਉ ਬਸੁਧਾ ਕੋਊ ਖੇਦੈ ਕੋਊ ਚੰਦਨ ਲੇਪ ॥

جيو بسودها کو خداي کو چندن لیپ

لکه یو خوک ٿمکه کيندنه کوي او خوک د سيندل لرگيو پيسٽ کوي

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕਾ ਇਹੈ ਗੁਨਾਉ ॥

برہم گیانی کا ايمه گناو

داد هغه چا کيفيت دی چي اجازه پېڙني

ਨਾਨਕ ਜਿਉ ਪਾਵਕ ਕਾ ਸਹਜ ਸੁਭਾਉ ॥੧॥

نانک جيو پاوك کا سچ سبھاوا

ای نانک! لکه ٿنگه چي د اور تودو خه طبيعي ده

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਨਿਰਮਲ ਤੇ ਨਿਰਮਲਾ ॥

برہم گیانی نرمل تے نرمله

هغه خوک چي رب پېڙني خورا روشنانه دی

ਜੈਸੇ ਮੈਲੁ ਨ ਲਾਗੈ ਜਲਾ ॥

جیسے ميل نه لاڳنی جلاء.

لکه او به د ميل په خير احساس نه کوي

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਮਨਿ ਹੋਇ ਪ੍ਰਗਾਸੁ ॥

برہم گیانی کی من هوئے پرگاس

د هغه چا ذهن چي رب پېڙني داسی روشنانه وي

ਜੈਸੇ ਧਰ ਉਪਰਿ ਆਕਾਸੁ ॥

جیسے دهار اوپر آکاں
د حمکی پورتہ جنت

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਮਿਤ੍ਰ ਸਤ੍ਰ ਸਮਾਨਿ ॥

برਹਮ ਗੀਨੀ ਕੀ ਮੰਤਰ ਸਤਰ ਸਮਾਨ

ਦ ਹੁਗੇ ਚਾ ਲੀਪਾਰੇ ਚੀ ਰੱਬ ਪ੍ਰੀਤਨੀ, ਦੋਸਟ ਅਵਦਿਨ ਮਨ ਯੋ ਸ਼ਾਨ ਦੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਨਾਹੀ ਅਭਿਮਾਨ ॥

ਬਰਹਮ ਗੀਨੀ ਕੀ ਨਾਹੀ ਅਭੇਮਾਨ

ਹੁਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਰੱਬ ਪ੍ਰੀਤਨੀ ਪੇ ਹੁਗੇ ਕੀ ਦੜ੍ਹੀ ਪੇ ਅਨਦਾਰੇ ਹਮ ਗੁਰੂਰ ਨਾਥੇ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਉਚ ਤੇ ਉਚਾ ॥

ਬਰਹਮ ਗੀਨੀ ਓਜ ਤੇ ਓਚਾ

ਹੁਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਰੱਬ ਪ੍ਰੀਤਨੀ ਲੁਰ ਦੀ

ਮਨਿ ਅਪਨੈ ਹੈ ਸਭ ਤੇ ਨੀਚਾ ॥

ਮਨ ਅੰਪੀ ਹੈ ਸ਼ਬਦੇ ਨੀਚਾ

ਮੁਗਰ ਪੇ ਖੱਪਲ ਜਨ ਕੀ ਹੁਗੇ ਕਮ ਦੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਸੇ ਜਨ ਭਏ ॥

ਬਰਹਮ ਗੀਨੀ ਸੇ ਜਾਨ ਬਹਾਨੀ

ਇ ਨਾਨਕ! ਯਾਤਰੀ ਹੁਗੇ ਖੁਕ ਦ ਰੱਬ ਪ੍ਰੀਤਨੀ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੌਇ.

ਨਾਨਕ ਜਿਨ ਪੜ੍ਹ ਆਪਿ ਕਰੇਇ ॥੨॥

ਨਾਨਕ ਜਨ ਪ੍ਰਬੰਧ ਆਪ ਕਰੈ

ਦਾ ਹੁਗੇ ਥੇ ਦੀ ਚੀ ਗ੍ਰਹ ਪੱਖੀਲੇ ਜੁਰ੍ਹੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਸਗਲ ਕੀ ਰੀਨਾ ॥

ਬਰਹਮ ਗੀਨੀ ਸੱਗ ਕੀ ਰੀਨਾ

ਹੁਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਪ੍ਰਮਿਥਰ ਪ੍ਰੀਤਨੀ ਦ ਹਰ ਯੋ ਦ ਪੰਨ੍ਹ ਲਾਨਦੀ ਖਾਵਰੇ ਦੇ

ਆਤਮ ਰਸੁ ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਚੀਨਾ ॥

ਆਤਮ ਰਸ ਬਰਹਮ ਗੀਨੀ ਚੀਨਾ

ਹੁਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਰੱਬ ਪ੍ਰੀਤਨੀ ਦ ਰੋਹਾਨੀ ਖੁਣੀ ਤਜਬੇ ਕੌਇ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੀ ਸਭ ਉਪਰਿ ਮਇਆ ॥

ਬਰਹਮ ਗੀਨੀ ਕੀ ਸ਼ਬਦੇ ਓਪਰ ਮੈਡਾ

ਹੁਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਰੱਬ ਪ੍ਰੀਤਨੀ ਪੇ ਤੁਲੋ ਮਹਰਬਾਨ ਦੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਤੇ ਕਛ ਬੁਰਾ ਨ ਭਇਆ ॥

ਬਰਹਮ ਗੀਨੀ ਏਕ ਓਪਰ ਆਸ

ਹੁਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਥਿਨਤਨ ਪੋਹਿਰੀ ਹੀਖ ਬਦ ਨੇ ਲੜੀ ਅਵ ਹੀਖ ਬਦ ਕਾਰ ਨੇ ਕੌਇ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਸਦਾ ਸਮਦਰਸੀ ॥

برہم گیانی تے کچھ برا نہ بھئیا

هغه خوک چي د واہ گرو پوهه لري تل له تولو سره يو شان چلند کوي.

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੀ ਦਿਸ਼ਟਿ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਬਰਸੀ ॥

برہم گیانی سدا سمدرسی

امرت د هغه چا لہ ستრਗੁ ਖਥੇ ਤਿਰਿਧੀ ਖੁਕ ਚੀ ਰਬ ਪਿੜਨੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਬੰਧਨ ਤੇ ਮੁਕਤਾ ॥

برہم گیانی کی دریست امرت برنسی

خੁਕ ਚੀ ਰਬ ਪਿੜਨੀ ਹਗੇ ਦ ਗਲਮੀ ਲੇ ਬਨੇ ਖਲਚਿਰੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੀ ਨਿਰਮਲ ਜੁਗਤਾ ॥

برہم گیانی بندਹਨ ਤੇ ਮਕਤਾ

د ਖੰਨਨ ਦ ਪਿੜਨਲੋ ਤ੍ਰੜੁ ਰੜੁ ਨੁਹਾ ਸੀਪੜਲੀ ਦੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕਾ ਭੋਜਨੁ ਗਿਆਨ ॥

برہم گیانی کی ਨਰਮ ਜੱਗਨਾ

د ਹਗੇ ਚਾ ਖਵਾਰੇ ਚੀ ਗੁਰੂ ਪਿੜਨੀ ਪਵੇ ਦੇ.

ਨਾਨਕ ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕਾ ਬ੍ਰਹਮ ਧਿਆਨ ॥੩॥

نانਕ ਬਰਹਮ گیਾਨੀ ਕਾ ਬਰਹਮ ਦਹਿਅਨ.

ای نانک! ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਗੁਰੂ ਪਵੇ ਲਰੀ ਦ ਖੰਨਨ ਪੇ ਮਰਾਭਤ ਕੀ ਦੁਬ ਪਾਤੀ ਕਿਹੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਏਕ ਉਪਰਿ ਆਸ ॥

برہم گیانی اਇਕ ਓਪਰ ਆਸ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਵਾਹ گੁਰੂ ਪਵੇ ਲਰੀ ਯਾਵਾਇ ਪੇ ਯੋ ਰਬ ਬਾਵਰ ਲਰੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕਾ ਨਹੀ ਬਿਨਾਸ ॥

برہم گیਾਨੀ ਕਾ ਨਹੀ ਬਿਨਾਸ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਗੁਰੂ ਪਵੇ ਲਰੀ ਹਗੇ ਨੇ ਤਿਵ ਕਿਹੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਰਾਗੀਬੀ ਸਮਾਹਾ ॥

برہم گیਾਨੀ ਕੈ ਗੁਰੀਬੀ ਸਮਾਹਾ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਗੁਰੂ ਪਵੇ ਲਰੀ ਪੇ ਉਗਜੀ ਅਵੇ ਨਾਜ੍ਰੇ ਰੜੁ ਨੁਹਾ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਪਰਉਪਕਾਰ ਉਮਾਹਾ ॥

برہم گیਾਨੀ ਪਰਾਪਕਾਰ ਆਮਾਹਾ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਵਾਹ گੁਰੂ ਪਵੇ ਲਰੀ ਦ ਅਹਸਾਨ ਲੇ ਰੂਝ ਖੁਖੇ ਢਕ ਦੀ.

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਨਾਹੀ ਧੰਧਾ ॥

برہم گیਾਨੀ ਕੈ ਨਾਹੀ ਬਿਨਦਾ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਗੁਰੂ ਪਿੜਨੀ ਦ ਨਾਹੀ ਲੇ ਤ੍ਰੜੁ ਲੇ ਤ੍ਰੜੁ ਖੜ੍ਰੇ ਪੁਰਤੇ ਦੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਲੇ ਪਾਵਤੁ ਬੰਧਾ ॥

ਬਰਹਮ ਕੀਅਨੀ ਲੀ ਦਾਵਤ ਬੰਦਹਾ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਵਾਹ ਗ੍ਰੂ ਪੋਹੇ ਲਰੀ ਦ ਖੜਪੁ ਗੁਬਣਤੁ ਜੰਬੇ ਪੇ ਅਚੂਲੁ ਪੂਰੀ ਤੌਲੀ ਸਾਟੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਹੋਇ ਸੁ ਭਲਾ ॥

ਬਰਹਮ ਕੀਅਨੀ ਕੀ ਹੋਵੇ ਸੂ ਬੇਲਾ

ਦ ਹਗੇ ਚਾ ਲਿਪਾਰੇ ਚੀ ਦ ਗੂਰੂ ਪੋਹੇ ਲਰੀ, ਦ ਹਗੇ ਉਮ ਬਨੇ ਦੀ, ਹਗੇ ਥੇ ਚੀ ਕ੍ਰੀ, ਹਗੇ ਬਨੇ ਕ੍ਰੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਸੁਫਲ ਫਲਾ ॥

ਬਰਹਮ ਕੀਅਨੀ ਸੇਫ ਫਲਾ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਵਾਹ ਗ੍ਰੂ ਪੋਹੇ ਲਰੀ ਪੇ ਬੱਸਿਰ ਪੂਲ ਬਰਿਯਾਲੀ ਦੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਸੰਗ ਸਗਲ ਉਧਾਰੁ ॥

ਬਰਹਮ ਕੀਅਨੀ ਸੱਕ ਸੱਕਾਵਦਾਰ

ਦ ਹਗੇ ਚਾ ਪੇ ਮਲਕਰਿਆ ਕੀ ਪਾਤੀ ਕਿਦਿਲ ਚੀ ਦ ਗ੍ਰੂ ਪੋਹੇ ਲਰੀ ਨਜਾਤ ਵਰਕ੍ਰੀ

ਨਾਨਕ ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਜਪੈ ਸਗਲ ਸੰਸਾਰੁ ॥੮॥

ਨਾਨਕ ਬਰਹਮ ਕੀਅਨੀ ਜਪੈ ਸੱਕ ਸੱਸਾਰ

ਏ ਨਾਨਕ! ਤੋਲੇ ਨ੍ਰੀ ਦ ਹਗੇ ਚਾ ਸਤਾਇਨੇ ਕ੍ਰੀ ਚੀ ਗ੍ਰੂ ਪੀਝਨੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਏਕੈ ਰੰਗ ॥

ਬਰਹਮ ਕੀਅਨੀ ਕੀ ਇਕੈ ਰਨ੍ਕ

ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਵਾਹ ਗ੍ਰੂ ਪੋਹੇ ਲਰੀ ਯਾਵਾਇ ਯੋ ਰਬ ਸਰੇ ਮਿਨੇ ਲਰੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਬਸੈ ਪ੍ਰਭੁ ਸੰਗ ॥

ਬਰਹਮ ਕੀਅਨੀ ਕੀ ਬੱਸੀ ਪ੍ਰਭੇ ਸੱਕ

ਰਬ ਦ ਪੋਹਾਨ੍ਹੇ ਸਰੇ ਓਸ਼ਿਰੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਨਾਮੁ ਆਧਾਰੁ ॥

ਬਰਹਮ ਕੀਅਨੀ ਕੀ ਨਾਮ ਆਦਹਾਰ

ਦ ਥੰਨਿਤਨ ਨੁਮ ਦ ਹਗੇ ਚਾ ਬਨਸਤ ਦੀ ਚੀ ਹਗੇ ਪੀਝਨੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਨਾਮੁ ਪਰਵਾਰੁ ॥

ਬਰਹਮ ਕੀਅਨੀ ਕੀ ਨਾਮ ਪ੍ਰਰਾਰ

ਦ ਥੰਨਿਤਨ ਨੁਮ ਦ ਹਗੇ ਚਾ ਕੁਰਨੀ ਦੀ ਚੀ ਦਾ ਪੀਝਨੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਸਦਾ ਸਦ ਜਾਗਤ ॥

ਬਰਹਮ ਕੀਅਨੀ ਸਦਾ ਸਦ ਜਾਗਤ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਵਾਹ ਗ੍ਰੂ ਪੋਹੇ ਲਰੀ ਤਲ ਵਿਨ ਵੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਅਹੰਬੁਧਿ ਤਿਆਗਤ ॥

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਗ੍ਰੂ ਪੋਹੇ ਲਰੀ ਦ ਗੁਰੂਰ ਲੇ ਕਬ ਖੜੇ ਪਾਕ ਵੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਮਨਿ ਪਰਮਾਨੰਦ ॥

برہم گیانی این-بود تیاگت

د هਗੇ ਚਾ ਜਰੇ ਚੀ ਦ ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਪੋਹੇ ਲ੍ਰਿ ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਯਾਦਨੂ ਕੀ ਦੁਬ ਵਿ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਘਰਿ ਸਦਾ ਅਨੰਦ ॥

برہم گیانی ਕੀ ਮਨ ਪਰਮਾਨੰਦ

ਦ ਹਗੇ ਚਾ ਪੇ ਜਰੇ ਕੀ ਤਲ ਖੁਣੀ ਵਿ ਲਕੇ ਕੁਰ ਚੀ ਗੁਰ ਪੀਤਨੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਸੁਖ ਸਹਜ ਨਿਵਾਸ ॥

برہم گیانی ਕੀ ਗੁਰ ਸਦਾ ਆਨੰਦ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਪੋਹੇ ਲ੍ਰਿ ਤਲ ਦ ਸੂਲੀ ਅਓ ਫਨਾਉ ਤ੍ਰਵਨ੍ਦ ਕੁਵੀ

ਨਾਨਕ ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕਾ ਨਹੀ ਬਿਨਾਸ ॥੫॥

ਨਾਨਕ ਬਰਹਮ گਿਆਨੀ ਕਾ ਨਹੀ ਬਿਨਾਸ.

ਇ ਨਾਨਕ! ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਗੁਰੂ ਪੀਤਨੀ ਲੇ ਮਨੋ ਨੇ ਹੈ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਬ੍ਰਹਮ ਕਾ ਬੇਤਾ ॥

ਬਰਹਮ گਿਆਨੀ ਸਕਹ ਸੱਭ ਨਾਵਸ

ਵਾਹ ਹਗੇ ਵਾਲ ਦੀ ਚੀ ਗੁਰੂ ਪੀਤਨੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਏਕ ਸੰਗਿ ਰੇਤਾ ॥

ਬਰਹਮ گਿਆਨੀ ਬਰਹਮ ਕਾ ਬੰਦਿਆ

ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਪੋਹੇ ਲ੍ਰਿ ਯਾਵਾਂ ਧੀ ਰੂਬ ਸਰੇ ਮੰਨੇ ਲ੍ਰਿ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੈ ਹੋਇ ਅਚਿੰਤ ॥

ਬਰਹਮ گਿਆਨੀ ਇਕ ਸਨ੍ਗ ਹੋਵਾ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਖੰਭਨ ਪੋਹੇ ਲ੍ਰਿ ਤਲ ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਜਰੇ ਕੀ ਸਕੂਨ ਵਿ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕਾ ਨਿਰਮਲ ਮੰਤ ॥

ਬਰਹਮ گਿਆਨੀ ਕੀ ਬੌਨੈ ਅਚੰਤ

ਦ ਹਗੇ ਚਾ ਮਨਤਰ ਚੀ ਗੁਰੂ ਪੀਤਨੀ ਪਾਕੁਲ ਦੀ.

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਜਿਸੁ ਕਰੈ ਪੜ੍ਹ ਆਪਿ ॥

ਬਰਹਮ گਿਆਨੀ ਕਾ ਨਰਮ ਮਨ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਗੁਰੂ ਪੀਤਨੀ ਹਗੇ ਖੁਕ ਦੀ ਚੀ ਖੰਭਨ ਪੱਖਲੇ ਮਥੂਰ ਕੁਵੀ

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕਾ ਬਡ ਪਰਤਾਪ ॥

ਬਰਹਮ گਿਆਨੀ ਜਸ ਕਰੈ ਪ੍ਰਭੇ ਆਪ

ਦ ਹਗੇ ਚਾ ਜਲ ਦੀਰ ਲੋਵ ਦੀ ਖੁਕ ਚੀ ਰੂਬ ਪੀਤਨੀ.

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕਾ ਦਰਸੁ ਬਡਭਾਰੀ ਪਾਈਐ ॥

ਬਰਹਮ گਿਆਨੀ ਕਾ ਬਦ ਪ੍ਰਤਾਪ

یوازی یو بختور سری هغه څوک لیدلی شي چې د ګرو پوهه ولري

بُحُمْ رِيَاَنِيْ كَعِيْ بَلِيْ بَلِيْ جَاهِيْ أَمِيْ ॥

برهم گیانی کا درس بدبهائی پائیئے

هغه څوک چې رب پیژنی باید تل قربانی شي.

بُحُمْ رِيَاَنِيْ كَعِيْ بَهَسَهِ مَهَسُورِ ॥

برهم گیانی کاوه بال بال جائیئے

شیوشنکر هم د هغه چا په لته کي دی چې ګرو پیژنی

نَانَكَ بُحُمْ رِيَاَنِيْ آَپِيْ بَرَمَسُورِ ॥٦ ॥

برهم گیانی کاره کړه مہیسور

ای نانک! څښتن پخپله هر ارخیز دی

بُحُمْ رِيَاَنِيْ كَيْ كَيْمَاتِيْ نَاهِيْ ॥

نانک برهم گیانی آپ پرمیسور

د هغه چا ورتیا چې رب پیژنی اتکل نشي کیدی

بُحُمْ رِيَاَنِيْ كَيْ سَرَالَ مَنَ مَاهِيْ ॥

برهم گیانی کي قیمت نابی

تول فضیلتونه د هغه چا په زره کي شتون لري چې رب پیژنی.

بُحُمْ رِيَاَنِيْ كَأَعِنَ جَاهِيْ بَلِيْ ॥

بارهم گیانی کي سکل من ما

د هغه چا په رازونو پوهبدلای شي چې رب یې پیژنی؟

بُحُمْ رِيَاَنِيْ كَعِيْ سَداً أَدَسُ ॥

برهم گیانی کو سدا ادایس

هغه څوک چې د څښتن پوهه لري باید تل سلام وکري

بُحُمْ رِيَاَنِيْ كَأَسِيَا نَجَاهِيْ أَهَاهِرُ ॥

برهم گیانی که کتیا نه جای اداخیار

حتی د هغه چا د عظمت یوه جمله هم نشي بیان کیدی چې ګرو پیژنی

بُحُمْ رِيَاَنِيْ سَرَبَ كَأَبُرُ ॥

برهم گیانی سرب کاتخر

هغه څوک چې رب پیژنی هغه د تولو ژونديو موجوداتو د درناوي څښتن دی

بُحُمْ رِيَاَنِيْ كَيْ مَيْتِيْ كَعِنُ بَخَانِ ॥

برهم گیانی کي مت کون بخانی

د څښتن د پوهه اتکل څوک کولی شي؟

بُحُمْ رِيَاَنِيْ كَيْ رَاهِيْ بُحُمْ رِيَاَنِيْ جَاهِيْ ॥

برهم گیانی کی گتے برهم گیانی جانئ
بوازی د څښتن پوهه کولی شي د څښتن پوهه په چال پوهه شي

بُړهم ګیاًنی کا اُنځر ن پار ॥

برهم گیانی که انت نه پار
د هغه چا د فضیلت لپاره هیڅ حد نشه څوک چي رب پیژني

نَانَک بُړهم ګیاًنی کَوِ سَدا نَمَسْکَار ॥۱۹॥

نانک برهم گیانی کو سدا نمسکار
ای نانک! تل په هغه چا سلام واقوئ چي څښتن یې پیژني

بُړهم ګیاًنی سَبْ سِمَسْتِ کَا کَرَّاتا ॥

برهم گیانی سبه سرسط کا کرتا

هغه څوک چي رب پیژني هغه د ټولي نړۍ خالق دی

بُړهم ګیاًنی سَدْ جَهَدْ نَهْرِي مَرَّاتا ॥

برهم گیانی سد جبوی نه مرتا

هغه څوک چي رب پیژني د تل لپاره ژوند کوي او هیڅکله نه مري

بُړهم ګیاًنی مُعَكَّرْتِيْ جَرَّاتِيْ کَا دَّاتا ॥

برهم گیانی مکت جگت جیئ کادانا

د څښتن پوهه ژونديو مخلوقاتو ته آزادي، څواک او ژوند ورکوي

بُړهم ګیاًنی پُرَنْ پُرَخْ بِیَّاتا ॥

برهم گیانی پورن پورخ بداتا

يو بشپير مدیر چي رب پیژني يو انسان دي

بُړهم ګیاًنی اَنَّاَسْ کَا نَاسْ ॥

برهم گیانی اناته کا ناته

هغه څوک چي رب پیژني هغه د یتیمانو سرپرست دی

بُړهم ګیاًنی کَا سَبْ عِپَرِيْ ہَاسْ ॥

برهم گیانی کا سبه اوپر بات

د څښتن د پوهه ساتونکي لاس په ټول انسانیت باندی دی

بُړهم ګیاًنی کَا سَرَالْ اَکَار ॥

برهم گیانی کا سکل اکار

د ټولي نړۍ دا پراخوالی د هغه چا سره دی چي د څښتن پوهه لري

بُړهم ګیاًنی اَپِ نِرْ کَار ॥

برهم گیانی آپ نیرنکار

دا پخپله رب دی چي د پرمیشر پوهه لري

ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਕੀ ਸੋਭਾ ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਬਨੀ ॥

برہم گیانی کی سوبھا برہم گیانی بنی

د هਗੇ ਚਾ ਬੱਕਲਾ ਜੀ ਖਾਵ ਪੰਜਾਂ ਯਾਵੀ ਦ ਹਗੇ ਚਾ ਲਪਾਰੇ ਦੇ ਜੀ ਖਾਵ ਪੰਜਾਂ ਯਾਵੀ

ਨਾਨਕ ਬ੍ਰਹਮ ਗਿਆਨੀ ਸਰਬ ਕਾ ਧਨੀ ॥੮॥੮॥

نਾਨਕ ਬਰਹਮ ਗੀਅਨੀ ਸਰਬ ਕਾ ਧਨੀ

ای نਾਨਕ! ਹਗੇ ਛੁਕ ਜੀ ਪੇ ਏਗੇ ਪੋਹੀਂ ਹਗੇ ਦ ਤੁਲੁ ਮਾਲਕ ਦੀ

ਸਲੋਕ ॥

سلوک

شلوکا

ਉਰਿ ਧਾਰੈ ਜੋ ਅੰਤਰਿ ਨਾਮੁ ॥

ਓਰਿ ਧਾਰੈ ਜੋ ਅੰਤਰਿ ਨਾਮੁ

ਹਗੇ ਛੁਕ ਜੀ ਦ ਥਿਣਨ ਨੁਮ ਪੇ ਖੈਲ ਜੀਰੇ ਕੀ ਸਾਟੀ,

ਸਰਬ ਮੈ ਪੇਖੈ ਭਗਵਾਨੁ ॥

ਸਰਬ ਮੈ ਪੇਖੈ ਭਗਵਾਨੁ

ਛੁਕ ਜੀ ਪੇ ਹਰ ਥੇ ਕੀ ਥਿਣਨ ਵਿਨੀ

ਨਿਮਖ ਨਿਮਖ ਠਾਕੁਰ ਨਮਸਕਾਰੈ ॥

ਨਮਕ ਨਮਕ ਠਾਕੁਰ ਨਮਸਕਾਰੈ

ਹਗੇ ਵਖਤ ਪੇ ਵਖਤ ਦ ਥਿਣਨ ਸ਼ਟਾਈਨੇ ਕੌਇ

ਨਾਨਕ ਓਹੁ ਅਪਰਸੁ ਸਗਲ ਨਿਸਤਾਰੈ ॥੯॥

ਨਾਨਕ ਓਹੁ ਅਪਰਸੁ ਸਗਲ ਨਿਸਤਾਰੈ

ਇ ਨਾਨਕ! ਦਾ ਦੁਲ ਰਿੰਨੀਂ, ਬੀ ਗੁਰ੍ਦੇ ਅਤੇ ਅਨੁਸਾਰ ਤੁਲ ਮਖ਼ੀਕਾਂ ਦ ਕਾਨਾਂ ਲੇ ਸੁਨਦਰ ਖੁਹੇ ਰੂਗੀ

ਅਸਟਪਦੀ ॥

اسਟਪਦੀ-

ਅਸਟਪਦੀ

ਮਿਥਿਆ ਨਾਹੀ ਰਸਨਾ ਪਰਸ ॥

ਮਿਥਿਆ ਨਾਹੀ ਰਸਨਾ ਪਰਸ

ਹਗੇ ਛੁਕ ਜੀ ਪੇ ਥੰਭੇ ਦਰੂਗ ਨਾ ਵਾਡੀ

ਮਨ ਮਹਿ ਪ੍ਰੀਤਿ ਨਿਰੰਜਨ ਦਰਸ ॥

ਮਨ ਮਹਿ ਪ੍ਰੀਤਿ ਨਿਰੰਜਨ ਦਰਸ

ਦ ਚਾ ਪੇ ਜੀਰੇ ਕੀ ਦ ਪਾਕ ਰਬ ਦ ਲਿਦੋ ਅਰਮਾਨ ਪਾਟੀ ਵੀ

ਪਰ ਤ੍ਰਿਆ ਰੂਪੁ ਨ ਪੇਖੈ ਨੇਤ੍ਰੁ ॥

ਪਰ ਤ੍ਰਿਆ ਰੂਪੁ ਨ ਪੇਖੈ ਨੇਤ੍ਰੁ

ਦ ਚਾ ਸਤ੍ਰਗੀ ਦ ਬੰਗਾਨੇ ਬੰਖੀ ਬੱਕਲਾਨੇ ਵਿਨੀ

ਸਾਧ ਕੀ ਟਹਲ ਸੰਤਸੰਗਿ ਹੇਤ ॥

سادھ کی تہل ستسنگ ہیت۔

هغه څوک چې د سادو خدمت په عقیدت او احترام سره کوي او د اولیا وو سره مینه لري،

ਕਰਨ ਨ ਸੁਣੈ ਕਾਹੂ ਕੀ ਨਿੰਦਾ ॥
کرن نہ سنئی کاہو کی نندا۔

خوک په خپلو غورونو د چا سپکاوی نه اوري.

ਸਭ ਤੇ ਜਾਨੈ ਆਪਸ ਕਉ ਮੰਦਾ ॥

بھی تر جانی آپس کو مندا۔

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਬਿਖਿਆ ਪਰਹਰੈ ॥

گر پرساد بکھئیا پرہرئی۔

هغه خوک چي د گورو په فضل له شر خخه لاس واخلي،

ਮਨ ਕੀ ਬਾਸਨਾ ਮਨ ਤੇ ਟਰੈ

من کی بآسنا من تر تری۔

خوک چي د خپل زره ارمانونه له ذهن و باسي

ਇੰਦ੍ਰੀ ਜਿਤ ਪੰਜ ਦੇਖ ਤੇ ਰਹਤ ॥

اندری جت پنج دوکھے تے رہت۔

او هغه خوک چي خپل پنځه حواس (غور، لاس، ژبه، پوزه، سترګه) فتح کري او له پنځو بدیو (شهوت،
قهر، حرص، جهالت، غرور) خخه خان وسانۍ

ਨਾਨਕ ਕੋਟਿ ਮਧੇ ਕੇ ਐਸਾ ਅਪਰਸ ॥੧॥

نانک کوٹ مدهے کو ایسا اپرس

ای نانک! د ملیونونو خخه دا دول ځانګري سپری یو "اپرس" (بې عیب او خالص مذهبی) دی.

ਬੈਸਨੇ ਸੋ ਜਿਸੁ ਉਪਰਿ ਸੁਪੂਰੰਨ ॥

بیسنو سو جس اوپر سپرسن۔

هغه څوک چي ګرو يې خوبن وي د وشنو عبادت کونکي دي.

ਬਿਸਨ ਕੀ ਮਾਇਆ ਤੇ ਹੋਇ ਭਿੰਨ ॥

بسن کی مائیا تے ہوئے بھن۔

هغه د وشنو له ميني خخه جلا پاتي کيرندي.

ਕਰਮ ਕਰਤ ਹੋਵੈ ਨਿਹਕਰਮ ॥

کرم کرت ہوؤئے نہ کرم۔

او د نیکو اعمالو په کولو سره له هر څه نه پاک پاتې کېږي.

ਤਿਸੁ ਬੈਸਨੋ ਕਾ ਨਿਰਮਲ ਧਰਮ ॥

تس بیسنو کا نرمل دھرم۔
د دی ویشنو عبادت کونکی مذہب هم پاک دی۔

کاہु **ਫਲ** **کੀ** **ਇਛਾ** **ਨਹੀ** **ਬਾਢੈ** ॥
کابو فل کی اچھا نہیں باچئے۔

هغہ هیخ میوه نہ غواری۔

ਕੇਵਲ **ਭਰਾਤਿ** **ਕੀਰਤਨ** **ਸੰਗਿ** **ਰਾਚੈ** ॥
کیوال بھگت کیرتن سنگ راجئ۔
هغہ یوازی درب په عبادت او د هغہ په یاد کی مشغول دی۔

ਮਨ **ਤਨ** **ਅੰਤਰਿ** **ਸਿਮਰਨ** **ਰੋਪਾਲ** ॥
من تن انتر سمرن گوپال۔

د هغہ روح او بدن د گوپال مراقبت لری، د کائنات خالق

ਸਭ **ਊਪਰਿ** **ਹੋਵਤ** **ਕਿਰਪਾਲ** ॥
سیہ اوپر بووت کرپال۔
هغہ په تولو ژوندیو مخلوقاتو مہربان دی۔

ਆਪਿ **ਦ੍ਰਿੜੈ** **ਅਵਰਹ** **ਨਾਮੁ** **ਜਪਾਵੈ** ॥
آپ در ربئی اورہ نام جپاؤ۔
هغہ پخپله د گورو نوم په خپل ذہن کی ساتی او نور بی د نوم لوستلو تھ خوی۔

ਨਾਨਕ **ਓਹੁ** **ਬੈਸਨੋ** **ਪਰਮ** **ਗਾਤਿ** **ਪਾਵੈ** ॥੨॥
نانک اوہ بیسنو پرم گت پاؤ۔
ای نانک! د ویشنو دا دوں عبادت کوونکی بنہ سرعت تر لاسہ کوی

ਭਗਉਤੀ **ਭਗਵੰਤ** **ਭਗਤਿ** **ਕਾ** **ਰੰਗੁ** ॥
بھگتی بهگونت بهگت کارنگ۔
هغہ خوک چی په زرہ کی درب د عبادت مینہ ولری، هغہ درب ریشنٹنی عبادت کوونکی دی۔

ਸਗਲ **ਤਿਆਰੈ** **ਦੁਸਟ** **ਕਾ** **ਸੰਗੁ** ॥
سگل تیاگئے دوست کا سنگ۔
هغہ د تولو بدکارانو شرکت پریردی۔

ਮਨ **ਤੇ** **ਬਿਨਮੈ** **ਸਗਲਾ** **ਭਰਮੁ** ॥
من تے بنسے سگلا بھرم۔
او د هغہ له ذہن خخہ هر دوں مغضوشی لری کیڑی۔

ਕਰਿ **ਪੂਜੈ** **ਸਗਲ** **ਪਾਰਬ੍ਰਹਮੁ** ॥
کر پوجئے سگل پاربرہم۔
هغہ پارا برہما پارمیشورا هر ارخیزہ کنی او یوازی د هغہ عبادت کوی۔

ਸਾਧਸੰਗ ਪਾਪਾ ਮਲੁ ਖੋਵੈ ॥
سادھسنگ پاپا مل کھووئے۔

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਸਾਦੋ ਅਤੇ ਅਲੀਅਵੋ ਪੇ ਚਹੂਤ ਕੀ ਪਾਤੀ ਕਿਦ੍ਦੀ ਸਰੇ ਦ ਖੀਲ ਜਨ ਖੁਦ ਦ ਗਨਾਹਨੁ ਕਕ੍ਰਤਿਆ ਲਾਈ।

ਤਿਸੁ ਭਗਉਤੀ ਕੀ ਮਤਿ ਉਤਮ ਹੋਵੈ ॥
تس بھگਤੀ ਕੀ ਮਤ ਓਤਮ ਬੋਵੈ۔
ਦ ਦਾਸੀ ਬਨਦੇ ਉਤ ਤੇ ਤੁਲੋ ਬਨੇ ਕਿਬਾਈ।

ਭਗਵੰਤ ਕੀ ਟਹਲ ਕਰੈ ਨਿਤ ਨੀਤਿ ॥
ਭੇਗੁਣਤ ਕੀ ਤੇਲ ਕਰੈ ਨੀਤ।
ਹਗੇ ਤੀਲ ਦ ਖੀਲ ਰਬ ਖਦਮਤ ਕਾਈ।

ਮਨੁ ਤਨੁ ਅਰਪੈ ਬਿਸਨ ਪਰੀਤਿ ॥
من تن ارپئے بسن پਰیت।
ਹਗੇ ਖੀਲ ਜਨ ਅਤੇ ਬਦਨ ਦ ਖੀਲ ਰਬ ਮਿਨੇ ਤੇ ਵਫ਼ ਕਾਈ।

ਹਰਿ ਕੇ ਚਰਨ ਹਿਰਦੈ ਬਸਾਵੈ ॥
ਹਰ ਕੇ ਚੜਨ ਬ੍ਰਦੀ ਬਸਾਵੈ۔
ਹਗੇ ਦ ਖੰਨਿਣ ਪਿਣੀ ਪੇ ਖੀਲ ਜ਼ਰੇ ਕੀ ਹਾਈ ਪੇ ਹਾਈ ਕਾਈ।

ਨਾਨਕ ਐਸਾ ਭਗਉਤੀ ਭਗਵੰਤ ਕਉ ਪਾਵੈ ॥੩॥
ਨਾਨਕ ਐਸਾ ਬਹੁਗੁਣ ਕੋ ਪਾਵੈ।
ਇ ਨਾਨਕ! ਯਾਤ੍ਰਾ ਦਾ ਬੁਲ ਅਭਾਦ ਕੁਨਕੀ ਗੁਰੂ ਮੁਨਦੀ ਥੀ।

ਸੇ ਪੰਡਿਤੁ ਜੇ ਮਨੁ ਪਰਬੈਧੈ ॥
سو پਿੱਛਤ ਜੋ ਮਨ ਪ੍ਰਬੁਧੈ۔
ਪਿੱਛਦ ਹਗੇ ਖੁਕ ਦੀ ਚੀ ਖੀਲ ਜਨ ਤੇ ਲਾਰਿਨੁਵਾਨੇ ਕਾਈ।

ਰਾਮ ਨਾਮੁ ਆਤਮ ਮਹਿ ਸੋਧੈ ॥
ਰਾਮ ਨਾਮ ਆਤਮ ਸੋਧੈ۔
ਹਗੇ ਪੇ ਖੀਲ ਜ਼ਰੇ ਕੀ ਦ ਰਾਮ ਨੁਮ ਲਿਤੀ।

ਰਾਮ ਨਾਮ ਸਾਰੁ ਰਸੁ ਪੀਵੈ ॥
ਰਾਮ ਨਾਮ ਸਾਰ ਰਸ ਪੀਵੈ।
ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਰਾਮ ਨੁਮ ਖੁਰੇ ਜੁਸ ਖੰਨੀ।

ਉਸੁ ਪੰਡਿਤ ਕੈ ਉਪਦੇਸਿ ਜਗੁ ਜੀਵੈ ॥
ਅਸ ਪਿੱਛਤ ਕੇ ਅਪਿਸ ਜਗ ਜੀਵੈ।
ਦ ਦੀ ਪਿੱਛਦ ਲੇ ਤੁਲਿਆਤੁ ਤੁਲੀ ਨਿਰੀ ਗੱਤੇ ਪੁਰਤੇ ਕ੍ਰੇ

ਹਰਿ ਕੀ ਕਥਾ ਹਿਰਦੈ ਬਸਾਵੈ ॥
ਹਰ ਕੀ ਕਥਾ ਬ੍ਰਦੀ ਬਸਾਵੈ।

خوک چي د پنڈت هري کيسه په زرہ کي ساتي

مੈ ਪੰਡਤੁ ਫਿਰਿ ਜੋਨਿ ਨ ਆਵੈ ॥

سو پنڈت فرجون نہ آؤئے۔

داسی پنڈت بیا په دی دنیا کی نہ رائی.

ਬੇਦ ਪੁਰਾਨ ਸਿਮ੍ਰਿਤਿ ਬੂਝੈ ਮੂਲ ॥

بید پوران سمرت بوجھئے مول۔

هغہ د ویدونو، پرانانو او سمریتوਨੁ ਬਨਸ਼ਿਤ੍ਵੁ ਅਨਾਚਰੁ ਬਾਨਦੀ ਫਕਰ ਕੋਇ.

ਸੁਖਮ ਮਹਿ ਜਾਨੈ ਅਸਥੂਲੁ ॥

سوਕਹਮ ਮਹਿ ਜਾਨੈ ਅਸਥੂਲੁ۔

هغہ په غیبی رب کی لیدل شوی نری تجربہ کੋਇ.

ਚਹੁ ਵਰਨਾ ਕਉ ਦੇ ਉਪਦੇਸੁ ॥

چਹੋ ਵਰਨਾ ਕੋ ਦੇ ਆਪਿਸ۔

او تولو ਖਲੂਰੁ ਓਰਨੁ (ਖਾਚਿਤਨੁ) ਤੇ ਟਿਲ੍ਹੁ ਕੋਇ.

ਨਾਨਕ ਉਸੁ ਪੰਡਿਤ ਕਉ ਸਦਾ ਅਦੇਸੁ ॥੪॥

ਨਾਨਕ ਅਸ ਪਨਢਤ ਕੋ ਸਦਾ ਆਪਿਸ۔

ਇ ਨਾਨਕ! ਦਿ ਪਨਡਤ ਤੇ ਦਿ ਤਲ ਸਲਾਮ ਵੀ.

ਬੀਜ ਮੰਤੁ ਸਰਬ ਕੇ ਗਿਆਨੁ ॥

ਬਿਖ ਮਨਤੁ ਸਰਬ ਕੋ ਗੀਨਾ۔

ਦ ਤੁਲੁ ਮਨਤੁ ਨੁ ਰਿਣੁ ਦ ਮਨਤੁ ਪੋਹੇ ਦੇ.

ਚਹੁ ਵਰਨਾ ਮਹਿ ਜਪੈ ਕੋਊ ਨਾਮੁ ॥

ਚਹੋ ਵਰਨਾ ਮਹਿ ਜਪੈ ਕੋਊ ਨਾਮ۔

ਦ ਤੁਲੁ ਖਲੂਰੁ ਕਸਾਨੁ ਪੇ ਮਨੁ ਕੀ, ਯੋ ਖੁਕ ਬਾਇਦ ਦ ਹਗੇ ਕਸ ਨੁਮ ਵਲੀ.

ਜੋ ਜੋ ਜਪੈ ਤਿਸ ਕੀ ਗਤਿ ਹੋਇ ॥

ਜੋ ਜੋ ਜਪੈ ਤਿਸ ਕੀ ਗਤਿ ਹੋਇ۔

ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਨਕਰ ਸਿਖਿ ਵਕ੍ਰੀ ਦ ਹਗੇ ਸਰੁਤ ਰਿਅਰੀ.

ਸਾਧਸੰਗਿ ਪਾਵੈ ਜਨੁ ਕੋਇ ॥

ਸਾਧਸੰਗਿ ਪਾਵੈ ਜਨੁ ਕੋਇ۔

ਧੂ ਸ੍ਰੀ ਦਾ ਪੇ ਸਾਂਸਿਕੀ ਕੀ ਰੜਨਦ ਕਲੁ ਸਰੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੋਇ.

ਕਰਿ ਕਿਰਪਾ ਅੰਤਰਿ ਉਰ ਧਾਰੈ ॥

ਕਰਿ ਕਿਰਪਾ ਅੰਤਰਿ ਉਰ ਧਾਰੈ۔

ਕਹ ਰਬ ਪੇ ਖੱਲ ਫੁਲ ਅਤੇ ਕਰਮ ਸਰੇ ਨੁਮ ਪੇ ਜੇਤੇ ਕੀ ਹਾਂ ਕੀ.

ਪਸੁ ਪ੍ਰੇਤੁ ਮੁਘਦ ਪਾਖਰ ਕਉ ਤਾਰੈ ॥

پس پریت معد پاٹھر کو تارئے۔
نو د حیواناتو، حیوانانو، احمقانو، دبرو زرونه هم تیریزی.

سراਬ رہگا کا آਊخدا نام ॥

سرب روگ کا اوکھد نام۔

د رب په نوم د تولو ناروغیو علاج دی۔

کلیا آن رُپ مُنگال گُون گام ॥

کلیا روب منگل گن گام۔

د واہ گورو ستاینه د نیکمرغی او خلاصون یوه بنہ ده۔

کاہُ جُرگاڑی کیڈے ن پائی ای یارمی ॥

کاہو جگت کتھی نہ پائی دھرم۔

د چبنتن نوم په هیخ بول یا کوم مذہبی عمل سره نشی ترلاسہ کیدی۔

ناںک تیس میلے جیس لیلھیا یوری کرمی ॥۵॥

ناںک تس ملے جس لکھیا دھر کرم۔

ای نانک! د واہ گورو نوم یوازی هغه چا ته ورکول کیری چی د هغه تقدیر له پیل څخه لیکل شوی۔

جیس کے مانی پاہ بُوہم کا نیسا س ॥

جس کے من پاہ بُوہم کا نواس۔

د چا په ذهن کی رب او سیروی۔

تیس کا نام ساتی رامدا س ॥

تس کا نام ست رامدا س۔

د هغه نوم واقعا رامدا س دی۔

آتم رام تیس ندری آئیا ॥

آتم رام تس ندری آئیا۔

هغه راما په خپل ځان کی لیدلی دی۔

داس د سُنڈن بُراستی تین پائیے ॥

داس د سُنڈن بُهاۓ تن پائیے۔

د بندہ گانو په حیث یی رب موندلی دی۔

سدا نیکاری نیکاری ہری جا ن ॥

سدا نکت نکت ہر جان۔

څوک چی ټل رب ته نوردي ګنې

سو داس درگہ پروان ॥

سو داس درگہ پروان۔

هغه بندہ د چبنتن په دربار کی مشهور دی۔

ਅਪੁਨੇ ਦਾਸ ਕਉ ਆਪਿ ਕਿਰਪਾ ਕਰੈ ॥
اپنے داس کو آپ کرپا کرئے۔
ਹਤੀ ਗ੍ਰਹ ਪੱਖਲੇ ਦ ਖੱਚ ਬਨੇ ਥੱਖੇ ਖੋਨਦ ਅਖੀ ਅਤੇ ਖੋਣਵੀ।

ਤਿਸੁ ਦਾਸ ਕਉ ਸਭ ਸੋਜੀ ਪਰੈ ॥
تس داس کو سبھ سوجھੀ پਰئے۔
او ਦਾ ਬਨੇ ਪੂਰੇ ਮਾਮਲੀ।

ਸਰਾਲ ਸੰਗਿਆ ਆਤਮ ਉਦਾਸੁ ॥
سکਲ ਸਨਗ ਆਤਮ ਆਦਸ۔
ਪੇ ਤੌਲੇ ਕੁਰਨੀ ਕੀ (ਹਤੀ ਦ ਰੜਨਦ ਕਲੁਵ ਪੇ ਵਖਤ ਕੀ) ਹੁਗੇ ਦ ਮੰਨੀ ਥੱਖੇ ਬੀ ਬ੍ਰਖੀ ਪਾਤੀ ਕਿਹੜੀ।

ਐਸੀ ਜੁਗਤਿ ਨਾਨਕ ਰਾਮਦਾਸੁ ॥੬॥
ایسی جگت نانک رامਦਾਸ۔
ਏ ਨਾਨਕ! ਹੁਗੇ ਛੁਕ ਚੀ ਦਾਸੀ ਰੜਨਦ ਅਖੀ ਰਾਮਦਾਸ ਦੀ।

ਪ੍ਰਭੁ ਕੀ ਆਗਿਆ ਆਤਮ ਹਿਤਾਵੈ ॥
پربੇਕੀ ਆਗੀ ਆਤਮ ਹਿਤਾਵੈ۔
ਛੁਕ ਚੀ ਦ ਥਿਨ੍ਹਤਨ ਹਕਮ ਪੇ ਰੱਖਿਤੀਨੀ ਜ਼ਰੇ ਮੰਨੀ।

ਜੀਵਨ ਮੁਕਤਿ ਸੋਊ ਕਹਾਵੈ ॥
جیون مکਟ سੋਨੋ ਕہਾਵੈ۔
ਦੀ ਤੇ ਅਤੇ ਰੜਨਦ ਵੀਲ ਕਿਹੜੀ।

ਤੈਸਾ ਹਰਖੁ ਤੈਸਾ ਉਸੁ ਸੋਗੁ ॥
ਤਿਸਾ ਬ੍ਰਕਹ ਤਿਸਾ ਅਸ ਸੋਗ۔
ਦ ਹੁਗੇ ਲੀਧਾਰੇ, ਖੋਣੀ ਅਤੇ ਗਮ ਯੋ ਸ਼ਾਨ ਦੀ।

ਸਦਾ ਅਨੰਦੁ ਤਹ ਨਹੀ ਬਿਚਿਗੁ ॥
سدا آਨੰਦ ਤੇ ਨਹੀਂ ਬਿਕਾਗ۔
ਹੁਗੇ ਤਲ ਖੋਣੀ ਲਿਓ ਅਤੇ ਹੀਥ ਜਲਾਵਾਲੀ ਨਲੀ।

ਤੈਸਾ ਸੁਵਰਨੁ ਤੈਸੀ ਉਸੁ ਮਾਟੀ ॥
ਤਿਸਾ ਸੂਵਰਨ ਤਿਸੀ ਅਸ ਮਾਟੀ۔
ਦ ਦੀ ਸ੍ਰੀ ਲੀਧਾਰੇ ਸਰੇ ਜ਼ਰੇ ਅਤੇ ਹੀਥ ਯੋ ਸ਼ਾਨ ਦੀ।

ਤੈਸਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤੁ ਤੈਸੀ ਬਿਖੁ ਖਾਟੀ ॥
ਤਿਸਾ ਅਮਰਤ ਤਿਸੀ ਬਕਹਾਟੀ۔
ਦ ਹੁਗੇ ਲੀਧਾਰੇ ਅਮਰਤ ਅਤੇ ਖਾਬਾਰੇ ਜ਼ਰੇ ਯੋ ਸ਼ਾਨ ਦੀ।

ਤੈਸਾ ਮਾਨੁ ਤੈਸਾ ਅਭਿਮਾਨੁ ॥
ਤਿਸਾ ਮਨ ਤਿਸਾ ਅਭੇਮਾਨ۔
ਉਤ ਅਤੇ ਗਰੂਰ ਵਰਤੇ ਯੋ ਸ਼ਾਨ ਦੀ।

ਤੈਸਾ ਰੰਕੁ ਤੈਸਾ ਰਾਜਾਨੁ ॥

تیسا رنک تیسا راجان۔

د هغه په سترگو کي شتمن او غريب مساوي دي.

ਜੋ ਵਰਤਾਏ ਸਾਈ ਜੁਗਤਿ ॥

جو ورتائے سائੀ ਜੱਗਤ.

هغه ੴ چي ٿبنتن بي کوي، دا د هغه د ڙوند لاره ده.

ਨਾਨਕ ਓਹੁ ਪੁਰਖੁ ਕਹੀਐ ਜੀਵਨ ਮੁਕਤਿ ॥੭॥

نانک اوہ پورکھ کہیئے جيون مکت.

ای نانک! هغه سري ته ويل کيري چي له ڙوند خخه خلاص وي.

ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ਕੇ ਸਰਗਲੇ ਠਾਉ ॥

پاربريم کے سگلے تھاؤ.

خدای تول ੜائی کي دی.

ਜਿਤੁ ਜਿਤੁ ਘਰਿ ਰਾਖੈ ਤੈਸਾ ਤਿਨ ਨਾਉ ॥

جت جت گھر راکھئے تیسا تن ناؤ.

په کوم ੜائی کي چي ٿبنتن ڙوندي موجودات ੜائی په ੜائی کوي ، نو د دوی نومونه هم لري.

ਆਪੇ ਕਰਨ ਕਰਾਵਨ ਜੋਗੁ ॥

آپے کرن کراون جوگ.

يواري خدائی د هر ੴ کولو او کولو تو ان لري (له ڙونديو موجوداتو ੴ خه).

ਪ੍ਰਭੁ ਭਾਵੈ ਸੋਈ ਫੁਨਿ ਹੋਗੁ ॥

پربھ بھاؤئے سوئے فن بوگ.

هغه ੴ چي ٿبنتن خوبنيو، هغه ੴ دی.

ਪਸਰਿਓ ਆਪਿ ਹੋਇ ਅਨਤ ਤਰੰਗ ॥

پسريو آپ ٻوئے انت ترنگ.

واه گرو خپل ੜان په لامحدود ੜپو کي د شتون له لاري خپور کري.

ਲਖੇਨ ਜਾਹਿ ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ਕੇ ਰੰਗ ॥

لاکھے نه جاہی پاربريم کے رنگ.

د ٿبنتن معجزي نشي پيڙنديل کيدی

ਜੈਸੀ ਮਤਿ ਦੇਇ ਤੈਸਾ ਪਰਗਾਸ ॥

جيسی مت دیئے تیسا پرگاس.

لكه ੴ نگه چي ٿبنتن عقل ورکوي، نو رنا هم ورکوي

ਪਾਰਬ੍ਰਹਮੁ ਕਰਤਾ ਅਬਿਨਾਸ ॥

پاربريم کرتا ابناس.

خالق او گورو تل شتون لري.

ਸਦਾ ਸਦਾ ਸਦਾ ਦਇਆਲ ॥

سدا سدا سدا دئال.

ਖੰਬਨ ਤਲ ਮਹਰਿਆਂ ਦੀ.

ਸਿਮਰਿ ਸਿਮਰਿ ਨਾਨਕ ਭਏ ਨਿਗਾਲ ॥੮॥੯॥

ਸੁਮ ਸੁਮ ਨਾਨਕ ਬਹੈਂ ਨਿਹਾਲ.

ਇ ਨਾਨਕ! ਦ ਦੀ ਖੰਬਨ ਪੇ ਉਬਦ ਕੋਲੋ ਸਰੇ ਦਿਵਰੀ ਰੋਧਨੇ ਮਨੁਕੀ ਸ਼ਾਓ ਦੀ.

ਸਲੋਕੁ ॥

سلوک

سلوک

ਉਸਤਤਿ ਕਰਹਿ ਅਨੇਕ ਜਨ ਅੰਤੁ ਨ ਪਾਰਾਵਾਰ ॥

ਅਨ੍ਤ ਕਰਿ ਆਨਿਕ ਜਨ ਅਨ੍ਤ ਨੇ ਪਾਰਾਵਾਰ.

ਹੇਠ ਖਲਕ ਦ ਖੰਬਨ ਸਟਾਈਨੇ ਕੌਝੀ, ਖੋ ਦ ਖੰਬਨ ਦ ਸਚਿਨੋ ਨੇ ਪੰਡਿਤ ਅਤੇ ਨੇ ਪਾਇ ਷ਟੇ.

ਨਾਨਕ ਰਚਨਾ ਪ੍ਰਭਿ ਰਚੀ ਬਹੁ ਬਿਧਿ ਅਨਿਕ ਪ੍ਰਕਾਰ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਰਚਨਾ ਪ੍ਰਭਿ ਰਚੀ ਬਹੁ ਬਿਧਿ ਅਨਿਕ ਪ੍ਰਕਾਰ.

ਇ ਨਾਨਕ! ਖੰਬਨ ਦਾ ਕਾਨ੍ਨਾਤ ਪੇ ਦਿਵਰੀ ਦੁਲਵਨੋ ਰਾਮਿੱਤੇ ਕਰੀ, ਪੇ ਦਿਵਰੀ ਦੁਲਵਨੋ.

ਅਸਟਪਦੀ ॥

ਅਸ਼ਟਪਦੀ

ਅਸ਼ਟਪਦੀ

ਕਈ ਕੋਟਿ ਹੋਏ ਪੂਜਾਰੀ ॥

ਕੌਠ ਬੋਈ ਪ੍ਰਗਾਰੀ.

ਦਿਵਰੀ ਮਲੀਅਰ ਢਾਣਿ ਮੁਗਦਾਤ ਦ ਹੁਗੇ ਉਬਦ ਤੇ ਰਾਗੁ ਦੀ

ਕਈ ਕੋਟਿ ਆਚਾਰ ਬਿਉਹਾਰੀ ॥

ਕੌਠ ਆਚਾਰ ਬਿਉਹਾਰੀ.

ਦਿਵਰੀ ਪੇ ਮਲੀਅਨਨੋ ਦਿਨੀ ਅਤੇ ਦਿਨਾਵੀ ਖਲਕ ਦੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਭਏ ਤੀਰਥ ਵਾਸੀ ॥

ਕੌਠ ਬਹੈਂ ਤਿਰਥੇ ਵਾਸੀ.

ਪੇ ਮਲੀਅਨਨੋ ਖਲਕ ਦ ਜਿਅਰਤਨੋ ਅਵਿਦੁਨੀ ਸ਼ਾਓ ਦੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਬਨ ਭ੍ਰਮਹਿ ਉਦਾਸੀ ॥

ਕੌਠ ਬਨ ਭ੍ਰਮਹਿ ਉਦਾਸੀ.

ਪੇ ਮਲੀਅਨਨੋ ਖਲਕ ਪੇ ਹੜਗਲਨੋ ਕੀ ਦ ਵਹਿ ਹਿਅਨਾਤੋ ਪੇ ਤੋਕੇ ਗੜ੍ਹੀ.

کسی کوٹ بے د کے سوئے ॥
کئی کوٹ بید کے سروتے۔
دیری ملیونونہ د ویدانو اور یدوانکی دی۔

کئی کوٹ تپیسور ہوتے ۔
دیری ملیارد اسماںی (د ڈختن فکر کونکی) شوی دی۔

کری کوئی آٹم پیਆ نु پارہی ॥
کئی کوٹ آتم دھیان دھارے۔
دیری ملیارد په خپل روح کی مراقبت تمرین کوئی.

کئی کوٹ کاب بیچارے۔
مليونونه شاعران د شاعری له لاري فکر کوي.

کئی کوٹ نوتن نام دھیاوبی۔
مليونونه خلک هرہ ورخ په نوي نوم غور کوي.

ਨਾਨਕ ਕਰਤੇ ਕਾ ਅੰਤੁ ਨ ਪਾਵਹਿ ॥੧॥
ਨਾਨਕ ਕਰਤੇ ਕਾ ਨਾਨਕ ਨ ਪਾਵਹਿ ॥੧॥

کئی کوٹ بھائے ابھمانی ॥

کئی کوٹ اندھے اگیانے۔
دیری ملیونونہ (خلک) راندھ او بی تعلیمہ دی۔

کسی کوٹ کی رپن کھوئے ॥
کئی کوٹ کرپن کھوئے۔
دیری ملیونونہ (انسانان) ددبری زرہ لری او بخیل دی۔

کئی کوٹ ابھگ آتم نکور۔
کری ملیونونہ (خلک) وج او بی حسہ دی۔

کئی کوٹ پر درب کو بڑے۔
دیری ملیاردونہ (خلک) د نور و شتمنی غلا کوی.

کਈ ਕੋਟਿ ਪਰ ਦੂਖਨਾ ਕਰਹਿ ॥

کੀਂ ਕੁਠ ਪਰ ਦੁਖਨਾ ਕਰਿ.

ਦਿਰੀ ਮਲ੍ਯਾਨੇ (ਖਲਕ) ਨੂਰ ਗੁਣੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਮਾਇਆ ਸ੍ਰਮ ਮਾਹਿ ॥

ਕੀਂ ਕੁਠ ਮਾਇਆ ਸ੍ਰਮ ਮਾਹਿ.

ਦਿਰੀ ਮਲ੍ਯਾਨੇ (ਸ਼ਬਦ) ਦ ਸਤਮਨੀ ਰਾਤਲੁਲੁ ਲਪਾਰੇ ਪੇ ਕਾਰ ਬੁਖਤ ਦੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਪਰਦੇਸ ਭ੍ਰਮਾਹਿ ॥

ਕੀਂ ਕੁਠ ਪਰਦੇਸ ਭ੍ਰਮਾਹਿ.

ਦਿਰੀ ਮਲ੍ਯਾਨੇ ਪੇ ਨੂਰ ਹਿਵਾਦਨੇ ਕੀ ਗੁਰ੍ਖੀ

ਜਿਤੁ ਜਿਤੁ ਲਾਵਹੁ ਤਿਤੁ ਤਿਤੁ ਲਗਨਾ ॥

ਜਿਤੁ ਜਿਤੁ ਲਾਵਹੁ ਤਿਤੁ ਤਿਤੁ ਲਗਨਾ.

ਏ ਰਿਹਾ! ਚਰਤੇ ਚੀਜ਼ਾਂ ਤਾਸੋ ਜ਼ਿਵਨੀ ਮੁਗਦਾਤ (ਕਾਰ ਤੇ) ਵਾਚੀ, ਹਲਤੇ ਬੇਦੀ ਕਾਰ ਕੀਓ.

ਨਾਨਕ ਕਰਤੇ ਕੀ ਜਾਨੈ ਕਰਤਾ ਰਚਨਾ ॥੨॥

ਨਾਨਕ ਕਰਤੇ ਕੀ ਜਾਨੈ ਕਰਤਾ ਰਚਨਾ.

ਏ ਨਾਨਕ! ਦ ਕਾਨਤਾਂ ਦ ਪ੍ਰਦਾਨਿਸਤ (ਦ ਖਾਲਕ ਰਾਜ) ਖਾਲਕ ਪ੍ਰਿਣੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਸਿਧ ਜਤੀ ਜੋਗੀ ॥

ਕੀਂ ਕੁਠ ਸਦੇ ਜਿ ਜੋਗੀ.

ਪੇ ਨ੍ਹੋਕੀ ਪੇ ਮਲ੍ਯਾਨੇ ਸਿਦਦ, ਬਰ ਹੱਦਚਾਰੀ ਅਤੇ ਯੋਗੀਅਨ ਸ਼ਤਨ ਲੇਇ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਰਾਜੇ ਰਸ ਭੋਗੀ ॥

ਕੀਂ ਕੁਠ ਰਾਜੇ ਰਸ ਭੋਗੀ.

ਦ ਰਾਸ ਖੜ੍ਹੇ ਖੋਨਦ ਅਖਿਸਤਨਕੀ ਖੜ੍ਹੇ ਮਲ੍ਯਾਨੇ ਪਾਚਾਹਾਨ ਸ਼ਤਨ ਲੇਇ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਪੰਖੀ ਸਰਪ ਉਪਾਏ ॥

ਕੀਂ ਕੁਠ ਪੰਖੀ ਸਰਪ ਆਪਾਏ.

ਪੇ ਮਲ੍ਯਾਨੇ ਮਰਗਾਨ ਅਤੇ ਮਾਰਗਾਨ ਰੱਬ ਪ੍ਰਦਾਕੀ ਦੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਪਾਥਰ ਬਿਰਖ ਨਿਪਜਾਏ ॥

ਕੀਂ ਕੁਠ ਪਿਹੇ ਬਰਕੇ ਨਿਗਯੈ.

ਦਿਰੀ ਮਲ੍�ਧਾਨ ਦਬੀ ਅਤੇ ਵਨੀ ਕੁਲ ਸ਼ਵੀ ਦੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਪਵਣ ਪਾਣੀ ਬੈਸੰਤਰ ॥

ਕੀਂ ਕੁਠ ਪਵਣ ਪਾਣੀ ਬੈਸੰਤਰ.

ਪੇ ਮਲ੍ਯਾਨੇ ਬਾਦ, ਅਵੇਂ ਅਤੇ ਅਵਰ ਸ਼ਤਨ ਲੇਇ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਦੇਸ ਭੂ ਮੰਡਲ ॥

ਕੀਂ ਕੁਠ ਦੇਸ ਭੂ ਮੰਡਲ.

په مليونونو هیوادونه او حمکی لري.

کਈ ਕੋਟਿ ਸਸੀਅਰ ਸੂਰ ਨਖੜ੍ਹੁ ॥
کੀ کੁਠੁ ਸੰਸਾਰ ਸੁਰ ਨਖਾਤੇ-

په مليونونو سپورਮی، لمਰ او ستوري شتون لري.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਦੇਵ ਦਾਨਵ ਇੰਦ੍ਰ ਮਿਰਿ ਛੜ੍ਹੁ ॥
کੀ ਕੁਠੁ ਦਿਊ ਦਾਨੁ ਅਨ੍ਦਰ ਸੁਰ ਚੜ੍ਹੁ-

دلته په مليونونو خدايان، شیطانان او اندرਾ ਸ਼ਤੁਨ ਲਰੀ، ਜੀ ਸਰੋਨੇ ਬਿ ਚਤ੍ਰੀ ਦੀ

ਸਗਲ ਸਮਗ੍ਰੀ ਅਪਨੈ ਸੂਤਿ ਧਾਰੈ ॥
ਸਕਲ ਸਮਗ੍ਰੀ ਆਪੈ ਸੁਤ ਦਹਾਰੈ-

په دੀ ਤੁਗੇ ਗ੍ਰਾ ਤੁਲ ਮਖਲ੍ਹੂ ਪੇ ਖੜ੍ਹੁ ਤਾਰ (ਦ ਅਮਰ) ਕੀ ਤੜ੍ਹੀ ਦੀ.

ਨਾਨਕ ਜਿਸੁ ਜਿਸੁ ਭਾਵੈ ਤਿਸੁ ਤਿਸੁ ਨਿਸਤਾਰੈ ॥੩॥
ਨਾਨਕ ਜਸ ਜਸ ਬਹਾਉੰ ਤੱਤ ਤੱਤ ਨਿਸਤਾਰੈ-

ਏ ਨਾਨਕ! ਕੁਮ ਖੇ ਜੀ ਰਬ ਖੋਬਾਇ ਹੁਗੇ ਦ ਕਾਨਾਤੁ ਲੇ ਬਹੁ ਖੁ ਤਿਰਾਵਿ

ਕਈ ਕੋਟਿ ਰਾਜਸ ਤਾਮਸ ਸਾਤਕ ॥
ਕੀ ਕੁਠੁ ਰਾਜਸ ਤਾਮਸ ਸਾਤਕ-

دلته په مليونونو ਰਾਜਗੁਣੀ ، ਤਮਗੁਣੀ ਅਵ ਸਟਗੁਣੀ ਮਖਲ੍ਹੂਕਾਤ ਸ਼ਤੁਨ ਲਰੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਬੇਦ ਪੁਰਾਨ ਸਿਮ੍ਰਿਤਿ ਅਰੁ ਸਾਸਤ ॥
ਕੀ ਕੁਠੁ ਬੇਦ ਪੁਰਾਨ ਸਿਮ੍ਰਿਤਿ ਅਰੁ ਸਾਸਤ-

ਖੋ ਮਲ੍ਹੀਓਨੇ ਵਿਦੋਨੇ، ਪ੍ਰਾਨੋਨੇ، ਸਮਰੀਤੋਨੇ ਅਵ ਸ਼ਾਸਤਰੋਨੇ ਸ਼ਤੁਨ ਲਰੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਕੀਏ ਰਤਨ ਸਮੁਦ ॥
ਕੀ ਕੁਠੁ ਕੀਏ ਰਤਨ ਸਮੁਦ-

ਪਹ ਮਲ੍ਹੀਓਨੋ ਕਿਮਤੀ ਦਿਵੀ ਪੇ ਸੰਨਦਰਾਨੋ ਕੀ ਪੰਡਾ ਸ਼ਵੀ ਦੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਨਾਨਾ ਪ੍ਰਕਾਰ ਜੰਤ ॥
ਕੀ ਕੁਠੁ ਨਾਨਾ ਪ੍ਰਕਾਰ ਜੰਤ-

ਦ ਹਿਵਾਨਾਤੁ ਮਲ੍ਹੀਓਨੇ ਮਹਤਵ ਦੁਲਵੇ ਸ਼ਤੁਨ ਲਰੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਕੀਏ ਚਿਰ ਜੀਵੇ ॥
ਕੀ ਕੁਠੁ ਕੀਏ ਚਿਰ ਜੀਵੇ-

ਪਹ ਮਲ੍ਹੀਓਨੋ ਖਾਰਵਿਾਨ ਦ ਓਰਦ ਰੜ੍ਹਨ ਕੁਲੁ ਲਪਾਰੇ ਰਾਮਿਖਤੇ ਸ਼ਵੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਗਿਰੀ ਮੇਰ ਸੁਵਰਨ ਥੀਵੇ ॥
ਕੀ ਕੁਠੁ ਗੁਰੀ ਮੇਰ ਸੁਵਰਨ ਥੀਵੇ-

(ਦ ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਪੇ ਅਮਰ) ਖੋ ਕਰੂਰੋਨੇ ਸਰੇ ਜੁਰ "ਸੁਮੀਰ ਪ੍ਰਹਾਰ" ਸ਼ਵੀ ਦੀ.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਜਖ ਕਿੰਨਰ ਪਿਸਾਚ ॥
ਕੀ ਕੁਠੁ ਜਖ ਕਿੰਨਰ ਪਿਸਾਚ-

ਕਨ੍ਹ ਪੱਸਾਂ.

مليونونه خلک د شتمنی په اره اندیشمن دی.

ਜਹ ਜਹ ਭਾਣਾ ਤਹ ਤਹ ਰਾਖੇ ॥

جے جے بھانا تہ راکھے۔

چیرته چی ٿبتن وغواري، هغه ڙوندي موجودات ٿائي په ٿائي کوي.

ਨਾਨਕ ਸਭੁ ਕਿਛੁ ਪ੍ਰਭੁ ਕੈ ਹਾਥੇ ॥੫॥

نانک سبھ کچھ پربھ کے باٿے۔

اٽ نانک! هر ٿه د ٿبتن په لاس کي دی.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਭਏ ਬੈਰਾਗੀ ॥

کپري کوت بپراگي۔

په دی نرى کي په مiliونونو ڙوندي موجودات د نرى له شيانو ٿخه جلا شوي دي.

ਰਾਮ ਨਾਮ ਸੰਗਿ ਤਿਨਿ ਲਿਵ ਲਾਗੀ ॥

رام نوم سنگ تن ليو ليري

او دوى درام په نوم تجارت کوي.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਪ੍ਰਭੁ ਕਉ ਖੇਜੰਤੇ ॥

کپري کوت پربھ کو کوجنتي

مليونونه ڙوندي موجودات د ٿبتن په لنه کي دی.

ਆਤਮ ਮਹਿ ਪਾਰਬ੍ਰਹਮੁ ਲਹੰਤੇ ॥

آتم مي پاربرهم لھانتي

او رب د دوى په روح کي مينه وکپري.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਦਰਸਨ ਪ੍ਰਭੁ ਪਿਆਸ ॥

کپري کوت درسن پربھ پیاس

په مiliونونو مخلوقات د رب ليدلو ته تبردي دي.

ਤਿਨ ਕਉ ਮਿਲਿਓ ਪ੍ਰਭੁ ਅਬਿਨਾਸ ॥

تین کو مليو پربھ ابناس

دوی ٿل پاتي ٿبتن وموسي.

ਕਈ ਕੋਟਿ ਮਾਗਹਿ ਸਤਸੰਗੁ ॥

کپري کوت ماگي ستبنگ

دبيری مiliونونه د ريشتني ملکرو لپاره خپله هيله خرگندوي.

ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ਤਿਨ ਲਾਗਾ ਰੰਗੁ

پاربرهم تن لاگه رنگ

دوی د ٿبتن په مينه کي دوب پاتي دي.

ਜਿਨ ਕਉ ਹੋਏ ਆਪਿ ਸੁਪੂਰੰਨ ॥

نانک تی جان سدا دهن دبن
ای نانک! د چا څخه چې رب پخپله راضي وي،

نानک ते जन सदा यनि यनि ॥६॥

کېږي کوت خاني او خند.
داسي خلک تل بختور وي.

کاس्टी कोटि खाणी अरु खंड ॥

کېږي کوت اکاس براهمند
د Ҳمکي په نهو برخو او (څلور) لورو کي مليونونه مخلوقات پیدا شوي دي.

कस्टी कोटि अकास धूरमंड ॥

کېږي کوت هوی او تار
د آسمان او کائنات دیری مليونونه شتون لري.

कस्टी कोटि हेष्टे अहउआर ॥

کېږي جگت کینو بستار
مليونونه او تارونه شوي دي.

कस्टी चुगाडि कीने विसार ॥

کېږي بار پسربیو पासर
رب کائنات د دیری ترکیبونو سره جور کړي دي.

कस्टी बार पसरिछि पासार ॥

سدا سدا اک اکانکار
دا تخلیق پیری وختونه خپور شوي.

सदा सदा इकु ऐकंकार ॥

کېږي کوت کيني بهو بهات
خو ڇښتن تل همداسي وي.

कस्टी कोटि कीने बहु भाडि ॥

پربه تې هو پربه ماهي سمات
په مليونونو مخلوقات د ڇښتن لخوا په مختلفو لارو پیدا شوي دي.

पूँछ ते हेष्टे पूँछ माहि समाडि ॥

तا कا انت ने जानी कोई
هغه انسانان له رب څخه پیدا شوي او په رب کي یوځای شوي دي.

उा का अंतु न जानै कोइ ॥

پي آپ نانک پربه سوئ
هیڅوک پي پاي نه پوهېږي.

આપے آپि نानक पूँछ सौइ ॥७॥

کپری کوت پاربرہم کی داس
ای نانک! ته د هر ٿه ٿبتن بی.

کاشی کوئی پاربھوہم کے دام ॥

تین ھوت آتم پرگاس

په دی دنیا کی په میلیونونو ڙوندي موجودات د رب بندہ گان دی.

تین ھوہت آتم پرگام ॥

کپری کوت تت کی بیتی
او د دوی په روحونو کی رنا ده.

کاشی کوئی ٿڻ کے ٻڌڻ ॥

سدا نهاره ایکو نیتری
ڊیری ملیون خلک فیلسوفان دی.

سدا نیھارہم ڪوئے نئڙے ॥

کپری کوت نام رس پیوی
او په خپلو سترگو دوی ٿل یو رب وینی.

کاشی کوئی نام رسم پیوارہ ॥

امر بھی سد سد هی جیوی
ڊیری ملیونونه روحونه د نام جوس ٿبسلو ته دوام ورکوی.

آمر ٿاۓ سد سد ۾ جیوارہ ॥

کپری کوت نام گون گاوه
ڇوک چي ٿل پاتی دی او ٿل ڙوندي دی.

کاشی کوئی نام گُن گاوارہ ॥

آتم رس سخ سهنج سماوی
ملیونونه خلک د نوم ستائی ته دوام ورکوی.

آتم رسمی سُخی سہجی سماوارہ ॥

آپونی جان کبونی سانس سانس سماری
دوی په اسانی سره د روح د خوبنی لپاره په انديشنه کي جذب شوي

اپعنے ڄن کوئی سامیں سامارے ॥

نانک اوپی پرمیسور کی پیاری
رب د خپلو بندگانو ڊیر پام کوی.

نانک ٿیت پرمسُر کے پیارے ॥ ៦ ॥ ٩٠ ॥

نانک آپ الپت ربیا بهرپور.
ای نانک! یوازی دا ڊول عبادت کوونکی د رب سره مینه لري.

سلاک ॥

سلوک
سلوکو

کرਣ ਕਾਰਣ ਪ੍ਰਭੁ ਏਕੁ ਹੈ ਦੁਸਰ ਨਾਹੀ ਕੋਇ ॥

کارਨ ਕਾਰਨ ਪਰਿਵੇਅ ਇਕ ਹੈ ਦੂਜੇ ਨੇ ਕੌਰੀ

ਯੋ ਰਬ ਦ ਪ੍ਰਿਦਾਇਨੇ ਅਚਲੀ ਲਾਮਲ (ਖਾਲਚ) ਦੀ, ਲੇ ਹੁਗੇ ਪਰਤੇ ਬਲ ਖੁਕ ਨਾਥੇ.

ਨਾਨਕ ਤਿਸੁ ਬਲਿਹਾਰਣੈ ਜਲਿ ਬਲਿ ਮਹੀਅਲਿ ਸੋਇ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਤੱਥ ਬਾਲਿਹਾਰਣੀ ਜਲ ਤੱਹਲ ਮਹੀਅਲ ਸਾਡੇ.

ਇ ਨਾਨਕ! ਜੇ ਹੁਗੇ ਛੰਭਿਤਨ ਤੇ ਕਰਿਆਨ ਕੁਮ ਚੀ ਪੇ ਓਬੁ, ਹੁਕਮੀ, ਹੁਕਮੀ ਅਤੇ ਅਸਮਾਨ ਕੀ ਸ਼ਤਨੂ ਲੇਇ.

ਅਸਟਪਦੀ ॥

ਅਸਟਪਦੀ

ਅਸਟਪਦੀ

ਕਰਨ ਕਰਾਵਨ ਕਰਨੈ ਜੇਗੁ ॥

ਕਾਰਨ ਕਰਾਵਨ ਕਰਨੀ ਜੇਗੁ

ਯੋ ਰਬ ਚੀ ਪੇ ਹੁ ਖੁਲ੍ਹੇ ਕਾਲੇ ਦੀ ਅਤੇ ਜ਼ਵਨੀ ਮਲਕਿਆਨਾਂ ਤੇ ਹੁ ਖੁਲ੍ਹੇ ਕਾਲੇ ਦੀ.

ਜੇ ਤਿਸੁ ਭਾਵੈ ਸੋਈ ਹੋਗੁ ॥

ਜੋ ਤੱਥ ਬਹਾਵੀ ਸਾਡੇ ਹੋਗੁ

ਹੁਗੇ ਖੁ ਚੀ ਖੁਬਿਓ, ਹੁਗੇ ਕਾਲੇ ਦੀ.

ਖਿਨ ਮਹਿ ਥਾਪਿ ਉਥਾਪਨਹਾਰਾ ॥

ਕਹਨ ਮੀ ਤਹਾਪ ਅਤਹਿਨਹਾਰਾ

ਹੁਗੇ ਪੇ ਯੋਹ ਸ਼ਿਬੀਹ ਕੀ ਦੀ ਕਾਨਨਾਂ ਖਾਲੇ ਅਤੇ ਵਿਗਾਰਨਕੀ (ਰਬ) ਦੀ.

ਅੰਤੁ ਨਹੀਂ ਕਿਛੁ ਪਾਰਾਵਾਰਾ ॥

ਅੰਤ ਨੇ ਕੱਚ ਪਾਰਾਵਾਰਾ

ਦੇ ਹੁਗੇ ਹੁਕਮਕ ਹੀਖ ਪੰਡੀ ਅਤੇ ਨਾਨਕੀ.

ਹੁਕਮੇ ਧਾਰਿ ਅਧਰ ਰਹਾਵੈ ॥

ਹੁਕਮੇ ਦੇਹਾਰ ਰਹਾਵੀ

ਹੁਕਮੀ ਯੀ ਪੇ ਖੇਲ ਅਮਰ ਜੁਗੇ ਕੀ ਓਬੁ ਲੇ ਕੁਮ ਮਲਾਤੀ ਯੀ ਸਾਨਤੀ ਦੇ

ਹੁਕਮੇ ਉਪਜੈ ਹੁਕਮਿ ਸਮਾਵੈ ॥

ਹੁਕਮੇ ਆਪਿ ਹੁਕਮ ਸਮਾਵੀ

ਹੁ ਖੁ ਚੀ ਦੇ ਹੁਗੇ ਪੇ ਅਮਰ ਪੰਡੀ ਕੀ ਕਿਹੜੀ, ਬਾਲਾਹ੍ਰੇ ਦੇ ਹੁਗੇ ਪੇ ਅਮਰ ਕੀ ਜ਼ਿਬੀ.

ਹੁਕਮੇ ਉਚ ਨੀਚ ਬਿਉਹਾਰ ॥

ਹੁਕਮੇ ਆਂਚ ਨੀਚ ਬਿਉਹਾਰ

ਬਨੇ ਅਤੇ ਬਦ ਅਤੇ ਹੁਗੇ ਸਰੇ ਸਮ ਦੀ.

ਹੁਕਮੇ ਅਨਿਕ ਰੰਗ ਪਰਕਾਰ ॥

ਹਕਮੇ ਅਨ੍ਕ ਰੰਗ ਪ੍ਰਕਾਰ

ਦ ਹੁਗੇ ਪੇ ਅਮ ਮੱਖਲੀ ਲੋਬੀ ਅਤ ਤਮਾਸੀ ਤ੍ਰਸਰੇ ਕਿਹੜੀ.

ਕਰਿ ਕਰਿ ਦੇਖੈ ਅਪਨੀ ਵਡਿਆਈ ॥

ਕਰ ਕਰ ਦਿਕਹੀ ਆਪੀ ਵਦੀ ਆਈ

ਦ ਨਿਹੜੀ ਪੇ ਜੁਰਵਲੇ ਸਰੇ, ਹੁਗੇ ਦ ਖੱਪ ਜਾਲ ਲਿਲ੍ਹਾਂ ਤੇ ਦੋਵਾਂ ਵਰਕੀ.

ਨਾਨਕ ਸਭ ਮਹਿ ਰਹਿਆ ਸਮਾਈ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਸ਼ਬੇ ਮੀ ਰੰਬਾ ਸਮਾਈ.

ਇ ਨਾਨਕ! ਖਾਦੀ ਪੇ ਤੁਲ ਮੱਖਲੀ ਕੀ ਸ਼ਟੌਨ ਲ੍ਰੀ.

ਪ੍ਰਭੁ ਭਾਵੈ ਮਾਨੁਖ ਗਤਿ ਪਾਵੈ ॥

ਪ੍ਰਭੇ ਬਹਾਵੀ ਮਾਨੁਕੇ ਹੱਕ ਪਾਵੀ

ਕੇ ਦਾ ਦ ਖੱਬਣ ਰਾਸਾਂ ਵੀ, ਅਨੂਜ ਜ਼ਗੂਰ ਕਿਹੜੀ.

ਪ੍ਰਭੁ ਭਾਵੈ ਤਾ ਪਾਥਰ ਤਰਾਵੈ ॥

ਪ੍ਰਭੇ ਬਹਾਵੀ ਤਾ ਪਿਤੇਰ ਤਰਾਵੀ

ਕੇ ਦਾ ਦ ਖੱਬਣ ਰਾਸਾਂ ਵੀ, ਹੁਗੇ ਹਤੀ ਤਿਹੇ ਹਰਕਤ ਕੀ.

ਪ੍ਰਭੁ ਭਾਵੈ ਬਿਨੁ ਸਾਸ ਤੇ ਰਾਖੈ ॥

ਪ੍ਰਭੇ ਬਹਾਵੀ ਬਿਨ ਸਾਸ ਤੀ ਰਾਖੀ

ਕੇ ਦਾ ਰਾਬ ਰਾਸਾਂ ਵੀ, ਹੁਗੇ ਹਤੀ ਦ ਸਾਹ ਅਖਿਸਟਨ ਮੱਖਲੀ (ਮੁੰਗ ਜ਼ਖ) ਜ਼ਗੂਰੀ.

ਪ੍ਰਭੁ ਭਾਵੈ ਤਾ ਹਰਿ ਗੁਣ ਭਾਖੈ ॥

ਪ੍ਰਭੇ ਬਹਾਵੀ ਤਾ ਹਰੀ ਗੁਣ ਭਾਖੀ

ਕੇ ਦਾ ਦ ਖੱਬਣ ਖੁਬਿਂ ਵੀ, ਨੂ ਅਨੂਜ ਦ ਖਾਦੀ ਨਾਕ ਦੇ ਦੋਵਾਂ ਵਰਕੀ.

ਪ੍ਰਭੁ ਭਾਵੈ ਤਾ ਪਤਿਜ ਉਧਾਰੈ ॥

ਪ੍ਰਭੇ ਬਹਾਵੀ ਤਾ ਪਿਤੀ ਏਡੀ

ਕੇ ਦਾ ਰਾਬ ਖੁਬਿਂ ਵੀ, ਹੁਗੇ ਹਤੀ ਗਨਾਹਕਾਰਾਂ ਵੰਜ਼ਗੂਰੀ.

ਆਪਿ ਕਰੈ ਆਪਨ ਬੀਚਾਰੈ ॥

ਆਪਿ ਕਰੈ ਆਪਨ ਬੀਚਾਰੀ

ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਪੱਖੀਲੇ ਹਰ ਖੜੇ ਕੀ ਅਤ ਪੱਖੀਲੇ ਫਕਰ ਕੀ.

ਦੁਹਾ ਮਿਰਿਆ ਕਾ ਆਪਿ ਸੁਆਮੀ ॥

ਦੁਹਾ ਸਰਿਆ ਕਾ ਆਪ ਸ਼ਵਾਮੀ

ਖਾਦੀ ਪੱਖੀਲੇ ਦ ਨੀਆ ਅਤ ਆਖਤ ਮਲਕ ਦੀ.

ਖੇਲੈ ਬਿਗਸੈ ਅੰਤਰਜਾਮੀ ॥

ਖੇਲੈ ਬਿਗਸੈ ਅਨੰਤਰਜਾਮੀ

ਹੁਗੇ ਪ੍ਰਾਵਿਦਕਾਰ ਜੀ ਪੇ ਜੜੇ ਯੀ ਪੋਹੜੀ ਦ ਨੀਆ ਲੋਬੀ ਤੇ ਦੋਵਾਂ ਵਰਕੀ ਅਤ ਲਿਲ੍ਹਾਂ ਯੀ ਰਾਸਾਂ ਕਿਹੜੀ.

ਜੇ ਭਾਵੈ ਸੋ ਕਾਰ ਕਰਾਵੈ ॥

جو ਬਹਾਵੀ ਸੋ ਕਾਰ ਕਰੈ

ਹਰ ਥੇ ਚੀ ਖੰਨਿ ਖੂਨੀ, ਹਗੇ ਅਨਸਾਨ ਤੇ ਹਮ ਕੋਇ.

ਨਾਨਕ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਅਵਰੁ ਨ ਆਵੈ ॥੨॥

ਨਾਨਕ ਦਰਸ਼ਨੀ ਅਵਰੁ ਨ ਆਵੈ.

ਏ ਨਾਨਕ! ਦਿਵਾਂ ਪੇ ਖਿੜ ਬਲ ਹਿੱਥ ਨੇਤ੍ਰ ਨਾਥ.

ਕਹੁ ਮਾਨੁਖ ਤੇ ਕਿਆ ਹੋਇ ਆਵੈ ॥

ਕਹੁ ਮਾਨੁਕ ਤੇ ਕਿਆ ਹੋਇ ਆਵੈ

ਰਾਤੇ ਵਾਇਥੇ ਚੀ ਯੋ ਸ੍ਰੀ ਥੇ ਕੌਲੀ ਥੀ?

ਜੇ ਤਿਸੁ ਭਾਵੈ ਸੋਈ ਕਰਾਵੈ ॥

ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵੀ ਕਰੈ

ਹਗੇ ਥੇ ਚੀ ਖੰਨਿ ਖੂਨੀ, ਹਗੇ ਮਖ਼ਲੋਕ ਤੇ (ਕਾਰ) ਕੋਇ.

ਇਸ ਕੈ ਹਾਥਿ ਹੋਇ ਤਾ ਸਭੁ ਕਿਛੁ ਲੇਇ ॥

ਅਸ ਕੈ ਬਾਤੇ ਬੋਲੇ ਤਾ ਸੰਝੇ ਕਿਛੇ ਲੇਇ

ਕਹੁ ਚੀਰੀ ਦ ਧੋ ਚਾ ਲਪਾਰੇ ਮਮਕਨੇ ਵੀ, ਹਗੇ ਬਾਇਦ ਦ ਹਰੀ ਸ਼ਿਥਾਨੁ ਪਾਮਲਨੇ ਵਕਾਰੀ.

ਜੇ ਤਿਸੁ ਭਾਵੈ ਸੋਈ ਕਰੋਇ ॥

ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵੀ ਕਰੈ

ਹਰ ਥੇ ਚੀ ਖੰਨਿ ਵਰਤੇ ਮਨਸ਼ ਬੰਕਾਰੀ, ਹਗੇ ਕੋਇ.

ਅਨਜਾਨਤ ਬਿਖਿਆ ਮਹਿ ਰਚੈ ॥

ਅਨਜਾਨਤ ਬਿਖਿਆ ਮਹਿ ਰਚੈ

ਦ ਪੋਹੀ ਦ ਨਸ਼ਤਾਵਾਲੀ ਲੇ ਅਮਲੇ ਖਲਕ ਪੇ ਬੀ ਕੱਤੀ ਕਾਰਨੁ ਬੁਖਤ ਦਿ.

ਜੇ ਜਾਨਤ ਆਪਨ ਆਪ ਬਚੈ ॥

ਜੇ ਜਾਨਤ ਆਪਨ ਆਪ ਬਚੈ

ਕਹੁ ਪੋਹ ਥੀ, ਨੂ ਕੁਲਾਇ ਥੀ ਹਾਂ (ਲੇ ਥੁ ਖੁਥੇ) ਵੰਡਗੁਰੀ.

ਭਰਮੇ ਭੂਲਾ ਦਹ ਦਿਸਿ ਧਾਵੈ ॥

ਬਹੁਮੰਦ ਦੇ ਦਸ ਦੇਹਾਵੀ

ਪੇ ਖਿਆਲ ਕੀ ਓਰਕ ਥਾਵੀ, ਜਥੇ ਬੀ ਪੇ ਲਸੁ ਲਉ ਕੀ ਗੁਰੀ.

ਨਿਮਖ ਮਾਹਿ ਚਾਰਿ ਕੁੰਟ ਫਿਰਿ ਆਵੈ ॥

ਨਮਕ ਮਾਹਿ ਚਾਰਿ ਕੁੰਟ ਫਰਾਓਇ

ਦ ਥਲੁਰੁ ਕੁਨਜ਼ਨੁ ਦ ਗੁਰਦੁਲੁ ਵਰਗੁਤੇ, ਹਗੇ ਪੇ ਯੋਹ ਥਿਬੀਅ ਕੀ ਬਿਰਤੇ ਰਾਹੀ.

ਕਰਿ ਕਿਰਪਾ ਜਿਸੁ ਅਪਨੀ ਭਗਤਿ ਦੇਇ ॥

کر کر پا جس اپنی بھگت دے
هغہ چا ته چی رب مهربانہ دی خپل عبادت ورکوی.

ਨਾਨਕ ਤੇ ਜਨ ਨਾਮ ਮਿਲੇਇ ॥੩॥

نਾਨਕ ਤੀ ਜਾਨ ਨਾਮ ਮਲੈ—
ای نਾਨਕ! ਹਗੇ ਦ ਅਨਸਾਨ ਪੇ ਨੋਮ ਕੀ ਧੂਬ ਕਿਯੀ.

ਖਿਨ ਮਹਿ ਨੀਰ ਕੀਟ ਕਉ ਰਾਜ ॥

خਨ ਮੀ ਨੀਂਜ ਕੀਤ ਕੇ ਵ ਰਾਜ.

ਪੇ ਯਹ ਲਹਜੇ ਕੀ, ਥਿਭਿਤਨ ਯੋ ਤ੍ਰਿਤ (ਸ੍ਰੀ) ਦ ਕਿਮ ਪੇ ਥਿਰ (ਬਾਦਸ਼ਾਹੀ) ਜੁਰ੍ਹਾਂ।

ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ਗਰੀਬ ਨਿਵਾਜ ॥

ਪਾਰਬਰਿਮ ਗ੍ਰੀਬ ਨਿਵਾਜ—

ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਪੇ ਗੁਰੀਬਾਨੇ ਦੀ

ਜਾ ਕਾ ਦਿਸ਼ਟਿ ਕਛੂ ਨ ਆਵੈ ॥

جا ਕੇ ਦਰਿਸ਼ਟ ਕਚੂ ਨੇ ਆਵੈ

ਹਗੇ ਮਖ਼ਲੋਕ ਜੀ ਹੀਖ ਕਿਫਿਤ ਨੇ ਵਿਣੀ.

ਤਿਸੁ ਤਤਕਾਲ ਦਰ ਦਿਸ ਪ੍ਰਗਟਾਵੈ ॥

ਤੱਤ ਤੱਤਕਾਲ ਦੇ ਦਸ ਪ੍ਰਗਟਾਵੈ—

ਪੇ ਸਮਦਿਤੀ ਤੁਗੇ ਦਾ ਪੇ ਲਸੋ ਲਾਰਿਣੁਨੋ ਕੀ ਮਿਥੇਰ ਕੌਇ.

ਜਾ ਕਉ ਅਪੁਨੀ ਕਰੈ ਬਖਸੀਸ ॥

جا ਕੇ ਅਪੁਨੀ ਕਰੈ ਬਖਸੀਸ—

ਜਗਦਿਸ਼, ਦ ਨ੍ਹੇਰੀ ਮਾਲਕ, ਪੇ ਚਾ ਬਾਨਦੀ ਖੈਲ ਫਸਲ ਕੌਇ.

ਤਾ ਕਾ ਲੇਖਾ ਨ ਗਨੈ ਜਗਦੀਸ ॥

ਤਾ ਕੇ ਲਿਕੇ ਨੇ ਕਨੀ ਜਗਦਿਸ—

ਹਗੇ ਦ ਦੋਵਿ ਦ ਕੁਨ੍ਹ ਹਸਾਬ ਨੇ ਕੌਇ.

ਜੀਉ ਪਿੰਡ ਸਭ ਤਿਸ ਕੀ ਰਾਸਿ ॥

ਜੀਉ ਪਿੰਡ ਸਭ ਤਿਸ ਕੀ ਰਾਸ—

ਦਾ ਰੂਹ ਅਵ ਬਦਨ ਤੀਲ ਦ ਹਗੇ ਵਰਕੀਲ ਸ਼ਾਵੀ ਪਾਂਗੇ ਦੇ.

ਘਟਿ ਘਟਿ ਪੁਰਨ ਬ੍ਰਹਮ ਪ੍ਰਗਾਸ ॥

ਗਹਤ ਗਹਤ ਪੁਰਨ ਬਰ ਹਮ ਪ੍ਰਗਾਸ—

ਪੇ ਹਰ ਜੀਹੇ ਕੀ ਦ ਬਿਧਿ ਬਰਹਮਨ ਰਿਨਾ ਦੇ.

ਅਪਨੀ ਬਣਤ ਆਪਿ ਬਨਾਈ ॥

—**ਇਨ੍ਹੀ ਬੰਨਾਏ**—

ਹਗੇ ਦਾ ਕਾਨਨਾਂ ਪੱਧਲੇ ਜੁਰੀ ਦੀ.

ਨਾਨਕ ਜੀਵੈ ਦੋਖਿ ਬਡਾਈ ॥੮॥

—**ਨਾਨਕ ਜੀਵੇ ਦੀਕੇ ਬਦਾਏ**—

ਇ ਨਾਨਕ! ਜੇਹ ਦ ਹਗੇ ਦ ਜਲ ਲਿਲੇ ਲੀਧਾਰੇ ਜ੍ਰਵਨਦ ਕੁਮ.

ਇਸ ਕਾ ਬਲੁ ਨਾਹੀ ਇਸੁ ਹਾਥ ॥

—**ਇਸ ਕਾ ਬਲ ਨਹੀਂ ਇਸ ਹਾਥ**—

ਖੁਕੇ ਚੀ ਦ ਦੀ ਮਖ਼ਲੋਕ ਵਾਕ ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਖੀਲ ਲਾਸ ਕੀ ਨਹ ਦੀ

ਕਰਨ ਕਰਾਵਨ ਸਰਬ ਕੋ ਨਾਥ ॥

—**ਕਰਨ ਕਰਾਵਨ ਸਰਬ ਕੋ ਨਾਥ**—

ਯਾਵਾਂ ਯੋ ਰਬ ਦੀ ਚੀ ਹੋ ਖੇਡ ਕੀਵੀ ਥੀ ਅਤੇ ਅਨੁਸਾਰ ਤੇ ਯੀ ਵਕ਼ਰੀ

ਆਗਿਆਕਾਰੀ ਬਪੁਰਾ ਜੀਉ ॥

—**ਆਗਿਆਕਾਰੀ ਬਪੁਰਾ ਜੀਉ**—

ਬੀ ਵੱਜੇ ਸ੍ਰੀ ਰਬ ਤੇ ਵਫ਼ਦਾਰ ਦੀ

ਜੋ ਤਿਸੁ ਭਾਵੈ ਸੋਈ ਫੁਨਿ ਥੀਉ ॥

—**ਜੋ ਤਿਸੁ ਭਾਵੈ ਸੋਈ ਫੁਨਿ ਥੀਉ**—

ਹੋ ਖੇਡ ਕੀ ਰਬ ਖੁਣਵੀ, ਬਾਲਾਹੁ ਕਿਹੀ.

ਕਬਹੂ ਉੱਚ ਨੀਚ ਮਹਿ ਬਸੈ ॥

—**ਕਬਹੂ ਉੱਚ ਨੀਚ ਮਹਿ ਬਸੈ**—

ਹੀਨੀ ਵਖ਼ਤਨੇ ਖ਼ਲ੍ਕ ਪੇ ਲੁਗ ਵਾਤਨੇ ਕੀ ਜ੍ਰਵਨਦ ਕੀ ਅਤੇ ਹੀਨੀ ਵਖ਼ਤਨੇ ਪੇ ਤੀਤ ਵਾਤਨੇ ਕੀ

ਕਬਹੂ ਸੋਗ ਹਰਖ ਰੰਗਿ ਹਸੈ ॥

—**ਕਬਹੂ ਸੋਗ ਹਰਖ ਰੰਗਿ ਹਸੈ**—

ਕਲੇ ਪੇ ਘੁ ਕੀ ਖੇਡ ਵੀ ਅਤੇ ਕਲੇ ਪੇ ਖੁਖ਼ਲੀ ਕੀ ਖੁਨਦ.

ਕਬਹੂ ਨਿੰਦ ਚਿੰਦ ਬਿਉਗਾਰ ॥

—**ਕਬਹੂ ਨਿੰਦ ਚਿੰਦ ਬਿਉਗਾਰ**—

ਕਲੇ ਨਾਕਲੇ ਨਿਓਕੇ ਅਤੇ ਗੁਨਦਨੇ ਦ ਹਗੇ ਦਨਦਨ.

ਕਬਹੂ ਉਭ ਅਕਾਸ ਪਇਆਲ ॥

—**ਕਬਹੂ ਉਭ ਅਕਾਸ ਪਇਆਲ**—

ਕਲੇ ਪੇ ਅਸਮਾਂ ਕੀ ਵੀ ਅਤੇ ਕਲੇ ਦ ਹੁਕਾਮੀ ਲਾਨਦੀ.

کਬھو بےٽا بھوہم بھیساڑ ॥
که بو بیتھ برھم بیچار
کله کله هغه د برھمن د مفکوري پوه وي.

نانک آپی میلادਵਣਹਾਰ ॥੫॥
نانک اپ ملاوانہار.
ای نانک! ٿبنتن هغه ٿوک دی چي انسان له ٿان سره یو خای کوي

کਬھو نیرਤਿ کਰੈ بھੁ ਭਾਤਿ ॥
که بو نیرت کری بھو بھات
دا سری کله ناکله پیری ڊوله نخا ترسره کوي

کਬھو سੋਇ ਰਹੈ ਦਿਨੁ ਰਾਤਿ ॥
که بو سوئے رھی دین رات
کله کله هغه شپه او ورخ خوب کوي

کਬھو ਮਹਾ ਕ੍ਰੋਧ ਬਿਕਰਾਲ ॥
که بو مہا کروڈ بکرال
حُینی وختونه هغه په خپل شدید غوسه کی دارونکی کيري

کਬھੁ ਸਰਬ ਕੀ ਹੋਤ ਰਵਾਲ ॥
کبھون سرب کی ٻوت روال

کله کله د تولو د پبنو خاوری پاتی کيري، کله د تولو د پبنو خاوری پاتی کيري

کਬھੁ ਹੋਇ ਬਹੈ ਬਡ ਰਾਜਾ ॥
که بو ٻوئے بھئی باد راجا
حُینی وختونه هغه لوی پاچا کيري

کਬھੁ ਭੇਖਾਰੀ ਨੀਚ ਕਾ ਸਾਜਾ ॥
کبھو بھੀਕਹਾਰੀ نਿਯ ਕਾ سਾਜਾ
حُینی وختونه هغه د تیت سوالگر بنہ اخلي

کਬھੁ ਅਪਕੀਰਤਿ ਮਹਿ ਆਵੈ ॥
که بو اپکيرت مه آوئي
حُینی وختونه هغه د ذلت سره مخ کيري

کਬھੁ ਭਲਾ ਭਲਾ ਕਹਾਵੈ ॥
که بو بھلاء بھلاء کہاؤئی
حُینی وختونه هغه پیر بنہ بلل کيري

ਜਿਉ ਪ੍ਰਭੁ ਰਾਖੈ ਤਿਵ ਹੀ ਰਹੈ ॥
جيو پر به راخئے تيو بي ربئے
لکه ڙنگه ڄي ٿبنتن هغه ساتي، نو انسان ڙوند کوي

گور پ්‍රਸਾਦਿ ਨਾਨਕ ਸਚੁ ਕਰੈ ॥੬॥

گور پ්‍රਸਾਦ ਨਾਨਕ ਸਜ ਕੇਹੀ.

ਦ ਗ੍ਰਾਵ ਪੇ ਫੜ ਸਰੋ, ਨਾਨਕ ਰਿਣਤਿਆ ਖਬਰੀ ਕੋਇ

ਕਬਹੂ ਹੋਇ ਪੰਡਿਤੁ ਕਰੇ ਬਖਾਨੁ ॥

ਕਹ ਬੋਉੰ ਪਿੱਢਤ ਕਰੇ ਬਕਹਿਅਨ

ਹੀਨੀ ਵਖ਼ਤਨੇ ਯੋ ਸਰੀ ਦ ਪਿੱਛਤ ਪੇ ਤੋਗੇ ਟ੍ਰਿਲੀਗ ਕੋਇ

ਕਬਹੂ ਮੋਨਿਧਾਰੀ ਲਾਵੈ ਧਿਆਨੁ ॥

ਕਹੋ ਮਨੀਡ਼ਹਾਰੀ ਲਾਈ ਧਿਆਨ.

ਹੀਨੀ ਵਖ਼ਤਨੇ ਹੁਗੇ ਦ ਖਾਮੋਸ਼ ਰਾਹੇ ਪੇ ਤੋਗੇ ਪੇ ਮਾਰਭ ਕੀ ਨਾਸਤ ਵਿ

ਕਬਹੂ ਤਟ ਤੀਰਥ ਇਸਨਾਨੁ ॥

ਕਹ ਬੋ ਤਟ ਤਿਰਥੇ ਅਸਾਨ

ਕਲੇ ਕਲੇ ਹੁਗੇ ਜਿਅਰਨੁ ਤੇ ਹੈ ਅਓ ਗੁਲ ਕੋਇ

ਕਬਹੂ ਸਿਧ ਸਾਧਿਕ ਮੁਖਿ ਰਿਆਨੁ ॥

ਕਹ ਬੋ ਸਦੇ ਸਾਦੇ ਹਕ ਮਕਹੀ ਗੀਅਨ.

ਹੀਨੀ ਵਖ਼ਤਨੇ ਹੁਗੇ ਯੋ ਸਿਦ ਸਾਦਕ (ਲਿਵਨਕੀ) ਕਿਹੀ ਅਵ ਦ ਖੱਪੀ ਖੁਲੀ ਲੇ ਲਾਰੀ ਪੋਹੇ ਤ੍ਰਿਲਾਸੇ ਕੋਇ

ਕਬਹੂ ਕੀਟ ਹਸਤਿ ਪਤੰਗ ਹੋਇ ਜੀਆ ॥

ਕਹ ਬੋ ਕੀਟ ਹਸਤ ਪਿੱਤਗ ਹੋਉ ਜਿਆ

ਕਲੇ ਕਲੇ ਅਸਾਨ ਹਸ਼ਰੇ, ਹਾਤਿਆਨ ਯਾ ਪਿੱਤਗ ਸ਼ੀ

ਅਨਿਕ ਜੋਨਿ ਭਰਮੈ ਭਰਮੀਆ ॥

ਅਨਕ ਜੋਨ ਬਰਮੈ ਬਰਮਿਆ

ਅਵ ਦ ਦੁਅਦਾਰੇ ਤੋਗੇ ਪੇ ਦਿਰੋ ਰਹਮਨੁ ਕੀ ਗੁਰੈ.

ਨਾਨਾ ਰੂਪ ਜਿਉ ਸ਼ਾਗੀ ਦਿਖਾਵੈ ॥

ਨਾਨਾ ਰੂਪ ਜ੍ਝੀ ਸ਼ਾਗੀ ਦਕਹੈ.

ਦ ਬਹੁ ਪੀਅਨੁ ਪੇ ਖਿਰ, ਹੁਗੇ ਦਿਰੀ ਬਨੀ ਲਰੀ

ਜਿਉ ਪ੍ਰਭੁ ਭਾਵੈ ਤਿਵੈ ਨਚਾਵੈ ॥

ਜਿਊ ਪ੍ਰਭੁ ਬਹਾਉ ਤਿਵੈ ਨਿਜੈ.

ਨਖਾ ਕੋਇ ਲਕੇ ਖੜਗੇ ਚੀ ਖੜਿਅਨ ਮਨਾਸੇ ਗੁਰੀ

ਜੋ ਤਿਸੁ ਭਾਵੈ ਸੋਈ ਹੋਇ ॥

ਜੋ ਤਸ ਬਹਾਉ ਸੋਈ ਬੋਉ

ਲਕੇ ਖੜਗੇ ਚੀ ਖੜਿਅਨ ਮਨਾਸੀ ਦ

ਨਾਨਕ ਦੂਜਾ ਅਵਰੁ ਨ ਕੋਇ ॥੭॥

ਨਾਨਕ ਦੁਗਾ ਅਵਰੁ ਨ ਕੋਈ

ای نانک! له هغه پرته بل څوک نشته

کېږي ساپسېنگا یو پاڼه ॥

که بو ساده سنگ اه پاؤئے

بیا به دا سرى هر کله ستنتګتیا تر لاسه کري

عیسی امساہان ته بھوری ن آواه ॥

اس استهان ته بېر نه آوئے

له دې (مقدس) خای خخه هیڅکله بېرته نه راګرخي

امړی ټه ګیا ان پرگام ॥

انتر بؤئے ګیان پرگام

په زره کې یې د علم رنډا ده

عیسی امساہان کا نهیں بینا م ॥

اس استهان کا نهیں بینا

دا کور هیڅکله نه تباہ کيري

مان ته نامی رتے یو رنګ ॥

من تن نام رتی اک رنګ

د چا ذهن او بدن د خدای په نوم او محبت کي مشغول وي

سدا بسرا یو پار بسوه م کې سړی ॥

سدا بسی پار بسوه کی سنگ

دا ژل د واه ګرو سره وي

جی ټه مهی جال آهی بختانه ॥

جیو جل می جل آئی ختانا

لکه څنګه چې او به رائي او په او بو کي یو خاکي کيري

تی ټه مهی جال آهی بختانه ॥

تیو جو تی سنگ جو تی سمانا

په همدي توکه، د هغه رنډا سپریم په رنډا کي جذب کيري

می ټه مهی جال آهی بختانه ॥

می ټه مهی جال آهی بختانه

د هغه ایواګون (پیدایشت او مرگ) پای ته رسیوی او هغه سیک کيري

نا نک پټو کې سدا کور بسا ॥ ۷ ॥ ۹۹ ॥

نانک پرب کې سدا کور

ای نانک! زه ټل خپل خان داسې خښتن ته فربانوم

سلاکو ॥

سلوک
سلوکو

ਸੁਖੀ ਬਸੈ ਮਸਕੀਨੀਆ ਆਪੁ ਨਿਵਾਰਿ ਤਲੇ ॥

سکੇ بسੀ مਸਕੀਨੀ ਆਪ ਨਿਵਾਰਿ

خلاصਚਾਂ ਜਨਕੀ ਸ੍ਰੀ ਪੇ ਖੋਬਨੀ ਕੀ ਰਾਵਨਦ ਕੌਇ. ਹਗੇ ਖੀਲੇ ਆਨਾ ਪ੍ਰਿਯਦੀ ਅਤੇ ਉਗਜ਼ ਕਿਹੀ

ਬਡੇ ਬਡੇ ਅੰਹੰਕਾਰੀਆ ਨਾਨਕ ਗਰਬਿ ਗਲੇ ॥੧॥

ਕਰ ਕੁਪਾ ਜਸ ਕੀ ਪ੍ਰਦੀ ਗੁਰੀਭਿ ਬਸਾਊਂ

(ਖੋ) ਏ ਨਾਨਕ! ਲਾਵੀ ਆਨਾ ਪ੍ਰਿਸਟ ਖੀਲੇ ਪੇ ਖੀਲੇ ਆਨਾ ਕੀ ਤਿਆਹ ਕਿਹੀ

ਅਸਟਪਦੀ ॥

ਅਸਟਪਦੀ

ਅਸਟਪਦੀ

ਜਿਸ ਕੈ ਅੰਤਰਿ ਰਾਜ ਅਭਿਮਾਨੁ ॥

ਬਦੀ ਬਦੀ ਅਹਨਕਾਰੀ ਨਾਨਕ ਗੁਰੂ ਗੁਰੂ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਪੇ ਰਾਵਨੇ ਕੀ ਧੀ ਦ ਦੁਲਤ ਗੁਰੂ ਵੀ

ਸੈ ਨਰਕਪਾਤੀ ਹੋਵਤ ਸੁਆਨੁ ॥

ਜਸ ਕੀ ਅਨੁਰਾਜ ਅਭੇਮਾਨ

ਦਾ ਪੁਲ ਸ੍ਰੀ ਪੇ ਦੁਰਖ ਕੀ ਦ ਗੁਰੂ ਖੈਦੂ ਸੀਵੀ ਦੀ

ਜੇ ਜਾਨੈ ਮੈ ਜੋਬਨਵੰਤੁ ॥

ਸੁ ਨਰਕਪਾਤੀ ਹੋਵਤ ਸੁਆਨ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਪੇ ਤਕਰ ਕੀ ਹਾਨ ਦੀਰ ਬਨਕੀ (ਕਾਮਲ ਹਾਨ) ਕੀ

ਸੈ ਹੋਵਤ ਬਿਸਟਾ ਕਾ ਜੰਤੁ ॥

ਜੋ ਜਾਨੀ ਮੀ ਜੋਬਨਵੰਤ

ਹਗੇ ਦ ਕਥਾਫਾਨੇ ਚਿੰਗੀ ਦੀ

ਆਪਸ ਕਉ ਕਰਮਵੰਤੁ ਕਹਾਵੈ ॥

ਸੁ ਹੋਵਤ ਬੱਸਕਾ ਜੰਨ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਹਾਨ ਦੀਨਿਕੁ ਅਉਮਲੁ ਥਿਨਤਨ ਬੁਲੀ

ਜਨਮਿ ਮਰੈ ਬਹੁ ਜੋਨਿ ਭ੍ਰਮਾਵੈ ॥

ਅੱਪਸ ਕਾਵ ਕਰਮਨਤ ਕੰਬਾਊਂ

ਹਗੇ ਦ ਜਿਵਾਨ ਅਤੇ ਮਰੀਨੀ ਪੇ ਦੁਰਹ ਕੀ ਨਿਊ ਅਤੇ ਵਾਰੀ ਵਿਖੇ ਪੇ ਰਾਮ ਕੀ ਗੁਰੈ

ਧਨ ਭੂਮਿ ਕਾ ਜੇ ਕਰੈ ਗੁਮਾਨੁ ॥

ਜੰਮ ਮਰੀ ਬ੍ਰਾਵ ਜੰਮ ਬਰਮਾਊਂ

ਹਗੇ ਸ੍ਰੀ ਚੀ ਪੇ ਖੀਲੇ ਮਾਲ ਅਤੇ ਵਿਅਰੀ

ਮੇਮੂਰਖੁ ਅੰਧਾ ਅਗਿਆਨੁ ॥

ਦੇਹਨ ਬੋਹਮ ਕਾ ਜੋ ਕਰੈ ਗਮਾਨ

ਹਗੇ ਅਹਮਕ, ਰਵਨਦ ਅਤੇ ਨਾਪੋਹ ਦੀ

ਕਰਿ ਕਿਰਪਾ ਜਿਸ ਕੈ ਹਿਰਦੈ ਗਰੀਬੀ ਬਸਾਵੈ ॥

ਸ੍ਰੋ ਮੁਰਖ ਅਨਿਆਨ ਆਕਿਆਨ

ਦ ਅਨੱਸਾਨ ਪੇ ਜ਼ਰੇ ਕੀ ਰੱਬ ਪੇ ਖੜ੍ਹ ਫਲ ਸਰੇ ਉਚਾਜਿ ਪੰਡਾ ਕੌਇ

ਨਾਨਕ ਈਗਾ ਮੁਕਤੁ ਆਰਾ ਸੁਖੁ ਪਾਵੈ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਆਮਕ ਆਨੰਦੀ ਸੁਖ ਪਾਵੈ.

ਏ ਨਾਨਕ! ਦਾਸੀ ਅਨੱਸਾਨ ਪੇ ਜ਼ਿਨੀਆਂ ਕੀ ਨਜ਼ਾਤ ਅਤੇ ਪੇ ਆਖਰਤ ਕੀ ਸਖਾ ਕੌਇ

ਧਨਵੰਤਾ ਹੋਇ ਕਰਿ ਗਰਬਾਵੈ ॥

ਦੇਹਨੁਣਤਾ ਬੁਭੂਤ ਕਰ ਗੁਰਬਾਨੀ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਜੀ ਬਦਾਇਹ ਅਤੇ ਪੇ ਖੜ੍ਹ ਮਾਲ ਫ਼ਰ ਕੌਇ,

ਤ੍ਰਿਣ ਸਮਾਨਿ ਕਛੁ ਸੰਗਿ ਨ ਜਾਵੈ ॥

ਤ੍ਰੀਨ ਸਮਾਨ ਕੁਝ ਸੰਗ ਨੇ ਜਾਨੀ

ਦ ਤਨੀ ਪੇ ਸ਼ਾਨ ਹੀਥ ਸੀ ਓਰਾਨੇ ਨੇ ਹੀ

ਬਹੁ ਲਸਕਰ ਮਾਨੁਖ ਉਪਰਿ ਕਰੇ ਆਸ ॥

ਬ੍ਰਾਹਮਿਕ ਸੰਗ ਅਤੇ ਅਨੇਕ ਕੁਝ ਆਸ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਜੀ ਦਲੀਖ ਅਤੇ ਖਲਕੁ ਤਮੇ ਲਾਗੀ

ਪਲ ਭੀਤਰਿ ਤਾ ਕਾ ਹੋਇ ਬਿਨਾਸ ॥

ਪਲ ਬੇਹਿਤਰ ਤਾ ਕਾ ਬੁਭੂਤ ਬਿਨਾਸ

ਹਗੇ ਪੇ ਯਿਹ ਸ਼ਿਬੀਹ ਕੀ ਲੇ ਮਨੋ ਹੀ

ਸਭ ਤੇ ਆਪ ਜਾਨੈ ਬਲਵੰਤੁ ॥

ਸੰਭ ਤੀ ਆਪ ਜਾਨੀ ਬਾਲਵਨਤ

ਹਗੇ ਸ੍ਰੀ ਜੀ ਹਾਂ ਤਰ ਤੇ ਤੇ ਹੋਕਮਨ ਗੁਣੀ

ਖਿਨ ਮਹਿ ਹੋਇ ਜਾਇ ਭਸਮੰਤੁ ॥

ਕਹਨ ਮੀ ਹੁਵੁਤ ਜਾਨੀ ਬਹਸਮਨਤ

ਹਗੇ ਪੇ ਯਿਹ ਸ਼ਿਬੀਹ ਕੀ ਪੇ ਆਇਓ ਬਦਲਿਯਿ

ਕਿਸੈ ਨ ਬਦੈ ਆਪਿ ਅਹੰਕਾਰੀ ॥

ਕਿਸੀ ਨੇ ਬਦੀ ਆਪ ਅਹਨਕਾਰੀ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਜੀ ਪੇ ਖੜ੍ਹ ਨਸ ਕੀ ਦ ਹਿਚਾ ਪ੍ਰਵਾਨੇ ਕੌਇ

ਧਰਮ ਰਾਇ ਤਿਸੁ ਕਰੇ ਖੁਆਰੀ ॥

ਦੇਹਰਮ ਰਾਨੀ ਤੱਤ ਕਰੀ ਖਾਰੀ

ਧਰਮ ਪੇ ਪਾਇ ਕੀ ਖੜ੍ਹ ਲੀਖ ਗਮ ਓਰਕੌਇ

گور پ්‍රසਾਦਿ ਜਾ ਕਾ ਮਿਟੈ ਅਭਿਮਾਨੁ ॥

گور پ්‍රਸਾਦ ਜਾ ਕਾ ਮਤੀ ਅਭੇਮਾਨ

ਏ ਨਾਨਕ! ਦਗੂਰੂ ਪੇ ਫੁਲ ਸਰੋ, ਹਗੇ ਸ੍ਰੀ ਚੀ ਗੁਰੂ ਧੀ ਲੇ ਮਨੋ ਯੋਸੀ,

ਸੋ ਜਨੁ ਨਾਨਕ ਦਰਗਾਹ ਪਰਵਾਨੁ ॥੨॥

ਸੋ ਜਨ ਨਾਨਕ ਦਰਗੀ ਪ੍ਰਾਵਾਨ

ਦਾਸੀ ਸ੍ਰੀ ਦੱਖਣਨ ਪੇ ਦਰਬਾਰ ਕੀ ਮਥੋਰ ਦੀ

ਕੋਟਿ ਕਰਮ ਕਰੈ ਹਉ ਧਾਰੇ ॥

ਸੋ ਜਨ ਨਾਨਕ ਦਰਗੀ ਪ੍ਰਾਵਾਨ।

ਕਹੇ ਯੋ ਖੁਕ ਪੇ ਮਲੀਓਨੁ ਨਿਕਨੁ ਬਾਨੀ ਫੁਰ ਵਕੀ

ਸਮੁ ਪਾਵੈ ਸਗਲੇ ਬਿਰਥਾਰੇ ॥

ਕੁਝ ਕਰਮ ਕਰੈ ਪਾਵੈ

ਹਗੇ ਯਾਵਾਂ ਦਰਦ ਕੀ, ਦਹੇ ਤੂਲ ਕਾਰਨੇ ਬੀ ਕਤੀ ਕਿਹੀ

ਅਨਿਕ ਤਪਸਿਆ ਕਰੇ ਅਹੰਕਾਰ ॥

ਸੁਰਮ ਪਾਵੈ ਸਗਲੀ ਬਰਤਾਰੀ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ੍ਰਿੜ ਤੋਥੇ ਵਕੀ

ਨਰਕ ਸੁਰਗ ਫਿਰਿ ਫਿਰਿ ਅਵਤਾਰ ॥

ਅਨਕ ਤੇਸਿਆ ਕਰੀ ਅਹਨਕਾਰ

ਹਗੇ ਬਿਆ ਪੇ ਜੁਨ ਅਵਤਾਰ ਕੀ ਪਿਦਾ ਕਿਹੀ

ਅਨਿਕ ਜਤਨ ਕਰਿ ਆਤਮ ਨਹੀ ਦ੍ਰਵੈ ॥

ਨਰਕ ਸੁਰਗ ਫਿਰਿ ਫਿਰਿ ਅਵਤਾਰ

ਦ੍ਰਿੜ ਹਲੋ ਹਲੋ ਸਰੋ ਹਮ ਦਚਾਵੀ ਨਹ ਖੁਰਿਹੀ

ਹਰਿ ਦਰਗਾਹ ਕਹੁ ਕੈਸੇ ਗਵੈ ॥

ਅਨਕ ਜਿਤਨ ਕਰ ਆਤਮ ਨਹੀ ਦ੍ਰਵੈ

ਨੂਰ ਰਾਤੇ ਵਾਇਹੇ! ਹਗੇ ਨੁਕਰ ਖਨਕ ਦਗੂਰੂ ਦਰਬਾਰ ਤੇ ਲਾਈ?

ਆਪਸ ਕਉ ਜੇ ਭਲਾ ਕਹਾਵੈ ॥

ਹਰ ਦਰਗੀ ਕਹੂ ਕਿਸੀ ਗਵੈ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਹਾਂ ਬਨੇ ਬੁਲੀ

ਤਿਸਹਿ ਭਲਾਈ ਨਿਕਾਟਿ ਨ ਆਵੈ ॥

ਅਵਸਾਨ ਕਾਵ ਜੋ ਬਹਾਲੇ ਕਹਾਵੈ

ਨਿਕੀ ਵਰਤੇ ਨਿਵਦੀ ਨਹ ਰਾਹੀ

ਸਰਬ ਕੀ ਰੇਨ ਜਾ ਕਾ ਮਨੁ ਹੋਇ ॥

ਤਿਸੀ ਬਹਾਲੀ ਨਕਤ ਨਹ ਆਵੈ

ای نانک! د چا ذهن د هر چا د پیشو خاوری شی

کھڑا نانک تا کی نیرملا مائی ॥۳॥
سرب کی رای جا کامن هووی

هغہ خالص بسکلا لری

ਜਬ ਲਗੁ ਜਾਨੈ ਮੁਸ਼ ਤੇ ਕਛੁ ਹੋਇ ॥

کہو نانک تا کی نرم سوئی

تر هغہ چی انسان په دی پوہ شی چی زما سره یو خہ پیسن کیدی شی،

ਤਬ ਇਸ ਕਉ ਸੁਖੁ ਨਾਹੀ ਕੋਇ ॥

جب لگ جانੇ ਮਜ਼ੇ ਕੇਹੁ ਬੌਏ

تر هغہ وختہ پوری هغہ هیਥ خوشحالہ نہ موندل کیری

ਜਬ ਇਹ ਜਾਨੈ ਮੈ ਕਿਛੁ ਕਰਤਾ ॥

تب اس ਕੋ ਸੁਖ ਨਾਹੀ ਕੋਈ

تر خو چی انسان په دی پوہ شی چی زਹ یو خہ کوم،

ਤਬ ਲਗੁ ਗਰਭ ਜੋਨਿ ਮਹਿ ਫਿਰਤਾ ॥

جب اہ ਜਾਨੇ ਮੈ ਕੇਹੁ ਕਰਤਾ

تر هغہ وختہ پوری هغہ د رحم په داخلی نਰੀ کی گرخی

ਜਬ ਧਾਰੈ ਕੋਊ ਬੈਰੀ ਮੀਤੁ ॥

تب لگ گੁਰ ਜੁਨ ਮੈ ਫਰਤਾ

تر خو چی یو خوک یو خوک دਿਸ਼ਨ ਅਵ ਖੁਕ ਦੁਸਤ ਗਨੀ

ਤਬ ਲਗੁ ਨਿਹਚਲੁ ਨਾਹੀ ਚੀਤੁ ॥

جب ਦਾਰੇ ਕੂਝ ਬਿਹੀ ਮੀਤ

تر هغہ وختہ پوری د هغہ ذهن مطمئਨ ਨਹ ਵਿ

ਜਬ ਲਗੁ ਮੇਹ ਮਗਨ ਸੰਗਿ ਮਾਇ ॥

تب لگ ਨਹੱਚ ਨਾਹੀ ਚਿਤ

تر خو چی د ਮਮਤਾ ਪੇ ਮੈਨੇ ਕੀ ਦ੍ਰਵ ਵਿ،

ਤਬ ਲਗੁ ਧਰਮ ਰਾਇ ਦੇਇ ਸਜਾਇ ॥

جب لگ ਮੋਹ ਮੁਗੁ ਸਨ੍ਗ ਮਾਇ

تر هغہ وختہ ਧਮਾਗ ਹਫਿ ਤੇ ਸੜਾ ਓਰਕਲੇ

ਪ੍ਰਭੁ ਕਿਰਪਾ ਤੇ ਬੰਧਨ ਤੂਟੈ ॥

تب لگ ਦੇਰਮ ਰਾਈ ਦੇਈ ਸਜਾਈ

ਦ ਗੁਰੂ ਪੇ ਫੁਲ ਸਰੇ ਦ ਅਨੁਸਾਰੀ ਅਨੀਤਿ

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਨਾਨਕ ਹਉ ਛੁਟੈ ॥੮॥

گور پرساد نانک باؤتی
ای نانک! د گرو په فضل سره، انا له منئه ئی

سہاس خترے لخ کوئی عیشی یاہی ॥

سہاس کھتی لکھ کاو اوت ڈاوئی
انسان زر گتی او په ملیونونو مندی کوي

ٹیپٹی ن آہی مایا پاہی پاہی ॥

تریت نا آوائی مائی پاچائی
هغہ د شتمنی په لئی کی نہ دی

اندیک بੇਗ ਬਿਖਿਆ ਕੇ ਕਰੈ ॥

انک بھوگ بکھیا کی کرئی

انسان زیاترہ د بی کارہ شیانو په خوند اخیستلو بوخت وی

نہ ٹیپਤਾਵੈ ਖਪਿ ਖਪਿ ਮਰੈ ॥

نہ ترپنائی کھੱਪ کھੱپ مرائی

ਮگر هغہ راضی نہ دی او د دی په تمہ مر کیری

ਬਿਨਾ ਸੰਤੋਖ ਨਹੀਂ ਕੋਊ ਰਾਜੈ ॥

بنا سਨਾਕ ਨਹ ਕੁਝ ਰਾਜੈ

ਪਰਤੇ ਲੇ ਫਨਾਤ ਖੜ੍ਹੇ ਹਿਖੜ੍ਹੇ ਨਾਥੀ ਕੁਲੀ

ਸੁਪਨ ਮਨੋਰਥ ਬਿਖੇ ਸਭ ਕਾਜੈ ॥

سੰਪਨ ਮਨੁਰਤ ਬਰਤੀ ਸਭ ਕਾਜੈ

د هغہ ਤੁਲ ਕਾਰ ਦ ਖੁਬ ਦ ਅਡੀ ਪੇ ਖੁਰ ਬੀ ਮੁਨੀ ਦਿ

ਨਾਮ ਰੰਗ ਸਰਬ ਸੁਖ ਹੋਇ ॥

نام ਰੰਗ ਸਰਬ ਸੁਖ ਹੋਇ

ਤੁਲੀ ਖੜਨੀ ਦ ਰੱਬ ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਬਰਕ ਰਾਹੀ

ਬਡਭਾਗੀ ਕਿਸੈ ਪਰਾਪਤਿ ਹੋਇ ॥

ਬਦਭਾਗੀ ਕਸੀ ਪ੍ਰਾਪਿਤ ਹੋਇ

ਧਵਾਜਿ ਯੋ ਬਖ਼ਨੂਰ ਸਰੀ ਨੁਮ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੁਵੀ

ਕਰਨ ਕਰਾਵਨ ਆਪੇ ਆਪਿ ॥

ਕਰਨ ਕਰਾਵਨ ਆਪੇ ਆਪ

ਗੁਰੂ ਪਖ਼ਿਲੇ ਦ ਹਰ ਖੜ੍ਹੇ ਕਲੁਟ ਲੰਗੀ ਅਵਾਜ਼ੀ ਮਖ਼ਲਿਕਾਨੀ ਲੰਗਰੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੁਵੀ

ਸਦਾ ਸਦਾ ਨਾਨਕ ਹਰਿ ਜਾਪਿ ॥੫॥

ਸਦਾ ਸਦਾ ਨਾਨਕ ਹਰ ਜਾਪ

ਇ ਨਾਨਕ! ਤ੍ਰਲ ਦ ਹਰੀ ਨੁਮ ਯਾਦ ਕ੍ਰੀ

کرنا کرنا و نکرنا هار ॥
کرن کراون کرن پار
یوازی رب د عمل او عمل کونکی دی

ایس کے ہا سی کھا بیسا ر ॥
اس کی ہات کہا بیچار
پہ غور سرہ فکر و کبری، د انسان پہ واک کی ہیچ شی نشته

ਜنمی دیسٹر کرے تیسا ہوئ ॥
جیسی درسات کری تیسا ہوئی
لکھ ٹنگہ چی خدائ د لیلو ویرتیا ترلاسہ کوی، نو انسان ہم کیڑی

آپے آپی آپی پٹر میت ॥
آپی آپ پرب سوئی
ہغہ رب پخپله هر خہ دی

ਜے کیڈ کینے س اپنے رنگ ॥
جو کچھ کینو سو اپنے رنگ
ہغہ ٹھے چی کری دی د ہغہ د ارادی مطابق دی

سٹر تے دیڑی سٹرھ کے سینگ ॥
سب تی دور سبھو کی سنگ
ہغہ لہ تولو لری دی، بیا ہم لہ تولو سرہ

بڑے دے بڑے کرے بی بیک ॥
بوجھی دیکھی کری بی بیک
ہغہ پوھیری، گوری او پریکرہ کوی

آپھی اے ک آپھی انکے ॥
آپی ایک آپی انیک
خبنتن پخپله یو دی او پخپله پیری شکلونہ لری

مرے ن بین می آہے ن جائی ॥
مرائی نہ بنسائی آوائی نہ جائے

خبنتن نہ میر کیڑی، نہ تباہ کیڑی، نہ راحی، نہ حی

ن انک سد ہی ریبے سمائے ॥
ن انک سد ہی ریبے سمائے
ای نانک! خبنتن تل پہ تولو کی شتون لری

آپی عی پدھے سامی اے آپی ॥
آپ اپدھے سمجھائے آپ
ہغہ یوازی نصیحت کوی او یوازی پوھیری

ਆਪੇ ਰਚਿਆ ਸਭ ਕੈ ਸਾਥਿ ॥

آپੇ ਰੱਚਿਆ ਸਿਰੋਂ ਕੀ ਸਾਥੇ
ਰਬ ਪੱਧਲੇ ਦ ਤੂਲੇ ਸਰੇ ਮਤਦ ਦੀ

ਆਪਿ ਕੀਨੋ ਆਪਨ ਬਿਸਥਾਰੁ ॥

آਪ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਆਪਨ ਬਸਤਾਰ
ਹਗੇ ਖੱਲੇ ਖੱਲੇ ਵੱਡੇ ਕੀਨੀ ਦੀ

ਸਭ ਕਛ ਉਸ ਕਾ ਓਹ ਕਰਨੈਹਾਰੁ ॥

ਸੱਭ ਤੇ ਅਸ ਕਾ ਅਕਾਲੀ ਸੱਭਾਰ
ਹਰ ਖੜਕ ਦ ਹਗੇ ਦੀ, ਹਗੇ ਖਾਲੀ ਦੀ

ਉਸ ਤੇ ਭਿੰਨ ਕਹੁ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ॥

ਅਸੀਂ ਬੇਨ ਕੌਕੜੇ ਹਾਥੀ
ਮਾਤੇ ਵਾਇਸਟ! ਆਦਾ ਮੱਖਲੀ ਕਿਦੀ ਥੀ?

ਥਾਨ ਬਨੰਤਰਿ ਏਕੈ ਸੋਇ ॥

ਤੇਹਾਨ ਤੇਹਨਤਰ ਇਕੀ ਸੋਨੀ
ਯੋ ਰਬ ਪੇ ਤੂਲੇ ਖਾਇਨੁ ਅਵਦੂ ਕੀ ਸ਼ਤੂਨ ਲ੍ਰੀ

ਅਪੁਨੇ ਚਲਿਤ ਆਪਿ ਕਰਣੈਹਾਰੁ ॥

ਅਪੀ ਚੱਲ ਆਪ ਕਰਨੀਹਾਰ
ਹਗੇ ਬੇ ਖੱਲੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਵੱਡੀ

ਕਉਤਕ ਕਰੈ ਰੰਗ ਆਪਾਰ ॥

ਕਾਊਤਕ ਕੀ ਰੱਗ ਆਪਾਰ
ਹਗੇ ਤਕਦੀਰ ਲਿਕੀ ਅਵਾਲਦੂ ਰਨਗੂਨੇ ਲ੍ਰੀ

ਮਨ ਮਹਿ ਆਪਿ ਮਨ ਅਪੁਨੇ ਮਾਹਿ ॥

ਸਤ ਸਤ ਸਤ ਪ੍ਰਬੇਹ ਸੋਨੀ
(ਮੋਹਦਾਤ) ਪੱਧਲੇ ਪੇ ਜ਼ਹਨ ਕੀ ਔਸ਼ੀਡੀ, (ਹਿਨ੍ਹਾਂ) ਪੇ ਖੱਲੇ ਜ਼ਹਨ ਕੀ ਖਾਮੋਸ਼ ਨਾਸ਼ ਵੀ

ਨਾਨਕ ਕੀਮਤਿ ਕਹਨੁ ਨ ਜਾਇ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਕੀਮਤ ਕੀਤ ਨ ਜਾਇ
ਇ ਨਾਨਕ! ਹਗੇ (ਰਬ) ਨਾਨਕ ਕਿਦੀ

ਸਤਿ ਸਤਿ ਸਤਿ ਪ੍ਰਭੁ ਸੁਆਮੀ ॥

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦ ਕਨੀ ਵਖਾਨੀ
ਦ ਨਰੀ ਖਿੰਨਿ ਖਾਇ ਤਲ ਰਿੰਨਿ ਦੀ

ਗੁਰ ਪਰਸਾਦਿ ਕਿਨੈ ਵਖਿਆਨੀ ॥

ਸਜ ਸਜ ਸਜ ਸਿਰੋਂ ਕੀਨਾ
ਦਾ ਦੀਨੀਨੁ ਨਾਦ ਰਾਵਾ ਦ ਗੁਰ ਪੇ ਫਲ ਸਰੇ ਰਾਵਾ ਦੀ

مچु مچु مچु مچو کینا ॥
 کوت مری کنی برلی چینا
 هغه گورو چی هر خوک یې پیدا کری هم ریښتیا دی

کوئی مخے کینے بیرلے چینا ॥
 بھلاء بھلاء تیرا روپ
 یوازی په مليونونو کی لبو لبر پوهیروی

بلا بلا بلا ترگا رُپ ॥
 اٹ سندر اپار انوب
 ای ربہ! ستا مخ خومره بنکلی دی

آتی سُردار آپار آرُپ ॥
 نرمل نرمل نرمل تیری بنی
 ای ربہ! تاسو دیر بنکلی، دیر او بی ساری یاست

نیرمال نیرمال نیرمال ترگی باٹی ॥
 گھہت گھہت سنی سرون بخیانی
 ای ربہ! ستاسو غبر دیر پاک، روپنامه او خور دی

ڈھنی ڈھنی سُونی سُونی بخُٹانی ॥
 پاؤتر پاؤتر پاؤتر پونیت

هر انسان په غورونو اوري او تعبروي، هر انسان په غورونو اوري او تعبروي

پدیڑو پدیڑو پدیڑو پُنیت ॥
 بدبهگی کسی پراپت هو
 هغه پاک او مقدس کبیری

نامُ جپائے نانک مانی پُنیت ॥۶॥۹۲॥
 نام جپائے نانک من پربت
 ای نانک! هغه خوک چی په زرہ کی درب نوم په مینه سره یادوی

سلاکو ॥
 سلوک
 سلوکو

سُنْت سرَنِی جو نا نَه پرَنْ سِنْ نَه عِرَنْ گَار ॥
 سنت سرن جو جان پرئے سو جان ادھرنہار
 خوک چی د اولیاوو تر پناه لاندی راشی، هغه انسان ته نجات ورکوی

سُنْت کی نِنْدا نانکا بھر بھر اوتار ॥۹॥
 سنت کی نندا نانکا بھر بھر اوتار.

ای نانک! د سنتونو په غنډلو سره، یو سری بیا بیا زیریدلی دی

امستارپاری ॥

اسٹپدی

- اسٹپدی

سْتَ کَوْ دُخَنِ آرَاجَأَتَ ॥

سنٽ کی دوختن ارجہ رتی

د سنتو په سرغروني سره د انسان عمر لندپري

سْتَ کَوْ دُخَنِ جَمَّاَنَهَىَ حَطَّاَ ॥

سنٽ کی دوختن جم تی نہ چتی

د سنتو په سرغروني سره سری نه شي کولای د یمدوت خخه ھان وژغوري

سْتَ کَوْ دُخَنِ سُبُّ سَبُّ جَاتَ ॥

سنٽ کی دوختن سخ سبے جائے

د سنت په سپکاوی سره د انسان تولی خوبنی ختميری

سْتَ کَوْ دُخَنِ نَرَكَ مَهِيَّاَتَ ॥

سنٽ کی دوختن نرک می پائے

د سنتو په سرغروني سره انسان جہنم ته حی

سْتَ کَوْ دُخَنِ مَاتِيَّاَتَ ॥

سنٽ کی دوختن مت هاؤی ملين

د سنتو په سرغروني سره عقل فاسديپري

سْتَ کَوْ دُخَنِ سَبَّاَتَهَىَنَ ॥

سنٽ کی دوختن سوباتی هين

د سنتو په ماتولو سره د انسان بنکلا ختميری

سْتَ کَوْ هَتَّهَ كَوْ رَحَيَّنَ كَوْهَىَ ॥

سنٽ کی بتی کی رکھئے نہ کوئے

د سنتو ذليل ٿوک نه شي ساتلي

سْتَ کَوْ دُخَنِ شَانَ بُرَسَتَهَىَ ॥

سنٽ کی دوختن تهان برسات هووی

د سنت په سپکاوی سره، ھائی ويچار شوی

سْتَ کَوْ كِيَّاَلَ كِيَّاَلَ جَهَىَ كَرَّاَ ॥

سنٽ کيرپال کريپا جي کرئے

که سنت وی پخپله به درحمت په کور کی وی

ਨਾਨਕ ਸੰਤਸੰਗਿ ਨਿੰਦਕੁ ਭੀ ਤਰੈ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਸੰਤਸੰਗਿ ਨਿੰਦਕੁ ਭੀ ਤਰੈ ॥

ਇ ਨਾਨਕ! ਦ ਸਤ ਸਨ੍ਗਿ ਪੇ ਚਥਨੇ ਕੀ ਹਤੀ ਬਦਕਾਰ ਹਮ (ਦ ਕਾਨਤੀ ਬਹੁ ਖ਼ਹ) ਤਿਰਿਬ੍ਰਿ

ਸੰਤ ਕੇ ਦੂਖਨ ਤੇ ਮੁਖ ਭਵੈ ॥

ਸੰਤ ਕੀ ਦੋਖਨ ਤੀ ਮਕੇ ਬਹੂਓ

ਦ ਸੰਤ ਪੇ ਸਪਕਾਵੀ ਸਰੇ, ਮਖ ਖੜ ਕਿਰੀ

ਸੰਤਨ ਕੈ ਦੂਖਨਿ ਕਾਗ ਜਿਉ ਲਵੈ ॥

ਸੰਤਨ ਕੀ ਦੋਖਨ ਕਾਕ ਜੀਓ ਲਾਵੀ

ਹਗੇ ਖੜਕ ਚੀ ਮਦਸਾਤੇ ਤੇ ਸਪਕਾਵੀ ਕੀ ਦ ਕਾਹਨ ਪੇ ਖੜ ਕਰਕੇ ਕੀ ਕੀ

ਸੰਤਨ ਕੈ ਦੂਖਨਿ ਸਰਪ ਜੋਨਿ ਪਾਇ ॥

ਸੰਤਨ ਕੀ ਦੋਖਨ ਸਰਪ ਜੋਨ ਪਾਇ

ਦ ਸੰਤ ਪੇ ਨਾਰਾਸੀ ਸਰੇ, ਯੋ ਸਰੀ ਦ ਮਾਰ ਖੜ ਜਿਰੀਦਾਲੀ

ਸੰਤ ਕੈ ਦੂਖਨਿ ਤਿ੍ਰੁਗਦ ਜੋਨਿ ਕਿਰਮਾਇ ॥

ਸੰਤ ਕੀ ਦੋਖਨ ਤਿ੍ਰੁਗਦ ਜੋਨ ਕਰਮਾਇ

ਹਗੇ ਖੜਕ ਚੀ ਸੰਤ ਤੇ ਸਪਕਾਵੀ ਕੀ ਦ ਹਸਰਾਤੇ ਪੇ ਰਹ ਕੀ ਗੜੀ

ਸੰਤਨ ਕੈ ਦੂਖਨਿ ਤਿ੍ਰਸਨਾ ਮਹਿ ਜਲੈ ॥

ਸੰਤਨ ਕੀ ਦੋਖਨ ਤਿ੍ਰਸਨਾ ਮਹਿ ਜਲੈ

ਹਗੇ ਖੜਕ ਚੀ ਯੋ ਸੰਤ ਤੇ ਸਪਕਾਵੀ ਕੀ ਦ ਤਨਦੀ ਪੇ ਅਤ ਕੀ ਸੋਖੀ

ਸੰਤ ਕੈ ਦੂਖਨਿ ਸਭੁ ਕੇ ਛਲੈ ॥

ਸੰਤ ਕੀ ਦੋਖਨ ਸਭੁ ਕੇ ਛਲੈ

ਹਗੇ ਖੜਕ ਚੀ ਸੰਤ ਤੇ ਸਪਕਾਵੀ ਕੀ ਦ ਹਰਚਾ ਸਰੇ ਪੇ ਫਰੀਬ ਕਾਰ ਕੀ

ਸੰਤ ਕੈ ਦੂਖਨਿ ਤੇਜੁ ਸਭੁ ਜਾਇ ॥

ਸੰਤ ਕੀ ਦੋਖਨ ਤੇਜੁ ਸਭੁ ਜਾਇ

ਦ ਯੋ ਸੰਤ ਪੇ ਸਪਕਾਵੀ ਸਰੇ, ਦ ਯੋ ਸਰੀ ਤੌਲ ਵਿਧਾ ਲੇ ਲਾਸੇ ਵਰਕੀ

ਸੰਤ ਕੈ ਦੂਖਨਿ ਨੀਜੁ ਨੀਚਾਇ ॥

ਸੰਤ ਕੀ ਦੋਖਨ ਨੀਜੁ ਨੀਚਾਇ

ਦ ਸੰਤ ਪੇ ਸਪਕਾਵੀ ਸਰੇ, ਯੋ ਖੜ ਖੂਰਾ ਤੀਤ ਕਿਰੀ

ਸੰਤ ਦੇਖੀ ਕਾ ਥਾਉ ਕੇ ਨਾਹਿ ॥

ਸੰਤ ਦੋਖੀ ਕਾ ਥਾਉ ਕੇ ਨਾਹਿ

ਦ ਸੰਤ ਦ ਗਨਾਹ ਲਪਾਰੇ ਦ ਸਕੇ ਮਲਾਤਰ ਨਿ਷ਟੇ

ਨਾਨਕ ਸੰਤ ਭਾਵੈ ਤਾ ਓਇ ਭੀ ਗਤਿ ਪਾਹਿ ॥੨॥

ਨਾਨਕ ਸੰਤ ਭਾਵੈ ਤਾ ਓਇ ਕਿ ਪਾਇ.

ਇ ਨਾਨਕ! ਕਿ ਸੰਤ ਬਨੇ ਵੀ, ਬਦਕਾਰਾਂ ਹਮ ਨਜਾਤ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਨਿੰਦਕੁ ਮਹਾ ਅਤਤਾਈ ॥

ਸੱਨਤ ਕਾ ਨਨਦਕ ਮਹਾ ਆਤੀ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਸੱਨਤ ਤੇ ਸਪਕਾਵੀ ਕੌਇ ਤਰ ਤੋਲ੍ਹੂ ਢਲੀਲ ਦੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਨਿੰਦਕੁ ਖਿਨੁ ਟਿਕਨੁ ਨ ਪਾਈ ॥

ਸੱਨਤ ਕਾ ਨਨਦਕ ਖਨ ਤੱਕਨ ਨੇ ਪਾਈ

ਖੁਕ ਚੀ ਸੱਨਤ ਤੇ ਸਪਕਾਵੀ ਕੌਇ ਦ ਧਿਓ ਸ਼ਿਬੀ ਲਪਾਰੇ ਹਮ ਸਕੇ ਨੇ ਕਿਓਇ

ਸੰਤ ਕਾ ਨਿੰਦਕੁ ਮਹਾ ਹਤਿਆਰਾ ॥

ਸੱਨਤ ਕਾ ਨਨਦਕ ਮਹਾ ਹਤਿਆਰਾ

ਖੁਕ ਚੀ ਸੱਨਤ ਤੇ ਸਪਕਾਵੀ ਕੌਇ ਸੱਤਰ ਫਾਲ ਦੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਨਿੰਦਕੁ ਪਰਮੇਸ਼ੁਰਿ ਮਾਰਾ ॥

ਸੱਨਤ ਕਾ ਨਨਦਕ ਪਰਮੇਸ਼ੁਰ ਮਾਰਾ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਸੱਨਤ ਤੇ ਸਪਕਾਵੀ ਕੌਇ ਦ ਖਦਾਵ ਪੇ ਨਜ਼ਦ ਬੀ ਉਤਹੇ ਕਿਓਇ

ਸੰਤ ਕਾ ਨਿੰਦਕੁ ਰਾਜ ਤੇ ਹੀਨੁ ॥

ਸੱਨਤ ਕਾ ਨਨਦਕ ਰਾਜ ਤੇ ਹੀਨੁ

ਖੁਕ ਚੀ ਸੱਨਤ ਤੇ ਸਪਕਾਵੀ ਕੌਇ ਲੇ ਹਕੂਮਤ ਥੱਖੇ ਖਲਾਚ ਦੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਨਿੰਦਕੁ ਦੁਖੀਆ ਅਰੁ ਦੀਨੁ ॥

ਸੱਨਤ ਕਾ ਨਨਦਕ ਦੁਖੀਆ ਅਰੁ ਦੀਨੁ

ਖੁਕ ਚੀ ਸੱਨਤ ਤੇ ਸਪਕਾਵੀ ਕੌਇ ਗਮਜ਼ਾਵੀ ਅਤੇ ਕਿਓਇ

ਸੰਤ ਕੇ ਨਿੰਦਕ ਕਉ ਸਰਬ ਰੋਗ ॥

ਸੱਨਤ ਕੇ ਨਨਦਕ ਕੇ ਸਰਬ ਰੋਗ

ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਸੱਨਤੁ ਸਪਕਾਵੀ ਕੌਇ ਪੇ ਤੋਲ੍ਹੂ ਨਾਰੂ ਗਿਊ ਅਖੇ ਕਿਓਇ

ਸੰਤ ਕੇ ਨਿੰਦਕ ਕਉ ਸਦਾ ਬਿਜੋਗ ॥

ਸੱਨਤ ਕੇ ਨਨਦਕ ਕੇ ਸਦਾ ਬਿਜੋਗ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਸੱਨਤ ਤੇ ਸਪਕਾਵੀ ਕੌਇ ਤਲ ਪੇ ਜਲਾਵਾਈ ਕੀ ਵੀ

ਸੰਤ ਕੀ ਨਿੰਦਾ ਦੋਖ ਮਹਿ ਦੋਖੁ ॥

ਸੱਨਤ ਕੀ ਨਨਦਾ ਦੋਖ ਮੀ ਦੋਖ

ਦ ਸੱਨਤੁ ਸਪਕਾਵੀ ਸਖ਼ਤੇ ਗਨਾਵ ਦ

ਨਾਨਕ ਸੰਤ ਭਾਵੈ ਤਾ ਉਸ ਕਾ ਭੀ ਹੋਇ ਮੇਖੁ ॥੩॥

ਨਾਨਕ ਸੱਨਤ ਬਹਾਵੈ ਤਾ ਓਸ ਕਾ ਬੀ ਹੁਓਇ ਮੋਖ.

ਏ ਨਾਨਕ! ਕੇ ਯੋ ਦ ਅਲੀਆ ਖੁਬਿਨ ਸ਼ੀ, ਹਗੇ ਹਮ ਨਜ਼ਾਤ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੌਇ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਸਦਾ ਅਪਵਿਤੁ ॥

ਸੱਨਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਸਦਾ ਅਪਵਿਤ

ਦ ਸੱਨਤੁ ਮੁਰਮ ਤਲ ਨਾਪਾਕ ਵੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਕਿਸੈ ਕਾ ਨਹੀ ਮਿਉ ॥

سنت کا دوختی کسی کانھی مت

د سنتو مرتكب انسان د هیچ انسان دوست نه دی

ਸੰਤ ਕੇ ਦੋਖੀ ਕਉ ਢਾਨੁ ਲਾਗੈ ॥

سنت کی دوختی کی دان لਾਕੜ

د سنتو مجرم ته سزا ورکول کیری (د درم راجا لخوا).

ਸੰਤ ਕੇ ਦੋਖੀ ਕਉ ਸਭ ਤਿਆਰੈ ॥

سنت کی دوختی کی سਭੇ ਤਿਆਕੜ

ہر ੜਕ ਦ ਸਨਤੁ ਮਰਕਿ ਪ੍ਰਬੰਦੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਮਹਾ ਅਹੰਕਾਰੀ ॥

سنت کا دوختی مہا اہنکاری

د اولیاء مجرم لوی انا پرست دی

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਸਦਾ ਬਿਕਾਰੀ ॥

سنت کا دوختی سਦਾ ਬਕਾਰੀ

ਕਨਾਹਕਾਰ ਤੱਲ ਕਨਾਹਕਾਰ ਵਿ.

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਜਨਮੈ ਮਰੈ ॥

سنت کا دوختی جنمੈ ਮਰੈ

ਯੋ ਸਨਤ ਦ ਕਨਾਹ ਲੇ ਅਮਲੇ ਜਿਰੀਦਿਲੀ ਅਵ ਮੁਕਿਰੀ

ਸੰਤ ਕੀ ਦੁਖਨਾ ਸੁਖ ਤੇ ਟਰੈ ॥

سنت کی دوختਾ ਸੁਖ ਤੇ ਟਰੈ

ੜਕ ਚ੍ਰਿ ਦ ਸਨਤੁ ਸਰੇ ਬਦ ਕੁਝੀ ਦ ਸਕੂਤ ਖੁਖੇ ਬਾਤਲ ਕਿਰੀ

ਸੰਤ ਕੇ ਦੋਖੀ ਕਉ ਨਾਹੀ ਠਾਉ ॥

سنت کی دوختੀ ਕੀ ਨਹੀ ਤਹੋ

د سنਤੁ ਸਰਗ੍ਰਿਓਨਕੀ ਦ ਓਸਿਦੁ ਹਾਵੀ ਨੇ ਪ੍ਰਿਦਾ ਕੁਝੀ

ਨਾਨਕ ਸੰਤ ਭਾਵੈ ਤਾ ਲਏ ਮਿਲਾਇ ॥੪॥

ਨਾਨਕ ਸਨਤ ਬਹਾਵੈ ਤਾ ਲਾਈ ਮਲਾਈ.

ਨਾਨਕ! ਕਹ ਯੋ ਅਲੀਆ ਪੇ ਜੀਰੇ ਪੂਰੀ ਵਿ, ਹਗੇ ਲੇ ਹਾਨੇ ਸਰੇ ਵਰੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਅਧ ਬੀਚ ਤੇ ਟੂਟੈ ॥

سنت کا دوختੀ ਅਧ ਬੀਚ ਤੇ ਟੂਟੈ

د سنਤੁ ਖੱਤਾ ਪੇ ਮਿਨੁ ਕੀ ਮਾਤਿਰੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਕਿਤੈ ਕਾਜਿ ਨ ਪਹੁੰਚੈ ॥

سنت کا دوختੀ ਕਿਤੀ ਕਾਜ ਨੇ ਪੱਹੁੰਚੈ

ਦ ਸਨਤੁ ਮਰਕਿ ਸ੍ਰੇ ਪੇ ਹੀਚ ਕਾਰ ਕੀ ਬਰਿਅਲੀ ਨੇ ਦਿ

ਸੰਤ ਕੇ ਦੋਖੀ ਕਉ ਉਦਿਆਨ ਭੁਮਾਈਐ ॥
سنਤ ਕੀ ਦੋਖੀ ਕੀ ਅਧਿਅਨ ਬਰਮਾਈ
ਦ ਸੰਨਤ ਮੁਰਮ ਪੇ ਸੜਤੂ ਹੰਗਲਨੂ ਕੀ ਤਿਰਿਧੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਉਝੜਿ ਪਾਈਐ ॥
سنਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਅੜ੍ਹਰ ਪਾਈ
ਦ ਸੰਨਤ ਮੁਰਮ ਪੇ ਗੁਲੈ ਲਾਰ ਆਚੁਲ ਕਿਹੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਅੰਤਰ ਤੇ ਥੋਥਾ ॥
سنਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਅੰਤਰ ਤੇ ਥੋਥਾ
ਦ ਸੰਨਤ ਕਫਾਰੇ ਦਨਨੇ ਖਾਲੀ ਦੇ

ਜਿਉ ਸਾਸ ਬਿਨਾ ਮਿਰਤਕ ਕੀ ਲੋਥਾ ॥
ਜਿਉ ਸਾਸ ਬਿਨਾ ਮਿਰਤਕ ਕੀ ਲੋਥਾ
ਲਕੇ ਦ ਮਰੀ ਬਦਨ ਲੇ ਤਨੁਸ ਖੁੱਖੇ ਜੁਰ ਦੀ

ਸੰਤ ਕੇ ਦੋਖੀ ਕੀ ਜੜ ਕਿਛੁ ਨਾਹਿ ॥
سنਤ ਕੀ ਦੋਖੀ ਕੀ ਜੜ ਕਿਛੁ ਨਾਹਿ
ਦ ਸੰਨਤ ਦ ਗਨਾ ਲਪਾਰੇ ਹੀਖ ਰਿਬੀਨੇ ਨਿਵੇ

ਆਪਨ ਬੀਜਿ ਆਪੇ ਹੀ ਖਾਹਿ ॥
ਆਪਨ ਬੀਜਿ ਆਪੇ ਹੀ ਖਾਹਿ
ਹਰ ਖੇ ਚ੍ਛੀ ਕਰੀ, ਹੁਗੇ ਪੱਖਿਲੇ ਖੁਰੀ

ਸੰਤ ਕੇ ਦੋਖੀ ਕਉ ਅਵਰੁ ਨ ਰਾਖਨਹਾਰੁ ॥
سنਤ ਕੀ ਦੋਖੀ ਕੀ ਅਵਰੁ ਨ ਰਾਖਨਹਾਰੁ
ਦ ਅਹ ਸੰਨਤ ਦ ਮਰਤਕ ਪਲ੍ਲੀ ਅਓ ਮਲਾਤਰੀ ਨੇ ਸ਼ੀ ਕਿਡਾਵੀ

ਨਾਨਕ ਸੰਤ ਭਾਵੈ ਤਾ ਲਏ ਉਬਾਰਿ ॥੫॥
ਨਾਨਕ ਸੰਨਤ ਭਾਵੈ ਤਾ ਲਾਈ ਅਵਾਰ.
ਅ ਨਾਨਕ! ਕੇ ਸੰਨਤ ਯੀ ਖੁਬਨ ਕ੍ਰੀ, ਹੁਗੇ ਯੀ ਖੁਨਦੀ ਕ੍ਰੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਇਉ ਬਿਲਲਾਇ ॥
سنਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਇਉ ਬਿਲਲਾਇ
ਦ ਅਹ ਸੰਨਤ ਮਰਮਾਨ ਦਾਸੀ ਰਾਰੀ

ਜਿਉ ਜਲ ਬਿਹੂਨ ਮਹੁਲੀ ਤੜਫੜਾਇ ॥
ਜਿਉ ਜਲ ਬਿਹੂਨ ਮਹੁਲੀ ਤੜਫੜਾਇ
ਲਕੇ ਦ ਅਵਾਰ ਪ੍ਰਤੇ ਮਾਹੀ, ਪੇ ਗਮ ਕੀ ਜ਼ੁਵੇ ਦੇ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਭੂਖਾ ਨਹੀ ਰਾਜੈ ॥
سنਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਭੂਖਾ ਨਹੀ ਰਾਜੈ

ਦ ਸੰਨਤ ਮਰਤਕ ਤਲ ਵਰੀ ਵੀ ਅਓ ਹਿਖਕਲੇ ਨੇ ਰਾਸੀ ਕਿਹੀ

ਜਿਉ ਪਾਵਕੁ ਈਧਨਿ ਨਹੀ ਧ੍ਰਾਪੈ ॥
جيو پاوك ايدهن نهی دھرائپئے¹
لਕੇ ਖਨਗੇ ਚੀ ਅਤੇ ਦਿਲੋ ਖਖੇ ਰਾਸ਼ੀ ਨੇ ਵੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਛੁਟੈ ਇਕੇਲਾ ॥
سنਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਚੱਟੈ ਏਕਿਲਾ

ਦ ਸੰਤ ਮੁਰਮ ਯਾਤੀ ਪਾਤੀ ਕਿਓਧੀ

ਜਿਉ ਬੁਆੜੁ ਤਿਲੁ ਖੇਤ ਮਾਹਿ ਦੁਹੇਲਾ ॥
جيو بوار تل کھੇਤ ਮਾਹੀ ਦੁਹੇਲਾ
ਲਕੇ ਦ ਸੂਬੇਦਲੀ ਤਿਉ ਬੁਤੀ ਪੇ ਕਰੋਨਦੇ ਕੀ ਬੀ ਕਾਰੇ ਪ੍ਰੋਤ ਵੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਧਰਮ ਤੇ ਰਹਤ ॥
سنਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਧਰਮ ਤੇ ਰਹਤ
ਦ ਅਲੀਆਂ ਗਨਾ ਪੇ ਦਿਨ ਕੀ ਫਾਸਦ ਦੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਸਦ ਮਿਥਿਆ ਕਰਤ ॥
سنਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਸਦ ਮਿਥਿਆ ਕਾਹਤ
ਦ ਸੰਨਤੁ ਮੁਰਮ ਤੱਲ ਦਰਵਾਗ ਵਾਡੀ

ਕਿਰਤੁ ਨਿੰਦਕ ਕਾ ਧੁਰਿ ਹੀ ਪਇਆ ॥
کرت نਨਦਕ ਕਾ ਦੱਹ ਹੀ ਪਾਇਆ
ਦ ਬਦਕਾਰ ਬਰਖਿਲਕ ਲੇ ਪੀਲ ਖਖੇ ਲਿਕਲ ਸ਼ਵੀ

ਨਾਨਕ ਜੋ ਤਿਸੁ ਭਾਵੈ ਸੋਈ ਥਿਆ ॥੬॥
نانਕ ਜੋ ਤਿਸੁ ਭਾਵੈ ਸੋਈ ਥਿਆ
ਏ ਨਾਨਕ! ਹਰ ਖਖੇ ਚੀ ਰੂਬ ਖੋਣਵੀ, ਹਨੂ ਖਖੇ ਦੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਬਿਗਾੜ ਰੂਪੁ ਹੋਇ ਜਾਇ ॥
سنਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਬੁਗੁ ਰੂਪੁ ਹੋਇ ਜਾਇ
ਦ ਸੰਤ ਮੁਰਮ ਬਦਚੁਰਤ ਕਿਓਧੀ

ਸੰਤ ਕੇ ਦੋਖੀ ਕਉ ਦਰਗਾਹ ਮਿਲੈ ਸਜਾਇ ॥
سنਤ ਕੇ ਦੋਖੀ ਕਉ ਦਰਗਾਹ ਮਿਲੈ ਸਜਾਇ
ਹਨੂ ਖਖੇ ਛੁਕ ਚੀ ਪੇ ਸੰਨਤੁ ਬਾਨੀ ਤੂਰ ਲਗੀ ਦਰਬ ਪੇ ਮਹਕਮੇ ਕੀ ਦ ਸੜਾ ਮਿਠੁਕ ਦੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਸਦਾ ਸਹਕਾਈਐ ॥
سنਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਸਦਾ ਸਹਕਾਈਐ
ਧੀ ਮਦਦ ਸੰਨਤੁ ਮੁਰਮ ਤੱਲ ਮੁਰਗ ਤੇ ਨਿਵਦੀ ਵੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਨ ਮਰੈ ਨ ਜੀਵਾਈਐ ॥
سنਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਨ ਮਰੈ ਨ ਜੀਵਾਈਐ
ਦ ਸੰਨਤੁ ਗਨਾ ਦ ਰੂਨਦੋ ਅਤੇ ਮੁਰਗ ਤੇ ਮਿਨੁ ਹੈਰੂਲ ਕਿਓਧੀ

ਸੰਤ ਕੇ ਦੇਖੀ ਕੀ ਪੁਜੈ ਨ ਆਸਾ ॥

سنਤ ਕੀ ਦੋਖੀ ਕੀ ਪੜੀ ਨੇ ਆਸਾ
ਦ ਚਿਬ ਦ ਕਨਾਹ ਅਰਮਾਨ ਨੇ ਪੂਰੇ ਕਿਹੜੀ

ਸੰਤ ਕਾ ਦੇਖੀ ਉਠਿ ਚਲੈ ਨਿਰਾਸਾ ॥

سنਤ ਕਾ ਦੋਖੀ ਅਤ ਚਲਾਵ ਨਰਾਸਾ
ਦ ਅਲਿਆ ਮੁਰਮ ਪੇ ਮਾਇਓਸੇ ਲਾਰ

ਸੰਤ ਕੈ ਦੋਖਿ ਨ ਤ੍ਰਿਸਟੈ ਕੋਇ ॥

سنਤ ਕੀ ਦੋਖੀ ਨੇ ਤਰਸਤੀ ਕੌਏ
ਪੇ ਸੱਨਤੁ ਕਫਾਰੁ ਤੇ ਥਿਭਾਨ ਨੇ ਰਸਿਰੀ

ਜੈਸਾ ਭਾਵੈ ਤੈਸਾ ਕੋਈ ਹੋਇ ॥

ਜੀਸਾ ਬਹਾਵੇਂ ਤੀਸਾ ਕੌਏ
ਲਕੇ ਖੜਗੇ ਚ੍ਰਿ ਖਾਡੀ ਅਤੇ ਗ਼ਵਾਰੀ, ਅਨਸਾਨ ਹਮ ਜੁਰਿਬੀ

ਪਇਆ ਕਿਰਤੁ ਨ ਮੇਟੈ ਕੋਇ ॥

ਪਾਇਆ ਕ੃ਤ ਨੇ ਮਿਤੀ ਕੌਏ
ਹਿਖੁਕ ਨਥੀ ਕੁਲੀ ਦ ਤਿਰੁ ਜ਼ਿਰੁਨਨੁ ਕਰਮਤੁਨੇ ਲੇ ਮਿਨ੍ਹੇ ਯੋਸੀ

ਨਾਨਕ ਜਾਨੈ ਸਚਾ ਸੋਇ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਜਾਨੀ ਸੱਚਾ ਸੋਇ.
ਅਵ ਨਾਨਕ! ਹੁਗੇ ਰਿਣਿਣੀ ਰੂਬ ਪੇ ਹਰਖੇ ਪੋਹਿਬੀ

ਸਭ ਘਟ ਤਿਸ ਕੇ ਓਹੁ ਕਰਨੈਹਾਰੁ ॥

ਸ਼ਬਦੇ ਗੱਤ ਤਸ ਕੀ ਅਤ ਕਰਨੀ
ਤੁਲ ਰੜਨਿ ਮੁਗਦਾਤ ਦ ਦੀ ਥਿਭਨਨ ਦੀ

ਸਦਾ ਸਦਾ ਤਿਸ ਕਉ ਨਮਸਕਾਰੁ ॥

ਸਦਾ ਸਦਾ ਤਸ ਕਾਲੋ ਨਮਸਕਾਰ
ਤੈਲ ਵਰਤੇ ਸਲਾਮ ਕਾਹ

ਪ੍ਰਭੁ ਕੀ ਉਸਤਤਿ ਕਰਹੁ ਦਿਨੁ ਰਾਤਿ ॥

ਪ੍ਰਭ ਕੀ ਅਵਸਤ ਕਰਹੁ ਦੀਨ ਰਾਤ
ਥਿਥੇ ਅਤ ਵਰੁ ਦ ਗੁਰੂ ਸਤਾਇਨੇ ਅਤੇ

ਤਿਸਹਿ ਧਿਆਵਹੁ ਸਾਸਿ ਗਿਰਾਸਿ ॥

ਤੇਸੀ ਦਿਆਵਹੁ ਸਾਸ ਗਰਾਸ

ਦ ਹਰੀ ਸਾਹ ਸਰੇ ਯੀ ਮਾਰਭਿ ਅਤੇ ਕੁਝੀ ਅਤੇ ਚਿੱਲ੍ਹੇ ਯੀ ਕਾਹ

ਸਭੁ ਕਛੁ ਵਰਤੈ ਤਿਸ ਕਾ ਕੀਆ ॥

ਸ਼ਬਦੇ ਕਚੇ ਵਰਤੇ ਤਸ ਕਾਕੀ
ਹਰ ਥੇ ਦ ਹੁਗੇ (ਗੁਰੂ) ਸਰੇ ਕਿਹੜੀ

ਜੈਸਾ ਕਰੇ ਤੈਸਾ ਕੇ ਥੀਆ ॥
 جیسا کرے تیسا کو تھیا
 لਕੇ ਖੜਗੇ ਚੀ ਛਬਿਨ ਯੋ ਸਰੀ ਜੁਬਾਅ, ਹੁਗੇ ਹਮ ਕਿਹੜੀ

ਅਪਨਾ ਖੇਲੁ ਆਪਿ ਕਰਨੈਹਾਰੁ ॥
 اپنا خیل آپ کرਨੀ
 هੁਗੇ د خੜ੍ਹੀ لوਬੀ ਖਾਲ੍ਹਦੀ

ਦੁਸਰ ਕਉਨੁ ਕਰੈ ਬੀਚਾਰੁ ॥
 دوسਰ کاون کبੀ بیچار
 بل ਖੁਕ ਦੀ ਫਕ੍ਰ ਕੁਲੀ ਥੀ?

ਜਿਸ ਨੋ ਕ੍ਰਿਪਾ ਕਰੈ ਤਿਸੁ ਆਪਨ ਨਾਮੁ ਦੇਇ ॥
 جس نو کریپا کرئے تਿਸ آਪਨ ਨਾਮ دੇ
 ਰਬ ਖੌਲ ਨੁਮ ਹਰ ਚਾਟੇ ਵਰਕੀ ਚੀ ਵਗੂਅਰੀ

ਬਡਭਾਰੀ ਨਾਨਕ ਜਨ ਸੇਇ ॥੮॥੧੩॥
 بدبھاگੀ ਨਾਨਕ ਜਨ سੇ
 اي نਾਨਕ! ਦਾ ਪੁਲ ਸਰੀ ਦੀਰ ਬਖ਼ਤੁਰ ਦੀ

ਸਲੋਕ ॥
 سلوک
 شلوک

ਤਜਹੁ ਸਿਆਨਪ ਸੁਰਿ ਜਨਹੁ ਸਿਮਰਹੁ ਹਰਿ ਹਰਿ ਰਾਇ ॥
 تجھو سیانپ سور جنھو ਸਮਰਿਓ بر بر رائے
 اي ਮਹਤਮੇ ਖੜਕੁ! ਖੌਲ ਹੋਨੀਕਾਰੀ ਪ੍ਰਿਵਿਦੀ ਅਵ ਹੁਕੀ ਪ੍ਰਮਿਸ਼ੁਰ ਤੁਮਕੁ ਵਕ੍ਰੀ

ਏਕ ਆਸ ਹਰਿ ਮਨਿ ਰਖਹੁ ਨਾਨਕ ਦੁਖੁ ਭਰਮੁ ਭਉ ਜਾਇ ॥੧॥
 ایک آس بر من رکھو نਾਨਕ دੁਖ بہم بھاؤ جائے
 پੇ ਜੇਹੇ ਕੀ ਦਵਾਹ ਗ੍ਰਹ ਲਿਏ ਅਮਿਤ ਵਲੈ. ਇ ਨਾਨਕ! ਪੇ ਦੀ ਤੁਗੇ, ਗਮ, ਸ਼ਕ ਅਵ ਵਿਹ ਲੇ ਮਨੇ ਹੈ

ਅਸਟਪਦੀ ॥
 استپدی
 اشتاپدی

ਮਾਨੁਖ ਕੀ ਟੇਕ ਬਿਖੀ ਸਭ ਜਾਨੁ ॥
 مانوک کੀ ਤੀਕ ਬੜਤੀ ਸਭੇ ਜਾਨ
 (ਇ ਖੜਕੁ!) ਪ੍ਰ ਅਨੁਸਾਨ ਤਕਿਏ ਕੁਲ ਤੁਲ ਬੀ ਕੱਤੀ ਦੀ

ਦੇਵਨ ਕਉ ਏਕੈ ਭਗਵਾਨੁ ॥
 دیون کاونਕੀ ایکੀ بھੋਗਾਨ
 یو ਰਬ ਦ ਤੁਲੁ ਵਰਕੁਵਨਕੀ ਦੀ

ਜਿਸ ਕੈ ਦੀਐ ਰਹੈ ਅਘਾਇ ॥

جس کیدیئے رہئے اگاے

د ہਗੇ ਓਰਕੂਲ ਸੋਲੇ ਰਾਵਿ

ਬਹੁਰਿ ਨ ਤਿਸਨਾ ਲਾਗੈ ਆਇ ॥

بہر نہ ترسنا لائی آئے

او بیا لیوالتیا نہ رਾਹੀ

ਮਾਰੈ ਰਾਖੈ ਏਕੇ ਆਪਿ ॥

مارئی رਾਕھੇ ایਕੋ ਆਪ

يو ੴਖਣਤਨ ਪੱਖੀਲੇ ਵੜਨੀ ਓ ਸਾਨਤੇ ਕੋਵਿ

ਮਾਨੁਖ ਕੈ ਕਿਛੁ ਨਾਹੀ ਹਾਥਿ ॥

ਮਾਨੁਕ ਕੀ ਕੱਚੇ ਨਾਹੀ ਬਾਤ

ਹਿੱਖ ਸ਼ਿ ਦ ਅਨੁਸਾਨ ਪੇ ਅਖਿਆਰ ਕੀ ਨਹ ਦੀ

ਤਿਸ ਕਾ ਹੁਕਮੁ ਬੁਝਿ ਸੁਖੁ ਹੋਇ ॥

تس کا حکم بوجہ سکھے بوئے

د ہਗੇ ਦ ਅਮਰ ਪੇ ਪ੍ਰਹਿਦੁ ਸਰੇ, ਸਕੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਿਹੜੀ

ਤਿਸ ਕਾ ਨਾਮੁ ਰਖੁ ਕੰਠਿ ਪਰੋਇ ॥

ਸੁਮੁ ਸੁਮੁ ਪ੍ਰੰਤ ਸੋਉ.

ਦ ਸਕੀ ਨੁਮ ਸਟਾਸੋ ਪੇ ਗਾਰੇ ਕੀ ਵਾਚੋਇ

ਸਿਮਰਿ ਸਿਮਰਿ ਸਿਮਰਿ ਪ੍ਰਭੁ ਸੋਇ ॥

نਾਨਕ ਬਗੇਨ ਨੇ ਲਾਈ ਕੌਈ.

ਏ ਨਾਨਕ! ਦਾ ਰੱਬ ਦੀ ਤੱਲ ਧਾਡ ਸਾਨੇ

ਨਾਨਕ ਬਿਘਨੁ ਨ ਲਾਗੈ ਕੋਇ ॥੧॥

ਓਸਟਨ ਮੀ ਕਰ ਨਰਨਕਾਰ

ਹਿੱਖ ਮਚਿੰਬਿਤ ਬੇ ਨਹ ਰਾਹੀ

ਉਸਤਤਿ ਮਨ ਮਹਿ ਕਰਿ ਨਿਰੰਕਾਰ ॥

کਰ ਮਨ ਮਿਰੈ ਸਤ ਬਿਨਾਰ

ਪੇ ਖੱਚੀ ਵੱਡੇ ਦ ਗੁਰੂ ਸਟਾਈਨੇ ਵਕੜੀ

ਕਰਿ ਮਨ ਮੇਰੇ ਸਤਿ ਬਿਉਹਾਰ ॥

ਨਰਮ ਰਸਨਾ ਅਮਰ ਪਿਥੋ

ਏ ਜਮਾਵਹੇ! ਦ ਹਤਿਕਿਤ ਪੇ ਕਾਰ ਕੀ ਦ ਬਨਕਿਲਿਆ ਲੇ ਲਾਰੀ

ਨਿਰਮਲ ਰਸਨਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤੁ ਪੀਉ ॥

ਸਦਾ ਸੋਵਿਲੇ ਕਰ ਲਈ ਜਿਓ

ਦ ਦੀ ਨੁਮ ਦ ਅਮਰ ਪੇ ਖੱਬਲੋ ਸਰੇ ਬੇ ਸਟਾਸੋ ਰੱਬੇ ਪਾਕੇ ਥੀ

ਸਦਾ ਸੁਹੇਲਾ ਕਰਿ ਲੇਹਿ ਜੀਉ ॥
ਨਿਨ੍ਹੋ ਪਿਕੇਹ ਤਹਾਕਰ ਕਾਰਨਗ
ਅਤਾਸੇ ਬੇ ਖੈਲ ਰੂਹ ਦ ਤਲ ਲਪਾਰੇ ਆਰਮ ਕਰੇ

ਨੈਨਹੁ ਪੇਖੁ ਠਾਕੁਰ ਕਾ ਰੰਗੁ ॥
ਸਾਡੇ ਸਨ੍ਗ ਬਨਸੈ ਸਬੇ ਸਨ੍ਗ
ਦ ਗੁਰੂ ਸਟਾਈਨੇ ਪੇ ਖੈਲੁ ਸਟਰਗੁ ਓਗੁਰੀ

ਸਾਧਸੰਗਿ ਬਿਨਸੈ ਸਭ ਸੰਗੁ ॥
ਚੁਨ ਚਲਾ ਮਾਰਗ ਗੁਬਨਦ
ਨੂਰ ਤੂਲ ਤਮਾਲਿਲ ਦ ਰਿਣਤਿਨੀ ਖਲਕੁ ਪੇ ਮਲਕਰਿਆ ਲੇ ਮਨੇਹ ਹੈ

ਚਰਨ ਚਲਉ ਮਾਰਗਿ ਗੋਬਿੰਦ ॥
ਮਤੀ ਪਾਪ ਜੋਈ ਬੇ ਬੰਦ
ਪੇ ਖੈਲੁ ਪਿਨ੍ਹੇ ਦ ਗੁਬਨਦ ਲਾਰੇ ਤੁਕੀਬ ਕਰੇ

ਮਿਟਹਿ ਪਾਪ ਜਪੀਐ ਹਰਿ ਬਿੰਦ ॥
ਕਰ ਬੇ ਕਰਮ ਸ੍ਰਵਨ ਬੇ ਕਤਹਾਏ
ਹਤੀ ਦ ਯੋਹ ਸ਼ਿਬੀ ਲਪਾਰੇ ਦ ਹਰੀ ਤਾਲਾਵਤ ਕੁਲ ਕਨਾਹਿਨੇ ਲਰੀ ਕੌਇ

ਕਰ ਹਰਿ ਕਰਮ ਸੁਵਨਿ ਹਰਿ ਕਥਾ ॥
ਬੇ ਦਰਗੇ ਨਾਨਕ ਅਗੁ ਮਤਹਾ.
ਦ ਛੱਭਿਤਨ ਖਦਮਤ ਓਕੇ ਅਤ ਕਿਸੇ ਪੇ ਖੈਲੁ ਗੁਬਰਨੁ ਵਾਹਰੀ

ਹਰਿ ਦਰਗਹ ਨਾਨਕ ਉਜਲ ਮਥਾ ॥੨॥
ਬਿਭਾਗੀ ਤੇ ਜਾਨ ਜਕ ਮਾਹੀ
ਇ ਨਾਨਕ! (ਪੇ ਦੀ ਤੋਗੇ) ਸਟਾਸੇ ਸਰ ਬੇ ਦਰਬ ਪੇ ਦਰਬਾਰ ਕੀ ਰੋਬਨਾਹ ਸ਼੍ਰੀ

ਬਡਭਾਰੀ ਤੇ ਜਨ ਜਗ ਮਾਹਿ ॥
ਸਦਾ ਸਦਾ ਬੇ ਕੀ ਕਨ ਕਾਬੀ
ਹਗੇ ਖਲਕ ਦ ਨ੍ਹੇਰੀ ਤਰ ਤਲੁ ਖੋਸ਼ਹਾਲੇ ਖਲਕ ਦੀ

ਸਦਾ ਸਦਾ ਹਰਿ ਕੇ ਗੁਨ ਰਾਹਿ ॥
ਜਸ ਨੂ ਕੁਕ੍ਰਪਾ ਕਰੈ ਤਸ ਆਪਨ ਨਾਮ ਦੈ.
ਥੁਕ ਚੀ ਹਰ ਵਖਤ ਦ ਛੱਭਿਤਨ ਢਕ ਕੌਇ

ਰਾਮ ਨਾਮ ਜੋ ਕਰਹਿ ਬੀਚਾਰ ॥
ਰਾਮ ਨਾਮ ਜੋ ਕਰੈ ਬੀਚਾਰ
ਹਗੇ ਖਲਕ ਚੀ ਦ ਰਾਮ ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਏਰੇ ਫਕਰ ਕੌਇ,

ਸੇ ਧਨਵੰਤ ਗਾਨੀ ਸੰਸਾਰ ॥
ਸੀ ਦੇਹਨੋਨਤ ਕਨੀ ਸੰਸਾਰ
ਹਮਦਗੇ ਕਸ ਦ ਨ੍ਹੇਰੀ ਤਰ ਤਲੁ ਸ਼ਤਮਨ ਕਸ ਕੰਲ ਕੰਧੀ

ਮਨਿ ਤਨਿ ਮੁਖਿ ਬੋਲਹਿ ਹਰਿ ਮੁਖੀ ॥
من تن مکھੇ بولے بر مکھੀ
ਹਗੇ ਖੁਕ ਚ੍ਰਿ ਦ ਰਬ ਨੁਮ ਪੇ ਖੈਲ ਜਨ, ਬਦਨ ਅਤ ਖੌਲੇ ਪੇ ਰੱਬੇ ਜਕ ਕੋਵਿ

ਸਦਾ ਸਦਾ ਜਾਨਹੁ ਤੇ ਸੁਖੀ ॥
ਸਦਾ ਸਦਾ ਜਾਨੀ ਤੀ ਸਕਹੀ
ਪੋਹ ਸ਼ੀ ਚ੍ਰਿ ਹਗੇ ਤੱਲ ਜਦੇ ਕੋਵਿ

ਏਕੋ ਏਕੁ ਏਕੁ ਪਛਾਨੈ ॥
ਇਕੋ ਇਕੁ ਇਕੁ ਪਚਹਾਨੈ
ਹਗੇ ਖੁਕ ਚ੍ਰਿ ਯਾਤ੍ਰਿ ਯੋ ਰਬ ਪ੍ਰੰਤੀ

ਇਤ ਉਤ ਕੀ ਓਹੁ ਸੋਝੀ ਜਾਨੈ ॥
ਨਾਮ ਸੰਗ ਜਿਸ ਕਾ ਮਨੁ ਮਾਨਿਆ
ਹਗੇ ਦ ਦੀਆ ਅਤ ਸਾਡੇ ਸੁਖੀ

ਨਾਮ ਸੰਗਿ ਜਿਸ ਕਾ ਮਨੁ ਮਾਨਿਆ ॥
ਨਾਨਕ ਤੀਨੀ ਨਰਜੀਂ ਜਾਨੀ
ਇ ਨਾਨਕ! ਦ ਚਾ ਜਨ ਦ ਗੁਰੂ ਪੇ ਨੁਮ ਜੰਬ ਸ਼ਾਵੀ,

ਨਾਨਕ ਤਿਨਹਿ ਨਿਰੰਜਨੁ ਜਾਨਿਆ ॥੩॥
ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦ ਆਪ ਆਪ ਸਾਜੈ
ਹਗੇ ਰਬ ਪ੍ਰੰਤੀ

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਆਪਨ ਆਪੁ ਸੁਝੈ ॥
ਤ੍ਰਿ ਕੀ ਜਾਨੀ ਤਰਸਾ ਬੋਗਹਾਨੈ
ਦ ਗੁਰੂ ਪੇ ਫੁਲ ਸਰੇ ਹਗੇ ਖੁਕ ਚ੍ਰਿ ਖੈਲ ਖਾਨ ਪੋਹਿਰੀ,

ਤਿਸ ਕੀ ਜਾਨਹੁ ਤਿਸਨਾ ਬੁਝੈ ॥
ਸਾਡੇ ਸੰਗ ਬੇਰ ਜਸ ਕਹੇ
ਪੋਹ ਸ਼ੇ ਚ੍ਰਿ ਅਰਮਾਨ ਬੀ ਮਰ ਸ਼ਾ

ਸਾਧਸੰਗਿ ਹਰਿ ਹਰਿ ਜਸੁ ਕਰਤ ॥
ਸਰਬ ਰੂਗ ਤੀ ਅਵੇ ਬੇਰ ਜਾਨ ਰਾਹਤ
ਹਗੇ ਖੁਕ ਚ੍ਰਿ ਦ ਸੰਨਾਨੁ ਪੇ ਮਲਕੀਤਿਆ ਕੀ ਦ ਹੈਰੀ ਪਾਰਮਿਸ਼ਾਰ ਵਿਧਰ ਤੇ ਦੋਵਾਂ ਵਰਕੀਵਿ,

ਸਰਬ ਰੋਗ ਤੇ ਓਹੁ ਹਰਿ ਜਨੁ ਰਹਤ ॥
ਅਨੁ ਕਿਰਤਨ ਕਿਊ ਬਖਿਅਨ
ਹਗੇ ਉਬਦਤ ਕੁਵਨਕੀ ਦੀ ਚ੍ਰਿ ਦ ਤਲਾਵ ਨਾਰੋਗਿਅਤ ਖੱਖੇ ਖਲਾਚਨ ਲੀ

ਅਨਦਿਨੁ ਕੀਰਤਨੁ ਕੇਵਲ ਬਖਾਨੁ ॥
ਗੁਰੀਸਾਤ ਮੀ ਸਾਵੀ ਨਰਿਅਨ
ਖੁਕ ਚ੍ਰਿ ਸ਼ੇਪੇ ਅਤ ਵਰ੍ਖ ਯਾਤ੍ਰਿ ਦ ਗੁਰੂ ਪੇ ਰੱਬੇ ਤਸਾਖ ਕੋਵਿ,

گیوہ سوڑ مارھی مੋਈ نਿਰਬਾਨੁ ॥

ایک اوپر جس جان کی آسا

هغہ په خپل کور کی بی پروا پاتی کبیری

ਏਕ ਉਪਰਿ ਜਿਸੁ ਜਨ ਕੀ ਆਸਾ ॥

ਤਸ ਕੀ ਕਿਟੀ ਜਮ ਕੀ ਫਾਸਾ

ਹਗੇ ਸ੍ਰੇਵ ਜੀ ਪੇ ਰਬ ਕੀ ਬਿ ਹਿਲੇ ਕ੍ਰਿ ਦੇ

ਤਿਸ ਕੀ ਕਟੀਐ ਜਮ ਕੀ ਫਾਸਾ ॥

ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ਕੀ ਜਸ ਮਨ ਬੁਕੇ

ਦ ਮੁਗ ਦੁਰਦ ਵਰਤੇ ਅਸਾਨੇ ਕਿਹੜੀ

ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ਕੀ ਜਿਸੁ ਮਨਿ ਭੂਖ ॥

ਜਸ ਕੋ ਬੇ ਪ੍ਰਭੇ ਮਨ ਚੱਚ ਆਉ

ਦ ਚਾਝੇ ਦ ਬਰਹਮਾ ਲਪਾਰੇ ਵਰੀ ਦੀ

ਨਾਨਕ ਤਿਸਹਿ ਨ ਲਾਗਹਿ ਦੁਖ ॥੪॥

ਨਾਨਕ ਤਸੀ ਨੇ ਲਾਗੀ ਦੁਖ

ਇ ਨਾਨਕ! ਦਾ ਦੁਰਦ ਨੇ ਕਾਵੀ

ਜਿਸ ਕਉ ਹਰਿ ਪ੍ਰਭੁ ਮਨਿ ਚਿਤਿ ਆਵੈ ॥

ਸਾਡੇ ਸੁਣੇ ਸੁਖੀ ਨਹੀ ਦੁਲਾਈ

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਹਰੀ ਪ੍ਰਭੁ ਪੇ ਖਪਲ ਜ੍ਰੇਹ ਕੀ ਯਾਦੀ

ਸੋ ਸੰਤੁ ਸੁਹੇਲਾ ਨਹੀ ਭੁਲਾਵੈ ॥

ਜਸ ਪ੍ਰਭੇ ਆਪਨਾ ਕ੍ਰਿਪਾ ਕਰੈ

ਹਗੇ ਯੋ ਸੁਣ ਦੀ ਓ ਦ ਹੁਗੀ ਜਨੇ ਹਿਖਕਲੇ ਨੇ ਮਾਤਿਰੀ

ਜਿਸੁ ਪ੍ਰਭੁ ਅਪੁਨਾ ਕਿਰਪਾ ਕਰੈ ॥

ਸਾਡੇ ਸ੍ਰਿਵੇਖੇ ਕ੍ਰਿਪਾ ਕਰੈ

ਬ੍ਰਾਚ ਜੀ ਰਬ ਖਪਲ ਫੁਲ ਓ ਕਰਮ ਓਕਰੀ,

ਸੋ ਸੇਵਕੁ ਕਹੁ ਕਿਸ ਤੇ ਢਰੈ ॥

ਜਿਸਾ ਸਾਨੀਸਾ ਦਰਸਾਈ

ਦਾ ਰਾਤੇ ਵਾਇਹ ਚੀ ਦਾ ਅਭਿਦ ਕੋਵਨਕੀ ਲੇ ਚਾ ਖੜੇ ਵਿਰੀ?

ਜੈਸਾ ਸਾ ਤੈਸਾ ਦਿਸਟਾਇਆ ॥

ਅੰਨੀ ਕਾਰਜ ਮੀ ਆਪ ਸਮਾਈ

ਲਕੇ ਖੜਗੇ ਚੀ ਕਾਰੀ, ਹਗੇ ਹਮ ਬੰਕਾਰੀ

ਅਪੁਨੇ ਕਾਰਜ ਮਹਿ ਆਪਿ ਸਮਾਇਆ ॥

ਸੁਧਹੇਤ ਸੁਧਹੇਤ ਸੁਧਹੇਤ ਸੀਖੇ

ਖਿਨਤਨ ਪੱਥਰੇ ਪੇ ਖਪਲ ਮਖੂਲ ਕੀ ਜੰਬ ਦੀ

ਸੋਧਤ ਸੋਧਤ ਸੋਧਤ ਸੀਝਿਆ ॥

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦ ਨਾ ਸਿਹੇ ਬੋਗੇ
ਖੋ ਜਲੇ ਯੀ ਪੇ ਅਰੇ ਫਕਰ ਕ੍ਰਿ ਦੀ

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤਤੁ ਸਭ ਬੁਝਿਆ ॥

ਜਬ ਦਿਕਹਾਂ ਨਿ ਸਿਹੇ ਕੱਚੇ ਮੌਲ

ਦ ਗੁਰੂ ਪੇ ਫੁਲ ਹਤਿਕ ਪੋ ਸ਼ੁ

ਜਬ ਦੇਖਉ ਤਬ ਸਭ ਕਿਛੁ ਮੁਲੁ ॥

ਦੋਸਰ ਕਾਵਨ ਕੋਈ ਬਿਚਾਰ

ਕਲੇ ਚੀ ਤਾਸੋ ਵਗੁਰੀ ਨੂ ਹਰ ਖੇ ਦ ਗੁਰੂ ਦੀ

ਨਾਨਕ ਸੋ ਸੁਖਮੁ ਸੋਈ ਅਸਥੁਲੁ ॥੫॥

ਨਾਨਕ ਸੋ ਸੁਖਮੁ ਸੋਈ ਅਸਥੁਲੁ.

ਇ ਨਾਨਕ! ਹੁਗੇ ਪੱਖੇ ਫਰੂਇ ਅਓ ਪੱਖੇ ਆਵਾਦ ਦੀ

ਨਹ ਕਿਛੁ ਜਨਮੈ ਨਹ ਕਿਛੁ ਮਰੈ ॥

ਨੇ ਕੱਚੇ ਜਨਮੈ ਨੇ ਕੱਚੇ ਮਰੈ

ਹਿਖ ਸੀ ਨੇ ਪੰਦਾ ਕਿਰੀ, ਹਿਖ ਸੀ ਨੇ ਮਰੀ

ਆਪਨ ਚਲਿਤੁ ਆਪ ਹੀ ਕਰੈ ॥

ਅੰਨ ਜਲਤ ਆਪ ਬੀ ਕਰੈ

ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਖੱਲੇ ਦਨਦੇ ਪੱਖੇ ਤਰਸੇ ਕ੍ਰਿ

ਆਵਨੁ ਜਾਵਨੁ ਦਿਸਟਿ ਅਨਦਿਸਟਿ ॥

ਔਨ ਜਾਵਨ ਦਰਸਤ ਅਨਦਰਸਤ

ਜਿਰਦਾਨ, ਮੰਨੀਨ, ਗੁਚਰ (ਲਿਡਨਕੀ) ਅਓ ਅਗੁਚਰ (ਨੇ ਲਿਡ ਕਿਰੀ)

ਆਗਿਆਕਾਰੀ ਧਾਰੀ ਸਭ ਸ੍ਰਿਸਟਿ ॥

ਅਕਿਆਕਾਰੀ ਦਹਾਰੀ ਸਿਹੇ ਸਰਸਤ

ਹੁਗੇ ਦਾ ਤਲੇ ਨ੍ਰੀ ਦ ਖੱਲੇ ਆਤੁ ਲਪਾਰੇ ਜੁਰੇ ਕ੍ਰਿ ਦੇ

ਆਪੇ ਆਪਿ ਸਰਗਲ ਮਹਿ ਆਪਿ ॥

ਅੰਪੇ ਆਪ ਸੱਕਲ ਮੀ ਆਪ

ਹੁਗੇ ਪੱਖੇ ਹਰ ਖੇ ਦੀ. ਹੁਗੇ ਪੱਖੇ ਪੇ ਤਲੇ (ਸਿਥਾਨ) ਕੀ ਸ਼ਤਨ ਲ੍ਰੀ

ਅਨਿਕ ਜੁਗਤਿ ਹਚਿ ਥਾਪਿ ਉਥਾਪਿ ॥

ਅਨੁ ਜਗ੍ਤ ਰਜ ਤੱਹਾਪ ਅਲ੍ਹਾਪ

ਹੁਗੇ ਕਾਨਨਾਂ ਪੇ ਮਖਲਫੋ ਤਰੀਫੋ ਸਰੇ ਰਾਮਿਨਤੇ ਕ੍ਰਿ ਅਓ ਵਿਗਾਰੀ

ਅਬਿਨਾਸੀ ਨਾਹੀ ਕਿਛੁ ਖੰਡ ॥

ਅਭਨਾਸੀ ਨਾਹੀ ਕੱਚੇ ਕਹੇਂ

ਮੌਗ ਦ ਅਦੀ ਖੰਨਨ ਹਿਖ ਸੀ ਲੇ ਮਨੇ ਨੇ ਹੈ

ਧਾਰਣ ਧਾਰਿ ਰਹਿਓ ਬ੍ਰਹਮੰਡ ॥

ਦਹਾਨ ਦੇਹਾਰ ਰਪੋ ਬਰਮਨਦ

ਹਗੇ ਦ ਨ੍ਹੜੀ ਮਲਾਤੀ ਕੌਇ

ਅਲਖ ਅਭੇਵ ਪੁਰਖ ਪਰਤਾਪ ॥

ਲਕਾ ਏਹਿਓ ਪ੍ਰਕਾ ਪ੍ਰਤਾਪ

ਦ ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਵਿਾਰਵਨੇ ਬੀ ਹਫੇ ਅਵ ਬੀ ਤ੍ਵਿਪੀਰੇ ਦੀ

ਆਪਿ ਜਪਾਏ ਤ ਨਾਨਕ ਜਾਪ ॥੬॥

ਅਪ ਜਪਾਏ ਤ ਨਾਨਕ ਜਾਪ।

ਇ ਨਾਨਕ! ਕਹ ਹਗੇ ਖੀਲ ਆਇ ਪੱਚੀਲੇ ਯੋ ਚਾ ਤੇ ਵਾਹਰੀ ਨ੍ਹੜੀ ਹਗੇ ਬੀ ਤਾਲੁਤ ਕੌਇ

ਜਿਨ ਪ੍ਰਭੁ ਜਾਤਾ ਸੁ ਸੋਭਾਵੰਤ ॥

ਜਨ ਪ੍ਰਬੇਹ ਜਾਤਾ ਸ੍ਵੋ ਸੋਭਾਵਨਤ

ਹਗੇ ਛੁਕ ਚੀ ਰਬ ਪ੍ਰੰਨੀ ਬਨਕਾਈ ਦੀ

ਸਗਲ ਸੰਸਾਰੁ ਉਧਰੈ ਤਿਨ ਮੰਤ ॥

ਸੱਗਲ ਸੰਸਾਰ ਅੜਹੀਤੀ ਤਨ ਮੰਤ

ਤੋਲੇ ਨ੍ਹੜੀ ਦ ਹਗੇ ਦ ਮੰਤਰ (ਦ ਮਸ਼ੂਰੀ ਕਲਮੇ) ਲਖਾ ਖੋਨਦੀ ਦੇ

ਪ੍ਰਭੁ ਕੇ ਸੇਵਕ ਸਗਲ ਉਧਾਰਨ ॥

ਪ੍ਰਬੇਹ ਕੀ ਸਿਥੁਕ ਸੱਗਲ ਅੜਹਾਰਨ

ਦ ਖੰਨਨ ਬੰਦਕਾਨ ਦ ਤੋਲੁ ਸਰੇ ਬਨੇ ਕੋ

ਪ੍ਰਭੁ ਕੇ ਸੇਵਕ ਦੂਖ ਬਿਸਾਰਨ ॥

ਪ੍ਰਬੇਹ ਕੀ ਸਿਥੁਕ ਦੁਖ ਬਿਸਾਰਨ.

ਦ ਰਬ ਦ ਬੰਦਕਾਨ ਪੇ ਮਲਕੀਤਿਆ ਕੀ ਘੁ ਹਿਰੀ ਪ੍ਰਿ

ਆਪੇ ਮੇਲਿ ਲਏ ਕਿਰਪਾਲ ॥

ਅਪੇ ਮੇਲ ਲਾਈ ਕ੍ਰਿਪਾਲ.

ਮਹੰਬਾਨ ਰਬ ਦੀ ਲੇ ਹਾਨ ਸਰੇ ਪੁਖਾ ਕੌਇ

ਗੁਰ ਕਾ ਸਬਦੁ ਜਪਿ ਭਏ ਨਿਹਾਲ ॥

ਗੁਰ ਕਾ ਸਬਦ ਜਪ ਬਹਾਈ ਨਿਹਾਲ

ਦ ਗੁਰੂ ਦ ਕਲਮੇ ਪੇ ਤਕਰਾਰ ਲੁ ਸਰੇ, ਦੀ ਮਨੇ ਕੌਇ

ਉਨ ਕੀ ਸੇਵਾ ਸੋਈ ਲਾਗੈ ॥

ਅਨ ਕੀ ਸਿਥੁਕ ਸੋਈ ਲਾਗੈ

ਯਾਵਾਂ ਹਗੇ ਬੁਖਾਰ ਬੰਦਕਾਰੀ ਚੀ ਦੀ ਤੇ ਖੁਦਮੁਖੀ ਕੌਇ

ਜਿਸ ਨੇ ਕ੍ਰਿਪਾ ਕਰਹਿ ਬਡਭਾਗੈ ॥

ਜਸ ਨੇ ਕ੍ਰਿਪਾ ਕਰਹਿ ਬਦਿਹਾਂਕੈ

ਪੇ ਚਾ ਬਾਨਦੀ ਦ ਖੰਨਨ ਤੁਅਲੀ ਫੁਲ ਅਵ ਕਰਮ ਦੀ

ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਪਾਵਹਿ ਬਿਸਾਮੁ ॥

نام چپت پاوبی بسراਮ

هغه ٿوک چي د رب نوم په تکرار سره يادوي، سکه ترلاسه کوي

ਨਾਨਕ ਤਿਨ ਪੁਰਖ ਕਉ ਉਤਮ ਕਰਿ ਮਾਨੁ ॥੧॥

نانک تن پرخ کئے اوٹم کر مان.

ای نانک! دا خلک لوی وکنئ

ਜੇ ਕਿਛੁ ਕਰੈ ਸੁ ਪ੍ਰਭੁ ਕੈ ਰੰਗਿ ॥

جو کچھ کرنے سو پرbeh کی رنگ

هر ٿه چي کوي، هغه د ٿبنتن په اراده کوي

ਸਦਾ ਸਦਾ ਬਸੈ ਹਰਿ ਸੰਗਿ ॥

سدا سدا بسائے بر سنگ

هغه د تل لپاره د ٿبنتن سره دی

ਸਹਜ ਸੁਭਾਇ ਹੋਵੈ ਸੋ ਹੋਇ ॥

سبج سبهاءں بوئے سو بوئے

هر ٿه چي پیښیري، طبیعی او طبیعی دی

ਕਰਣੈਹਾਰੁ ਪਛਾਣੈ ਸੋਇ ॥

کرننے بار پچھائے سوئے

هغه یوازی دا خالق رب پیڙني

ਪ੍ਰਭੁ ਕਾ ਕੀਆ ਜਨ ਮੀਠ ਲਗਾਨਾ ॥

پربھ کا کیا جن میت لگانا

د ٿبنتن کار خپلو بندگانو ته خور دی

ਜੈਸਾ ਸਾ ਤੈਸਾ ਦਿਸਟਾਨਾ ॥

جیسا سا نیسا درستانا

لکه ٿنگه چي ٿبنتن دی، هغه ورتہ بنکاري

ਜਿਸ ਤੇ ਉਪਜੇ ਤਿਸੁ ਮਾਹਿ ਸਮਾਏ ॥

جس تی اپجے تਸ ماہی سمائے

هغه په هغه کي یوخاري کيري، له کوم ھاي ٿخه چي هغه زيريدلى و

ਓਇ ਸੁਖ ਨਿਧਾਨ ਉਨਹੂ ਬਨਿ ਆਏ ॥

اوہ سکھ ندهان اوਨہو بن آئے

هغه د خوشحالی خزانه ده. دا شہرت یوازی هغه ته بنکلا ورکوي

ਆਪਸ ਕਉ ਆਪਿ ਦੀਨੋ ਮਾਨੁ ॥

آپس کو آپ دینو من

ٿبنتن پخپله خپل بندہ ته عزت ورکري

ਨਾਨਕ ਪ੍ਰਭੁ ਜਨੁ ਏਕੇ ਜਾਨੁ ॥੮॥੧੪॥

ਨਾਨਕ ਪ੍ਰਭੇ ਜੇ ਏਕੇ ਜਾਨੁ।

ਇ ਨਾਨਕ! ਪੋਹ ਸ਼ੇ ਚੀ ਖੰਨਨ ਅਵ ਹੁਗੇ ਬੰਦੇ ਬ੍ਰਾਵੁ ਅਵ ਯੋ ਸ਼ਾਨ ਦੀ

ਸਲੋਕੁ ॥

ਸਲੋਕ

ਸਲੋਕਾ

ਸਰਬ ਕਲਾ ਭਰਪੂਰ ਪ੍ਰਭੁ ਬਿਰਥਾ ਜਾਨਨਹਾਰ ॥

ਸਰਬ ਕਲਾ ਬੇਹੁਪੂਰ ਪ੍ਰਭੇ ਬ੍ਰਤਹਾ ਜਾਨਨਹਾਰ

ਰਬ ਹੁ ਅੰਖਿੜ ਦੀ ਅਵ ਜਮੁਰ ਪੇ ਦਰਦਨੁ ਖੁਰ ਦੀ

ਜਾ ਕੈ ਸਿਮਰਨਿ ਉਧਰੀਐ ਨਾਨਕ ਤਿਸੁ ਬਲਿਹਾਰ ॥੧॥

ਜਾਕੀ ਸਮਰਨ ਅੜਹਨੀ ਨਾਨਕ ਤੱਤ ਬਲਿਹਾਰ

ਇ ਨਾਨਕ! ਜੇ ਪੇ ਹੁਗੇ ਕਰਬਾਨ ਯੇ ਚੀ ਦੀ ਹੁਗੇ ਪੇ ਨੁਮ ਯੀ ਨਗਤ ਮੁਨਦੀ ਦੀ

ਅਸਟਪਦੀ ॥

ਅਸਟਪਦੀ

ਅਸਟਪਦੀ

ਟੂਟੀ ਗਾਢਨਹਾਰ ਗੁਪਾਲ ॥

ਥੂਠੀ ਗਾਢਨਹਾਰ ਗੁਪਾਲ

ਦ ਕਾਨਾਤੁ ਰਬ, ਗੁਪਾਲ, ਦ ਮਾਤ ਸ਼ਾਵੀ ਨਿਨਲੁਨਕੀ ਦੀ

ਸਰਬ ਜੀਆ ਆਪੇ ਪ੍ਰਤਿਪਾਲ ॥

ਸਰਬ ਜੀਅ ਆਪੇ ਪ੍ਰਤਿਪਾਲ

ਹੁਗੇ ਪੱਖਿਲੇ ਤੁਲ ਰੜਨਿ ਮੁਗਦਾਤ ਸਾਤੀ

ਸਗਲ ਕੀ ਚਿੰਤਾ ਜਿਸੁ ਮਨ ਮਾਹਿ ॥

ਸਗਲ ਕੀ ਚਿੰਤਾ ਜਿਸੁ ਮਨ ਮਾਹਿ

ਦ ਚਾ ਅਨਿਭਿਨਨੇ ਦ ਹੁ ਚਾ ਪੇ ਵਹਨ ਕੀ ਦੇ

ਤਿਸ ਤੇ ਬਿਰਥਾ ਕੋਈ ਨਾਹਿ ॥

ਤਿਸ ਤੇ ਬ੍ਰਤਹਾ ਕੋਈ ਨਹੀ

ਹਿਖੁਕ ਲੇ ਦੀ ਥੁਖੇ ਖਾਲੀ ਲਾਸ ਨੇ ਰਾਸਤੀ

ਰੇ ਮਨ ਮੇਰੇ ਸਦਾ ਹਰਿ ਜਾਪਿ ॥

ਰੇ ਮਨ ਮੇਰੇ ਸਦਾ ਹਰਿ ਜਾਪਿ

ਇ ਜਮਾਵਨੇ! ਤੇ ਦੁਖਨਿ ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਯਾਦਲੁ ਸਰੇ

ਅਬਿਨਾਸੀ ਪ੍ਰਭੁ ਆਪੇ ਆਪਿ ॥

ਅਬਿਨਾਸੀ ਪ੍ਰਭੇ ਆਪੇ ਆਪ

ਬੀ ਨੇਤੀਰ ਰਬ ਹੁ ਥੇ ਪੱਖਿਲੇ ਦੀ

ਆਪਨ ਕੀਆ ਕਛੂ ਨ ਹੋਇ ॥

آਪਿ ਕਿਆ ਕਚ੍ਛੇ ਨੇ ਬੋਈ

ਹੀਖ ਥਿ ਪੱਖਿਲੇ ਦ ਮਖ਼ੂਲ ਲਖਾ ਨਥੀ ਤਰਸ੍ਰੇ ਕਿਦੀ

ਜੇ ਸਉ ਪ੍ਰਾਨੀ ਲੋਚੈ ਕੋਇ ॥

ਜੇ ਸੌ ਪ੍ਰਾਨੀ ਲੋਗੈ ਕਾਉ

ਹਤੀ ਕਹੇ ਸਲ ਖਲੇ ਵਗ਼ਵਾਰੀ

ਤਿਸੁ ਬਿਨੁ ਨਾਹੀ ਤੇਰੈ ਕਿਛੁ ਕਾਮ ॥

ਤਸ ਬਨ ਨਾਈ ਤਿਰੀ ਕਚ੍ਛੇ ਕਾਮ

ਬਲ ਹੀਖ ਥਿ ਸਟਾਸ੍ਵ ਦ ਸੁਡਾਕਰੀ ਨੇ ਦੀ

ਗਤਿ ਨਾਨਕ ਜਪਿ ਏਕ ਹਰਿ ਨਾਮ ॥੧॥

ਗ੍ਰਿ ਨਾਨਕ ਜਪ ਆਇ ਬੰਨਾਮ.

ਇ ਨਾਨਕ! ਦ ਖੰਬਿਨ ਪੇ ਨੁਮ ਯਾਦੁਲ ਨਜਾਤ ਵਰਕ੍ਰਿ

ਰੂਪਵੰਤੁ ਹੋਇ ਨਾਹੀ ਮੇਰੈ ॥

ਰੂਪਵੰਤ ਬੋਈ ਨਾਈ ਮੋਬੈ

ਕਹ ਯੋ ਮਖ਼ੂਲ ਦੀਰ ਬੱਕਲੀ ਵਿ, ਦਾ ਪੇ ਅਤੋਮਾਤਿਕ ਦੁਲ ਨੁਰੂ ਤੇ ਜੰਬ ਨੇ ਕੋਇ

ਪ੍ਰਭੁ ਕੀ ਜੋਤਿ ਸਗਲ ਘਟ ਸੋਹੈ ॥

ਪ੍ਰਭੇ ਕੀ ਜੋਤ ਸੱਗ੍ਰਿ ਗੇਹੇ ਸੋਹੈ

ਧਿਵਾਇ ਦ ਖੰਬਿਨ ਰਿਨ ਪੇ ਤੁਲੁ ਬਦਨੁਨੁ ਕੀ ਬੱਕਲੀ ਬੱਕਾਰੀ

ਧਨਵੰਤਾ ਹੋਇ ਕਿਆ ਕੇ ਗਰਬੈ ॥

ਧਨਵੰਤ ਬੋਈ ਕਿਆ ਕੁ ਗੁਬੈ

ਬੋ ਸ੍ਰੀ ਬਾਇਦ ਦ ਸ਼ਤਮਨ ਕਿਦੀ ਵਰਗ ਵਰਗ ਪੇ ਖੈ ਫਖ ਵਕਾਰੀ?

ਜਾ ਸਭੁ ਕਿਛੁ ਤਿਸ ਕਾ ਦੀਆ ਦਰਬੈ ॥

ਜਾ ਸਭੇ ਕਚ੍ਛੇ ਤਸ ਕਾ ਦੀਨੈ ਦਰਬੈ.

ਕਲੇ ਚੀ ਤੁਲ ਮਾਲ ਵਰਤੇ ਵਰਕ੍ਰਿ ਵਿ

ਅਤਿ ਸੁਗਾ ਜੇ ਕੋਊ ਕਹਾਵੈ ॥

ਅਤਿ ਸੁਗਾ ਜੀਸੈ ਕਾਉ ਕਹਾਵੈ

ਕਹ ਯੋ ਖੁਕ ਖਾਨ ਤੇ ਲਾਵ ਜਨਗਿਲੀ ਵਾਇ

ਪ੍ਰਭੁ ਕੀ ਕਲਾ ਬਿਨਾ ਕਹ ਧਾਵੈ ॥

ਪ੍ਰਭੇ ਕੀ ਕਲਾ ਬਨਾ ਕੇ ਦਹਾਵੈ

ਦ ਖੰਬਿਨ ਦ ਹਨਰ (ਕਾਵਰ) ਪ੍ਰਤੇ ਯੋ ਖੁਕ ਹਥੇ ਕੁਲੀ ਵਿ?

ਜੇ ਕੋ ਹੋਇ ਬਹੈ ਦਾਤਾਰ ॥

ਜੇ ਕੋ ਬੋਈ ਬੋਈ ਦਾਤਾਰ

ਕਹ ਯੋ ਸ੍ਰੀ ਦ ਖਿਰਾਤ ਵਰਕੁਨਕੀ ਵਿ

ਤਿਸੁ ਦੇਨਹਾਰੁ ਜਾਨੈ ਗਾਵਾਰੁ ॥

ਤ੍ਰਿਲੰਬ ਜਾਨੈ ਕਾਵਾਰ

ਨੋ ਓਰਕੋਨਕੀ ਬਿ ਅਹਮਕ ਕਨੀ

ਜਿਸੁ ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਤੂਟੈ ਹਉ ਰੇਗੁ ॥

ਜਸ ਕੁ ਪ੍ਰਸਾਦ ਥੂਥੈ ਭੌ ਰੋਗ

ਦ ਹਗੇ ਗ੍ਰਾਹ ਪੇ ਫੜ ਸਰੇ ਚੀ ਦ ਆਨਾ ਨਾਰੋਗੀ ਲਰੀ ਕਿਹੜੀ,

ਨਾਨਕ ਸੇ ਜਨੁ ਸਦਾ ਅਰੇਗੁ ॥੨॥

ਨਾਨਕ ਸੋ ਜਨ ਸਦਾ ਆਰੋਗ.

ਏ ਨਾਨਕ! ਹਗੇ ਸਰੇ ਤਲ ਰੋਗ ਵੀ

ਜਿਉ ਮੰਦਰ ਕਉ ਥਾਮੈ ਥੰਮਨੁ ॥

ਜੀਥੋ ਮੰਦਰ ਕੁ ਤਹਾਮੈ ਨਹੀਂ

ਲਕੇ ਖਨ੍ਹੇ ਚੀ ਯੋ ਮੁਬਦ ਦ ਸਤੀ ਲਖਾ ਮਲਾਤਰ ਕਿਹੜੀ,

ਤਿਉ ਗੁਰ ਕਾ ਸਬਦੁ ਮਨਹਿ ਅਸਥੰਮਨੁ ॥

ਜੀਥੋ ਗੁਰ ਕਾ ਸਬਦ ਮਨੇ ਆਸਥੀਨ

ਪੇ ਓਰਤੇ ਬੌਲ ਦ ਗ੍ਰਾਹ ਕਲਮੀ ਦ ਢੜੀ ਮਲਾਤਰ ਕਾਵੀ

ਜਿਉ ਪਾਖਾਣੁ ਨਾਵ ਚੜਿ ਤਰੈ ॥

ਜੀਥੋ ਪਾਕਹਾਨ ਨਾਵ ਚੜ੍ਹਨਾਵੈ

ਲਕੇ ਖਨ੍ਹੇ ਚੀ ਪੇ ਕਿਨ੍ਹੀਂ ਕੀ ਕਿਨ੍ਹੀਂ ਦੂਲ ਸ਼ਾਵੀ ਬੰਬੇ ਤਿਰਿਹੀਂ,

ਪ੍ਰਾਣੀ ਗੁਰ ਚਰਣ ਲਗਤੁ ਨਿਸਤਰੈ ॥

ਪ੍ਰਾਣੀ ਗੁਰ ਚੜ੍ਹਨ ਲਗ ਨਿਸਤਰੈ

ਪੇ ਓਰਤੇ ਬੌਲ, ਧੋ ਮਖ਼ੀਂ ਚੀ ਦ ਗ੍ਰਾਹ ਕਾਵੀ ਦੂਨ ਸਨਦਰ ਖਾਹ ਤਿਰਿਹੀਂ

ਜਿਉ ਅੰਧਕਾਰ ਦੀਪਕ ਪਰਗਾਸੁ ॥

ਜੀਥੋ ਅਨਹਕਾਰ ਦੀਪਕ ਪ੍ਰਗਾਸ

ਲਕੇ ਛਰਾਂ ਚੀ ਪੇ ਤਿਹਾਰ ਕੀ ਹਲਿਹੀਂ,

ਗੁਰ ਦਰਸਨੁ ਦੇਖਿ ਮਨਿ ਹੋਇ ਬਿਗਾਸੁ ॥

ਗੁਰ ਦਰਸਨ ਦੀਕਹੇ ਮਨ ਭੌ ਬਗਾਸ

ਪੇ ਓਰਤੇ ਬੌਲ, ਦ ਗ੍ਰਾਹ ਲਿਦ ਢੜੀ ਖ਼ਵਹਾਲ ਕਾਵੀ

ਜਿਉ ਮਹਾ ਉਦਿਆਨ ਮਹਿ ਮਾਰਗੁ ਪਾਵੈ ॥

ਜੀਥੋ ਮਹਾ ਓਡੀਅਨ ਮਹ ਮਾਰਗ ਪਾਵੈ

ਲਕੇ ਖਨ੍ਹੇ ਚੀ ਯੋ ਸਰੇ ਦ ਲਾਵੀ ਖੜੀ ਲਾਰੇ ਮੋਮੀ,

ਤਿਉ ਸਾਧੂ ਸੰਗਿ ਮਿਲਿ ਜੋਤਿ ਪ੍ਰਗਟਾਵੈ ॥

ਜੀਥੋ ਸਾਧੇ ਸੱਗ ਮਲ ਜੋਤ ਪ੍ਰਗਟਾਵੈ

ਹਮਦਾ ਬੌਲ ਦ ਰਸਤੀਂ ਖਲਕੋ ਪੇ ਮਲਗਰਤਿਆ ਸਰੇ ਦ ਅਸਾਨ ਪੇ ਦਨਨੇ ਕੀ ਦ ਰਬ ਰਨਾ ਰਾਂਸਕਾਰ ਕਿਹੜੀ

ਤਿਨ ਸੰਤਨ ਕੀ ਬਾਛਉ ਧੂਰਿ ॥

ਤਨ ਸੱਤਨ ਕੀ ਬੜਾ ਅਵਹੁਰ
ਜੇਹ ਦ ਦਗੁ ਓਲਿਲਾਵੁ ਦ ਪਿਣ੍ਹੋ ਖਾਵਰੀ ਗ਼ਵਾਰਮ

ਨਾਨਕ ਕੀ ਹਰਿ ਲੋਚਾ ਪੂਰਿ ॥੩॥

ਨਾਨਕ ਕੀ ਬੜਾ ਲੋਚਾ ਪੂਰਿ ।
ਏ ਰਬ! ਦ ਨਾਨਕ ਅਰਮਾਨ ਪੂਰੇ ਕਰੇ

ਮਨ ਮੁਰਖ ਕਾਹੇ ਬਿਲਲਾਈਐ ॥

ਮਨ ਮੁਰਖ ਕਾਹੇ ਬਿਲਲਾਈਐ
ਏ ਨਾਪੂਰੇ! ਤਾਸੋ ਲੀ ਜੀਵਲ

ਪੁਰਬ ਲਿਖੇ ਕਾ ਲਿਖਿਆ ਪਾਈਐ ॥

ਪੁਰਬ ਲਿਖੇ ਕਾ ਲਿਖਿਆ ਪਾਈਐ

ਤਾਸੋ ਬੇ ਹੁਗੇ ਥੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੀਰੇ ਚੀ ਸਟਾਸੋ ਦ ਤਿਰ ਜ਼ਿਰਾਵਾਨੁ ਲਖਾ ਲਿਕਲ ਸ਼ਾਵੀ

ਦੂਖ ਸੁਖ ਪ੍ਰਭ ਦੇਵਨਹਾਰੁ ॥

ਦੂਖ ਸੁਖ ਪ੍ਰਭ ਦੇਵਨਹਾਰ
ਰਬ ਦ ਗਮ ਅਵ ਖੋਨੀ ਵਰਕੁਨਕੀ ਦੀ

ਅਵਰ ਤਿਆਗਿ ਤੂ ਤਿਸਹਿ ਚਿਤਾਰੁ ॥

ਅਵਰ ਤਿਆਗਿ ਤੂ ਤਿਸਹਿ ਚਿਤਾਰੁ

ਨੂਰ ਹੁ ਥੇ ਪ੍ਰਿਵਿਦੀ ਅਵ ਯਾਵਿ ਦ ਹੁਗੇ ਅਭਾਦਤ ਵਕੀਰੇ

ਜੋ ਕਛੁ ਕਰੈ ਸੋਈ ਸੁਖੁ ਮਾਨੁ ॥

ਜੋ ਕਚੇ ਕਰੈ ਸੋਈ ਸਕੇ ਮਨ

ਹੁ ਥੇ ਚੀ ਥਿਭਨ ਕੀਰੇ, ਹੁਗੇ ਤੇ ਸਕੇ ਵਕੀਨੀ

ਭੁਲਾ ਕਾਹੇ ਫਿਰਹਿ ਅਜਾਨ ॥

ਭੁਲਾ ਕਾਹੇ ਫਿਰਹਿ ਅਜਾਨ

ਏ ਅਹਮਾਵ! ਤੇ ਲੀ ਹੀ?

ਕਉਨ ਬਸਤੁ ਆਈ ਤੇਰੈ ਸੰਗ ॥

ਕਾਉਨ ਬਸਤੁ ਆਈ ਤੇਰੀ ਸੰਗ

ਲੇ ਤਾ ਸਰੇ ਥੇ ਰਾਗਲੀ ਦੀ?

ਲਪਟਿ ਰਹਿਓ ਰਸਿ ਲੋਭੀ ਪਤੰਗ ॥

ਲਪਟਿ ਰਹਿਓ ਰਸਿ ਲੋਭੀ ਪਤੰਗ

ਏ ਲਾਲਚਿਆਨੁ! ਏ ਤਾਸੋ ਦ ਦੰਨਾ ਪੇ ਆਰਮਨੁ ਕੀ ਬੱਕੀਲ ਯਾਸਤ?

ਰਾਮ ਨਾਮ ਜਪਿ ਹਿਰਦੇ ਮਾਹਿ ॥

ਰਾਮ ਨਾਮ ਜਪਿ ਬ੍ਰਦੇ ਮਾਹਿ

ਨੂ ਪੇ ਖੌਲ ਜ਼ਹਨ ਕੀ ਦ ਰਾਮ ਨੂਮ ਯਾਦ ਕੀਰੇ

ਨਾਨਕ ਪਤਿ ਸੇਤੀ ਘਰਿ ਜਾਹਿ ॥੮॥

نانک پت سیتی گھر جاہی.

ای نانک! په دی توਗੇ ਬੇ ਤਾਸੁ ਪੇ ਉਤ ਸਰੇ ਖੀਲ ਕੁਰ (آخرت) ਤੇ ਖੈ

ਜਿਸੁ ਵਖਰ ਕਉ ਲੈਨਿ ਤੂ ਆਇਆ ॥

جس وکھر کابو لین تو آئیا

(ای مخلوقہ!) ਤੇ ਦ ਸੋਦਾ ਲਪਾਰੇ ਦੀਆ ਤੇ ਰਾਗਲੀ ਧੀ

ਰਾਮ ਨਾਮੁ ਸੰਤਨ ਘਰਿ ਪਾਇਆ ॥

ਰਾਮ ਨਾਮ ਸੰਤਨ گਹਰ ਪਾਇਆ

ਹਖੇ ਰਾਮ ਨੁਮ ਰੂਪੀ

ਤਜਿ ਅਭਿਮਾਨੁ ਲੇਹੁ ਮਨ ਮੌਲਿ ॥

نج ابھمان لیبو من مول

ਖੀਲ ਗੁਰੂ ਪ੍ਰਪਿਦੇ

ਰਾਮ ਨਾਮੁ ਹਿਰਦੇ ਮਹਿ ਤੋਲਿ ॥

ਰਾਮ ਨਾਮ ਬ੍ਰਦੇ ਮਹਿ ਤੋਲ.

ਪੇ ਜ੍ਰੇਹ ਕੀ ਦ ਰਾਮ ਨੁਮ ਵੜ੍ਹੇ ਕ੍ਰੋਹੇ ਅਥਾਂ ਪੇ ਖੀਲ ਜ਼ਹਨ ਕੀ ਧੀ ਵਾਖੀ

ਲਾਦਿ ਖੇਪ ਸੰਤਹ ਸੰਗਿ ਚਾਲੁ ॥

ਲਾਦ ਕਹੀਪ ਸੰਤੇ ਸੰਗ ਚਾਲ

ਖੀਲ ਸੋਦਾ ਵਾਖੀ ਅਥਾਂ ਦ ਮਦਸਾਨੁ ਸਰੇ ਵਾਲੇ ਸ਼ੇ

ਅਵਰ ਤਿਆਗਿ ਬਿਖਿਆ ਜੰਜਾਲ ॥

اور ਤਿਕਾਗ ਬਕਹਿਆ ਜੰਜਾਲ

ਦ ਮਮਤਾ ਨੂਰ ਗ੍ਰਹੀ ਪ੍ਰਪਿਦੇ

ਧੰਨਿ ਧੰਨਿ ਕਹੈ ਸਭੁ ਕੋਇ ॥

ਦੇਹਨ ਦੇਹਨ ਕੋਈ ਸਭੇ ਕੋਈ

ਤਲੁ ਤੇ ਦੀ ਮਬਾਰਕ ਵੀ! ਮਬਾਰਕ ਸ਼ਹ! ਵਾਇ

ਮੁਖ ਉਜਲ ਹਰਿ ਦਰਗਹ ਸੋਇ ॥

ਮਕਹ ਓਗ ਬ੍ਰਦੇ ਸੋਇ

ਸਟਾ ਮਖ ਬੇ ਦ ਦੀ ਰੱਬ ਪੇ ਦਰਬਾਰ ਕੀ ਖੀਲਿ

ਇਹੁ ਵਾਪਾਰੁ ਵਿਰਲਾ ਵਾਪਾਰੈ ॥

ਅਵਾਪਾਰ ਵੇਰਲਾਹ ਵਾਪਾਰੈ

ਯਾਵਾਜਿ ਯੋ ਨਾਦਰ ਸੋਦਾਕਰ ਦਾ ਕਾਰੋਬਾਰ ਕੌਇ

ਨਾਨਕ ਤਾ ਕੈ ਸਦ ਬਲਿਹਾਰੈ ॥੫॥

ਨਾਨਕ ਤਾ ਕੈ ਸਦ ਬਲਿਹਾਰੈ.

ਏ ਨਾਨਕ! ਜੇ ਤੇਲ ਦ ਦਾਸੀ ਸੋਦਾਕਰ ਕਰਬਾਨੀ ਧਮ

ਚਰਨ ਸਾਧ ਕੇ ਧੋਇ ਧੋਇ ਪੀਉ ॥

ਚੜ੍ਹ ਸਾਦੇਕੇ ਦਹੌਂਦੇ ਦਹੌਂਪ੍ਰਿ

(ਏ ਮਲੋਚਾ!) ਦ ਸਾਦਾਨੁ ਪੰਨੀ ਮੰਨੀਅਤ ਅਤੇ ਖੜਨੀ

ਅਰਪਿ ਸਾਧ ਕਉ ਅਪਨਾ ਜੀਉ ॥

ਅਰਪ ਸਾਦੇਕਾਪਿ ਜੀਉ

ਖੱਚ ਰੂਹ ਹਮ ਸਾਦੋ ਤੇ ਵਸਿਆਰੇ

ਸਾਧ ਕੀ ਧੂਰਿ ਕਰਹੁ ਇਸਨਾਨੁ ॥

ਸਾਦੇਕੀ ਧੂਰੁਕਰਿ ਅਸਨ

ਦ ਸਾਦਾਨੁ ਦ ਪੈਂਸੂ ਪੇ ਖਾਵਰੁ ਕੀ ਗੁਲ ਕੁਲ

ਸਾਧ ਉਪਰਿ ਜਾਈਐ ਕੁਰਬਾਨੁ ॥

ਸਾਦੇਓਪਰ ਜਾਈਕੁਰਬਾਨ

ਯੋ ਸਾਦੋ ਬਾਇਦ ਕਰਬਾਨੀ ਥੀ

ਸਾਧ ਸੇਵਾ ਵਡਭਾਗੀ ਪਾਈਐ ॥

ਸਾਦੇਸੇਵਾ ਵਡਿਆਕੀਪਾਈ

ਦ ਸਾਦੋ ਖੁਦਮੁਖੀ ਦ ਬਨੇ ਬਖ਼ ਲੇ ਲਾਰੀ ਰਾਖੀ

ਸਾਧਸੰਗਿ ਹਰਿ ਕੀਰਤਨੁ ਗਾਈਐ ॥

ਸਾਦੇਸੰਗ ਬਰ ਕਿਰਤਨੁਗਾਈ

ਦ ਹਰੀ ਬੇਹਜਨ ਬਾਇਦ ਦ ਸਾਦੋ ਪੇ ਚਣੇ ਕੀ ਵੀਲ ਥੀ

ਅਨਿਕ ਬਿਘਨ ਤੇ ਸਾਧੂ ਰਾਖੈ ॥

ਅਨਕ ਬੱਗੇਨ ਤੇਸਾਦੇ ਹੋ ਰਾਕਹੈ

ਯੋ ਸਾਦੋ ਯੋ ਸੜੀ ਦ ਦਿਰੋ ਖਨਿਓ ਖੜ੍ਹ ਸਾਟੀ

ਹਰਿ ਗੁਨ ਗਾਇ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਰਸੁ ਚਾਖੈ ॥

ਹਰ ਗੁਨ ਕਾਈ ਅਮਰਤ ਰਸ ਚਾਕਹੈ

ਹੁਗੇ ਛੁਕ ਚੀ ਦ ਛੰਭਿਨ ਸਤਾਇਨੇ ਕੀ ਦ ਅਮਰਤ ਖੁਨਦ ਅਖੀ

ਓਟ ਗਾਹੀ ਸੰਤਰ ਦਰਿ ਆਇਆ ॥

ਓਥ ਗੀਹੀ ਸੰਤੇਦਰ ਆਇਆ

ਚਾਦ ਅਲਿਾਵੋ ਮਰਸ਼ਟੇ ਅਖਿਸਟੀ ਅਤੇ ਦਾਵੀ ਪੇ ਦਰਵਾਜ਼ੇ ਕੀ ਯੀ ਖਿਮੀ ਲਗੂਲੀ ਦੀ

ਸਰਬ ਸੁਖ ਨਾਨਕ ਤਿਹ ਪਾਇਆ ॥੬॥

ਸਰਬ ਸੁਖ ਨਾਨਕ ਤੇਪਾਈ

ਏ ਨਾਨਕ! ਹੁਗੇ ਤੋਲੀ ਖੜਿਓ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੀ

ਮਿਰਤਕ ਕਉ ਜੀਵਾਲਨਹਾਰ ॥

ਮਰਤਕ ਕਾਈ ਜੀਵਾਲਨਹਾਰ

ਵਾਹ ਕੁਰੂ ਹਮ ਦ ਮ੍ਰਾਵ ਰੜਨਦੀ ਕੁਵਨਕੀ ਦੀ

ਭੂਖੇ ਕਉ ਦੇਵਤ ਅਧਾਰ ॥

ਬਹੁਕ੍਷ੇ ਕਾਨੂ ਦਿਓ ਆਦਾਰ
ਹਗੇ ਓਰੋ ਤੇ ਖਾਵਾਰੇ ਹਮ ਓਰਕ੍ਕੀ

ਸਰਬ ਨਿਧਾਨ ਜਾ ਕੀ ਦਿਸ਼ਟੀ ਮਾਹਿ ॥

ਸਰਬ ਨਿਧਾਨ ਜਾ ਕੀ ਦਰਸ਼ਨੀ ਮਾਬੀ
ਤਲੀ ਖਾਨੀ ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਨਿਧਾਨ ਕੀ ਦੀ

ਪੁਰਬ ਲਿਖੇ ਕਾ ਲਹਣਾ ਪਾਹਿ ॥

ਪੁਰਬ ਲਕ੍ਖੇ ਕਾ ਲਹਨਾ ਪਾਨੀ

(ਮੁੰਗ ਏਥਾਨ) ਦ ਖ੍ਰਿਪਾ ਤਿਰੋ ਜਿਵਾਨਾਨੁ ਦ ਅਮਲਨੁ ਮਿਓ ਤ੍ਰਿਲਾਸੇ ਕੌਇ

ਸਭੁ ਕਿਛੁ ਤਿਸ ਕਾ ਓਹੁ ਕਰਨੈ ਜੋਗੁ ॥

ਸਿਖੇ ਕੱਚੇ ਤਸ ਕਾ ਆਵੇ ਕਰਨੀ ਜੋਗ

ਹਰ ਖੇਡ ਦੀ ਖੰਨਨ ਦੀ ਅਤੇ ਹਰ ਖੇਡ ਦੀ ਕੁਲੋ ਵਾਕ ਲੜੀ

ਤਿਸੁ ਬਿਨੁ ਦੂਸਰ ਹੋਆ ਨ ਹੋਗੁ ॥

ਤਸ ਬਿਨੁ ਦੂਸਰ ਹੋਆ ਨ ਹੋਗੁ

ਲੇ ਹਗੇ ਪ੍ਰਤੇ ਬਿਖੁ ਨੇ ਵੀ ਅਤੇ ਨੇ ਬੇਵੀ

ਜਪਿ ਜਨ ਸਦਾ ਸਦਾ ਦਿਨੁ ਰੈਣੀ ॥

ਜਪਿ ਜਨ ਸਦਾ ਸਦਾ ਦਿਨੁ ਰੈਣੀ.

ਇ ਖਲਕੁ! ਹਮਿਸ਼ੇ ਸ਼ੈਥੇ ਅਤੇ ਵੇਖੁ ਦੀ ਅਤੇ ਉਬਦਤ ਕੋਹ

ਸਭ ਤੇ ਉਚ ਨਿਰਮਲ ਇਹ ਕਰਣੀ ॥

ਸਿਖੇ ਤੇ ਅਵਗ ਨਰਮਲ ਆ ਕਰਨੀ

ਦ੍ਰਿਵਨਦ ਦਾ ਤਰੀਕੇ ਤ੍ਰਿਵਲੁ ਲੁਰੇ ਅਤੇ ਹੋਵਿਨੀਅਰ ਦਾ

ਕਰਿ ਕਿਰਪਾ ਜਿਸ ਕਉ ਨਾਮੁ ਦੀਆ ॥

ਕਰਿ ਕਿਰਪਾ ਜਿਸ ਕਾਨੂ ਨਾਮ ਦੀਅ।

ਹਗੇ ਖੁਕੁ ਚੀ ਗ੍ਰਹ ਓਰਤੇ ਦ ਖੀਪ ਨੁਮ ਸਰੇ ਬ੍ਰਕਤ ਓਰਕ੍ਰੀ ਵੀ

ਨਾਨਕ ਸੋ ਜਨੁ ਨਿਰਮਲੁ ਥੀਆ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਸੋ ਜਨੁ ਨਿਰਮਲੁ ਥੀਆ।

ਇ ਨਾਨਕ! ਹਗੇ ਪਾਕਿਰੀ

ਜਾ ਕੈ ਮਨਿ ਗੁਰ ਕੀ ਪਰਤੀਤਿ ॥

ਜਾਕੀ ਮਨ ਗੁਰ ਕੀ ਪਰਤੀਤ

ਦ ਚਾਝੇ ਚੀ ਪੇ ਗ੍ਰਹ ਜੀ ਬਾਵਰ ਲੜੀ

ਤਿਸੁ ਜਨ ਆਵੈ ਹਰਿ ਪ੍ਰਭੁ ਚੀਤਿ ॥

ਤਸ ਜਨ ਆਵੈ ਹਰ ਪ੍ਰਭੇ ਚੀਤ

ਹਗੇ ਸਰੀ ਦ ਹਰੀ ਰੂਬ ਪੇ ਯਾਦਲੁ ਪੀਲ ਕੌਇ

ਭਗਤੁ ਭਗਤੁ ਸੁਨੀਐ ਤਿਹੁ ਲੋਇ ॥

ਭੇਗਤ ਭੇਗਤ ਸੈਨੀਏ ਤੇ ਲਾਵੇ

ਹਗੇ ਪੇ ਦਰਿਆ ਜਹਾਨਾਨੂ ਕੀ ਮਿਸ਼ਹੂਰ ਉਬਦਤ ਕੁਵਨਕੀ ਸ਼੍ਰੋ

ਜਾ ਕੈ ਹਿਰਦੈ ਏਕੋ ਹੋਇ ॥

ਗਾ ਕੌ ਬ੍ਰਦੀ ਇਕੋ ਬੋਾਵੇ

ਦ ਚਾ ਪੇ ਜਿਹੇ ਕੀ ਰਬ ਦੀ

ਸਚੁ ਕਰਣੀ ਸਚੁ ਤਾ ਕੀ ਰਹਤ ॥

ਸਜ ਕਰਨੀ ਸਜ ਤਾ ਕੀ ਰਾਬਤ

ਦ ਹਗੇ ਕਾਰ ਰਿਣਤਿਆ ਦੀ ਓਦ ਹਗੇ ਦੜਵਨਦ ਹਦ ਹਮ ਰਿਣਤਿਆ ਦੀ

ਸਚੁ ਹਿਰਦੈ ਸਤਿ ਮੁਖਿ ਕਰਤ ॥

ਸਜ ਬ੍ਰਦੀ ਸਤ ਮਕਹੇ ਕੱਥ

ਹਗੇ ਪੇ ਖੱਪ ਢੱਧਨ ਕੀ ਹਿਤ ਲਿ ਅਵ ਹਗੇ ਪੇ ਖੁਲੇ ਰਿਣਤਿਆ ਖਬਰੀ ਕੋਵਿ

ਸਾਚੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਿ ਸਾਚਾ ਆਕਾਰੁ ॥

ਸਾਚੀ ਦਰਸਤ ਸਾਚਾ ਆਕਾਰ

ਦ ਹਗੇ ਬਨੇ ਹਮ ਰਿਣਤਿਆ ਦੀ ਓਦ ਬਨੇ ਯੀ ਹਮ ਰਿਣਤਿਆ ਦੀ

ਸਚੁ ਵਰਤੈ ਸਾਚਾ ਪਾਸਾਰੁ ॥

ਸਜ ਵਰਤੀ ਸਾਚਾ ਪਾਸਾਰ

ਹਗੇ ਹਿਤ ਖੜਾਵੀ ਅਵ ਹਿਤ ਖੜਾਵੀ

ਪਾਰਬ੍ਰਹਮੁ ਜਿਨਿ ਸਚੁ ਕਰਿ ਜਾਤਾ ॥

ਨਾਨਕ ਸੋ ਜਨੁ ਸਜ ਸਮਾਨਾ

ਇ ਨਾਨਕ! ਹਗੇ ਖੜਕ ਚ੍ਰਿ ਬਰਹਮਾਦ ਅਨਸਾਨ ਪੇ ਅਰੇ ਰਿਣਤਿਨੀ ਪ੍ਰੰਤੀ

ਨਾਨਕ ਸੋ ਜਨੁ ਸਜਿ ਸਮਾਤਾ ॥੮॥੧੫॥

ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ਜਨ ਸਜ ਕਰ ਜਾਤਾ

ਹਗੇ ਸੜੀ ਪੇ ਹਿਤ ਕੀ ਦੁਬ ਦੀ

ਸਲੋਕੁ ॥

ਸਲੋਕ

ਸਲੋਕਾ

ਰੂਪੁ ਨ ਰੇਖ ਨ ਰੰਗੁ ਕਿਛੁ ਤਿਝੁ ਗੁਣ ਤੇ ਪ੍ਰਭ ਭਿੰਨ ॥

ਰੂਪ ਨੇ ਰਿਕਹੇ ਨੇ ਰੰਗ ਕੱਥੇ ਤ੍ਰੰਹੋ ਗੁਨ ਤੇ ਪ੍ਰਭੇ ਬਨ

ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਹਿਖ ਸ਼ਕਲ ਯਾ ਨਿਨੇ ਨਲੀ ਅਵ ਹਿਖ ਰੰਗ ਨਲੀ. ਹਗੇ ਦ ਮਮਤਾ ਲੇ ਦਰਿਆ ਖਾਨਗਰਤਿਆ ਖੜ੍ਹੇ ਬੇਰ ਦੀ

ਤਿਸਹਿ ਬੁਝਾਏ ਨਾਨਕਾ ਜਿਸੁ ਹੋਵੈ ਸੁਪ੍ਰਸੰਨ ॥੧॥

ਤਸੀ ਬਜਹਾਏ ਨਾਨਕਾ ਜਸ ਬੋਵੇ ਸੀਰਸਨ.

ای نانک! ٿبنتن پخپله هغه کس ته تشریح کوي، چې پخپله راضي وي

امستارپاردي ॥

آسٹپاردي

اشتپاردي

ابھیناسی پُٹھ مَنْ مَهِي رَاخُ ॥

ابھیناسی پریه من مه راکه

(ای خلکو!) په خپل ذهن کي هغه فاني رب ياد کروئ

ماُرُخ کَيْ تُلْ پُڑِتِي تِي آگُ ॥

ماں که کي تو پریت تیاگ

او د انسان مینه (غلط فهم) پر پرداه

تِي سِ تِي پَرَّا نَاهِي كِيَ حُكُمَّ كَيَّا ॥

تس تے پرائی نابی کچھ کوئے

له دې پرته بل څه نشته

سَرَبَ نِرْتَرِي إِكَّوَ سَؤَيِ ॥

سرب نرنتر ایکو سوئے

دا یو رب په ټولو ژوندیو موجوداتو کي شتون لري

آپَيَ بَيْنَا آپَيَ دَانَا ॥

آپے بینا آپے دانا

هغه پخپله هر څه لیدونکي او پخپله پوه دی

گَهِيرَ رَجَبِيَرُ رَجَبِيَرُ سُجَانَا ॥

گهیر گمبهير گهير سجانا

ٿبنتن لامحدود، جدي، ژور او خورا هوبنيار دی

پَارَبَهَمَ پَرَمَسُورَ گَهِيرِ ٰ ॥

پاربرہم پرمیسور گوبند

هغه پبراهما، پارمیشورا او گوبند دی

کِيَوَا نِيَانَ دَسِيَالَ بَخَسِنَدَ ॥

کرپا ندهان دیال بخشنده

د فضل او احسان ذخيره، دیر مهربان او بخښونکي

سَاعَ تَرَهَ كَيْ صَرَنَيَ پَاعِ ॥

ساده تیرے کي چرنی پاؤ

ای ربھ! ستاسو د اولیا و په پنسو کي سجده، زه تاسو ته سلام کومړ

نَانَكَ كَيْ مَنِي إِسَحَ عَانَرَأِي ॥ ۱ ॥

نانک کئي من اه انراو.

دا د نانک په ذهن کي هيله ده

ਮਨਸਾ ਪੁਰਨ ਸਰਨਾ ਜੋਗ ॥

منسا پورن سرنا جوگ

واه گرو د هيلو پوره کونکی او د سرپنا ور دی

ਜੋ ਕਰਿ ਪਾਇਆ ਸੋਈ ਹੋਗੁ ॥

جو کر پائیا سوئے بوگ

هغه خه چي ٿبنتن په خپل لاس ليڪلي دي، هغه خه دي

ਹਰਨ ਭਰਨ ਜਾ ਕਾ ਨੇਤ੍ਰੂ ਫੇਰੁ ॥ ਤਿਸ ਕਾ ਮੰਤ੍ਰੂ ਨ ਜਾਨੈ ਹੋਰੁ ॥

برن بہرن جا کانیت فور

هغه د ستريگو په رپ کي د کائنات رامينخته کولو او ويغار ولو ٿواک لري. بل ٿوك د هغه په راز نه پوهيري

ਅਨਦ ਰੂਪ ਮੰਗਲ ਸਦ ਜਾ ਕੈ ॥

تس کا منتر نه جانੈ بور

هغه د خوبني شخصيت دی او د هغه په مندر کي تل خوبني او خوبني وي

ਸਰਬ ਥੋਕ ਸੁਨੀਅਹਿ ਘਰਿ ਤਾ ਕੈ ॥

اند روپ منگل سد جا کي

ما اوريدلی چي د هغه په کور کي تول توکي موجود دی

ਰਾਜ ਮਹਿ ਰਾਜੁ ਜੋਗ ਮਹਿ ਜੋਗੀ ॥

سرب تھوک سنیا گھر تاکی

هغه د پاچاھانو په مينخ کي ترتولو لوی پاچا او د يوگيانو په مينخ کي ترتولو لوی يوگی دی

ਤਪ ਮਹਿ ਤਪੀਸਰੁ ਗ੍ਰਹਸਤ ਮਹਿ ਭੇਗੀ ॥

راج مه راج جوگی

هغه د سنتو په مينخ کي لوی سنت دی او پخپله د کورنيو په مينخ کي يو کور دی

ਧਿਆਇ ਧਿਆਇ ਭੁਗਤਹ ਸੁਖੁ ਪਾਇਆ ॥

دهيا دهيا بهگتہ سکھ پائیا

د دی يو رب په پام کي نيو لو سره، بندگان خوشحاله کيري

ਨਾਨਕ ਤਿਸੁ ਪੁਰਖ ਕਾ ਕਿਨੈ ਅੰਤੁ ਨ ਪਾਇਆ ॥੨॥

نانک تس پورک کا کنੇ انت نه پائیا۔ |

ای نانک! هيٺوک د دی ٿبنتن پاى نه دی موندلي

ਜਾ ਕੀ ਲੀਲਾ ਕੀ ਮਿਤਿ ਨਾਹਿ ॥

تپ مه تپسਰ گربست مه بھوگی

هغه رب چي (د پيداينست په خير) تمایلات پاى نلري

ਸਰਾਲ ਦੇਵ ਹਾਰੇ ਅਵਗਾਹਿ ॥

جا کي لبلاء کي مت نابي

حتی خدایان د هغه په لته کی ستري شوي دي

پितا کا جنم کی جانے پڑو ॥

سگل ديو بارے اوگلابي

حکه چي زوي د پلار د زيرون په اره څه پوهيري؟

سگل پرستي اپنے سوت ॥

پتا کا جنم کے جانے پوت

تول مخلوق د څښتن لخوا په خپل تار کي اوبدل شوي دي

سوماتي ګیا ان پیا نی دیت ॥ جن دا سم نام پیا وہی سوت ॥

سگل پرستي اپنے سوت

هغه څوک چي درب له خوا د عقل، پوههي او مراقبی نعمتونه دي، د هغه بندگان او بندگان د هغه په ذکر کي
 دوام لري

تیز ګړن مهی جا کړی برماست ॥

سمت گیان دهیان جن دیائے

هغه څوک چي رب د مایا په دریو صفتونو کي ګمراه کوي،

جن مرمیتی آمیز جاست ॥

جن داس نام دهیاوی سئی

هغه زیریدلی او مړ کېږي او د اوګون په دوره کي پاتي کېږي

عیص نیص تیس کے امساہان ॥

ته ګن ما جا کئی بهر مائے

تول لور او تیت ځایونه یو شان دي

جیسا جناؤ تیسانانک جان ॥۳॥

جیسا جناؤ تیسانانک جان.

اي نانک! د هغه پوهه له مخي چي هغه ورکوي، انسان پوه کېږي

نانا رُپ نانا جا کے رُنگ ॥

نانا روپ نانا جا کے رنگ

رب پیر شکلونه او پیری رنگونه لري

نانا بُکھ کرہی ایک رُنگ ॥

نانا بیکھ کربی اک رنگ

هغه پیری بنی بدلوی او بیا هم ورته پاتي کېږي

نانا بیپی کینو بیسماہر ॥

نانا بیله کینو یستان

هغه خپل خلاقیت په مختلفو لارو پراخ کېږي دی

ਪ੍ਰਭੁ ਅਬਿਨਾਸੀ ਏਕੰਕਾਰੁ ॥

ਪ੍ਰਭੇ ਅਭੀਨਾਸੀ ਐਕਨਕਾਰ

ਤਲ ਮੋਗੁਦ ਰਬ; ਕੁਮ ਚੀ ਵਰਤੇ ਦੀ,

ਨਾਨਾ ਚਲਿਤ ਕਰੇ ਖਿਨ ਮਾਹਿ ॥

ਨਾਨਾ ਚਲਿਤ ਕਰੇ ਕੁਹਨ ਮਾਬੀ

ਪੇ ਯਹ ਸ਼ਿਬੀਹ ਕੀ ਹੁਗੇ ਮੁਖਲੀ ਲੋਬੀ ਕੂਵੀ

ਪੁਰਿ ਰਹਿਓ ਪੁਰਨੁ ਸਭ ਠਾਏ ॥

ਪੁਰ ਰਿਹੈਓ ਪੁਰਨੁ ਸਿਥੇ ਤਹਾ-ਆਂ

ਕਾਮ ਰਬ ਪੇ ਤੁਲੁ ਹਾਇਨੁ ਕੀ ਓਸਿਰੀ

ਨਾਨਾ ਬਿਧਿ ਕਰਿ ਬਨਤ ਬਨਾਈ ॥

ਨਾਨਾ ਬਿਡੁਹ ਕਰੇ ਬਨਿ ਬਨਾਈ

ਹੁਗੇ ਨ੍ਰੀ ਪੇ ਮੁਖਲੀ ਲਾਰੁ ਜੁਰੇ ਕੁਹੀ ਦੀ

ਅਪਨੀ ਕੀਮਤਿ ਆਪੇ ਪਾਈ ॥

ਅਪਨੀ ਕਿਮਤ ਆਪੇ ਪਾਈ

ਹੁਗੇ ਚੀਲ ਤਸਾਖ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੁਹੀ

ਸਭ ਘਰ ਤਿਸ ਕੇ ਸਭ ਤਿਸ ਕੇ ਠਾਉ ॥

ਸਿਥੇ ਗੁਹੇ ਤਸ ਕੇ, ਸਿਥੇ ਤਸ ਕੇ ਤਹਾਂ

ਤੁਲ ਜ਼ਰੋਨੇ ਦ ਹੁਗੇ ਦੀ ਅਤੁਲ ਹਾਇਨੇ ਦ ਹੁਗੇ ਦੀ

ਜਪਿ ਜਪਿ ਜੀਵੈ ਨਾਨਕ ਹਰਿ ਨਾਉ ॥੪॥

ਜਪ ਜਪ ਜੀਵੈ, ਨਾਨਕ ਬਰ ਨਾਂ-

ਏ ਨਾਨਕ! ਜੇ ਦ ਹਰੀ ਪੇ ਨੁਮ ਪੇ ਮਿਨੇ ਜ਼ਿਵਨੇ ਕੁਮ

ਨਾਮ ਕੇ ਧਾਰੇ ਸਗਲੇ ਜੰਤ ॥

ਨਾਮ ਕੇ ਦਹਾਰੇ ਸਗਲੇ ਜੰਤ

ਯਾਵਾਂ ਦ ਖੰਨਨ ਨੁਮ ਦ ਤੁਲੁ ਜ਼ਿਵਨੇ ਮਲਾਤੇਰ ਕੁਹੀ ਦੀ

ਨਾਮ ਕੇ ਧਾਰੇ ਖੰਡ ਬ੍ਰਹਮੰਡ ॥

ਨਾਮ ਕੇ ਦਹਾਰੇ ਕਹੜੁ ਬ੍ਰਹਮੰਡ

ਦ ਹੁਕੀ ਅਤ ਕਾਨਨ ਬਰਖੀ ਦ ਰਬ ਪੇ ਨੁਮ ਤਾਸਿਸ ਸ਼ਾਵੀ

ਨਾਮ ਕੇ ਧਾਰੇ ਸਿਮ੍ਰਿਤਿ ਬੇਦ ਪੁਰਾਨ ॥

ਨਾਮ ਕੇ ਦਹਾਰੇ ਸਮਰਤ ਬ੍ਰਿਧਾਨ

ਯਾਵਾਂ ਦ ਖੰਨਨ ਨੁਮ ਪੇ ਸਮਰਿਤ, ਵਿਦਵਾਨ ਅਤ ਪ੍ਰਾਨੇ ਕੁਮ ਲਾਤੇਰ ਕੁਹੀ ਦੀ

ਨਾਮ ਕੇ ਧਾਰੇ ਸੁਨਨ ਰਿਆਨ ਧਿਆਨ ॥

ਨਾਮ ਕੇ ਦਹਾਰੇ ਸੁਨ ਕੀਅਨ ਦੀਆਨ

ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਵਾਸਤੇ, ਖਲ੍ਕ ਦ ਪੋਹੀ ਅਤ ਫਕਰ ਪੇ ਅਰੇ ਅਤੀ

ਨਾਮ ਕੇ ਧਾਰੇ ਆਗਾਸ ਪਾਤਾਲ ॥
نام کے دھارے آਗਾਸ پਾਤਾਲ
د ੱਖਿਣਨ ਨੁਮ ਦ ਅਸਮਾਨਨੂ ਅਵ ਲਾਨਦੀ ਨ੍ਹੜੀ ਮਲਾਤਰ ਦੀ

ਨਾਮ ਕੇ ਧਾਰੇ ਸਗਲ ਆਕਾਰ ॥
نام کے دھارے ਸਗਲ ਆਕਾਰ
ਦ ੱਖਿਣਨ ਨੁਮ ਦ ਤੋਲੋ ਬਦਨੁਨੋ ਮਲਾਤਰ ਦੀ

ਨਾਮ ਕੇ ਧਾਰੇ ਪੁਰੀਆ ਸਭ ਭਵਨ ॥
نام کے دਹਾਰੇ ਪੁਰੀਆ ਬਹਾਵ
ਦਰੀ ਵਦਾਨੀ ਅਵ ਖਾਰਲਸ ਜਹਾਨੁਨੇ ਦ ੱਖਿਣਨ ਪੇ ਨੁਮ ਜੁਰੀ ਸ਼ਾਓ ਦੀ

ਨਾਮ ਕੈ ਸੰਗਿ ਉਪਰੇ ਸੁਨਿ ਸੂਵਨ ॥
نام کے ਸੰਗ ਅੱਡੇ ਸੁਨਿ ਸੂਵਨ

ਦ ਨੁਮ ਸਰੇ ਪੇ ਤ੍ਰਾਵ ਅਵ ਦ ਗੁਬਰਨੁ ਸਰੇ ਯੀ ਅਵ ਰਿਦਲੁ ਸਰੇ, ਅਨਸਾਨ ਤਿਰ ਸ਼ਾਓ ਦੀ

ਕਰਿ ਕਿਰਪਾ ਜਿਸੁ ਆਪਨੈ ਨਾਮਿ ਲਾਏ ॥
کر ਕਰਿਆ ਜਸ ਆਪਨੈ ਨਾਮ ਲਾਏ
ਪੇ ਕੁਮ ਬਾਨੀ ਜੀ ੱਖਿਣਨ ਪੇ ਖੱਪ ਫੱਸਲ ਅਵ ਕਰਮ ਸਰੇ ਦ ਖੱਪ ਨੁਮ ਸਰੇ ਯੋਹਾਵ ਕੌਵੀ

ਨਾਨਕ ਚਉਥੇ ਪਦ ਮਹਿ ਸੋ ਜਨੁ ਗਤਿ ਪਾਏ ॥੫॥
ਨਾਨਕ ਜੋਤੇ ਪ੍ਰਦ ਸੋ ਜੋ ਗੁਣ ਪਾਏ
ਅਵ ਨਾਨਕ! ਦਾ ਅਨਸਾਨ ਖਲੁਰਮ ਮਾਨ ਤੇ ਪੇ ਰਸਿਦੁ ਸਰੇ ਨਜਾਤ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੌਵੀ

ਰੂਪੁ ਸਤਿ ਜਾ ਕਾ ਸਤਿ ਅਸਥਾਨੁ ॥
ਰੂਪ ਸਤ ਜਾ ਕਾ ਸਤ ਅਸਥਾਨ
ਹਰਕਲੇ ਜੀ ਦ ਕਾਰੂਜ ਬਨੇ ਸਮੇਵ ਵੀ, ਦ ਹਗੇ ਹਾਵੀ ਹਮ ਰਿਣਿਟੀਆ ਦੀ

ਪੁਰਖੁ ਸਤਿ ਕੇਵਲ ਪਰਧਾਨੁ ॥
ਪੁਰਕ ਸਤ ਕ੍ਰਿਓਲ ਪ੍ਰਦੇਹਾਨ
ਯਾਵਾਂ ਹਗੇ ਬਨੇ ਸ੍ਰੀ ਸਰ ਦੀ

ਕਰਤੁਤਿ ਸਤਿ ਸਤਿ ਜਾ ਕੀ ਬਾਣੀ ॥ ਸਤਿ ਪੁਰਖ ਸਭ ਮਾਹਿ ਸਮਾਣੀ ॥
ਕਰਤੁਤ ਸਤ ਸਤ ਜਾ ਕੀ ਬਨੀ
ਦ ਹਗੇ ਅਮਲਨੇ ਰਿਣਿਟੀਆ ਦੀ ਅਵ ਦ ਹਗੇ ਖਬਰੀ ਰਿਣਿਟੀਆ ਦੀ. ਦ ੱਖਿਣਨ ਰਿਣਿਟੀਨੀ ਸ਼ਕਲ ਪੇ ਤੋਲੁ ਕੀ ਮਜਸਮ ਦੀ

ਸਤਿ ਕਰਮੁ ਜਾ ਕੀ ਰਚਨਾ ਸਤਿ ॥
ਸਤ ਪੁਰਕੇ ਸਿਭੇ ਮਾਵੀ ਸਮਾਨੀ
ਦ ਹਗੇ ਅਮਲਨੇ ਰਿਣਿਟੀਆ ਦੀ ਅਵ ਦ ਹਗੇ ਤਖ਼ਿਲੀਕ ਹਮ ਰਿਣਿਟੀਆ ਦੀ

ਮੁਲੁ ਸਤਿ ਸਤਿ ਉਤਪਤਿ ॥
ਸਤ ਕਰਮ ਜਾ ਕੀ ਰਚਨਾ ਸਤ
ਰਿਣਿਵੀ ਯੀ ਰਿਣਿਟੀਆ ਦੀ ਅਵ ਹਰ ਖੜੇ ਜੀ ਲੇ ਹਗੀ ਖੜੇ ਰਾਪੁਰਤੇ ਕਿਰੀ ਹਮ ਰਿਣਿਟੀਆ ਦੀ

ਸਤਿ ਕਰਣੀ ਨਿਰਮਲ ਨਿਰਮਲੀ ॥

مول سਤ ਸਤ ਅਤੇ

ਦ ਹਗੇ ਕਰਨੀ ਰਿਣਟਿਨੀ ਅਥਵਾ ਪਾਕ ਦੀ

ਜਿਸਹਿ ਬੁਝਾਏ ਤਿਸਹਿ ਸਭ ਭਲੀ ॥

ਸਤ ਕਰਨੀ ਨਰਮਲੀ

ਹਗੇ ਚਾਨੇ ਚੀ ਰਬ ਧੀ ਤਸ਼ਰੀ ਕੌਇ, ਹਰਖੇ ਬਨੇ ਬੱਕਾਰੀ

ਸਤਿ ਨਾਮੁ ਪ੍ਰਭ ਕਾ ਸੁਖਦਾਈ ॥

ਸਤ ਨਾਮ ਪ੍ਰਭੇ ਕਾ ਸੁਖ ਦਾਇ-

ਦ ਖੰਨਨ ਅਚਲੀ ਨੁਮ ਦ ਖੋਨੀ ਓਰਕੂਨਕੀ ਦੀ

ਬਿਸ਼ਾਸੁ ਸਤਿ ਨਾਨਕ ਗੁਰ ਤੇ ਪਾਈ ॥੬॥

ਬਸਾਸ ਸਤ ਨਾਨਕ ਗੁਰ ਤੇ ਪਾਈ

ਏ ਨਾਨਕ! (ਸ੍ਰਿਯਾਤੇ) ਦਾ ਰਿਣਟਿਨੀ ਮੁਮਨ ਦ ਗੁਰ ਸਰੇ ਮਲਕਾਤ ਕੌਇ

ਸਤਿ ਬਚਨ ਸਾਧੂ ਉਪਦੇਸ਼ ॥

ਸਤ ਬਚਨ ਸਾਧੂ ਅਧੀਸ

ਦ ਸਾਡੇ ਤੁਲਿਮਾਤ ਰਿਣਟਿਆ ਦੀ

ਸਤਿ ਤੇ ਜਨ ਜਾ ਕੈ ਰਿਦੈ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ॥

ਸਤ ਤੇ ਜਨ ਜਾ ਕੈ ਰਦੈ ਪ੍ਰਵੇਸ਼

ਹਗੇ ਖਲਕ ਰਿਣਟਿਨੀ ਦੀ, ਚੀ ਪੇ ਜੀਰੇ ਕੀ ਧੀ ਰਿਣਟਿਨੀ ਵੀ

ਸਤਿ ਨਿਰਤਿ ਬੂਝੈ ਜੇ ਕੋਇ ॥

ਸਤ ਨਿਰਤ ਬੂਝੈ ਜੇ ਕੋਇ

ਕੇ ਅਨੁਸਾਰ ਪੇ ਹਿੱਤ ਪੋਹ ਸ਼ੀ ਅਥਵਾ ਕੁਕੀ

ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਤਾ ਕੀ ਗਤਿ ਹੋਇ ॥

ਨਾਮ ਜਪਿ ਤਾਕੀ ਗੱਤ ਹੋਇ

ਨੁ ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਲੋਸਟਾਵ ਸਰੁ ਹਾਲਿਬੀ

ਆਪਿ ਸਤਿ ਕੀਆ ਸਭੁ ਸਤਿ ॥

ਆਪਿ ਸਤ ਕੀਆ ਸਭੁ ਸਤ

ਖੰਨਨ ਪੱਖਿਲੇ ਦ ਹਿੱਤ ਮਜਸਦੀ ਅਥਵਾ ਹਿੱਤ ਹੋਇ

ਆਪੇ ਜਾਨੈ ਅਪਨੀ ਮਿਤਿ ਗਤਿ ॥

ਆਪੇ ਜਾਨੈ ਅਪਨੀ ਮਿਤਿ

ਹਗੇ ਪੱਖਿਲੇ ਖੀਲ ਆਂਕਲ ਅਥਵਾ ਹਾਲਤ ਪੋਹਿਰੀ

ਜਿਸ ਕੀ ਸਿਸਟਿ ਸੁ ਕਰਣੈ ਹਾਰੁ ॥

ਜਸ ਕੀ ਸਰਸਤ ਸੁ ਕਰਨੀਹਾਰ

ਦ ਚਾ ਚੀ ਪੰਦਾ ਸ਼ਾਵੀ ਦੀ, ਹਗੇ ਧੀ ਖਾਲਕ ਦੀ

ਅਵਰ ਨ ਬੁਝਿ ਕਰਤ ਬੀਚਾਰੁ ॥

اُور نہ بوجھ کرت بیچار۔
هیڅوک هغه نه پوهیری، مهمه نده چې هغه څنګه فکر کوي

کرټے کی میڈی ن جانै کیا
د خالق پراخوالی د هغه مخلوق لخوا نشي پیژندل کیدی چې دا یې رامینځته کړي

نानک نے تیسٹو برائے سو ورنۍ
ای نانک! هغه څه چې هغه جذبوی، یوازی هغه دی

بیسمان بیسمان بیسمان
زه د واه گرو د حیرانتیا کارونو په لیدو حیران یم

جیں بیشیا تیسٹو آئیا سواد
څوک چې د څښتن په عظمت پوه شي، خوبني ترلاسه کوي

پړ کړے رنجی راچی جن ره
د څښتن بندگان د هغه په مینه کې بشکيل دي

گرو کے بچن پدارت لهئے
د ګورو له لارښونو څخه دوی (نوم) ماده ترلاسه کوي

آئی داتے دکھ کنټهار
دوی د مصیبتونو ورکونکي او لیری کونکي دی

چا کے سمنگا ترے سمنسار
نړی د هغه په شرکت کې بنه کیږي

جن کا سروک سو ودبهگی
د داسی بندگانو بنده پېر بختور دی

جن کے سمنگا ایک لیو لاگي
د بندگانو په ملګرتیا کې د انسان رویه له څښتن سره ترل کېږي

گران ګوښد کیږت ن جن ګاډ

په دی توګه د گورو خامد د هغه ستاینه او ستاینه کوي
گن گوبِد کيرتن جن گاوے۔

گرو پرساد نانک فل پاوے ।
اے نانک! د گرو په فضل سرہ هغہ پایلہ تر لاسہ کوی

سِلْوَک ॥
سلوک
شلوکا

આદિ સચુ જુગાડિ સચુ ॥
أد سچ جُڱد سچ

خښتن د کاثناتو له پیداينس څخه مخکي ریښتني و، حتی د وخت په پېل کي هم ریښتني و

ਹੈ ਭਿ ਸਚੁ ਨਾਨਕ ਹੋਸੀ ਭਿ ਸਚੁ ॥੧॥

بھی سچ نانک ہو سی بھی سچ۔

دا اوس شتون لري. اي نانک! په راتلونکي کي به هم د خښتن دا اصلی بنه شتون ولري

ਅਮਟਪਦੀ ॥

آسٹپدی -

اشتاپدی

ਚਰਨ ਸਤਿ ਸਤਿ ਪਰਸਨਹਾਰ ॥

چارن ست ست پر سنہار۔

د څښتن پېښي رښتني دی او رېښتني هغه څوک دی چې د هغه پېښي لمسوي

ਪੂਜਾ ਸਤਿ ਸਤਿ ਸੇਵਦਾਰ ॥

پوجا ست سیودار۔

د هغه عبادت حق دی او د هغه عبادت کوونکی هم ریښتینى دی

ਦਰਸਨੁ ਸਤਿ ਸਤਿ ਪੇਖਨਹਾਰ ॥

درسن ست ست پیکھنہاں۔

لیدونکی حق دی او لیدونکی هم ریبنتینی دی

ਨਾਮੁ ਸਤਿ ਸਤਿ ਧਿਆਵਨਹਾਰ ॥

نام ست دهیاونهار

د هغه نوم حقیقت دی او هغه هم ریښتني دی، خوک چي په دی فکر کوي

ਆਪि सति सति सब यारी ॥

اپ ست سبھ دھاری۔

هغه پخپله حقیقت دی، حقیقت هر هغه څه دی چې هغه یې ملاتړ کوي

ਆਪੇ ਗੁਣ ਆਪੇ ਗੁਣਕਾਰੀ ॥
آپੇ ਗੁਣ ਆਪੇ ਗੁਣਕਾਰੀ-
ਦਾ ਪੇ ਖੱਚੇ ਵਾਤ ਕੀ ਹਾਂਗਰੀ ਅਤੇ ਪੇ ਖੱਚੇ ਵਾਤ ਕੀ ਗਤੂਰ ਦੀ

ਸਬਦੁ ਸਤਿ ਸਤਿ ਪ੍ਰਭੁ ਬਕਤਾ ॥
ਸਬਦ ਸਤ ਸਤ ਪ੍ਰਭੇ ਬਕਤਾ-
ਦ ਛੰਨਤੇ ਖਬਰੇ ਰਿਣਤੀਆ ਦੇ ਅਤੇ ਹੁਕਮ ਦੀ ਜੀ ਰਿਣਤੀਆ ਖਬਰੀ ਕੋਈ

ਸੁਰਤਿ ਸਤਿ ਸਤਿ ਜਸੁ ਸੁਨਤਾ ॥
ਜਸੁ ਸੁਨਤਾ-
ਹੁਕਮ ਗੁਰਾਵਨੇ ਰਿਣਤੀਨੀ ਦੀ ਜੀ ਦੀ ਬਿਨੇ ਸ਼ਰੀਰੀ ਸ਼ਟਾਈ ਅਤੇ ਰਿਣਤੀਨੀ ਦੀ

ਬੁਝਨਹਾਰ ਕਉ ਸਤਿ ਸਭ ਹੋਇ ॥
ਬੁਝਨਹਾਰ ਕਉ ਸਤ ਸ਼ਬਦ ਬੋਲੇ-
ਦ ਹੁਕਮ ਚਾਲਿਆ ਜੀ ਛੰਨਤੇ ਪੋਹਿਰੀ, ਹਰਖ ਰਿਣਤੀਆ ਦੀ

ਨਾਨਕ ਸਤਿ ਪ੍ਰਭੁ ਸੋਇ ॥੧॥
ਜਾਨਕ ਸਤ ਸਤ ਪ੍ਰਭੇ ਸ਼ਬਦੇ-
ਏ ਜਾਨਕ! ਹੁਕਮ ਰੂਬ ਦੜ੍ਹ ਲਿਆ ਰਿਣਤੀਨੀ ਦੀ

ਸਤਿ ਸਹੂਪੁ ਰਿਦੈ ਜਿਨਿ ਮਾਨਿਆ ॥
ਜਾਨਕ ਸਤ ਸਤ ਸ਼ਬਦੇ ਜੇ ਮਨੀਆ-
ਹੁਕਮ ਚਿੜੇ ਕੀ ਪੇ ਰਿਣਤੀਨੀ ਰੂਬ ਬਾਵਰ ਲਿਆ,

ਕਰਨ ਕਰਾਵਨ ਤਿਨਿ ਮੁਲੁ ਪਛਾਨਿਆ ॥
ਕਰਨ ਕਰਾਵਨ ਤਨ ਮੂਲ ਪਚਹਾਨਿਆ.

ਹੁਕਮ ਦੇ ਹੁਕਮ ਦੇ ਕਾਰ ਅਤੇ ਤਰਸਾਰੇ ਕੋਵਨੀ ਅਤੇ (ਦੇਵਿਓਨ) ਪੋਹਿਰੀ

ਜਾ ਕੈ ਰਿਦੈ ਬਿਸ਼ਾਸੁ ਪ੍ਰਭੁ ਆਇਆ ॥
ਜਾਕੇ ਰਿਦੈ ਬਿਸ਼ਾਸ ਪ੍ਰਭੇ ਆਇਆ-
ਦ ਚਾਹੇ ਜਿੜੇ ਕੀ ਦ ਛੰਨਤੇ ਬਾਵਰ ਨਨ੍ਹਾਤ,

ਤਤੁ ਗਿਆਨੁ ਤਿਸੁ ਮਨਿ ਪ੍ਰਗਟਾਇਆ ॥
ਜਾਨਕ ਤੇ ਗਿਆਨ ਤੇ ਮਨ ਪ੍ਰਗਟਾਇਆ-
ਅਸਾਡੀ ਪੋਹੇ ਦ ਹੁਕਮ ਪੇ ਜ਼ਹਨ ਕੀ ਬੱਕਾਰੀ

ਭੈਤੇ ਨਿਰਭਉ ਹੋਇ ਬਸਾਨਾ ॥
ਭੈਤੇ ਨਿਰਭਉ ਹੋਇ ਬਸਾਨਾ-
ਦ ਵੱਡੀ ਪ੍ਰਿਣਾਵਦੀ ਸਰਾਵ, ਹੁਕਮ ਬੀ ਦਾਰ ਰੜ੍ਹ ਵੱਡੀ ਕੀ

ਜਿਸ ਤੇ ਉਪਜਿਆ ਤਿਸੁ ਮਾਹਿ ਸਮਾਨਾ ॥
ਜਿਸ ਤੇ ਉਪਜਿਆ ਤਿਸੁ ਮਾਹਿ ਸਮਾਨਾ-
ਅਤੇ ਹੁਕਮ ਪੇ ਹੁਕਮ ਦੀ ਜ਼ਬ ਸ਼ਾਹੀ ਜੀ ਲੇ ਹੁਕਮ ਦੀ ਜ਼ਬ ਰੜ੍ਹ ਵੱਡੀ

ਸੋ ਸੇਵਕ ਜਿਸੁ ਦਇਆ ਪ੍ਰਭੁ ਧਾਰੈ ॥
ਸੋ ਸੇਵਕ ਜਸ ਦੀਆ ਪ੍ਰਭੇ ਦਹਾਰੈ-
ਹਗੇ ਬਨਦੇ ਦੇ ਚੀ ਰਬ ਪ੍ਰਭੀ ਰਖ ਓਕ੍ਰੀ

ਨਾਨਕ ਸੋ ਸੇਵਕੁ ਸਾਸਿ ਸਾਸਿ ਸਮਾਰੈ ॥੩॥
ਨਾਨਕ ਸੋ ਸੇਵਕ ਸਾਸ ਸਮਾਰੈ.
ਇ ਨਾਨਕ! ਹਗੇ ਬਨਦੇ ਪੇ ਹਰੇ ਸਾਹ ਕੀ ਵਾਹ ਗ੍ਰਹ ਯਾਦਿ

ਅਪਨੇ ਜਨ ਕਾ ਪਰਦਾ ਢਾਕੈ ॥
ਅਪਨੇ ਜਨ ਕਾ ਪਰਦਾ ਢਾਕੈ.

ਗੁਰੂ ਦ ਖੀਲ ਖੇਡ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹਿਤ ਲ੍ਹਿਤ ਲ੍ਹਿਤ

ਅਪਨੇ ਸੇਵਕ ਕੀ ਸਰਪਰ ਰਾਖੈ ॥
ਅਪਨੇ ਸੇਵਕ ਕੀ ਸਰਪਰ ਰਾਖੈ.
ਹਗੇ ਖਾਮਾਦ ਖੀਲ ਬਨਦੇ ਅਹਤਾਮ ਕ੍ਹਾਂਕ੍ਹੀ

ਅਪਨੇ ਦਾਸ ਕਉ ਦੇਇ ਵਡਾਈ ॥
ਅਪਨੇ ਦਾਸ ਕਉ ਦੇਇ ਵਡਾਈ.
ਰਬ ਖੀਲ ਬਨਦੇ ਤੇ ਉਤ ਓਕ੍ਰੀ

ਅਪਨੇ ਸੇਵਕ ਕਉ ਨਾਮੁ ਜਪਾਈ ॥
ਅਪਨੇ ਸੇਵਕ ਕਉ ਨਾਮੁ ਜਪਾਈ.
ਹਗੇ ਖੀਲ ਖਾਦਮ ਖੀਲ ਨੁਮ ਯਾਦਿ

ਅਪਨੇ ਸੇਵਕ ਕੀ ਆਪਿ ਪਤਿ ਰਾਖੈ ॥
ਅਪਨੇ ਸੇਵਕ ਕੀ ਆਪਿ ਪਤਿ ਰਾਖੈ.
ਹਗੇ ਦ ਖੀਲ ਬਨਦੇ ਪੱਖਿਲੇ ਦਰਨਾਵੀ ਕ੍ਹਾਂਕ੍ਹੀ

ਤਾ ਕੀ ਗਤਿ ਮਿਤਿ ਕੋਇ ਨ ਲਾਖੈ ॥
ਤਾ ਕੀ ਗਤਿ ਮਿਤਿ ਕੋਇ ਨ ਲਾਖੈ.
ਹਿੱਖੁਕ ਦ ਹਗੀ ਸਰੁਤ ਅਵਾਂ ਅਨਾਵੀ ਨੇ ਪੋਹਿਰੀ

ਪ੍ਰਭੁ ਕੇ ਸੇਵਕ ਕਉ ਕੋ ਨ ਪਹੁੰਚੈ ॥
ਪ੍ਰਭੇ ਕੇ ਸੇਵਕ ਕੋ ਨ ਪਹੁੰਚੈ.
ਹਿੱਖੁਕ ਦ ਥਿੰਨਨ ਦ ਬਨਦੇ ਬਰਾਬਰ ਨਾਨੀ ਕ੍ਹਾਂਕ੍ਹੀ

ਪ੍ਰਭੁ ਕੇ ਸੇਵਕ ਉਚ ਤੇ ਉਚੇ ॥
ਪ੍ਰਭੇ ਕੇ ਸੇਵਕ ਉਚ ਤੇ ਉਚੇ.
ਹਗੇ ਦ ਗੁਰੂ ਉਲੀ ਖਾਦਮ ਦੀ

ਜੇ ਪ੍ਰਭੁ ਅਪਨੀ ਸੇਵਾ ਲਾਇਆ ॥
ਜੇ ਪ੍ਰਭੁ ਅਪਨੀ ਸੇਵਾ ਲਾਇਆ.
ਖੁਕ ਚੀ ਰਬ ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਖਦਮ ਕੀ ਬਨਕਿਲ ਵੀ

ਨਾਨਕ ਸੋ ਮੇਵਕੁ ਦਹ ਦਿਸਿ ਪ੍ਰਗਟਾਇਆ ॥੪॥

نਾਨਕ ਸੋ ਸੇਵਕੁ ਦੇ ਦਸ ਪ੍ਰਕਾਬੈ।

ਏ ਨਾਨਕ! ਹੁਣੇ ਬਨਦੇ ਪੇ ਲਸੁ ਲਾਰੂ ਮਿਥੋਰੇ ਥੀ

ਨੀਕੀ ਕੀਰੀ ਮਹਿ ਕਲ ਰਾਖੈ ॥

ਨੀਕੀ ਕੀਰੀ ਮੇ ਕਲ ਰਾਖੈ।

ਕਿਉਂ ਖੁਣਤਨ ਕੁਝਨੀ ਮਿਧੀ ਤਾਂ ਅਨ੍ਤੀ ਵਰਕੀ, ਨਾ

ਭਸਮ ਕਰੈ ਲਸਕਰ ਕੋਟਿ ਲਾਖੈ ॥

ਭਸਮ ਕਰੈ ਲਸਕਰ ਕੋਟਿ ਲਾਖੈ।

ਦਾ ਕਾਲੀ ਥੀ ਮਲੀਓਨੇ, ਮਲੀਓਨੇ ਲਿਨਕਰਨੇ ਵਿਖੁਗੀ

ਜਿਸ ਕਾ ਸਾਸੁ ਨ ਕਾਢਤ ਆਪਿ ॥

ਜਸ ਕਾ ਸਾਸ ਨੇ ਕਾਡਹਤ ਆਪੈ।

ਹੁਣੇ ਰਾਨਦੀ ਵਿਖੁਗੀ ਜੀ ਸਾਹ ਧੀ ਪੱਖਲੇ ਗੁਰੂ ਨੇ ਅਖੀ

ਤਾ ਕਉ ਰਾਖਤ ਦੇ ਕਰਿ ਹਾਥ ॥

ਤਾ ਕਾਉ ਰਾਖਤ ਦੇ ਕਰਿ ਹਾਥ।

ਹੁਣੇ ਦ ਖੱਚ ਲਾਸ ਪੇ ਵਰਕਲੁ ਸਰੇ ਹੁਣੇ ਵਿਖੁਗੀ

ਮਾਨਸ ਜਤਨ ਕਰਤ ਬਹੁ ਭਾਤਿ ॥

ਮਾਨਸ ਜਤਨ ਕਰਤ ਬਹੁ ਭਾਤਿ।

ਅਸਾਨ ਪੇ ਮੁਖਲੋ ਲਾਰੂ ਹੁਣੇ ਕੌਇ

ਤਿਸ ਕੇ ਕਰਤਬ ਬਿਰਖੇ ਜਾਤਿ ॥

ਤਿਸ ਕੇ ਕਰਤਬ ਬਿਰਖੇ ਜਾਤਿ।

ਖੁਕਾਰ ਧੀ ਨਾਕਾਮ ਦੀ

ਮਾਰੈ ਨ ਰਾਖੈ ਅਵਰੁਨ ਕੋਇ ॥ ਸਰਬ ਜੀਆ ਕਾ ਰਾਖਾ ਸੋਇ ॥

ਮਾਰੈ ਨ ਰਾਖੈ ਅਵਰੁਨ ਕੋਇ।

ਅਵਰੁਨ ਕੋਇ ਅਵਰੁਨ ਕੋਇ।

ਹਿਖੁਕ ਨਥੀ ਕਾਲੀ ਪਰਤੇ ਲੇ ਗੁਰੂ ਖੁਣੇ ਵਿਖੁਗੀ। ਰਬ ਦ ਤਲੇ ਰਾਨਦੀ ਵਿਖੁਗੀ। ਸਾਤਾਨਕੀ ਦੀ

ਕਾਹੇ ਸੋਚ ਕਰਹਿ ਰੇ ਪ੍ਰਾਣੀ ॥

ਕਾਹੇ ਸੋਚ ਕਰਹਿ ਰੇ ਪ੍ਰਾਣੀ।

ਏ ਮਰਦਾਰੇ ਅਸਾਨੇ! ਓਲੀ ਫ਼ਕਰ ਕੌਇ?

ਜਪਿ ਨਾਨਕ ਪ੍ਰਭੁ ਅਲਖ ਵਿਡਾਣੀ ॥੫॥

ਜਪਿ ਨਾਨਕ ਪ੍ਰਭੁ ਅਲਖ ਵਿਡਾਣੀ।

ਏ ਨਾਨਕ! ਦ ਨੇ ਲਿਦਲੇ ਅਵਰੁਨ ਕੋਇ ਹਿਰਾਨਿਆ ਖੁਣੇ ਪੇ ਯਾਦ ਵਿਖੁਗੀ।

ਬਾਰੁ ਬਾਰੁ ਬਾਰੁ ਪ੍ਰਭੁ ਜਪਿਐ ॥

ਬਾਰੁ ਬਾਰੁ ਬਾਰੁ ਪ੍ਰਭੁ ਜਪਿਐ।

ਦ ਖੁਣਤਨ ਨੁਮ ਬਾਇ ਪੇ ਵਾਰ ਵਾਰ ਵਿਖੁਗੀ।

ਪੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਇਹੁ ਮਨੁ ਤਨੁ ਧੂਪੀਐ ॥
ਪੀ ਅਮਰਤ ਹੈ ਜੋ ਤੁਸੀਂ ਦੇਖੋ।
ਦ ਦੀ ਨੁਮਾ ਦੀ ਆਮ੍ਰਿਤ ਪੇ ਖੰਨਲੂ ਸਰੇ ਦਾ ਜਨੂ ਅਤੇ ਬਦਨ ਮੁਸ਼ਟਿ ਕਿਹੜੀ

ਨਾਮ ਰਤਨੁ ਜਿਨਿ ਗੁਰਮੁਖਿ ਪਾਇਆ ॥
ਨਾਮ ਰਤਨੁ ਜਿਨਿ ਗੁਰਮੁਖਿ ਪਾਇਆ।
ਦ ਗੁਰੂ ਸ਼ਾਕਰਦ ਚੀ ਵਿਸਤੀ ਜ਼ਬਰੇ ਯੀ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕ੍ਰਿ ਦੇ,

ਤਿਸੁ ਕਿਛੁ ਅਵਰੁ ਨਾਹੀ ਦਿਸਟਾਇਆ ॥
ਤਿਸੁ ਕਿਛੁ ਅਵਰੁ ਨਾਹੀ ਦਿਸਟਾਇਆ।
ਹਗੇ ਲੇ ਖੰਨਿ ਪ੍ਰਤੇ ਬਲ ਖੁਕ ਨੇ ਵਿਨੀ

ਨਾਮੁ ਧਨੁ ਨਾਮੇ ਰੂਪੁ ਰੰਗੁ ॥
ਨਾਮੁ ਧਨੁ ਨਾਮੇ ਰੂਪੁ ਰੰਗੁ।
ਨੁਮਾ ਯੀ ਥਿਨੀ ਦੇ ਅਤੇ ਨੁਮਾ ਯੀ ਬਿਨੀ, ਰੰਗ ਦੀ

ਨਾਮੇ ਸੁਖੁ ਹਰਿ ਨਾਮ ਕਾ ਸੰਗੁ ॥
ਨਾਮੇ ਸੁਖੁ ਹਰਿ ਨਾਮ ਕਾ ਸੰਗੁ।
ਨੁਮਾ ਦੀ ਹੋਰੀ ਦੇ ਅਤੇ ਨੁਮਾ ਦੀ ਹੋਰੀ, ਰੰਗ ਦੀ

ਨਾਮ ਰਸਿ ਜੋ ਜਨੁ ਤ੍ਰਿਪਤਾਨੇ ॥
ਨਾਮ ਰਸਿ ਜੋ ਜਨੁ ਤ੍ਰਿਪਤਾਨੇ।
ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦੀ ਨੁਮਾ ਲੇ ਅਮਰ ਖੜੇ ਰਾਸੀ ਵੀ,

ਮਨੁ ਤਨੁ ਨਾਮਹਿ ਨਾਮਿ ਸਮਾਨੇ ॥
ਮਨੁ ਤਨੁ ਨਾਮਹਿ ਨਾਮਿ ਸਮਾਨੇ।
ਦ ਹਗੇ ਰੂਹ ਅਤੇ ਬਦਨ ਯਾਤੀ ਪੇ ਨੁਮਾ ਕੀ ਬਨਕਿਲ ਦੀ

ਊਠਤ ਬੈਠਤ ਸੋਵਤ ਨਾਮ ॥ ਕਹੁ ਨਾਨਕ ਜਨ ਕੈ ਸਦ ਕਾਮ ॥੬॥
ਕਹੁ ਨਾਨਕ ਜਨ ਕੈ ਸਦ ਕਾਮ।
ਏ ਨਾਨਕ! ਦੀ ਬਨਦਕਾਨ ਅਤੇ ਜਾਗ ਦੀ ਜਾਗ, ਨਾਸਤ ਅਤੇ ਵਿਦੇ ਕੱਡੀ ਪੇ ਮਹਾਲ ਦੀ ਖੰਨਿ ਨੁਮਾ ਯਾਦ ਕ੍ਰਿ

ਬੇਲਹੁ ਜਸੁ ਜਿਹਬਾ ਦਿਨੁ ਰਾਤਿ ॥
ਬੇਲਹੁ ਜਸੁ ਜਿਹਬਾ ਦਿਨੁ ਰਾਤਿ।
ਬੋਲ੍ਹੇ ਜਸ ਜਿਆ ਦੀ ਰਾਤਿ।

ਥੈਪੇ ਅਤੇ ਵਰਖ ਦੀ ਖੀਲੀ ਜ਼ਬੀ ਸਰੇ ਦੀ ਗੁਰੂ ਸਿਵਾਇਨੇ ਅਤੇ ਕ੍ਰਿ

ਪ੍ਰਭਿ ਅਪਨੈ ਜਨੁ ਕੀਨੀ ਦਾਤਿ ॥
ਪ੍ਰਭਿ ਅਪਨੈ ਜਨੁ ਕੀਨੀ ਦਾਤਿ।
ਦਾ ਦਾਲੀ ਦੀ ਖੰਨਿ ਲਖਾ ਖੀਲ੍ਹੇ ਬਨਦਕਾਨ ਅਤੇ ਵਰਕੁਲ ਕਿਹੜੀ

ਕਰਹਿ ਭਗਤਿ ਆਤਮ ਕੈ ਚਾਇ ॥
ਕਰਹਿ ਭਗਤਿ ਆਤਮ ਕੈ ਚਾਇ।
ਹਗੇ ਦੀ ਜ਼ਰੀ ਖੜੇ ਉਬਦਿ ਕੀਵੀ

ਪ੍ਰਭ ਅਪਨੇ ਸਿਉ ਰਹਹਿ ਸਮਾਇ ॥

ਪ੍ਰਭੇ ਅਪੈ ਸਿਉ ਰਿਹੈ ਸਮੈ-
ਓ ਲੇ ਖੈਲ ਰਬ ਸਰੇ ਬੁਖਤ ਦੀ

ਜੋ ਹੋਆ ਹੋਵਤ ਸੋ ਜਾਨੈ ॥ ਪ੍ਰਭ ਅਪਨੇ ਕਾ ਹੁਕਮੁ ਪਛਾਨੈ ॥

ਜੋ ਬਾਬੂਤ ਸੋ ਜਾਨੈ-

ਹਗੇ ਪੋਹਿਰੀ ਚੀ ਥੇ ਪੰਨੀਰੀ, ਦ ਖੰਨਨ ਪੇ ਏਠੇ ਅਵਸਾਨੇ ਅਤੇ ਰਾਨੇ ਦ ਖੈਲ ਰਬ ਹਕਮ ਪੀਤੀ

ਤਿਸ ਕੀ ਮਹਿਮਾ ਕਉਨ ਬਖਾਨਉ ॥

ਪ੍ਰਭੇ ਅਪੈ ਕਾ ਬਕਮ ਪਚਹਾਨੈ-
ਖੁਕ ਦ ਹਗੇ ਉਸਤ ਬਿਅਨੀ ਵਿਖੀ?

ਤਿਸ ਕਾ ਗੁਨੁ ਕਹਿ ਏਕ ਨ ਜਾਨਉ ॥

ਤਸ ਕੀ ਮੇਮਾ ਕੁਝ ਬਕਹਾਨੈ-

ਜੇ ਹਤੀ ਨੇ ਪੋਹਿਰਮ ਚੀ ਦਾ ਖੰਨਕ ਤਸਤੀ ਕ੍ਰਮ

ਆਠ ਪਹਰ ਪ੍ਰਭ ਬਸਹਿ ਹਜੁਰੇ ॥ ਕਹੁ ਨਾਨਕ ਸੇਈ ਜਨ ਪੂਰੇ ॥੧॥

ਕ੍ਰਿਪਾ ਨਾਨਕ ਸੈ ਜੇ ਪੂਰੈ-

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਤੌਲੇ ਵਰੈ ਦ ਖੰਨਨ ਪੇ ਹਤੀ ਅਵਸਿਰੀ, ਏ ਨਾਨਕ! ਹਗੇ ਕਾਮਲ ਸ੍ਰੀ ਦੀ

ਮਨ ਮੇਰੇ ਤਿਨ ਕੀ ਓਟ ਲੇਹਿ ॥

ਮੁਖ ਮੇਰੇ ਤਨ ਕੀ ਓਥ ਲੈਣੈ-

ਏ ਜਮਾਵਹੇ! ਨਾਸੇ ਹਗੇ ਤੇ ਪਨਾਹ ਵਰੈ

ਮਨੁ ਤਨੁ ਅਪਨਾ ਤਿਨ ਜਨ ਦੇਹਿ ॥

ਅਥੇ ਪੈਰ ਪ੍ਰਭੇ ਬੱਸੇ ਹਜੁਰੈ-

ਖੈਲ ਜਨ ਅਤੇ ਬਦਨ ਦੀ ਖਲਕੂ ਤੇ ਵਸਪਾਰੈ

ਜਿਨਿ ਜਨਿ ਅਪਨਾ ਪ੍ਰਭੁ ਪਛਾਤਾ ॥ ਸੋ ਜਨੁ ਸਰਬ ਥੋਕ ਕਾ ਦਾਤਾ ॥

ਮੁਖ ਜਿਨੀ ਤੇ ਪਨਾਹ ਜੇ ਦੀ-

ਹਗੇ ਅਨੇਕ ਚੀ ਖੈਲ ਰਬ ਪੀਤੀ, ਹਗੇ ਅਨੇਕ ਦ ਹਰ ਥੇ ਖੰਨਨ ਦੀ

ਤਿਸ ਕੀ ਸਰਨਿ ਸਰਬ ਸੁਖ ਪਾਵਹਿ ॥

ਜੇ ਜੇ ਅਪਨਾ ਪ੍ਰਭੇ ਪਚਹਾਨੈ-

ਨਾਸੇ ਬੇਦ ਹਗੇ ਦ ਪਨਾਹ ਲਾਨੀ ਤੌਲੀ ਖੁਣੀ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕ੍ਰੀ

ਤਿਸ ਕੈ ਦਰਸਿ ਸਭ ਪਾਪ ਮਿਟਾਵਹਿ ॥

ਸੁਖ ਜੇ ਜੇ ਅਪਨਾ ਪ੍ਰਭੇ ਕਾ ਦਾਤਾ-

ਪੇ ਲਿਲੇ ਸਰੇ ਤੌਲ ਗਨਾਹਨੇ ਲੇ ਮਨੈ ਹੈ

ਅਵਰ ਸਿਆਨਪ ਸਗਲੀ ਛਾਡੁ ॥

ਅਵਰ ਸਿਆਨਪ ਸਗਲੀ ਛਾਡੁ-

ਅਵਰ ਸਿਆਨਪ ਸਗਲੀ ਛਾਡੁ-

ਦੂਹਮ ਚਾਲ ਪ੍ਰਿਵਦੇ

ਤਿਸੁ ਜਨ ਕੀ ਤੂ ਸੇਵਾ ਲਾਗੁ ॥
 ਤਸ ਕੇ ਦਰਸ ਸ਼ਬੇ ਪਾਪ ਮਠਾਈ-
 ਦ ਦਿ ਬਨਦੇ ਛੰਭਣ ਪੇ ਖੁਮੱਤ ਕੀ ਹਾਂ ਮਸ਼ਗੂਲ ਕਰੀ

ਆਵਨੁ ਜਾਨੁ ਨ ਹੋਵੀ ਤੇਰਾ ॥ ਨਾਨਕ ਤਿਸੁ ਜਨ ਕੇ ਪੁਜਹੁ ਸਦ ਪੈਰਾ ॥੮॥੧੭॥
 ਨਾਨਕ ਤਸ ਜੇ ਪ੍ਰਗਹੁ ਸਦ ਪੈਰਾ-
 ਸਤਾਸੁ ਖੋਬ ਬੇ ਓਰਕ ਥੀ, ਏ ਨਾਨਕ! ਤੌਲ ਦ ਦਿ ਬਨਦੇ ਦ ਪਿਨ੍ਹੇ ਉਬਦਤ ਕੋਇ

ਸਲੋਕ ॥
 ਸਲੋਕ
 ਸ਼ਲੋਕਾ

ਸਤਿ ਪੁਰਖੁ ਜਿਨਿ ਜਾਨਿਆ ਸਤਿਗੁਰੁ ਤਿਸ ਕਾ ਨਾਉ ॥
 ਸਤ ਪੁਰਕੇ ਜੇ ਜਾਨਿਆ ਸਟਕ
 ਹੁਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਰਿਸ਼ਟਿਨੀ ਨਾਖੁਕਨ ਰੱਬ ਦਰਕ ਕ੍ਰੀ ਸਟਕੁਰੋ ਬਲ ਕਿਹੀ
 ਤਿਸ ਕੈ ਸੰਗਿ ਸਿਖੁ ਉਧਰੈ ਨਾਨਕ ਹਰਿ ਗੁਨ ਰਾਉ ॥੧॥
 ਤਸ ਕੇ ਸਨਗ ਸਿਖੇ ਅੱਡਹੀ, ਨਾਨਕ ਬੇਗੁ ਗਾਉ-
 ਏ ਨਾਨਕ! ਪੇ ਖੁਲ ਸ਼ਰਕ ਕੀ ਦ ਛੰਭਣ ਪੇ ਸਟਾਇਨੇ ਸਰੇ, ਦ ਹੁਗੇ ਸ਼ਾਕਰਦ ਹਮ ਤਿਰਿਰਿ

ਅਸਟਪਦੀ ॥
 ਅਸਟਪਦੀ
 ਅਸਟਪਦੀ

ਸਤਿਗੁਰੁ ਸਿਖ ਕੀ ਕਰੈ ਪ੍ਰਤਿਪਾਲ ॥
 ਸਟਕੁਰੋ ਸਿਖੇ ਕੀ ਕਰੈ ਪ੍ਰਤਿਪਾਲ-
 ਯੋ ਸਟਕੁਰ ਖੁਲ ਸ਼ਾਕਰਦ ਰੂਜੀ

ਸੇਵਕ ਕਉ ਗੁਰੁ ਸਦਾ ਦਇਆਲ ॥
 ਸੇਵਕ ਕੋ ਗੁਰੁ ਸਦਾ ਦਿਆਲ-
 ਗੁਰੋਜੀ ਤੌਲ ਪੇ ਖੁਲ ਖਾਦਮ ਮਹਬਾਨੇ ਵੀ

ਸਿਖ ਕੀ ਗੁਰੁ ਦੁਰਮਤਿ ਮਲੁ ਹਿਰੈ ॥
 ਸਿਖੇ ਕੀ ਗੁਰੁ ਦੁਰਮਤਿ ਮਲੁ ਹਿਰੈ-
 ਕਾਰੂ ਦ ਖੁਲ ਸ਼ਾਕਰਦ ਲੇ, ਉਚਾਲੀ ਮੀਲ ਪਾਕੀ

ਗੁਰ ਬਚਨੀ ਹਰਿ ਨਾਮੁ ਉਚਰੈ ॥
 ਗੁਰ ਬਚਨੀ ਬੇ ਨਾਮ ਅਚਰੈ-
 ਦ ਕਾਰੂ ਪੇ ਲਾਰਿਨ੍ਹਾਨੇ ਹੁਗੇ ਦ ਹੋਰੀ ਨੁਮ ਪਾਦੀ

ਸਤਿਗੁਰੁ ਸਿਖ ਕੇ ਬੰਧਨ ਕਾਟੈ ॥
 ਸਟਕੁਰੋ ਸਿਖੇ ਕੇ ਬੰਧਨ ਕਾਟੈ-
 ਸਟਕੁਰੋ ਦ ਖੁਲ ਸ਼ਾਕਰਦ ਬੰਧਨੇ ਪ੍ਰਾਨੀ ਕੀ

ਗੁਰ ਕਾ ਸਿਖੁ ਬਿਕਾਰ ਤੇ ਹਾਟੈ ॥
ਗੁਰ ਕਾ ਸਿਖੁ ਬਿਕਾਰ ਤੇ ਬੜੇ-
ਦ ਗੁਰੂ ਸ਼ਾਕਰਦ ਲੇ ਸ਼ਰ ਖੜੇ ਮੁਖ ਅਭਾਵੀ

ਸਤਿਗੁਰੁ ਸਿਖ ਕਉ ਨਾਮ ਧਨੁ ਦੇਇ ॥
ਸਤਿਗੁਰੁ ਸਿਖ ਕਉ ਨਾਮ ਧਨੁ ਦੇਇ-
ਗੁਰੂ ਸਿਖੁ ਕੋ ਨਾਮ ਧੇਣ ਦਿਆ-

ਸਤਗੁਰੂ ਖੱਪ ਸ਼ਾਕਰਦ ਤੇ ਦ ਖੰਬਤਨ ਪੇ ਨੁਮ ਸ਼ਤਮਨੀ ਓਰਕੀ

ਗੁਰ ਕਾ ਸਿਖੁ ਵਡਭਾਗੀ ਹੋ ॥
ਗੁਰ ਕਾ ਸਿਖੁ ਵਡਭਾਗੀ ਹੋ-
ਦ ਗੁਰੂ ਸ਼ਾਕਰਦ ਦਿਰ ਬਖ਼ਤੁਰ ਦੀ

ਸਤਿਗੁਰੁ ਸਿਖ ਕਾ ਹਲਤੁ ਪਲਤੁ ਸਵਾਰੈ ॥
ਸਤਿਗੁਰੁ ਸਿਖ ਕਾ ਹਲਤੁ ਪਲਤੁ ਸਵਾਰੈ-
ਗੁਰੂ ਦ ਖੱਪ ਸ਼ਾਕਰਦ ਨਾਨੀ ਅਤੇ ਅਗਲੀ ਕੋਈ

ਨਾਨਕ ਸਤਿਗੁਰੁ ਸਿਖ ਕਉ ਜੀਅ ਨਾਲਿ ਸਮਾਰੈ ॥੧॥
ਨਾਨਕ ਸਤਿਗੁਰੁ ਸਿਖ ਕਉ ਜੀਅ ਨਾਲਿ ਸਮਾਰੈ-
ਏ ਨਾਨਕ! ਯੋ ਸਾਤ ਗੁਰੂ ਖੱਪ ਸ਼ਾਕਰਦ ਜੀਵ ਤੇ ਨਿਰਦੀ ਸਾਤੀ

ਗੁਰ ਕੈ ਗਿਹਿ ਸੇਵਕੁ ਜੋ ਰਹੈ ॥
ਗੁਰ ਕੈ ਗਿਹਿ ਸੇਵਕੁ ਜੋ ਰਹੈ-
ਖੜ੍ਹ ਜੀ ਦ ਖਾਦਮ ਗੁਰੂ ਪੇ ਕੁਰ ਕੀ ਓਸਿਦੀ

ਗੁਰ ਕੀ ਆਗਿਆ ਮਨ ਮਹਿ ਸਹੈ ॥
ਗੁਰ ਕੀ ਆਗਿਆ ਮਨ ਮਹਿ ਸਹੈ-
ਹੁਕਮ ਪੇ ਖੱਪ ਖੜ੍ਹ ਜੀ ਦ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਮਨੀ

ਆਪਸ ਕਉ ਕਰਿ ਕਛੁ ਨ ਜਨਾਵੈ ॥
ਆਪਸ ਕਉ ਕਰਿ ਕਛੁ ਨ ਜਨਾਵੈ-
ਹੁਕਮ ਪੇ ਖੱਪ ਹਾਂ ਫੜ ਨ ਕੋਈ

ਹਰਿ ਹਰਿ ਨਾਮੁ ਰਿਦੈ ਸਦ ਧਿਆਵੈ ॥
ਹਰਿ ਹਰਿ ਨਾਮੁ ਰਿਦੈ ਸਦ ਧਿਆਵੈ-
ਹੁਕਮ ਤੀ ਪੇ ਖੱਪ ਜੀਵ ਕੀ ਦ ਹੜ੍ਹ ਪ੍ਰਮਿਥੁਰ ਨੁਮ ਧਾਵੀ

ਮਨੁ ਬੇਚੈ ਸਤਿਗੁਰ ਕੈ ਪਾਸਿ ॥
ਮਨੁ ਬੇਚੈ ਸਤਿਗੁਰ ਕੈ ਪਾਸਿ-
ਹੁਕਮ ਜੀ ਖੱਪ ਜੀਵ ਸਤਗੁਰੂ ਤੇ ਪਲੁਰੀ

ਤਿਸੁ ਸੇਵਕ ਕੇ ਕਾਰਜ ਰਾਸਿ ॥
ਤਿਸੁ ਸੇਵਕ ਕੇ ਕਾਰਜ ਰਾਸਿ-
ਦ ਦੀ ਨੁਕਰ ਤੀਲ ਕਾਰਨੇ ਤ੍ਰਸਰੇ ਕਿਹੜੀ

ਮੇਵਾ ਕਰਤ ਹੋਇ ਨਿਹਕਾਮੀ ॥
 سے ਵਾਕਰਤ ਹੋਈ ਨਿਕਾਮੀ
 هਗੇ ਖੇਮਤਗਾਰ ਜੀ ਪੇ ਬੀ ਗੁਰਸ਼ੇ ਰਾਖਿਏ ਲਰੀ ਦ ਗ੍ਰਾ ਖੇਮਤ ਕੋਇ,

ਤਿਸ ਕਉ ਹੋਤ ਪਰਾਪਤਿ ਸੁਆਮੀ ॥
 ਅਪਨੀ ਕ੍ਰਿਪਾ ਜਸ ਆਪ ਕਰੈਂਦੇ-
 هਗੇ ਰਬ ਪਿੰਡਾ ਕੋਇ

ਅਪਨੀ ਕ੍ਰਿਪਾ ਜਿਸ ਆਪਿ ਕਰੋਇ ॥
 ਨਾਨਕ ਸੋ ਸੇਵਕ ਕੀ ਮਤ ਲੈਂਦੇ-
 اي نانک! پੇ ਕੁਮ ਬਾਨਦੀ ਜੀ ਗ੍ਰਾ ਜੀ ਪਚਲੇ ਖੋਣੇ ਵਿ,

ਨਾਨਕ ਮੋ ਸੇਵਕੁ ਗੁਰ ਕੀ ਮਤਿ ਲੇਇ ॥੨॥
 ਬਿਸ ਬਸੇ ਗ੍ਰਾ ਕਾ ਮਾਨੇ-
 ਹਗੇ ਦ ਖਾਦਮ ਗੁਰੂ ਜੇਹੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਰੇ

ਬੀਸ ਬਿਸਵੇ ਗੁਰ ਕਾ ਮਨੁ ਮਾਨੈ ॥
 ਸੋ ਸੇਵਕ ਪ੍ਰਮਿਸੂਰ ਕੀ ਗੱਤ ਜਾਨੇ-
 ਨੁਕਰ ਦ ਖੱਚੇ ਮਾਲਕ ਜੰਨ ਪੇ ਬੱਸੇਰ ਦੂਜ ਫਤ ਕੋਇ,

ਮੋ ਸੇਵਕੁ ਪਰਮੇਸ਼ੁਰ ਕੀ ਗਤਿ ਜਾਨੈ ॥
 ਸੋ ਸਟੌਗ੍ਰ ਜਸ ਰਦੈ ਬ੍ਰਨਾਵ-
 ਹਗੇ ਦ ਖੱਬਿਤਨ ਪੇ ਹਰਕਤ ਪੋਹੀਰੀ

ਮੋ ਸਤਿਗੁਰੁ ਜਿਸੁ ਰਿਦੈ ਹਰਿ ਨਾਉ ॥
 ਅਨਕ ਬਾਰ ਗ੍ਰਾ ਕੁ ਬੇ ਜਾਵੈ-
 ਸਤ ਗੁਰੂ ਹਗੇ ਖੁਕ ਦੀ ਜੀ ਪੇ ਜੀਰੇ ਕੀ ਦ ਹਰੀ ਨੁਮ ਲਰੀ

ਅਨਿਕ ਬਾਰ ਗੁਰ ਕਉ ਬਲਿ ਜਾਉ ॥
 ਸ੍ਰਬ ਨਦੇਹਾਨ ਜੀਆ ਕਾ ਦਾਤਾ-
 ਜੇ ਖੱਚੇ ਗ੍ਰਾ ਤੇ ਖੋ ਜਲੇ ਕਰਬਾਨੀ ਓਰਕੁਮ

ਸਰਬ ਨਿਧਾਨ ਜੀਅ ਕਾ ਦਾਤਾ ॥
 ਆਨ੍ਹੇ ਪੇਰ ਪਾਰਬ੍ਰਿਮ ਰਨਗ ਰਾਤਾ-
 ਗ੍ਰਾ ਜੀ ਦ ਹਰੀ ਮਾਦੀ ਖਾਨੇ ਓਵ ਜ਼ਵਨਦ ਓਰਕੁਵਨਕੀ ਦੀ

ਆਠ ਪਹਰ ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ਰੰਗਿ ਰਾਤਾ ॥
 ਬ੍ਰਬ੍ਰਮ ਮੇ ਜੇ ਜੇ ਮੇ ਪਾਰਬ੍ਰਿਮ

ਹਗੇ ਯਾਵਾਂ ਅਤੇ ਸਾਉਂਦੇ ਦ ਪਾਰਬ੍ਰਿਮ ਹਮਾ ਪੇ ਰਨਕ ਕੀ ਬਨਕਿਲ ਪਾਤੀ ਕਿਹੀਂ

ਬ੍ਰਹਮ ਮਹਿ ਜਨੁ ਜਨੁ ਮਹਿ ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ॥
 ਇਕੇ ਆਪ ਨਹੀਂ ਕੱਚੇ ਬੇਰਮ
 ਬੇਹਕਤਾ ਪੇ ਬ੍ਰਹਮਾ ਕੀ ਓਸਿਰੀ ਓ ਪਾਰਬ੍ਰਿਮ ਹਮਾ ਪੇ ਬੇਹਕਤਾ ਕੀ ਓਸਿਰੀ

ਏਕਹਿ ਆਪਿ ਨਹੀਂ ਕਛੁ ਭਰਮੁ ॥

سہਸ سیانپ لੰਧਾਨੇ ਜਾਂਦੇ -

ਖੱਬਤਨ ਯੋ ਦੀ, ਪੇ ਦੀ ਕੀ ਹਿਖ ਸ਼ਕ ਨਾਥੇ

ਸਹਸ ਸਿਆਨਪ ਲਇਆ ਨ ਜਾਈਐ ॥

ਨਾਨਕ ਐਸਾ ਗੁੰਬਦਹਾਗੀ ਪਾਈ -

ਅਵ ਨਾਨਕ! ਗੁਰੂ ਪੇ ਜੁਗਨੁ ਚੁਲਨੁ ਸਰੇ ਨੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਿਹੜੀ

ਨਾਨਕ ਐਸਾ ਗੁਰੂ ਬਡਭਾਰੀ ਪਾਈਐ ॥੩॥

ਸੁਫਲ ਦਰਸਨ ਪ੍ਰਿਕਹੇਤ ਪੁੰਨਿ -

ਦਾ ਪੁਲ ਗੁਰੂ ਯਾਤ੍ਰਾ ਦ ਲਾਉ ਬਖ਼ ਲਖਾ ਮੁਨਦ ਕਿਹੜੀ

ਸਫਲ ਦਰਸਨੁ ਪੇਖਤ ਪੁਨੀਤ ॥

ਪ੍ਰਸਤ ਚੜਨ ਗੁੰਨ ਰਮਲ ਰਿਤ -

ਦ ਗੁਰੂ ਲਿਦ ਕਿਨ੍ਹੂ ਦੀ ਅਵ ਸ੍ਰਵੀ ਯਾਤ੍ਰਾ ਦ ਹੁਗੇ ਪੇ ਨਜ਼ਰ ਪਾਕ ਕਿਹੜੀ

ਪਰਸਤ ਚਰਨ ਗਤਿ ਨਿਰਮਲ ਰੀਤਿ ॥

ਪਾਰਬਰਿਮ ਕੀ ਦਰਗੇ ਗੋਈ -

ਦ ਪੰਨ੍ਹੂ ਪੇ ਲਮਸ ਕੁਲੁ ਸਰੇ ਦ ਅਨਸਾਨ ਹਾਲਾਂ ਅਵ ਦ ਜ਼ਵਨਦ ਚੱਲਨ ਸਮੀਝੀ

ਭੇਟਤ ਸੰਗਿ ਰਾਮ ਗੁਨ ਰਵੇ ॥

ਬਹਿਤ ਸਨ੍ਗ ਰਾਮ ਗੁੰਨ ਰਾਵੇ -

ਦ ਗੁਰੂ ਪੇ ਮਲਗਤਿਆ ਕੀ, ਅਨਸਾਨ ਦ ਰਾਮ ਸਟਾਈਨੇ ਕੌਇ

ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ਕੀ ਦਰਗਾਹ ਗਵੇ ॥

ਸਨ ਕਰ ਬੜਨ ਕਰਨ ਆਗਾਂ -

ਅਵ ਦ ਬਰਹਮਾ ਦਰਬਾਰ ਤੇ ਰਸਿੰਘੀ

ਸੁਨਿ ਕਰਿ ਬਚਨ ਕਰਨ ਆਘਾਨੇ ॥

ਮਨ ਸੰਨਿਓ ਆਤਮ ਪਤੀਆਨੇ -

ਦ ਗੁਰੂ ਦ ਖਰ੍ਹੂ ਪੇ ਅਵ ਪੰਡਲੁ ਸਰੇ ਗੁਬੰਧੇ ਖੁਲਾਲੇ ਸ਼ਵੇਲ

ਮਨਿ ਸੰਤੋਖੁ ਆਤਮ ਪਤੀਆਨੇ ॥

ਪੁਰਾ ਗੁੰਗ ਏਕਹਾਉਣੇ ਜਾ ਕਾ ਮਨਤ -

ਝੇਨ ਮੁਖੀਨ ਵੀ ਅਵ ਰੂਖ ਮੁਖੀਨ ਵੀ

ਪੂਰਾ ਗੁਰੂ ਅਖ਼ਚਿ ਜਾ ਕਾ ਮੰਤ੍ਰੁ ॥

ਅਮਰਤ ਦਰਸਤ ਪ੍ਰਿਕਹੇਤ ਬੋਈ ਸੁਣ -

ਗੁਰੂ ਕਾਮਲ ਸ੍ਰਵੀ ਦੀ ਅਵ ਹੁਗੇ ਮਨਤ ਅਭਿ ਦੀ

ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਿ ਪੇਖੈ ਹੋਇ ਸੰਤ ॥

ਗੁੰਬਦ ਬਿਅਨਤ ਕਿਮਤ ਨਹੀਂ ਪਾਈ -

ਖੁਕ ਚ੍ਰਿ ਅਵ ਪੰਡਲ ਲਿਦ ਸਰੇ ਵੀਨੀ, ਹੁਗੇ ਚਿਬ ਕਿਹੜੀ

گوئیں
سے وک کو گر سدا دیا۔
د گرو ورتیاوی لامحدود دی چی اتکل کیدی نشی

نالک جیسے تیسرا لای میلا ای ॥ 8 ॥
نانک جس بھاؤئے تسلی ملائے۔
ای نانک! کہ یو ٹوک د گورو سره مینه ولری، هغہ د گورو سره نبلوی

جیسا اے کوئی میلادی ॥
جبھا ایک است انیک۔
ژبھے یوہ ده؛ مگر دواہ گورو ورتیاوی بی حده دی

سات پورخ پورن بیک ॥
ست پُرخ پورن بیک۔
هغہ صادق سری د بشپیر عقل خاوند دی

کارو بول ن پھرڈ پڑنی ॥
کابو بول نہ پھجھت پرانی۔
انسان نشی کولی د ہر لفظ لاری د ٹھینتن فضل تھ ورسیری

آگام آگوصر پٹھ نی رہانی ॥
اگم اگوچر پربھ نربانی۔
خینتن ناخنگند، نہ لیدل کیدونکی او پیر سپیختی دی

نی راہار نی رہر سُکھدا ای ॥
نرا بار نی رویر سُخ دائے۔
واہ گورو خورلو تھ ارتیا نلری، هغہ لہ دینمنی ٹخہ پاک او د خوبنی ورکوونکی دی

تا کی کیم کی نے ن پائے۔
ہیچ انسان دا اتکل نشو کولی

انک برگت بدن نت کرbi۔
پیری پیروان پہ منظم پول د هغہ عبادت کوی

چرن کمال ہیردے سی مرہ ॥
چرن کمل بردائے سمربی۔
د هغہ لوئس پنی دوی پہ زیرونو کی یادوی

نانک جس پرساد ایسا پربھ جپنے۔
ای نانک! زہ تل خپل ستگور تھ قربان یم

ਨਾਨਕ ਜਿਸੁ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਐਸਾ ਪ੍ਰਭੂ ਜਪਨੇ ॥੫॥

ਅਹ ਬੇਵਸ ਪਾਉੰਦੇ ਜਨ ਕੌਂਦੇ -

ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਫੁਜਲ ਸਰੇ ਹਗੇ ਦਾਸੀ ਰਬ ਨੁਮ ਯਾਦੀ

ਇਹੁ ਹਰਿ ਰਸੁ ਪਾਵੈ ਜਨੁ ਕੋਇ ॥

ਅਮਰਤ ਪ੍ਰਿਯੋ ਅਮਰ ਸੁ ਬੋਈ -

ਧਾਰੀ ਧਾਰੀ ਦਾ ਸ਼ਨੇ ਜੁਸ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੌਝੀ

ਅੰਮ੍ਰਿਤੁ ਪੀਵੈ ਅਮਰੁ ਮੋ ਹੋਇ ॥

ਅਸ ਪੁੱਖ ਕਾ ਨਾਬਿਨ ਕਦੇ ਬਨਾਸ -

ਖੁਕ ਚੀ ਦਾ ਅਮਰਤ ਵਖ਼ਬੀ ਹਗੇ ਬੇ ਹਮਿਸ਼ੇ ਵੀ

ਉਸੁ ਪੁਰਖ ਕਾ ਨਾਹੀ ਕਦੇ ਬਿਨਾਸ ॥

ਗਾਕੇ ਮਨ ਪ੍ਰਕਟੇ ਗੁਣਤਾਸ -

ਦਾ ਸ੍ਰਵੀ ਹਿੱਥਕਲੇ ਨਹ ਖਤਮਿਓ

ਜਾ ਕੈ ਮਨਿ ਪ੍ਰਗਟੇ ਗੁਨਤਾਸ ॥

ਅਥੇ ਪੇਰ ਬੇ ਕਾ ਨਾਮ ਲੈ -

ਦ ਚਾ ਪੇ ਜੁਰੇ ਕੀ ਦ ਚਫਾਨੇ ਜੁਰਮੇ ਦੇ

ਆਠ ਪਹਰ ਹਰਿ ਕਾ ਨਾਮੁ ਲੇਇ ॥

ਸਜ ਅਡੀਸ ਸੇ ਵੇਕ ਕੋ ਦੇ -

ਅਤੇ ਹੈਲੇ ਦ ਹਰੀ ਨੁਮ ਅਖੀ ਅਵੀ

ਸਚੁ ਉਪਦੇਸੁ ਸੇਵਕ ਕਉ ਦੇਇ ॥

ਮਹੇ ਮਾਨਿਆ ਕੇ ਸਨ੍ਗ ਨਹ ਲਿਪ -

ਖੇਲ ਬੰਦੇ ਤੇ ਰਿਣਿੰਨੀ ਹਦਾਇਤ ਓਰਕੀ

ਮੇਹ ਮਾਇਆ ਕੈ ਸੰਗਿ ਨ ਲੇਪੁ ॥

ਮੁਹੂ ਮਾਕੀ ਬੇ ਬੇ ਏਕ -

ਹਗੇ ਹਿੱਥਕਲੇ ਦ ਮੁਤਾ ਸਰੇ ਸਮੁਨ ਨਹ ਖੁਰੀ

ਮਨ ਮਹਿ ਰਾਖੈ ਹਰਿ ਹਰਿ ਏਕੁ ॥

ਅਨਦੇਹਕਾਰ ਦੀਪਿਕ ਪ੍ਰਕਾਸੇ -

ਹਗੇ ਪੇ ਖੇਲ ਜੁਰੇ ਕੀ ਧਾਰੀ ਧਾਰੀ ਪ੍ਰਮਿਸ਼ੂਰ ਓਸਿਰੀ

ਅੰਧਕਾਰ ਦੀਪਕ ਪਰਗਾਸੇ ॥

ਸੇਵਕ ਕੋ ਗੁਰ ਸਦਾ ਦਿਆਲ -

ਦ ਜਹਾਲਤ ਪੇ ਤਿਾਰੇ ਕੀ ਦ ਨੁਮ ਖੁਅਗ ਰੋਬਨਾਨੇ ਕੌਝੀ

ਨਾਨਕ ਭਰਮ ਮੇਹ ਦੁਖ ਤਹ ਤੇ ਨਾਸੇ ॥੬॥

ਨਾਨਕ ਬੇਹਰ ਮਹੇ ਨਕਹੇ ਤੇ ਨਾਸੇ -

ਅਨਾਂ! ਫ਼ਾਰ ਅਵ ਫ਼ਾਰ, ਗੁਲਤ ਫ਼ੇਮ ਅਵ ਗੁਮ ਲੇ ਹਗੇ ਖੜੇ ਲਿਰੀ ਕਿਰੀ

ਤਪਤਿ ਮਾਹਿ ਠਾਢਿ ਵਰਤਾਈ ॥

تپت مابی تھادہ ورتائی۔

د گورو کامل تعلیماتو د ممتا اور سور کری دی،

ਅਨਦੁ ਭਇਆ ਦੁਖ ਨਾਠੇ ਭਾਈ ॥

اند بھئیا دکھ ناٹھے بھائی۔

خوبنی را منحثے شوی او غم لہ منحثے تلی دی

ਜਨਮ ਮਰਨ ਕੇ ਮਿਟੇ ਅੰਦੇਸੇ ॥

جنم مرن کے مٹے انديسے۔

د زیروں او مرگ ویرہ لہ منحثے خੀ

ਸਾਧੂ ਕੇ ਪੂਰਨ ਉਪਦੇਸੇ ॥

سادھو کے پورن اپدیسے۔

د گرو پہ بشپر لارشود سره

ਭਉ ਚੂਕਾ ਨਿਰਭਉ ਹੋਇ ਬਸੇ ॥

بھائੋ چوਕਾ ਨਰਬਾਨ੍ਹ ਬੋਨ੍ਹ ਬੱਸੇ۔

ویرہ لہ منحثے خੀ او بی لہ وپਰی ژونਦ کوی

ਸਗਲ ਬਿਆਪਿ ਮਨ ਤੇ ਖੈਨਸੇ ॥

سکਲ ਬਹੀਅਾ ਮਨ ਤੇ ਕਹੈ ਨਿੱਸੇ۔

د زਰੇ ਤولي ناروਗੀ ਲਹ منحثੇ ਓਰੀ

ਜਿਸ ਕਾ ਸਾ ਤਿਨਿ ਕਿਰਪਾ ਧਾਰੀ ॥

جس کاساਨ੍ਹ ਕਰਿਆ ڈਹਾਰੀ۔

هਗੇ گورو چੀ ਹਗੇ ਓਰਸੇ ਤ੍ਰਾਵ ਦਰਲੁਦ ਮਹਰਬਾਨੀ ਬਨੂਦਿ

ਸਾਧਸੰਗਿ ਜਪਿ ਨਾਮੁ ਮੁਰਾਰੀ ॥

سادਹਸਨਕ ਜਪ ਨਾਮ ਮਰਾਰੀ۔

د صادقین ਪੇ ਜਮਾਤ ਕੀ ਦ ਮਰਾਰੀ ਨੁਮ ਨਕ ਸ਼ਾਵੀ ਦੀ

ਬਿਤਿ ਪਾਈ ਚੂਕੇ ਭ੍ਰਮ ਗਾਵਨ ॥

تھت پائی چوکੇ بھਰਮ گوان۔

ویرہ او گਦੂਡੀ ਲਹ منحثੇ ਖੀ

ਸੁਨਿ ਨਾਨਕ ਹਰਿ ਹਰਿ ਜਸੁ ਸ੍ਰਵਨ ॥੧॥

سن نانک ہر ہر جਸ سرلان۔

ای نانک! پੇ ਗੁਰਵਾਨ੍ਹ ਦ ਹਰੀ ਪਰਮਿਥੁਰ ਦ ਜਲਾਂ ਓਰਿਦਿਲੋ ਮਾਤੇ ਸਕੁਨ ਰਾਕੇ

ਨਿਰਗੁਨੁ ਆਪਿ ਸਰਗੁਨੁ ਭੀ ਓਹੀ ॥

نرਗੁਨ ਆਪ ਸਰਗੁਨ ਭੀ ਓਹੀ۔

هغه پخپله بي شکل سوامي دی او هغه بي شکل دی

کلا پاري جنیں سگالی مئھی ॥

کلباء ڈھار جن سگلی موبی-

چا چي د خپل هنر (قوت) په بنو دلو سره توله نري مسخره کري ده

اپنے صریح پُری آپی بناۓ ॥

اپنے چرت پربھ آپ بنائے-

خدای خپل تقدیر پخپله جور کری دی

اپونی کیمڑی آپے پائے ॥

اپنی کیمت آپے پائے-

هغه په خپله ایکل پوهیری

ہری بیندھو دُجنا ناہی کؤے ॥

بر بن دوجا نابیں کوئے-

لہ خدا پرته بل خوک نشہ

سرب نیز تری اے کو سؤے ॥

سرب نرنتر ایکو سوئے-

د هر چا دننه هغه بي شکل رب دی

اٹی پئی رہیا رُپ رُنگ ॥

اوٹ پوت رووا روپ رنگ.

د توکر په خير، دا په تولو شکلونو او رنگونو کي جذب کيري

بُرے بُرگاس ساپ کے سُنگ ॥

بھائے پرگاس سادھ کے سنگ.

د اولياؤ په ملگرتيا کي ، هغه خرگنديري

رُسی رُچنا اپنی کل پاری ॥

رج رچنا آپنی کل ڈھاری.

د کائنات په جورولو سره، رب خپل قدرت تاسیس کر

اندھی بار نانک بھلیا ری ॥۶॥۹۶॥

نک بار نانک بلہاری.

ای نانک! زه هغه (رب) ته خو چھے قربان کوم

سلوک ॥

سلوک

شلوکا

سماں ن چالے بیندھو دیا سگالی ڈھار ॥

ساتھ نہ چالئے بن بھجن بکھیا سگلی چھار.

په زره کي د ٿبنتن لپاره اميد ولري

سرب ڙوگ نانک مٺ جاپي

اي نانک! په دي دول به ستاسو تولي ناروغي له منئه ولايري شي

ਜਿਸੁ ਧਨ ਕਉ ਚਾਰਿ ਕੁੰਟ ਉਠਿ ਧਾਵਹਿ ॥

جس دهن کلو چار کنت اٹھ دھاوبی.

(اي ملگريه!) هغه شتمني چي ته يي په لور مندي و هي

ਸੈ ਧਨ ਹਰਿ ਸੇਵਾ ਤੇ ਪਾਵਹਿ ॥

سو دهن ہر سیوا تے پاوبی.

تاسو به دا شتمني د گرو په خدمت کي ترلاسه کري

ਜਿਸੁ ਸੁਖ ਕਉ ਨਿਤ ਬਾਛਹਿ ਮੀਤ ॥

جس سُکھے کاو نت باچھے میت.

اي زما ملگريه! هغه خوبني چي يو ٿوک ٿل غواري،

ਸੈ ਸੁਖ ਸਾਧੂ ਸੰਗਿ ਪਰੀਤਿ ॥

سو سُکھے سادھو سنگ پریت.

تاسو به دا خوبني د اولياو په ملگرتيا کي ترلاسه کري

ਜਿਸੁ ਸੋਭਾ ਕਉ ਕਰਹਿ ਭਲੀ ਕਰਨੀ ॥

جس سوبها کاو کربی بھلی کرنی.

د هغه وياب لپاره چي تاسو بنه کارونه کوي،

ਸਾ ਸੋਭਾ ਭਜੁ ਹਰਿ ਕੀ ਸਰਨੀ ॥

سا سوبها بھج بر کي سرنی.

دا عزت درب په پناه اخیستلو سره ترلاسه کيري

ਅਨਿਕ ਉਪਾਵੀ ਰੋਗੁ ਨ ਜਾਇ ॥

انک أپاوى روگ نه جائے.

يوه ناروغي چي د دېرو هخو سره درملنه نشي کولي

ਰੋਗ ਮਿਟੈ ਹਰਿ ਅਵਖਧੁ ਲਾਇ ॥

روگ مٺے بر اوکھا لائے.

دا ناروغي د هاري په نوم د درملو په کارولو سره درملنه کيري

ਸਰਬ ਨਿਧਾਨ ਮਹਿ ਹਰਿ ਨਾਮੁ ਨਿਧਾਨ ॥

سرب ندهان مہ بر نام ندهان.

د واه گورو نوم له تولو خزانو ٿخه غوره دی

ਜਪਿ ਨਾਨਕ ਦਰਗਹਿ ਪਰਵਾਨੁ ॥੨॥

ج پ نانک درگہی پروان۔

ای نانک! د هغه د نوم په یادولو سره به تاسو د ੜਿਣਤਨ ਪੇ دربار کੀ مشہور شੀ

ਮਨੁ ਪਰਬੋਧਹੁ ਹਰਿ ਕੈ ਨਾਇ ॥

من پربودھ੍ਹੂ ਬਰ ਕੇ ਨਾਈ۔

ਖੌਲ ਜਨ ਦ ੜਿਣਤਨ ਪੇ ਨੁਮ ਬਿਦਾਰ ਕ੍ਰੀ

ਦਹ ਦਿਸਿ ਧਾਵਤ ਆਵੈ ਠਾਇ ॥

ਦਵ ਦਹਾਵਤ ਆਵੀ ਤਹਾਈ۔

ਦਾ ਜਨ ਚੀ ਪੇ ਲਸੁ ਲਵੁ ਪ੍ਸੀ ਕੁਰੈ ਪੇ ਹਮਦੀ ਲਾਰੇ ਕੁਰ ਤੇ ਰਾਹੀ

ਤਾ ਕਉ ਬਿਘਨੁ ਨ ਲਾਗੈ ਕੋਇ ॥

ਤਾ ਕਾਉ ਬਕਹਨ ਨੇ ਲਾਗੀ ਕੌਈ۔

ਹੈਖ ਤਾਵਾਨ ਵਰਤੇ ਨੇ ਰਸਿਰੀ

ਜਾ ਕੈ ਰਿਦੈ ਬਸੈ ਹਰਿ ਸੋਇ ॥

جا ਕੈ ਰਦੈ ਬਸੈ ਬਰ ਸੋਈ۔

ਦ ਚਾ ਪੇ ਜਰੇ ਕੀ ਚੀ ਗ੍ਰੂ ਅਓਸਿਰੀ,

ਕਲਿ ਤਾਤੀ ਠਾਂਢਾ ਹਰਿ ਨਾਉ ॥

ਕਲ ਤਾਈ ਤਹਾਨਾ ਬਰ ਨਾਈ۔

ਦ ਕਾਲ ਯੋਗ ਕਰਮ (ਾਓ) ਦੀ ਅਵ ਦ ਹਰੀ ਨੁਮ ਬਖ ਦੀ

ਸਿਮਰਿ ਸਿਮਰਿ ਸਦਾ ਸੁਖ ਪਾਉ ॥

ਸਿਮਰ ਸਿਮਰ ਸਦਾ ਸੁਖ ਪਾਈ।

ਤਲ ਧਿ ਧਾਵਤੇ ਅਥਵਾਲੇ ਅਵੀ

ਭਉ ਬਿਨਸੈ ਪੁਰਨ ਹੋਇ ਆਸ ॥

ਭਹਾਊ ਬਿਨਸੈ ਪੁਰਨ ਹੋਈ ਆਸ।

ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਲਵਟਲੁ ਸਰੇ ਵੱਡੇ ਖਤਮਿਦੀ ਅਵ ਅਰਮਾਨੇ ਪੁਰੇ ਕਿਹੜੀ

ਭਗਤਿ ਭਾਇ ਆਤਮ ਪਰਗਾਸ ॥

ਭਹਗਤ ਭਹਾਈ ਆਮ ਪ੍ਰਕਾਸ।

ਦ ਅਵਦਤ ਸਰੇ ਦ ੜਿਣਤਨ ਸਰੇ ਮਿਨੇ ਕੁਲ ਰੂਖ ਰੂਬਨਾਨੇ ਕ੍ਰੀ

ਤਿਤੁ ਘਰਿ ਜਾਇ ਬਸੈ ਅਬਿਨਾਸੀ ॥

ਤਿਤੁ ਗੇਰ ਜਾਈ ਬਸੈ ਅਭਨਸੀ।

ਖੁਕ ਚੀ ਨੁਮ ਯਾਦੀ, ਦ ਜਰੇ ਪੇ ਕੁਰ ਕੀ ਧਿ ਤਲ ਪਾਤੀ ਜੜਿਣਤਨ ਅਵਸਿਰੀ

ਕਹੁ ਨਾਨਕ ਕਾਟੀ ਜਮ ਫਾਸੀ ॥੩॥

ਕਹੁ ਨਾਨਕ ਕਲੀ ਜਮ ਫਾਸੀ।

ਏ ਨਾਨਕ! (ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਯਾਦੁਲੁ ਸਰੇ) ਦ ਧਿ ਆਦਮ ਕਿਉ ਕਿਉ

ਤੁ ਬੀਚਾਰੁ ਕਹੈ ਜਨੁ ਸਾਚਾ ॥

ت بیچار کہئے جن ساچا۔

هغه ریستینی سہی دی چی د جوہر د یادلو درس ورکوی

ਜਨਮਿ ਮਰੈ ਮੋ ਕਾਚੇ ਕਾਚਾ ॥

جنم مرئے سو کاچو کاچا۔

هغه په بشپر چول کچا (دروغ) دی، په اوگونا (د زیرون او میرینی دورہ) کی رابنکته کیری

ਆਵਾ ਗਵਨੁ ਮਿਟੈ ਪ੍ਰਭੁ ਸੇਵ ॥

آوا گوان مٹھے پربھ سیو۔

د خبنتن په خدمت کی، اوگون پای ته رسیروی

ਆਪੁ ਤਿਆਗਿ ਸਰਨਿ ਗੁਰਦੇਵ ॥

آپ نیاگ سرن گرديو۔

خپل غرور پریوردئ او په گورديو کی پناہ واخلى

ਇਉ ਰਤਨ ਜਨਮ ਕਾ ਹੋਇ ਉਧਾਰੁ ॥

ਨੂਰਨ ਜਨਮ ਕਾ ਬੋਈ ਅੱਤਾਰ۔

په دی توਕੇ ਕਿਮਤੀ ਰੋਝ ਰਗੂਰਲ ਕਿਰੀ

ਹਰਿ ਹਰਿ ਸਿਮਰਿ ਪ੍ਰਾਨ ਆਧਾਰੁ ॥

ਬਰ ਬਰ ਸਮਰ ਪਰਾਨ ਆਦਹਾਰ۔

د هری پرمیشور په عبادت کولو سره، ੴ ਖੁਕ ਚੀ ਸਤਾਸੁ ਦ ਰਾਵਨੁ ਬਨਸ਼ਟੀ ਦੀ

ਅਨਿਕ ਉਪਾਵ ਨ ਛੂਟਨਹਾਰੇ ॥

انک اپਾਵ ਨੇ ਚੇਹੋਤਹਾਰے۔

د دਿਵੀ ਤਰਕਿਧਨੁ ਖੁੱਖ ਖਲਾਚੁਨ ਸ਼ਤੁਨ ਨਲੀ

ਸਿੰਮ੍ਰਿਤਿ ਸਾਸਤ ਬੇਦ ਬੀਚਾਰੇ ॥

ਸਮਰਤ ਸਾਸਤ ਬੰਦ ਬਿਚਾਰੇ۔

ਹਤੀ ਕੇ ਤਾਸੁ ਸਮਰਿਤਨੇ، ਸ਼ਾਸਤਰਨੇ ਓ ਵਿਦਨੇ ਪੇ ਪਾਮ ਕੀ ਵਨਿਸੀ

ਹਰਿ ਕੀ ਭਗਤਿ ਕਰਹੁ ਮਨੁ ਲਾਇ ॥

ਭਰ ਕੀ ਬੇਹੱਤ ਕਰਿ ਮਨ ਲਾਈ۔

ਦ ਖਪਿ ਤੀਲ ਜਿਵੇ ਸਰੇ ਯਾਵੀ ਦ ਖਨਿਤਨ ਉਬਦਤ ਵਕਰੀ

ਮਨਿ ਬੰਛਤ ਨਾਨਕ ਫਲ ਪਾਇ ॥੪॥

ਮਨ ਬਨਿਤ ਨਾਨਕ ਫਲ ਪਾਈ۔

ਏ ਨਾਨਕ! (ੴ ਖੁਕ ਚੀ ਬਨਕੀ ਵਕਰੀ) ਮਾਲ ਮਿਵੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੌਵੀ

ਸੰਗਿ ਨ ਚਾਲਸਿ ਤੇਰੈ ਧਨਾ ॥

ਸਨਗ ਨੇ ਚਲਸ ਤਿਰੈ ਦੇਹਨਾ۔

ਮਾਲ ਓ ਦੁਲਤ ਬੇ ਦਰਸਰੇ ਨੇ ਖੀ

ਤੂੰ ਕਿਆ ਲਪਟਾਵਹਿ ਮੁਰਖ ਮਨਾ ॥

ਤੋਂ ਕਿਆ ਲਪਟਾਓਧੀ ਮੁਰਖ ਮਨਾ।

ਨੋ ਏਇ ਬੀ ਉਚਲੇ! ਨੋ ਦਾ ਲੀ ਬੰਦੇ ਦੇ?

ਸੁਤ ਮੀਤ ਕੁਟੰਬ ਅਰੁ ਬਨਿਤਾ ॥

ਸੱਤ ਮੀਤ ਕੁਤੰਬ ਅਰੁ ਬਨਿਤਾ।

ਜ਼ਿਥੀ, ਮਲਕੀ, ਕੁਰਨੀ ਅਵੰਧੇ

ਇਨ ਤੇ ਕਹਹੁ ਤੁਮ ਕਵਨ ਸਨਾਥਾ ॥

ਅਨ ਤੇ ਕਹਹੁ ਤਮ ਕੁਨ ਸਨਾਥਾ।

ਦ ਦੌਵਿ ਪੇ ਮੰਖ ਕੀ ਰਾਤਾ ਵਾਇ ਜੀ ਸਤਾ ਮਰਣਤਾਵੀ ਖੁਕ ਦੀ?

ਰਾਜ ਰੰਗ ਮਾਇਆ ਬਿਸਥਾਰ ॥

ਰਾਜ ਰੰਗ ਮਾਇਆ ਬਿਸਥਾਰ।

ਦ ਸਲਤਨਤ ਖੋਨਦ ਅਵ ਦ ਸ਼ਤਮਨੀ ਪ੍ਰਾਹੁਲ,

ਇਨ ਤੇ ਕਹਹੁ ਕਵਨ ਛੁਟਕਾਰ ॥

ਅਨ ਤੇ ਕਹਹੁ ਕੁਨ ਚੇਤੀਕਾਰ।

ਰਾਤਾ ਵਾਇ ਜੀ ਖੁਕ ਕਲੇ ਪਾਤੀ ਕਿਹੜੀ?

ਅਸੁ ਹਸਤੀ ਰਥ ਅਸਵਾਰੀ ॥

ਅਸ ਬੱਤੀ ਰਥੇ ਅਸਵਾਰੀ।

ਦ ਅਸਾਨੇ, ਹਾਤਿਨ ਅਵ ਦ ਬੀਲ ਗਾਡੀ ਸਾਰੀ

ਝੂਠਾ ਡੰਢੁ ਝੂਠ ਪਾਸਾਰੀ ॥

ਜ਼ਿਥੁਣਾ ਦਮਫ ਜ਼ਹੂਠ ਪਾਸਾਰੀ।

ਦਾ ਤੁਲ ਦ ਦਰੋਗੁ ਬਨੇ ਦਾ

ਜਿਨ ਦੀਏ ਤਿਸੁ ਬੁੜੈ ਨ ਬਿਗਾਨਾ ॥

ਜਨ ਦੀਏ ਤੇ ਬਜੀਹੇ ਨੇ ਬਕਾਨ।

ਯੋ ਨਾਪੋਹ ਸ੍ਰੀ ਹੁਗੇ ਥੰਭਿਨ ਨੇ ਪਿੜਨੀ ਜੀ ਦਾ ਤੁਲ ਥਿਅਨ ਯੀ ਵਰਕਰੀ ਦੀ

ਨਾਮੁ ਬਿਸਾਰਿ ਨਾਨਕ ਪਛਤਾਨਾ ॥੫॥

ਨਾਮ ਬੰਸਾਰ ਨਾਨਕ ਪਚੇਤਾਨ।

ਏ ਨਾਨਕ! ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਹਿਰਵਲੁ ਸਰੇ ਪੇ ਪਾਇ ਕੀ ਪੰਨੀਮਾਨੇ ਕਿਹੜੀ

ਗੁਰ ਕੀ ਮਤਿ ਤੂੰ ਲੇਹਿ ਇਆਨੇ ॥

ਗੁਰ ਕੀ ਮਤ ਤੋਂ ਲਾਈ ਆਇਆ।

ਏ ਨਾਪੋਹੇ! ਨੋ ਲੇ ਗੁਰੂ ਖੁਖੇ ਜਦੇ ਕ੍ਰੇ

ਭਰਾਤਿ ਬਿਨਾ ਬਹੁ ਤੁਬੈ ਸਿਆਨੇ ॥

ਬੇਹੁਤ ਬਿਨਾ ਬਹੁ ਦੁਬੈ ਸਿਆਨ।

د څښتن له خدمت پرته، حتی خورا هوبنیار خلک هم غرق شوي دي

ہری کی ټرگاتی کر ره مان میڈ ॥

بر کی بھگت کربو من میت.

ای زما ملگریه! په زرہ کی د گرو عبادت وکړئ،

نیرمال ہؤی تُمُورا رے چیڈ ॥

نرمل بوئے تمہارو چیت.

دا به ستاسو ذهن پاک کړي

چرنا کمال را خاھو مان ماہی ॥

چرن کمل را کھو من مابی.

د څښتن کمول پېنسی په خپل زرہ کی وساتئ،

ਜنام جنام کے کیلابیخ جاہی ॥

جنم جنم کے کلکھ جاہی.

ستا د پیرو زیرونونو گناهونه به له منځه لار شي

آپی چپاھو اورا نام چپاھو ॥

آپ جپھو اورا نام جپاپھو.

د خپل رب د نوم په تلاوت سره او د نورو څخه د نوم په یادولو سره

سُنَّت کر ټر ره ټر گاتی پاھو ॥

سنٽ کہت رہت گت پاپو.

اوریدل، ویل او په دی چلنڈ کی ژوند کول به د نجات لامل شي

سار بُرُّت ساتی ہری کو ناۓ ॥

سار بھوت ست بر کو ناؤ.

په توله کی بنه د هري اصلی نوم دی

سَهْنِی سُغْنَا ای نانک گُرَن گاۓ ॥ ۶ ॥

سچ سپاے نانک گن گاو.

نانک! په خلاص زرہ سره د څښتن ستاینه وکړئ

گُرَن گاَدَتْ تَرَگِی عِتَرَسِی مَلَو ॥

گن گاوت تیری اترس میل.

(ای خلکو!) درب د تسبیح په ویلو سره ستاسو د گناهونو کبرونه لیری کیروی

بِنَسِی جَائِی هَعِلَمَی بِیَخُو ډَلَو ॥

بنس جائے بومئے بکھ فیل.

او د غرور په شان زهر به هم ختم شي

ہَوَہِی اَصِیْتُ بَسَمَی سُخَنَالِی ॥

بوبی اچنت بسئے سکھ نال.

هغه به بي پروا شي او خوشحاله ژوند وکري

سماں گرامی ہری نام مساماںی ॥

سماں گرام بـ نام سمالـ

چوک به پـ هـ رـ سـ اـ او سـ اـ سـ رـ دـ هـ رـ يـ نـ عـ بـ اـ دـ تـ کـ وي

ڈاڈی سماں اپ سـ گـ لـ اـ مـ نـ اـ ॥

چـ هـ اـ دـ سـ یـ اـ نـ پـ سـ گـ لـ یـ مـ نـ اـ

عـ مـ اـ نـ ! خـ پـ لـ تـ وـ لـ هـ وـ بـ نـ يـ اـ رـ تـ يـ اـ پـ رـ بـ رـ دـ دـ

سـ اـ پـ سـ مـ گـ اـ پـ اـ دـ حـ اـ مـ اـ ॥

سـ اـ دـ هـ سـ نـ گـ پـ اـ بـ یـ سـ چـ دـ هـ نـ اـ

بنـ هـ شـ رـ کـ تـ بـ دـ رـ بـ نـ نـ تـ نـ یـ شـ تـ مـ نـ لـ اـ مـ شـ يـ

ہـ رـ یـ ٹـ یـ ٹـ یـ کـ رـ ھـ یـ ٹـ یـ ھـ اـ رـ ॥

بـ رـ پـ وـ نـ جـ کـ رـ بـ کـ بـ یـ بـ اـ بـ اـ

دـ گـ وـ روـ پـ نـ وـ نـ سـ رـ مـ اـ یـ هـ جـ مـ گـ وـ تـ جـ اـ رـ وـ رـ تـ وـ کـ رـ

ایـ ہـ گـ مـ سـ بـ ھـ دـ رـ گـ اـ ھـ جـ کـ اـ رـ ॥

ایـ ہـ سـ کـ ھـ درـ گـ بـ یـ جـ یـ کـ اـ لـ

پـ دـ یـ توـ گـ بـ بـ پـ دـ یـ ژـ وـ نـ کـ یـ خـ وـ بـ نـ یـ وـ یـ اوـ دـ وـ اـ ھـ وـ بـ اـ رـ کـ بـ

سـ رـ بـ نـ اـ نـ یـ ڑـ اـ کـ اـ کـ اـ ॥

سـ رـ بـ نـ رـ نـ تـ اـ یـ کـ دـ یـ کـ هـ

هـ گـ هـ پـ هـ رـ ھـ اـ کـ کـ یـ یـ وـ بـ نـ یـ

کـ ھـ ہـ نـ اـ نـ کـ جـ اـ کـ مـ سـ اـ ٹـ کـ لـ ھـ بـ ॥

کـ ھـ بـ نـ انـ کـ جـ اـ کـ مـ سـ تـ کـ لـ یـ کـ هـ

ایـ نـ انـ کـ ! دـ چـ اـ برـ خـ لـ یـ کـ لـ یـ کـ لـ شـ وـ شـ دـ

اـ کـ وـ جـ اـ پـ اـ کـ وـ سـ اـ لـ اـ ھـ ॥

ایـ کـ وـ جـ اـ پـ اـ کـ وـ سـ اـ لـ اـ ھـ ॥

دـ یـ وـ رـ بـ نـ وـ مـ یـ اـ دـ کـ رـ ئـ اوـ یـ وـ اـ زـ یـ دـ هـ گـ هـ سـ تـ اـ یـ نـ وـ کـ رـ ئـ

اـ کـ کـ سـ مـ اـ مـ رـ اـ کـ مـ اـ نـ آـ ھـ ॥

ایـ کـ کـ سـ مـ اـ مـ رـ اـ کـ مـ اـ نـ آـ ھـ ॥

دـ یـ وـ رـ بـ پـ اـ رـ فـ کـ وـ کـ رـ ئـ اوـ ہـ گـ هـ یـ وـ اـ زـ یـ پـ هـ خـ پـ لـ زـ رـ ھـ کـ ھـ اـ کـ رـ ئـ

اـ کـ سـ کـ کـ ھـ گـ اـ نـ گـ اـ ٹـ ॥

ایـ کـ سـ کـ کـ ھـ گـ اـ نـ گـ اـ ٹـ ॥

دـ دـ یـ اـ بـ دـ یـ خـ بـ نـ تـ نـ سـ تـ ا~ نـ هـ بـیـانـ کـ رـ ئـ

مـ اـ نـ تـ نـ جـ اـ پـ اـ کـ بـ رـ گـ اـ ۰ـ ॥

منـ تـ نـ جـ اـ پـ اـ کـ بـ هـ گـ وـ نـ تـ

یو رب په زره او بدن یاد کرئ

ਏਕੇ ਏਕੁ ਏਕੁ ਹਰਿ ਆਪਿ ॥

ایکو ایک ایک ہر آپ-

ھغہ رب تاسو یاست

ਪੂਰਨ ਪੂਰਿ ਰਹਿਓ ਪ੍ਰਭੁ ਬਿਆਪਿ ॥

پورن پور ریبو پربھ بیؤ۔

خبشن په هر حائی کی شتون لری، دژوندیو موجوداتو سره بوحائی کیری

ਅਨਿਕ ਬਿਸਥਾਰ ਏਕ ਤੇ ਭਏ ॥

انک بستار ایک تے بھائے۔

د یو رب خخہ پیری پراخوالی شتون لری

ਏਕੁ ਅਰਾਪਿ ਪਰਾਛਤ ਗਏ ॥

ایک ارادہ پرچھٹ گئے۔

د گرو په عبادت کولو سਰੇ گناہونੇ ਲੇ ਮਨੋ ਹੈ

ਮਨ ਤਨ ਅੰਤਰਿ ਏਕੁ ਪ੍ਰਭੁ ਰਾਤਾ ॥

من ਤਨ ਅਨੇ ਇਕ ਪਰਬੇ ਰਾਤਾ۔

زما ذهن او بدن په یو رب کی مشغول دی

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਨਾਨਕ ਇਕੁ ਜਾਤਾ ॥੯॥੧੯॥

گر پرساد نانک اک جاتا۔

ای نانک! د گرو په فضل سਰੇ ھغہ باید یوازی یو رب و پੀਝਾਨੀ

ਸਲੋਕ ॥

سلوک

شلوکا

ਫਿਰਤ ਫਿਰਤ ਪ੍ਰਭੁ ਆਇਆ ਪਰਿਆ ਤਉ ਸਰਨਾਇ ॥

فرਤ ਫਰਤ پربੇ ਆਪਿ ਪਰਿਆ ਤਾਂ ਸਰਨਾ-ਲੈ-

ای ربہ! زہ و گرੱਖਿਮ ਓ ਸਟਾ ਪਨਾਹ ਤੇ ਰਾਗਮ

ਨਾਨਕ ਕੀ ਪ੍ਰਭੁ ਬੇਨਤੀ ਅਪਨੀ ਭਰਤੀ ਲਾਇ ॥੧॥

نਾਨਕ ਕੀ ਪਰਬੇ ਬਿਨ੍ਤੀ ਐਪਿ ਬੇਹਗੀ ਲੈ-

ای ربہ! نانک یوازی ਗੁਬਣਤੇ ਕਾਵਿ ਚੀ ਤਾਸੋ ਮਾ ਪੇ ਖੱਚ ਉਬਦਤ ਕੀ ਮਿਸ਼ਗੁਲ ਕਰੇ

ਅਸਟਪਦੀ ॥

آਸਟਪਦੀ

اشਟਾਪਦੀ

ਜਾਚਕ ਜਨੁ ਜਾਚੈ ਪ੍ਰਭੁ ਦਾਨੁ ॥

جاچک جن جاچے پربه دان-
ای ربہ! زہ ستا پہ نوم خیرات غوارم

کری کیرپا دے دھو ہری نام ॥
کر کرپا دیوبو بر نام
ای هری! مهربانی و کری ما ته خپل نوم و واپس

سای جنا کی مارا عی یوری ॥
سادہ جنا کی ملگو دھور-
زہ یوازی د سادانو د پینو خاوری غوبنتھ کوم

پار بھوہم میری سرپا پوری ॥
پار بھم میری سرداها پور-
ای براہما! زما خوبنی پورہ کرہ

سدا سدا پڑھ کے گون گاہو ॥
سدا سدا پربھ کے گن گلاؤ-
زہ بہ تل د ڈبنتن ستائیں کوم

ساس ساسی پڑھ تعماری پیاہو ॥
ساس ساس پربھ نمہ دھیاواو-
ای ربہ! زہ پہ هرہ ساہ سرا عبادت کوم

صرن کمل میو لاری پڑھی ॥
چرن کمل سیو لاگے پریت-
زہ د ڈبنتن پہ پینو کی مینہ لرم

برگاٹی کرھی پڑھ کی نیت نیت ॥
بھگت کرو پربھ کی نت نیت-
زہ بہ تل د ڈبنتن عبادت کوم

اک اک اک آپا رع ॥
ایک اوٹ ایکو آدھار-
ای ربہ! تاسو زما پناہ او ملاتر یاست

نانک مارو نام پڑھ سار ॥۱॥
نانک ملگے نام پربھ سار-
ای زما ربہ! نانک ستا د بنہ نوم پوبنتھ کوی

پڑھ کی دیست مہا سکھ بؤے ॥
پربھ کی درشت مہا سکھ بؤے-
ستره خوبنی د رب لہ رحمت او شفقت خخہ ترلاسہ کیری

ہری رسم پاہی بیرلا کوئی ॥

بر رس پاوے برلا کوئے۔
یوازی یو نادر سری شین جوس ترلاسہ کوی

ਜਿਨ ਚਾਖਿਆ ਸੇ ਜਨ ਤ੍ਰਿਪਤਾਨੇ ॥
جن چاکھیا سے جن ترپتائے۔

خوک چی خوند اخلي، هغه مخلوقات سیر کيري

ਪੂਰਨ ਪੁਰਖ ਨਹੀਂ ਡੋਲਾਨੇ ॥
پورن پروخ نہیں ڈولانے۔

دوی کامل سری کيري او هيٺکله (په مينه کي) نه ويريري

ਸੁਭਰ ਭਰੇ ਪ੍ਰੇਮ ਰਸ ਰੰਗ ॥
سبھر بھرے پريم رس رنگ۔

دوی د خبتن د ميني له خورو او خوبنيو ڈک دی

ਉਪਜੈ ਚਾਉ ਸਾਧ ਕੈ ਸੰਗ ॥
اڳجے چاؤ سادھ کے سنگ۔

د سادوانو په صحنہ کي ، روحاںی جذبہ د دوی په ذہن کي راپورتہ کيري

ਪਰੇ ਸਰਨਿ ਆਨ ਸਭ ਤਿਆਗ ॥
پرے سرن آن سبھ تیاگ۔

نور هرخہ پريري، دوی په رب کي پناہ اخلي

ਅੰਤਰਿ ਪ੍ਰਗਾਸ ਅਨਦਿਨੁ ਲਿਵ ਲਾਗਿ ॥
انਤਰ پ੍ਰਗਾਸ انਦن لگ لائے۔

د هغه زره روبانہ کيري او هغه خپل شپہ او ورخ کار خبتن ته وقف کوي

ਬਡਭਾਗੀ ਜਪਿਆ ਪ੍ਰਭੁ ਮੋਇ ॥
بدبھاگੀ جپيا پربھ سوئے۔

یوازی بختور سری د خبتن ذکر کري دی

ਨਾਨਕ ਨਾਮਿ ਰਤੇ ਸੁਖੁ ਹੋਇ ॥੨॥
نانک نام رتے سੁਖ ہوئے

ای نانک! خوک چی د خبتن په نوم مشغول وي، خوبني وموسي

ਸੇਵਕ ਕੀ ਮਨਸਾ ਪੂਰੀ ਭਈ ॥
سیوک کی منسا پوری ہوئی۔

د بندہ ارمان پورہ کيري

ਸਤਿਗੁਰ ਤੇ ਨਿਰਮਲ ਮਤਿ ਲਈ ॥
ستگروں تے نرم ملت لائے۔

لہ ستگورو څخه پاکي زده کري اخیستي

ਜਨ ਕਉ ਪ੍ਰਭੁ ਹੋਇਓ ਦਇਆਲੁ ॥

جن کو پربھے بؤئو دیاں۔
خُبنتن په خپل بندہ مهربان شو

ਮੇਵਕੁ ਕੀਨੋ ਸਦਾ ਨਿਹਾਲੁ ॥
سیوک کینوں سدا نہال۔
هغہ خپل بندہ د تل لپارہ منندوی کری دی

ਬੰਧਨ ਕਾਟ੍ ਮੁਕਤਿ ਜਨੁ ਭਇਆ ॥
بندہن کਾਠ ਮਕਤ ਜਨ ਬਹੌ۔
د بندہ (ਮਮਤਾ) بندਨਾਂ ਪ੍ਰਿ ਕਿਹੀ ਅਵ ਹਗੇ ੜਗੁਰ ਕਿਹੀ

ਜਨਮ ਮਰਨ ਦੂਖੁ ਭ੍ਰਮੁ ਗਇਆ ॥
جم مرن دوکھੇ ਭਰਮ گੜੈ۔
د هغہ زਿਰਵਨ، ਮੁੜ، ਗਮ ਅਵ ਸ਼ਕ ਲਾ ਮਨੋਹ ਹੈ

ਇਛ ਪੁਨੀ ਸਰਧਾ ਸਭ ਪੂਰੀ ॥
اچੇ ਪਨੀ ਸਰਦਹਾ ਸਿਥੇ ਪੂਰੀ۔
د هغہ ਅਰਮਾਨ ਪੂਰੇ ਕਿਹੀ ਅਵ ਦ ਹਗੇ ਖੋਵਨੀ ਹਮ

ਰਵਿ ਰਹਿਆ ਸਦ ਸੰਗਿ ਹਜੁਰੀ ॥
رو رਿਆ ਸਦ ਸੰਗ ਬਗੁਰੀ۔
خُبنتن ਤਲ ਜਮੁਰ ਸਰੇ ਦਿ

ਜਿਸ ਕਾ ਸਾ ਤਿਨਿ ਲੀਆ ਮਿਲਾਇ ॥
جس کا ساتਨ ਲੰਬਾ ਮਲਾ۔
د چਾ ਸਰੇ ਤੁਲੇ ਲੀਵੇ، ਹਗੇ ਲਾ ਹਾਨੇ ਸਰੇ ਯਾ ਹਾਵੇ ਦਿ

ਨਾਨਕ ਭਗਤੀ ਨਾਮਿ ਸਮਾਇ ॥੩॥
نانਕ ਬਹੁਗਤੀ ਨਾਮ ਸਮਾਇ۔
ای ਨਾਨਕ! ਦ ਖੁਨਨ ਪੇ ਉਬਦਤ ਕਲੁ ਸਰੇ, ਬੰਦੇ ਪੇ ਨੁਮ ਕੀ ਮਿਸ਼ਗੁਲ ਕਿਹੀ

ਸੇ ਕਿਉ ਬਿਸਰੈ ਜਿ ਘਾਲ ਨ ਭਾਨੈ ॥
سو ਕਿਉਂ ਬਿਸਰੈ ਜੇ ਗਲ ਨ ਬਹਾਨੈ?
ولੀ ਦਾ ਰਾਬ ਹੈਡ੍ਰੋ ਚੀ ਦ ਅਸਾਨਾਵ ਪੇ ਖੁਦਮਤ ਕੀ ਗੁਫਲ ਨ ਹੋ ਕੀ

ਸੇ ਕਿਉ ਬਿਸਰੈ ਜਿ ਕੀਆ ਜਾਨੈ ॥
سو ਕਿਉਂ ਬਿਸਰੈ ਜੇ ਕਿਆ ਜਾਨੈ?
ਦਾ ਗੁਰੂ ਓਲੀ ਹੈਡ੍ਰੋ, ਚੀ ਪੋਹਿਡ੍ਰੀ ਖੇ ਓਕੀ

ਸੇ ਕਿਉ ਬਿਸਰੈ ਜਿਨਿ ਸਭੁ ਕਿਛੁ ਦੀਆ ॥
سو ਕਿਉਂ ਬਿਸਰੈ ਜੇ ਜਿਨੀ ਸਭੁ ਕਿਛੁ ਦੀਆ?

ولੀ ਦਾ ਰਾਬ ਹੈਡ੍ਰੋ ਚੀ ਮੁਨ ਤੇ ਬੀ ਹਰ ਖੇ ਰਾਕੀ ਦਿ

ਮੈਂ ਕਿਉ ਬਿਸਰੈ ਜਿ ਜੀਵਨ ਜੀਆ ॥

سو ਕਿਉ ਬੁਲ੍ਹ ਜੀ ਜੀਵਾਂ ਜੀਆ

ਦਾ ਰਬ ਦੀ ਲੀ ਹੇਰ ਥੀ ਚੀ ਦੜਾਂਦੀ ਮੋਗਦਾਂਤੀ ਦੜਾਂਦੀ ਬਨਸ਼ਟੀ ਦੀ?

ਮੈਂ ਕਿਉ ਬਿਸਰੈ ਜਿ ਅਗਨਿ ਮਹਿ ਰਾਖੈ ॥

ਸੁ ਕਿਉ ਬਿਸਰੈ ਜੇ ਆਗਨ ਮੀ ਰਾਖੈ-

ਲੀ ਬਾਇਦ ਦਾ ਬੀ ਸ਼ਕਲੇ ਰਬ ਹੇਰ ਕ੍ਰਾਂ ਚੀ ਦੱਰਹਮਤ ਪੇ ਅਓ ਕੀ ਮੋ ਸਾਤੀ?

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਕੇ ਬਿਰਲਾ ਲਾਖੈ ॥

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦ ਕੁ ਭੁਲਾ ਲਾਖੈ-

ਧਾਰੀ ਧਾ ਨਾਦ ਸ੍ਰੀ ਧੀ ਦ ਗੁਰੂ ਪੇ ਫੁਲ ਸਰੇ ਗੁਰੀ

ਮੈਂ ਕਿਉ ਬਿਸਰੈ ਜਿ ਬਿਖੁ ਤੇ ਕਾਢੈ ॥

ਸੁ ਕਿਉ ਬਿਸਰੈ ਜੇ ਬਿਖ ਤੀ ਕਾਦੈ-

ਲੀ ਦਾ ਰਬ ਹੇਰ੍ਵੀ, ਚੀ ਅਨਾਨ ਲੇ ਕਨਾਹਨੁ ਤ੍ਰਗੁਰੀ

ਜਨਮ ਜਨਮ ਕਾ ਟੂਟਾ ਗਾਢੈ ॥

ਜਨਮ ਕਾਨ੍ਤਾ ਗਾਦੈ-

ਅ ਲੇ ਖੱਪ ਹਾਂ ਸਰੇ ਧਾ ਹਾਂ ਕੌ ਹਥੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਦਿਵੋ ਜਿਰਾਨੁਨੁ ਲਿਵਾਹ ਲੇ ਹਾਂਹੇ ਜਲਾ ਵਿ

ਗੁਰਿ ਪੁਰੈ ਤੜੁ ਇਹੈ ਬੁਝਾਇਆ ॥

ਗੁਰ ਪੁਰੀ ਤੇ ਅੰਤੇ ਬੁਝਾਇ-

ਕਾਮ ਗੁਰ ਦਾ ਹਤਿਕ ਮਾਤੇ ਤਸ਼ਹਿਰ ਕੁ

ਪ੍ਰਭੁ ਅਪਨਾ ਨਾਨਕ ਜਨ ਧਿਆਇਆ ॥੪॥

ਪ੍ਰਭੇ ਅਪਨਾ ਨਾਨਕ ਜਨ ਧਿਆਇ-

ਏ ਨਾਨਕ! ਹਥੇ ਧਾਰੀ ਦ ਖੱਪ ਰਬ ਨਾਕ ਕ੍ਰਿ ਦੀ

ਸਾਜਨ ਸੰਤ ਕਰਹੁ ਇਹੁ ਕਾਮੁ ॥

ਸਾਜਨ ਸੰਤ ਕਰਹੁ ਅੰਤੇ ਕਾਮ-

ਏ ਸ਼ਰੀਫ ਸੰਤ! ਦਾ ਓਕਰੇ

ਆਨ ਤਿਆਗ ਜਪਹੁ ਹਰਿ ਨਾਮੁ ॥

ਆਨ ਤਿਆਗ ਜਪਹੁ ਬੰਨਾਮ-

ਹਰ ਖੇ ਪ੍ਰਿਵਦੇ ਦ ਖੰਬਨ ਨੁਮ ਵਾਖੇ

ਸਿਮਰਿ ਸਿਮਰਿ ਸਿਮਰਿ ਸੁਖ ਪਾਵਹੁ ॥

ਸੁਮਰ ਸੁਮਰ ਸਕਹ ਪਾਉ ਹੋ-

ਦ ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਨੁਮ ਤਾਲਾਵਾਤ ਕ੍ਰੀ ਅ ਖੋਣੀ ਮੁਮੀ

ਆਪਿ ਜਪਹੁ ਅਵਰਹ ਨਾਮੁ ਜਪਾਵਹੁ ॥

ਆਪ ਜਪਹੁ ਆਰੇ ਨਾਮ ਜਪਾਉ ਹੋ-

ਪੇ ਖੱਪੇ ਹਮ ਨੁਮ ਵਾਖੀ ਅ ਨੁਰੋ ਤੇ ਹਮ ਵਰਜਦੇ ਕ੍ਰਿ

ਭਗਤਿ ਭਾਇ ਤਰੀਐ ਸੰਸਾਰੁ ॥
ਭੇਗਤ ਬਹਾਏ ਤ੍ਰੀ-ਨੈ ਸੱਸਾਰ-
ਦ ਖੰਨਿਂ ਪੇ ਉਬਦਤ ਕਲੋ ਸਰੇ ਦਾ ਦਨਿਆ ਲੇ ਸਮਨਦ ਖੜੇ ਤਿਰਿਧੀ

ਬਿਨੁ ਭਗਤੀ ਤਨੁ ਹੋਸੀ ਛਾਰੁ ॥
ਭੇਗਤੀ ਤਨ ਬੁਸੀ ਚੇਹਾਰ-
ਦਾ ਬਦਨ ਬੇ ਬੀ ਲੇ ਉਬਦਤੇ ਪੇ ਅਤ ਕੀ ਸੋਖੀ

ਸਰਬ ਕਲਿਆਣ ਸੁਖ ਨਿਧਿ ਨਾਮੁ ॥
ਸਰਬ ਕਲਿਆਣ ਸੁਖ ਨਿਧਿ ਨਾਮ-
ਦ ਖੰਨਿਂ ਨੁਮ ਦ ਤੁਲੋ ਨਿਕਿਊ ਅਤ ਖੜਨੀ ਖੜਾਨੇ ਦੇ

ਬੁਡਤ ਜਾਤ ਪਾਏ ਬਿਸ਼ਾਮੁ ॥
ਬੁਡਤ ਜਾਤ ਪਾਏ ਬਿਸ਼ਾਮ-
ਹਤੀ ਬੁਬ ਸ਼ਵੀ ਮਖਲਕਾਤ ਪਦੀ ਕੀ ਖੜਨੀ ਮਮੀ

ਸਗਲ ਦੂਖ ਕਾ ਹੋਵਤ ਨਾਸੁ ॥
ਸਗਲ ਦੁਖ ਕਾ ਹੋਵਤ ਨਾਸ-
ਤੁਲੀ ਸਟਨ੍ਜੀ ਲ੍ਰੀ ਸ਼ਵੀ

ਨਾਨਕ ਨਾਮੁ ਜਪਹੁ ਗੁਨਤਾਸੁ ॥੫॥
ਨਾਨਕ ਨਾਮੁ ਜਪਹੁ ਗੁਨਤਾਸ-
ਇ ਨਾਨਕ! ਦ ਨਿਕਿਊ ਦ ਖੜਾਨੀ ਦ ਨੁਮ ਪਾਦਾਵਾ

ਉਪਜੀ ਪ੍ਰੀਤਿ ਪ੍ਰੇਮ ਰਸੁ ਚਾਉ ॥
ਉਪਜੀ ਪ੍ਰੀਤਿ ਪ੍ਰੇਮ ਰਸੁ ਚਾਉ-
ਦ ਖਾਦਾਵ ਦ ਮੰਨੀ ਅਤ ਖਾਹ ਲ੍ਪਾਰੇ ਲਿਓ ਲਿਆ ਰਾਮਿਨ੍ਖਤੇ ਸ਼ਵੀ

ਮਨ ਤਨ ਅੰਤਰਿ ਇਹੀ ਸੁਆਉ ॥
ਮਨ ਤਨ ਅੰਤਰਿ ਇਹੀ ਸੁਆਉ-
ਦਾ ਖੜਨ ਪੇ ਢੜਨ ਅਤ ਬਦਨ ਕੀ ਦਕ ਸ਼ਵੀ

ਨੇਤ੍ਰਹੁ ਪੇਖਿ ਦਰਸੁ ਸੁਖੁ ਹੋਇ ॥
ਨੇਤ੍ਰਹੁ ਪੇਖਿ ਦਰਸੁ ਸੁਖੁ ਹੋਇ-
ਪੇ ਖੜਲੋ ਸਤ੍ਰਗ ਪੇ ਲਿਲੋ ਸਰੇ, ਜੇ ਸਕੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੁਮ

ਮਨੁ ਬਿਗਸੈ ਸਾਧ ਚਰਨ ਧੋਇ ॥
ਮਨੁ ਬਿਗਸੈ ਸਾਧ ਚਰਨ ਧੋਇ-
ਦ ਅਲਿਾਵਾ ਦ ਪਿਨ੍ਹੇ ਪੇ ਮਿਨ੍ਹਲੋ ਸਰੇ ਜਮਾਝੇ ਖੁਖਲਾਵ ਸ਼ਵੀ

ਭਗਤ ਜਨਾ ਕੈ ਮਨਿ ਤਨਿ ਰੰਗੁ ॥
ਭੇਗਤ ਜਨਾ ਕੈ ਮਨਿ ਤਨਿ ਰੰਗ-
ਦ ਗੁਰੂ ਮੰਨੇ ਦ ਉਕਿਤਮਨਾਵ ਪੇ ਰੂਹ ਅਤ ਬਦਨ ਕੀ ਸ਼ਤਨ ਲ੍ਰੀ

ਬਿਰਲਾ ਕੋਊ ਪਾਵੈ ਸੰਗੁ ॥

برਲਾ ਕੋਊ ਪਾਵੈ ਸੰਗੁ

ਯਾਤ੍ਰੀ ਯੋ ਨਾਦ ਸੇਰੀ ਦ ਦੋਹਿ ਸ਼ਰਕਤ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੋਇ

ਏਕ ਬਸਤੁ ਦੀਜੈ ਕਰਿ ਮਇਆ ॥

ایک بੱਸਤ ਦਿਯੈ ਕਰ ਮੈਂਡਾ

ਅਧੀ ਰਿਹੇ! ਮਹੱਬਾਨੀ ਓਕ੍ਰੀ ਮੋਬਰ ਤੇ ਯੋ ਨੁਮ ਸ਼ਾਉ ਥਿੜ ਰਾਕ੍ਰੀ; (ਨੋ ਦਾਸੀ)

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਨਾਮੁ ਜਪਿ ਲਾਇਆ ॥

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦ ਨਾਮ ਜਪ ਲੈਣਾ-

ਦ ਗੁਰੂ ਪੇ ਫੁਲ ਸੇਵ ਸਟਾ ਨੁਮ ਯਾਦਲੀ ਸ਼ਮ

ਤਾ ਕੀ ਉਪਮਾ ਕਹੀ ਨ ਜਾਇ ॥

ਤਾ ਕੀ ਐਮਾ ਕਹੀ ਨ ਜਾਇ-

ਦ ਹੁਗੇ ਮਥਾਲ ਨਾਥੀ ਬਿਧਾਨ ਕਿਦੀ

ਨਾਨਕ ਰਹਿਆ ਸਰਬ ਸਮਾਇ ॥੬॥

ਨਾਨਕ ਰਹੀਆ ਸਰਬ ਸਮਾਇ-

ਅਧੀ ਨਾਨਕ! ਰੂਪ ਪੇ ਹਰ ਖਾਇ ਕੀ ਖੋਪੂਰ ਦੀ

ਪ੍ਰਭੁ ਬਖਸੰਦ ਦੀਨ ਦਇਆਲ ॥

ਪ੍ਰਭੁ ਬਖ਼ਨਦ ਦੀਨ ਦੀਲ-

ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਬਖ਼ਿਨਕੀ ਓ ਮਹੱਬਾਨ ਦੀ

ਭਗਤਿ ਵਛਲ ਸਦਾ ਕਿਰਪਾਲ ॥

ਭੇਗਤ ਓਚੇਲ ਸਦਾ ਕਰੀਲ-

ਹੁਗੇ ਪੇ ਖੈਲੂ ਬੰਦਕਾਨੂ ਮਹੱਬਾਨ ਓ ਤਲ ਮਹੱਬਾਨ ਦੀ

ਅਨਾਥ ਨਾਥ ਗੋਬਿੰਦ ਗੁਪਾਲ ॥

ਅਨਾਥ ਨਾਥ ਗੋਬਿੰਦ ਗੁਪਾਲ-

ਹੁਗੇ ਗੁਪਿਨਦਾ ਦੀ, ਦ ਗੁਪਾਲ ਯਤਿਮਾਨੂ ਖੰਬਨ ਦੀ

ਸਰਬ ਘਟਾ ਕਰਤ ਪ੍ਰਤਿਪਾਲ ॥

ਸਰਬ ਘਟਾ ਕਰਤ ਪ੍ਰਤਿਪਾਲ

ਹੁਗੇ ਤੁਲ ਤੁਲਨੀ ਮੁਗਦਾਤ ਰੋਜ਼ੀ

ਆਦਿ ਪੁਰਖ ਕਾਰਣ ਕਰਤਾਰ ॥

ਆਦਿ ਪੁਰਖ ਕਾਰਣ ਕਰਤਾਰ-

ਹੁਗੇ ਦ ਕਾਨਾਤੂ ਰੂਪ ਓ ਖਾਲੀ ਦੀ

ਭਰਤ ਜਨਾ ਕੇ ਪ੍ਰਾਨ ਅਧਾਰ ॥

ਭੇਗਤ ਜਨਾ ਕੇ ਪ੍ਰਾਨ ਆਦਾਰ-

ਹੁਗੇ ਦ ਖੈਲੂ ਬੰਦਕਾਨੂ ਦ ਤੁਲਨੀ ਮਲਾਤੀ ਦੀ

ਜੋ ਜੋ ਜਪੈ ਸੁ ਹੋਇ ਪੁਨੀਤ ॥

جو جੋ ਚੌਥੇ ਸੋ ਬੋਈ ਪ੍ਰਿਤ-
ਚਾ ਚੀ ਨਕਰ ਕਰ, ਪਾਕ ਸ਼ਵ

ਭਗਤਿ ਭਾਇ ਲਾਵੈ ਮਨ ਹੀਤ ॥

ਭੇਗ ਬਹਾਇ ਲਾਵੈ ਮਨ ਹੀਤ-
ਹਗੇ ਦ ਖੀਲ ਜ਼ਰੇ ਮੰਨੇ ਦ ਖੰਨ ਪੇ ਉਬਦ ਤੁਮਕੁ ਕੋਇ

ਹਮ ਨਿਰਗੁਨੀਆਰ ਨੀਚ ਅਜਾਨ ॥

ਹਮ ਨਰਗੁਨੀਆਰ ਨਿਯੁ ਅਜਾਨ-
ਮੂਰ ਗੁਲਿਮਾਨ, ਬਿ ਉਚਲ ਅਓ ਅਹਮ ਯੋ

ਨਾਨਕ ਤੁਮਰੀ ਸਰਨਿ ਪੁਰਖ ਭਗਵਾਨ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਤੁਮਰੀ ਸਰਨਿ ਪੁਰਖ ਭਗਵਾਨ-

ਦ ਨਾਨਕ ਵਿਨਾ ਦੇ ਚੀ ਏ ਰੂਬ ਅਤੇ! ਹਫ਼ਵੀ ਸਨਾ ਪਨਾ ਹੋਇ ਤੇ ਰਾਗਲੀ ਦੀ

ਸਰਬ ਬੈਕੁੰਠ ਮੁਕਤਿ ਮੋਖ ਪਾਏ ॥

ਸਰਬ ਬੈਕੁੰਠ ਮੁਕਤਿ ਮੋਖ ਪਾਏ-
ਹਗੇ ਤੁਲ ਜੰਨ ਅਓ ਨਜ਼ਾਤ ਤੁਲਾਸੇ ਕੁਝ ਦੀ

ਏਕ ਨਿਮਖ ਹਰਿ ਕੇ ਗੁਨ ਗਾਏ ॥

ਏਕ ਨਿਮਖ ਹਰਿ ਕੇ ਗੁਨ ਗਾਏ-

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਯੋਹ ਸ਼ਿਬੀ ਲੀਪਾਰੇ ਹਮ ਦ ਕੁਰੋ ਸਟਾਇਨੇ ਕੋਇ

ਅਨਿਕ ਰਾਜ ਭੋਗ ਬਡਿਆਈ ॥

ਅਨਿਕ ਰਾਜ ਭੋਗ ਬਡਿਆਈ-

ਹਗੇ ਪਿਰੀ ਸਲੱਤਨਾਨੇ, ਇਸ਼ਵਨੇ ਅਓ ਲਾਈ ਰਾਵਰਨੀ ਤੁਲਾਸੇ ਕੋਇ

ਹਰਿ ਕੇ ਨਾਮ ਕੀ ਕਥਾ ਮਨਿ ਭਾਈ ॥

ਹਰਿ ਕੇ ਨਾਮ ਕੀ ਕਥਾ ਮਨਿ ਭਾਈ-

ਦ ਚਾਝੇਨ ਦ ਹਰੀ ਨੁਮ ਕਿਸੇ ਖੋਣਾਵੀ

ਬਹੁ ਭੋਜਨ ਕਾਪਰ ਸੰਗੀਤ ॥

ਬਹੁ ਭੋਜਨ ਕਾਪਰ ਸੰਗੀਤ-

ਹਗੇ ਦ ਮੁਖਲਾਵ ਖੁਰ੍ਬਾਰ, ਜਾਮੇ ਅਓ ਮੁਸਿਕੀ ਖੜ੍ਹੇ ਖੋਨਦ ਅਖੀ

ਰਸਨਾ ਜਪਤੀ ਹਰਿ ਹਰਿ ਨੀਤ ॥

ਰਸਨਾ ਜਪਤੀ ਹਰਿ ਹਰਿ ਨੀਤ-

ਦ ਚਾਪੇ ਰੰਬੇ ਤੰਲ ਦ ਹਰੀ ਪ੍ਰਮਿਥੁਰ ਨੁਮ ਯਾਦਿਵੀ

ਭਲੀ ਸੁ ਕਰਨੀ ਸੋਭਾ ਧਨਵੰਤ ॥

ਭਲੀ ਸੁ ਕਰਨੀ ਸੋਭਾ ਧਨਵੰਤ-

ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਅਮੁਲ ਕੀ ਬ੍ਰਕਤ ਦੀ, ਹਗੇ ਦ ਸਟਾਇਨੀ ਵਰ ਦੀ ਅਓ ਹਗੇ ਘਨੀ ਦੀ

ਹਿਰਦੈ ਬਸੇ ਪੁਰਨ ਗੁਰ ਮੰਤ ॥
ਬ੍ਰਦੀ ਬੱਸੇ ਪੂਰਨ ਗੁਰ ਮੰਤ
ਦ ਚਾ ਪੇ ਜ੍ਰੇ ਕੀ ਦ ਬੱਸੀਰ ਗ੍ਰੋ ਮੰਤਰ ਓਸਿਰੀ

ਸਾਧਸੰਗਿ ਪ੍ਰਭੁ ਦੇਹੁ ਨਿਵਾਸ ॥
ਸਾਧਸੰਗਿ ਪ੍ਰਭੁ ਦੇਹੁ ਨਿਵਾਸ-
ਏ ਰਖੇ! ਖੇਲ ਹਾਨ ਦ ਖੇਲ੍ਹਾਉ ਪੇ ਸਹਨੇ ਕੀ ਹਾਂ ਪੇ ਹਾਂ ਕ੍ਰੇ

ਸਰਬ ਸੁਖ ਨਾਨਕ ਪਰਗਾਸ ॥੮॥੨੦॥
ਸਰਬ ਸੁਖ ਨਾਨਕ ਪਰਗਾਸ-
ਏ ਨਾਨਕ! ਪੇ ਬਨੇ ਮਲਕੀ ਕੀ ਪਾਤੀ ਕਿਦਿਲ ਤੌਲੀ ਖੁਣੀ ਰੋਬਨੇ ਕ੍ਰੇ

ਸਲੋਕ ॥
ਸਲੋਕ

ਸਲੋਕਾ

ਸਰਗੁਨ ਨਿਰਗੁਨ ਨਿਰੰਕਾਰ ਸੁੰਨ ਸਮਾਪਿ ਆਪਿ ॥
ਸਰਗੁਨ ਨਿਰਗੁਨ ਨਿਰੰਕਾਰ ਸੁੰਨ ਸਮਾਪਿ ਆਪਿ-
ਏ ਸ਼ੁਭ ਖੰਨਿ ਪੱਖੀਲੇ ਸਰਗੁਨ ਅਵਗੁਨ ਦੀ. ਹੁਗੇ ਪੱਖੀਲੇ ਦ ਮਾਰਭ ਪੇ ਲੁਰ ਹਾਲ ਕੀ ਬਾਵਜੂਦ ਜੁਨ੍ਹਦ ਕ੍ਰੇ.

ਆਪਨ ਕੀਆ ਨਾਨਕਾ ਆਪੇ ਹੀ ਫਿਰਿ ਜਾਪਿ ॥੧॥
ਆਪਨ ਕੀਆ ਨਾਨਕਾ ਆਪੇ ਹੀ ਫਿਰਿ ਜਾਪਿ-
ਏ ਨਾਨਕ! ਏ ਸ਼ੁਭ ਖੰਨਿ ਪੱਖੀਲੇ ਕਾਨਨ ਜੁਰ ਕ੍ਰੇ ਅਵਗੁਨ ਦੀ ਅਵਗੁਨ (ਦ ਜੁਨ੍ਹਦ ਯੋਗ ਮੁਹੱਦਾਤ ਲੇ ਲਾਰੀ) ਜੁਨ੍ਹਦ ਕ੍ਰੇ.

ਅਸਟਪਦੀ ॥
ਅਸਟਪਦੀ
ਅਸਟਪਦੀ

ਜਬ ਅਕਾਰੁ ਇਹੁ ਕਛੁ ਨ ਦਿਸਟੇਤਾ ॥
ਜਬ ਅਕਾਰੁ ਇਹੁ ਕਛੁ ਨ ਦਿਸਟੇਤਾ-
ਕਲੇ ਚੀ ਦੀ ਤਖਿਲੀ ਖੀਰਿਦਲ ਹਿਖ ਨੇ ਬਨਕਾਰੀ,

ਪਾਪ ਪੁੰਨ ਤਬ ਕਹ ਤੇ ਰੋਤਾ ॥
ਪਾਪ ਪੁੰਨ ਤਬ ਕਹ ਤੇ ਰੋਤਾ-
ਨੂ ਦ ਚਾ (ਮੁਖਲੋਕ) ਪੇ ਵਾਸਥੇ ਕਨਾ ਯਾ ਨਿਕੀ ਰਾਤਿ ਸ਼ੀ?

ਜਬ ਧਾਰੀ ਆਪਨ ਸੁੰਨ ਸਮਾਪਿ ॥
ਜਬ ਧਾਰੀ ਆਪਨ ਸੁੰਨ ਸਮਾਪਿ-
ਕਲੇ ਚੀ ਰੂਬ ਪੱਖੀਲੇ ਦ ਬਾਵਜੂਦ ਮਾਰਭ ਪੇ ਵਾਲੀ ਹਾਲ ਕੀ ਵ ,

ਤਬ ਬੈਰ ਬਿਰੋਧ ਕਿਸੁ ਸੰਗਿ ਕਮਾਤਿ ॥
ਤਬ ਬੈਰ ਬਿਰੋਧ ਕਿਸੁ ਸੰਗਿ ਕਮਾਤਿ-
ਬਿਆ ਲੇ ਚਾ ਸਰੇ ਦਿਨਮੀ ਵਹੋ?

ਜਬ ਇਸ ਕਾ ਬਰਨੁ ਚਿਹਨੁ ਨ ਜਾਪਤ ॥

جب اس کا برن چہن نہ جاپت۔

کਲੇ ਜੀ (ਦਨ੍ਹੀ) ਕੁਮ ਰਨ੍ਗ ਅਵ ਨਿਨੇ ਨੇ ਬਨਕਾਰ੍ਦੇਹ،

ਤਬ ਹਰਖ ਸੋਗ ਕਰੁ ਕਿਸਹਿ ਬਿਆਪਤ ॥

تب ہر کھੇ ਸੋਗ ਕ੍ਰਿਹ ਕਸੇ ਭੋਪਾਤ۔

ਬਿਆ ਰਾਤੇ ਵਾਇਹ ਜੀ ਖੋਸਲੀ ਅਵ ਗੁਮਨੇ ਖੁਕ ਲਾਸ ਤੇ ਰਾਓਰੀ?

ਜਬ ਆਪਨ ਆਪਿ ਆਪਿ ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ॥

جب ਆਪਿ ਆਪਿ ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ۔

ਕਲੇ ਜੀ ਸਤਰ ਬਰਹਮਨ ਤੂਲ ਵੇਂਵੇਂ،

ਤਬ ਮੇਹ ਕਹਾ ਕਿਸੁ ਹੋਵਤ ਭਰਮ ॥

تب ਮੋਹ ਕਿਸੁ ਹੋਵਤ ਭਰਮ۔

ਜਿਰਤੇ ਮਖ਼ੁਸ਼ ਥੀ ਅਵ ਖੁਕ ਸ਼ਕ ਕੁਲਾਈ ਥੀ?

ਆਪਨ ਖੇਲੁ ਆਪਿ ਵਰਤੀਜਾ ॥

نانਕ ਕਰਨਿਹਾਰ ਨੇ ਦੁਆ।

ਏ ਨਾਨਕ! (ਦ ਪ੍ਰਿਦਾਇਨਿਤ ਪੇ ਬਨੇ) ਬਿ ਪ੍ਰਿਦਾ ਸ਼ਵੀ ਰਬ ਖੱਬ ਸ਼ਵੁਕਨੇ ਪ੍ਰਿਦਾ ਕ੍ਰਿਹ ਦੀ,

ਨਾਨਕ ਕਰਨੈਹਾਰੁ ਨ ਦੂਜਾ ॥੧॥

جب ਹੋਵਤ ਪ੍ਰਿਦਾ ਕਿਊਂ ਦੇਹਨੀ।

ਲੇ ਹੁਗੇ ਪ੍ਰਿਤੇ ਬੇਲ ਖਾਲਕ ਨਿਤੇ

ਜਬ ਹੋਵਤ ਪ੍ਰਭੁ ਕੇਵਲ ਧਨੀ ॥

تب ਬਨਦੇ ਮਕਤ ਕ੍ਰਿਹ ਕਿਸ ਕੌਂ ਕੌਂ।

ਕਲੇ ਜੀ ਦ ਨ੍ਹੀ ਥਿਨਤਨ ਯਾਵਾਈ ਵੇਂਵੇਂ,

ਤਬ ਬੰਧ ਮੁਕਤਿ ਕਰੁ ਕਿਸ ਕਉ ਗਨੀ ॥

جب ਇਕੇ ਬੇਲ ਅਗਮ ਆਪਾਰ।

ਬਿਆ ਰਾਤੇ ਜੀ ਖੁਕ ਅਵ ਕਨੈਲ ਸ਼ਵੀ ਅਵ ਖੁਕ ਪਾਬੰਦ ਦੀ?

ਜਬ ਏਕਹਿ ਹਰਿ ਅਗਮ ਅਪਾਰ ॥

تب ਨਰਕ ਸ੍ਰਗ ਕ੍ਰਿਹ ਕਾਉਂ ਅਤਾਰ।

ਕਲੇ ਜੀ ਯਾਵਾਈ ਦ ਲਾਸ਼ੀ ਵੇਂਵੇਂ ਅਵ ਪ੍ਰਾਖੇ ਸ਼ਨੇ ਵੇਂਵੇਂ,

ਤਬ ਨਰਕ ਸੁਰਗ ਕਰੁ ਕਉਨ ਅਉਤਾਰ ॥

جب ਨਰਕ ਪ੍ਰਿਦਾ ਸੰਭੇਅ।

ਬਿਆ ਰਾਤੇ ਵਾਇਹ ਜੀ ਕੁਮ ਮਖ਼ੁਸ਼ ਦੋਵਾਖ ਅਵ ਜੰਨ ਤੇ ਰਾਗਲੀ?

ਜਬ ਨਿਰਗੁਨ ਪ੍ਰਭੁ ਸਹਜ ਸੁਭਾਇ ॥

تب ਸਾਡੇ ਸਕਤ ਕ੍ਰਿਹ ਕਤ ਠਹਾੰ।

کله چی رب نرگونا د خپل طبیعی طبیعت سره و ،

ਤਬ ਸਿਵ ਸਕਤਿ ਕਹਹੁ ਕਿਤੁ ਠਾਇ ॥

جب آپہ آپ اپنی جوت دھرئی۔

بیا راته و وايه چی شیو شکتی په کوم ੜائی کی وو؟

ਜਬ ਆਪਹਿ ਆਪਿ ਅਪਨੀ ਜੋਤਿ ਧਰੈ ॥

تب کون ندار کون کੱਢ درئی۔

کله چی گرو پخپله هلنਹ ناست وو خپلੇ رਨਾ یੰਹ ਰੋਬਨਾਨੇ ਕਰੇ

ਤਬ ਕਵਨ ਨਿਫ਼ਰੁ ਕਵਨ ਕਤ ਫ਼ਰੈ ॥

آپਨ چلت آਪ کرنیہار۔

بیا لੇ ਚਾਨੇ ਵੱਖ੍ਦੇ ਓਲੇ ਚਾਨੇ ਵੱਖ੍ਦੇ؟

ਆਪਨ ਚਲਿਤ ਆਪਿ ਕਰਨੈਹਾਰ ॥

نانک تھاکੁਰ ਏਗ ਏਧਰ۔

ای نانک! خدائی ਬੀ ਹਦੇ ਦੀ

ਨਾਨਕ ਠਾਕੁਰ ਅਗਾਮ ਅਪਾਰ ॥੨॥

ਅਭਨਸੀ ਸਕੇ ਆਪਨ ਆਸਨ۔

ਖਾਨ ਤੁਰੀਫ਼ੂਲ

ਅਬਿਨਾਸੀ ਸੁਖ ਆਪਨ ਆਸਨ ॥

ਤੇ ਜਨਮ ਮਰਨ ਕ੍ਰਿਆ ਬਨਾਸਨ۔

کله چਿ ਦ ਅਮਰ ਖੰਬਣ ਪੇ ਖਪਲੇ ਆਰਾਮੇ ਖੁਕੀ ਕਿਨਾਸਤ

ਤਹ ਜਨਮ ਮਰਨ ਕਹੁ ਕਹਾ ਬਿਨਾਸਨ ॥

جب ਪੂਰਨ ਕਰਤਾ ਪ੍ਰਭੇ ਸੌਝੇ۔

ਬਿਾ ਰਾਤੇ ਵਾਇਹੇ چਿ ਪ੍ਰਿਦਾਇਸਤ, ਮੁਰਿਨੀ ਓ ਤਿਥਾਹੀ ਚੀਰਤੇ ਵੀ?

ਜਬ ਪੂਰਨ ਕਰਤਾ ਪ੍ਰਭੁ ਸੋਇ ॥

تب ਜਮ ਕੀ ਤਰਾਸ ਕ੍ਰਿਆ ਕੁਝੇ۔

کله چਿ ਦ ਸ਼ਕਲ ਪ੍ਰਤੇ ਯਾਵਾਂ ਯੋ ਬਿਧੀ ਖਾਲਚ ਵ

ਤਬ ਜਨਮ ਕੀ ਤ੍ਰਾਸ ਕਹਹੁ ਕਿਸੁ ਹੋਇ ॥

جب ਅਭਗ ਅਕਗ ਪ੍ਰਭੇ ਏਕਾ।

ਬਿਾ ਰਾਤੇ ਵਾਇਹੇ چਿ ਲੇ ਮਰਕੇ ਖੁਕ ਵਿਰਿਓ?

ਜਬ ਅਬਿਗਤ ਅਗੋਚਰ ਪ੍ਰਭੁ ਏਕਾ ॥

تب ਚੜ੍ਹ ਗੂਪ ਕੁ ਪ੍ਰਚੇਤ ਲਿਕਾ।

ਕਲੇ ਚਿ ਯਾਵਾਂ ਨਾਖਰਗੁਦ ਓ ਨੇ ਲਿਡ ਕਿਉਨਕੀ ਖਾਇ ਸ਼ਤੁਨ ਦਰਲਉ

ਤਬ ਚਿਤ੍ਰੂ ਗੁਪਤ ਕਿਸੁ ਪ੍ਰਦਤ ਲੇਖਾ ॥

جب ਨਾਤੇ ਤ੍ਰਨ ਅਕਗ ਏਕਾਦੇਹੇ।

بیا چتر گیت د حساب پوشننے وکرہ؟

ਜਬ ناس نیرجن اگوچر اگاپے ॥

تب کاؤن چھتے کاؤن بندھن بادھے۔

کله چی یوازی (رب) بی داغ، نه لیدل کیدونکی او خورا نازک و

उਬ کوئن ٹھٹے کوئن بیان بآپے ॥

آپن آپ آپ ہی اچرا۔

بیا ٹھوک د ممتا له غلامی ازاد شول او ٹھوک په غلامی کی بند پاتی شول؟

آپن آپ آپ ہی اصرارزا ॥

بھو بنت اوج تے اوج۔

خبنتن په خپل ذات کی هر ٹھے دی، هغہ پخپلہ بشپر دی

ناںک آپن رُپ آپ ہی ایپرزا ॥۳॥

ناںک آپن روپ آپ ہی اپرزا۔

ای نانک! دا خپلہ بنہ جورہ کری ده

جہ نیرمال پُرخ پُرخ پتی ہوتا ॥

جہ نرمل پرخ پرخ پت ہوتا۔

چیرته چی پاک سری د نارینہ وو خاوندان وو

ਤਹ ਬਿਨੁ ਮੈਲੁ ਕਹਹੁ ਕਿਆ ਧੋਤਾ ॥

ਤਹ ਬਿਨੁ ਕਹਹੁ ਕਿਆ ਧੋਤਾ۔

او ہیخ کثافات نه وو، ما تھ ووایہ! بیا د پاکولو لپارہ ٹھے وو؟

ਜہ نیرجن نیرکار نیربان ॥

جہ نرجن نرکار نربان۔

چرتہ چی یواحی بی داغ او بی نتیجی خبنتن وو

ਤਹ ਕਉਨ ਕਉ ਮਾਨ ਕਉਨ ਅਭਿਮਾਨ ॥

کرن کراون کرنيبار۔

ہلتہ ٹھوک عزت او ٹھوک ویار و؟

ਜہ سਰੂਪ ਕੇਵਲ ਜਗਦੀਸ ॥

تھ کاؤن کو من کاؤن ابھمان۔

ہلتہ یوازی د جگدیش شکل و، د کانناتو خبنتن،

ਤਹ ਛਲ ਛਿਦ੍ਰ ਲਗਤ ਕਹੁ ਕੀਸ ॥

جہ سروپ کیوں جگدیس۔

دا راتھ ووایہ، چی ہلتہ د چا په فریب او گناہ اختہ شو؟

ਜہ ਜੋਤਿ ਸਰੂਪੀ ਜੋਤਿ ਸੰਗਿ ਸਮਾਵੈ ॥

تھ چھل چھر لگت کہو کیس۔

چیرته چی د رنا بنه خپله رنا جذب کره

ਤਹ ਕਿਸਹਿ ਭੂਖ ਕਵਨੁ ਤ੍ਰ੍ਯੁਪਤਾਵੈ ॥

جے جوت سروپی جوت سنگ سماوے-

بیا خوک وری وو او چا راحت احساساوہ؟

ਕਰਨ ਕਰਾਵਨ ਕਰਨੈਹਾਰੁ ॥

تھے کسہ بھੋਕ ਕੁਨ ਤਰੀਪਤਾਵੇ-

کرتار، د کائناتو خالق، د هر ਥੇ ਜੁਰਵਨਕੀ ਓਦ ੜਾਨਡਿਆ ਮੁਗੁਦਾਤੋ ਤਰਸਰੇ ਕੁਵਨਕੀ ਦੀ

ਨਾਨਕ ਕਰਤੇ ਕਾ ਨਾਹਿ ਸੁਮਾਰੁ ॥੪॥

نਾਨਕ ਕਰਤੇ ਕਾ ਨਿਹੈ ਸਮਾ-

ای نਾਨਕ! ਦ ਹੁਗੇ ਛੰਭਣ ਲਿਧੇ ਪਾਇ ਨਾਵੇ ਚੀ ਨਿਹੈ ਧੀ ਰਾਮਿਖਤੇ ਕ੍ਰੀ

ਜਬ ਅਪਨੀ ਸੋਭਾ ਆਪਨ ਸੰਗਿ ਬਨਾਈ ॥

جب ਐਨੀ ਚਬਾ ਐਨ ਸਨਗ ਬਨਾਈ-

ਕਲੇ ਚੀ ਰੱਬ ਖੈਲੇ ਬੁਲਕਾ ਲੇ ਖਾਨੇ ਸਰੇ ਪੰਦਾ ਕ੍ਰੀ

ਤਬ ਕਵਨ ਮਾਇ ਬਾਪ ਮਿਤ੍ਰ ਸੁਤ ਭਾਈ ॥

ਤੱਬ ਕੁਨ ਮਾਨ ਬਾਪ ਮਨ ਸਤ ਬਹਾਈ-

ਨੂ ਮੂਰ, ਪ੍ਲਾਰ, ਦੁਸਤ, ਜੂਵੀ ਓਵਰ ਖੁਕ ਵੀ?

ਜਹ ਸਰਬ ਕਲਾ ਆਪਹਿ ਪਰਬੀਨ ॥

ਜੇ ਸਰ੍ਬ ਕਲੇ ਆਪੇ ਪ੍ਰਬੀਨ-

ਕਲੇ ਚੀ ਹੁਗੇ ਪੱਖੇਲੇ ਪੇ ਤੁਲੇ ਹਨਰਨੂ ਕੀ ਪੂਰੇ ਮਹਾਰਤ ਦਰਲੁਵ

ਤਹ ਬੇਦ ਕਤੇਬ ਕਹਾ ਕੋਊ ਚੀਨ ॥

ਤੇ ਬੀਦ ਕਨੀਬ ਕਹਾ ਕਾਉ ਜੀਨ-

ਹੁਗੇ ਵਖਤ ਚਾਵਿਦ ਓ ਪੋਹਾਨ ਚਿਰਤੇ ਪੀਰਨੀ?

ਜਬ ਆਪਨ ਆਪੁ ਆਪਿ ਉਰਿ ਧਾਰੈ ॥

جب ਐਨ ਆਪ ਆਪ ਅਵਹਾਰੈ-

ਕਲੇ ਚੀ ਬੀ ਰਬਤੇ ਰੱਬ ਪੇ ਖੈਲੇ ਜੀਰੇ ਕੀ ਔਸ਼ਿਰੀ,

ਤਉ ਸਗਨ ਅਪਸਗਨ ਕਹਾ ਬੀਚਾਰੈ ॥

ਤੌ ਸੱਗਨ ਐਸ਼ਗਨ ਕਹਾ ਬੀਚਾਰੈ-

ਬੀਆ ਚਾ ਦ ਸ਼ੱਗਨ (ਬਨੇ) ਓ ਐਸ਼ਗਨ (ਬਦ ਬਖਤ) ਫਕਰ ਕ੍ਰੀ?

ਜਹ ਆਪਨ ਉਚ ਆਪਨ ਆਪਿ ਨੇਰਾ ॥

ਜੇ ਐਨ ਓਚ ਐਨ ਆਪ ਨੀਰਾ-

ਚਿਰਤੇ ਚੀ ਗੁਰੂ ਪੱਖੇਲੇ ਲੁਵਰ ਓ ਹਾਨ ਨਿਵਦੀ ਓ

ਤਹ ਕਉਨ ਠਾਕੁਰੁ ਕਉਨੁ ਕਹੀਐ ਚੇਰਾ ॥

تہ کون تھاکور کون کہئے چیرا۔
ہلتہ چا ته بادار ویلی شی او چا ته نوکر ویلی شی؟

ਬਿਸਮਨ ਬਿਸਮ ਰਹੇ ਬਿਸਮਾਦ ॥

بسمن بسم ربے بسماد۔
زہ د ੜਿਭਿਤਨ ਦ ਸੀਪਿੱਖਲੀ ਹੋਕ ਪੇ ਲਿਦ੍ਵ ਹਿਰਾਨ ਧਮ

ਨਾਨਕ ਅਪਨੀ ਗਤਿ ਜਾਨਹੁ ਆਪਿ ॥੫॥

ਨਾਨਕ ਆਪਨੀ ਗੜ ਜਾਨਹੂ ਆਪ
ਦ ਨਾਨਕ ਵਿਨਾ ਦਾ ਦੇ ਚ੍ਰਿ ਏ ਵਾ ਗੁਰੂ! ਤਾਸੁ ਖੌਲ ਰਫ਼ਤਾਰ ਪੀਝਨੀ

ਜਹ ਅਛਲ ਅਛੇਦ ਅਭੇਦ ਸਮਾਇਆ ॥

ਜਹ ਅਚੇਲ ਅਚੇਹਿ ਅਭੇਹਿ ਸਮਾਇਆ۔
ਚਿਰਤੇ ਚ੍ਰਿ ਗੁਲੁਲ ਸ਼ਾਵੀ ਜਹਾਨ ਓ ਯੋ ਢਿਭਿਤਨ ਪੇ ਖੌਲ ਹਾਨ ਕੀ ਜੰਡ ਸ਼ਾਵ

ਉਹਾ ਕਿਸਹਿ ਬਿਆਪਤ ਮਾਇਆ ॥

ਓਹਾ ਕਸੇ ਬਿਨਾਪਿ ਮਾਇਆ۔
ਹਲਤੇ ਮਮਤਾ ਦ ਚਾ ਨਫੁਦ ਦ੍ਰਲਉ?

ਆਪਸ ਕਉ ਆਪਹਿ ਆਦੇਸੁ ॥

ਆਪਸ ਕੁ ਆਪਹਿ ਆਦੇਸੁ۔
ਕਲੇ ਚ੍ਰਿ ਰੂਬ ਪੱਖਿਲੇ ਹਾਨ ਤੇ ਸਲਾਮ ਵਕ੍ਰੇ،

ਤਿਹੁ ਗੁਣ ਕਾ ਨਾਹੀ ਪਰਵੇਸੁ ॥

ਤਿਹੁ ਗੁਣ ਕਾ ਨਾਹੀ ਪਰਵੇਸੁ۔
ਬਿਆਦੀ ਗੁਨੇ (ਦ ਮਮਤਾ) (ਦੀਆ ਤੇ) ਦਾਖਲ ਨੇ ਸ਼ਾਵ

ਜਹ ਏਕਹਿ ਏਕ ਏਕ ਭਰਾਵੰਤਾ ॥

ਜਹ ਏਕਹਿ ਏਕ ਏਕ ਭਰਾਵੰਤਾ۔
ਚਿਰਤੇ ਚ੍ਰਿ ਤੇ ਯਾਵਾਈ ਰੂਬ ਵੀ

ਤਹ ਕਉਨੁ ਅਚਿੰਤੁ ਕਿਸੁ ਲਾਗੈ ਚਿੰਤਾ ॥

ਤਹ ਕਉਨੁ ਅਚਿੰਤੁ ਕਿਸੁ ਲਾਗੈ ਚਿੰਤਾ۔

ਖੁਕ ਬੀ ਪ੍ਰਾਵਾ ਓ ਖੁਕ ਅਨਿਭਿਨੰ ਬਿਕਾਰਿਦੰਡਲ

ਜਹ ਆਪਨ ਆਪੁ ਆਪਿ ਪਤੀਆਰਾ ॥

ਜਹ ਆਪਨ ਆਪੁ ਆਪਿ ਪਤੀਆਰਾ۔
ਚਿਰਤੇ ਚ੍ਰਿ ਰੂਬ ਲੇ ਹਾਨੇ ਰਾਸੀ ਵੀ،

ਤਹ ਕਉਨੁ ਕਥੈ ਕਉਨੁ ਸੁਨਨੈਹਾਰਾ ॥

ਤਹ ਕਉਨੁ ਕਥੈ ਕਉਨੁ ਸੁਨਨੈਹਾਰਾ۔
ਵਿਨਾ ਕਾਵਨਕੀ ਖੁਕ ਓ ਓਰਿਦੋਨਕੀ ਖੁਕ ਵੀ?

ਬਹੁ ਬੇਅੰਤ ਉਚ ਤੇ ਉਚਾ ॥
ਨਾਨਕ! ਆਪਿ ਕੋ ਆਪੇ ਪ੍ਰਿਯੋ।
ਏ ਨਾਨਕ! ਗੁਰੂ ਅਭਿ ਅਵਾਲੀ ਦੀ

ਨਾਨਕ ਆਪਸ ਕਉ ਆਪਹਿ ਪਹੂਚਾ ॥੬॥
ਜੇ ਆਪ ਰਚਿਓ ਪ੍ਰਿੱਤੁ ਏਕਾਰ।
ਬਿਵਾਜਿ ਹੁਗੇ ਖੈਲ ਖਾਨ ਤੇ ਰਸਾਵਿ

ਜਹ ਆਪਿ ਰਚਿਓ ਪਰਪੰਚੁ ਅਕਾਰੁ ॥
ਤੇ ਗੁਨ ਮਿਕੌਨੁ ਬਸਾਰ।
ਕਲੇ ਚੀ ਥਿਣਨ ਪਖ਼ਿਲੇ ਕਾਨਨ ਜੁਰ ਕਰ

ਤਿਹੁ ਗੁਣ ਮਹਿ ਕੀਨੋ ਬਿਸਥਾਰੁ ॥
ਪਾਪ ਪਿਨ ਤੇ ਬਹੀ ਕਿਆਵਤ।
ਓ ਪੇ ਨਾਨੀ ਕੀ ਦ ਮਾਇਆ ਦ੍ਰਿ ਗੁਨੀ ਖ੍ਰਿਓਇ,

ਪਾਪ ਪੁੰਨ ਤਹ ਭਈ ਕਹਾਵਤ ॥
ਕੋਈ ਨੁਕ ਕੋਈ ਸੁਗ ਬਿਚਹਾਵਤ।
ਨੂ ਮੁਲੋਮੇ ਸ਼ਵੇ ਚੀ ਦਾ ਗਨਾਹ ਦੇ ਕੇ ਫਸ਼ਿਲਾਤ

ਕੋਊ ਨਰਕ ਕੋਊ ਸੁਰਗ ਬੰਢਾਵਤ ॥
ਅਗ ਮਾਨੀਆ ਜੰਗ।
ਹੈਨਿਊ ਜਹਨਮ ਤੇ ਤੱਲ ਅਤੇ ਹੈਨਿਊ ਦ ਜੱਤ ਪੇ ਹੀਲੇ

ਆਲ ਜਾਲ ਮਾਇਆ ਜੰਜਾਲ ॥
ਹੋਮੀ ਮੋਹ ਬੇਰਮ ਬੇਹੀ ਬਾਰ।

ਰਬ ਦੀ ਦ ਦੀਨਿਆ ਫਤਿ, ਦ ਮਾਲ ਜਾਲ ਲਿ ਕਰਿ

ਹਉਮੈ ਮੋਹ ਭਰਮ ਭੈ ਭਾਰ ॥
ਨੁਕੇ ਸੁਕੇ ਮਾਨ ਐਮਾਨ।
ਦਾ ਦ ਗੁਰੂਰ, ਹਸਦ, ਸ਼ਕ ਅਤੇ ਬਾਰ ਰਾਮਿਨ੍ਹਤੇ ਕਰਿ

ਦੂਖ ਸੂਖ ਮਾਨ ਅਪਮਾਨ ॥
ਅਨੁਕ ਪ੍ਰਕਾਰ ਕਿਓ ਬਖਿਆਨ।
ਖੱਚਾਨ- ਖੋਬਿਆਨ, ਉਤ- ਦਲਤ
ਅਨਿਕ ਪ੍ਰਕਾਰ ਕੀਓ ਬਖਾਨ ॥
ਅੰਨ ਕਹੀਲ ਆਪ ਕੇ ਦਿਕਹੋਈ।
ਪੇ ਪੀਲ ਕੀ ਪੇ ਪੀਰੀ ਲਾਰੋ ਤੋਸਿਹਾਤ ਷ਟਨ ਦਰਲੋਡ

ਆਪਨ ਖੇਲੁ ਆਪਿ ਕਰਿ ਦੇਖੈ ॥
ਤੇ ਕਿਨ ਨਦਾਰ ਕਿਨ ਕੱਠ ਦਰੈ।
ਥਿਣਨ ਖੈਲ ਕਾਰਵਨੇ ਪ੍ਰਿਦਾ ਕੋਵਿ ਅਤੇ ਗੁਰੀ

ਖੇਲੁ ਸੰਕੋਚੈ ਤਉ ਨਾਨਕ ਏਕੈ ॥੭॥

کھੀਲ ਸਨਕੋਚੈ ਤੌ ਨਾਨਕ ਆਇਕੈ-

ای نਾਨਕ! ਕਲੇ ਜੀ ਖੱਬਿਤਨ ਖੀਲ ਤਕਹਿਤਾਂ ਰਾਤਲਾਵੀ, ਹੁਗੇ ਯਾਤਰੀ ਪਾਤੀ ਕਿਦ੍ਰਿ

ਜਹ ਅਬਿਗਤੁ ਭਗਤੁ ਤਹ ਆਪਿ ॥

ਅਥਨਾਸੀ ਸਕਹੈ ਆਪਿ ਆਸਨ-

ਚਿਰਤੇ ਜੀ ਅਭਿਆਸੀ ਵੀ, ਹਲਤੇ ਦ ਹੁਗੇ ਬਨਦੇ ਵੀ, ਚਿਰਤੇ ਜੀ ਬਨਦੇ ਵੀ, ਹਲਤੇ ਪੱਖਲੇ ਗ੍ਰਹ ਵੀ

ਜਹ ਪਸਰੈ ਪਾਸਾਰੁ ਸੰਤ ਪਰਤਾਪਿ ॥

ਤੇ ਜਨਮ ਮਰਨ ਕ੍ਰਿਆ ਕ੍ਰਿਆ ਬਨਾਸਨ-

ਹਰ ਚਿਰਿ ਜੀ ਹੁਗੇ ਮਖ਼ਲੋਕ ਖੁਲ੍ਹੀ, ਦਾ ਦ ਹੁਗੇ ਦ ਸੀਖ਼ਲੀ ਉਸਤ ਲਿਧਾਰੇ ਦੀ

ਦੁਹੁ ਪਾਖ ਕਾ ਆਪਹਿ ਧਨੀ ॥

ਜਬ ਪੂਰਨ ਕ੍ਰਿਆ ਪ੍ਰਿਆ ਸੌਣੈ-

ਹੁਗੇ ਦਾਵਾਰੇ ਖਾਵਾਰੀ ਲ੍ਰਿ

ਉਨ ਕੀ ਸੋਭਾ ਉਨਹੁੰ ਬਨੀ ॥

ਤੇ ਜਮ ਕੀ ਤਰਾਸ ਕ੍ਰਿਆ ਕ੍ਰਿਆ ਬੋਣੈ-

ਦ ਹੁਗੇ ਬੰਕਲਾ ਯਾਤਰੀ ਹੁਗੇ ਤੇ ਬੰਕਲਾ ਓਰਕ੍ਰਿ

ਆਪਹਿ ਕਉਤਕ ਕਰੈ ਅਨਦ ਚੋਜ ॥

ਜਬ ਅਗੱਤ ਅਗੱਤ ਪ੍ਰਿਆ ਆਇਕਾ।

ਖੱਬਿਤਨ ਪੱਖਲੇ ਨਾਵਿ ਅਤੇ ਲ੍ਰਿ ਕ੍ਰਿ

ਆਪਹਿ ਰਸ ਭੋਗਾਨ ਨਿਰਜੋਗ ॥

ਤੇ ਚੰਤ੍ਰ ਗੱਪਿ ਕ੍ਰਿਆ ਪ੍ਰਿਆ ਲਿਕਾ।

ਹੁਗੇ ਲੇ ਹਾਨੇ ਖੋਨਦ ਅਖ਼ਲੀ ਅਤੇ ਬੀਆ ਹਮ ਲ੍ਰਿ ਕ੍ਰਿ

ਜਿਸੁ ਭਾਵੈ ਤਿਸੁ ਆਪਨ ਨਾਇ ਲਾਵੈ ॥

ਜਬ ਨਾਤੇ ਨਰੰਗ ਅਗੱਤ ਅਗੱਤ ਹੈ-

ਹੁਗੇ ਛੁਕ ਜੀ ਓਗੁਵਾਰੀ ਲੇ ਖੀਲ ਨੁਮ ਸ੍ਰੇ ਬੀ ਸ਼੍ਰੀਕ੍ਰਿ

ਜਿਸੁ ਭਾਵੈ ਤਿਸੁ ਖੇਲ ਖਿਲਾਵੈ ॥

ਤੇ ਕਾਉਂ ਚੰਤ੍ਰ ਕਾਉਂ ਬਨਦੇ ਬਾਦੇ-

ਹੁਗੇ ਚਾਤੇ ਜੀ ਓਗੁਵਾਰੀ ਦ ਨ੍ਰੇ ਲ੍ਰਿ ਓਰਕ੍ਰਿ

ਬੇਸੁਮਾਰ ਅਬਾਹ ਅਗਨਤ ਅਤੇਲੈ ॥

ਜਿਓ ਬਲਾਂ ਨਾਨਕ ਦਾਸ ਬੋਣੈ-

ਦ ਨਾਨਕ ਵਿਨਾ ਦੇ ਜੀ ਆਇ! ਆਇ! ਅਤੇ ਹੁਦਾ, ਬੀ ਮਥਾਹ ਰਿਹੇ

ਜਿਉ ਬੁਲਾਵਹੁ ਤਿਉ ਨਾਨਕ ਦਾਸ ਬੋਲੈ ॥੮॥੨੧॥

ਜੇ ਨਰਮ ਪ੍ਰਿਆ ਪ੍ਰਿਆ ਬੋਣਾ-

ਲਕੇ ਖੜਕ ਜੀ ਤਾਸੁ ਘਰੁ ਕ੍ਰਿ, ਦਾ ਗਲਮ ਖੁਗ੍ਰੀ ਕ੍ਰਿ

ਸਲੋਕ ॥

سلوک

شلوک

ਜੀਅ ਜੰਤ ਕੇ ਠਾਕੁਰਾ ਆਪੇ ਵਰਤਣਹਾਰ ॥

جیا جنت کے تھاکورا آپے ورتہار۔

ای د مخلوقاتو ربہ! نو، پਖਿਲੇ، ਹਰ ਸਲੇ ਖੁਬਿਓ

ਨਾਨਕ ਏਕੇ ਪਸਰਿਆ ਦੂਜਾ ਕਹ ਦਿਸਟਾਰ ॥੧॥

نانک ایکو پਸਰیا دوجا که درستار۔

ای نانک! ਯੋ ਰੂਬ ਹਰ ਅਖੀਜ਼ ਦੀ। ਬਲ ਖੁਕ ਚਰਤੇ ਗੁਰੀ?

ਅਸਟਪਦੀ ॥

اشਤਾਪਦੀ

اشتਾਪਦੀ

ਆਪਿ ਕਥੈ ਆਪਿ ਸੁਨਨੈਹਾਰੁ ॥

آپ کتھئے آپ سਨੈਹਾਰ۔

ਹਗੇ ਪਖਿਲੇ ਖੁਬੀ ਕੌਧੀ ਅਤੇ ਪਖਿਲੇ ਓਰਿਡੋਨਕੀ ਦੀ

ਆਪਹਿ ਏਕੁ ਆਪਿ ਬਿਸਥਾਰੁ ॥

آپہ ایک آپ ਬਸਤਾਰ۔

ਦਾ ਪਖਿਲੇ ਯੋ ਦੀ ਅਤੇ ਪਖਿਲੇ ਦੀ ਹਗੀ ਤ੍ਰਾਵਿਅਤ ਦੀ

ਜਾ ਤਿਸੁ ਭਾਵੈ ਤਾ ਸਿਸਟਿ ਉਪਾਏ ॥

جا کو بھائے ਤਾ ਸੱਸਥ ਆਪੈ۔

ਕਲੇ ਚੀ ਹਗੇ ਬਨੇ ਅਹਸਾਸ ਕੌਧੀ, ਹਗੇ ਕਾਨਨਾਤ ਜੁਰੋਧੀ

ਆਪਨੈ ਭਾਣੈ ਲਏ ਸਮਾਏ ॥

آਪਨੇ ਬਹਾਨੇ ਲੈ ਸਮਾਨੇ۔

ਹਗੇ ਦ ਖੁਲ੍ਹੀ ਅਤੇ ਸਰੇ ਸਮ ਜਨ੍ਮੀ

ਤੁਮ ਤੇ ਭਿੰਨ ਨਹੀਂ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ॥

ਤੁਮ ਤੇ ਬੇਨ ਨੈਹਿੰ ਕਿਛੁ ਬੋਈ۔

ਇ ਰਬੇ! ਸਤਾਸੁ ਪਰਤੇ ਹੀਥ ਸ਼ਿ ਨਾਨੀ ਕਿਦੀ

ਆਪਨ ਸੁਤਿ ਸਭੁ ਜਗਤੁ ਪਰੋਇ ॥

آਪਨ ਸੁਤ ਸਭ ਜਗ੍ਹ ਪ੍ਰਾਵੈ۔

ਤਾ ਤੁਲ ਕਾਨਨਾਤ ਪੇ ਯੋ ਤਾਰ ਕੀ ਅਵਦਲ

ਜਾ ਕਉ ਪ੍ਰਭੁ ਜੀਉ ਆਪਿ ਬੁਝਾਏ ॥

جا ਕਾ ਪ੍ਰਭੇ ਜਿਓ ਆਪ ਬਜਹਾਈ۔

ਚਾਨੇ ਚੀ ਦੀ ਪਖਿਲੇ ਪ੍ਰਭੇ ਪ੍ਰਭੀ ਓਰਕ੍ਰੀ

سچ نام مੋਈ ਜਨੁ ਪਾਏ ॥

سچ نام سوئ جن پائے۔

دا سਰੀ اصلੀ ਨਮ ਅਖੀ

ਸੋ ਸਮਦਰਸੀ ਤਤ ਕਾ ਬੇਤਾ ॥

سو سਮਦਰਸੀ ਤਤ ਕਾ ਬੀਤਾ۔

ਹਗੇ ਯੋ ਫਿਲਸੋਫ ਓਦ ਤੋਲੁ ਮੋਗਦਾਤੁ ਲਿਦੋਨਕੀ ਦੀ

ਨਾਨਕ ਸਗਲ ਸਿਸਟਿ ਕਾ ਜੇਤਾ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਸੱਗ ਸ੍ਰਸ਼ਟ ਕਾ ਜੀਤਾ۔

ਅਵ ਨਾਨਕ! ਹਗੇ ਬੇ ਤੋਲੇ ਨ੍ਰੀ ਫਤਿ ਕ੍ਰੀ

ਜੀਅ ਜੰਤੂ ਸਭ ਤਾ ਕੈ ਹਾਥ ॥

ਜੀਆ ਜੰਤੂ ਸਭ ਤਾ ਕੈ ਬਾਤਾ۔

ਤੋਲ ਤੁਨਦੀ ਮੋਗਦਾਤ ਦੀ ਖੰਨਨ ਪੇ ਵਾਕ ਕੀ ਦੀ

ਦੀਨ ਦਇਆਲ ਅਨਾਥ ਕੇ ਨਾਥੁ ॥

ਦੀਨ ਦਿਆਲ ਅਨਾਥ ਕੋ ਨਾਥੁ۔

ਹਗੇ ਉਗਜ ਓਦ ਬਿਤਿਮਾਨੁ ਸਰਪ੍ਰਸਤ ਦੀ

ਜਿਸੁ ਰਾਖੈ ਤਿਸੁ ਕੋਇ ਨ ਮਾਰੈ ॥

ਜਸ ਰਾਕਹੀ ਤਸ ਕੋਈ ਨੇ ਮਾਰੈ۔

ਖੁਕ ਚੀ ਖੰਨਨ ਸਾਤੀ, ਹਿਖੁਕ ਹਗੇ ਨਾਥੀ ਵੱਡੀ

ਸੋ ਮੂਆ ਜਿਸੁ ਮਨਹੁ ਬਿਸਾਰੈ ॥

ਸੋ ਮਾਂ ਜਸ ਮਨੇ ਬਸਾਰੈ۔

ਖੁਕ ਚੀ ਲੇ ਜੀਰੇ ਖੜ੍ਹੇ ਹੈਰ ਕ੍ਰੀ ਹਗੇ ਲਾਦ ਮੁਖੇ ਮੁਝ ਦੀ

ਤਿਸੁ ਤਜਿ ਅਵਰ ਕਹਾ ਕੇ ਜਾਇ ॥

ਤਸ ਤਜ ਅਵਰ ਕਹਾ ਕੋ ਜਾਇ۔

ਓਲੀ ਯੋ ਸਰੀ ਬਾਇਦ ਹਗੇ ਪ੍ਰਿਯੋਦੀ ਓਵ ਬਲ ਤੇ ਲਾਰ ਸ਼ੀ?

ਸਭ ਸਿਰਿ ਏਕੁ ਨਿਰੰਜਨ ਰਾਇ ॥

ਬਿਹੁ ਸਰ ਆਇ ਤ੍ਰਿਨੰਗ ਰਾਇ۔

ਦ ਹਰ ਬੋ ਪੇ ਸਰ ਕੀ ਬੀ ਬਿਹੁ ਰੱਖ ਦੀ

ਜੀਅ ਕੀ ਜੁਗਤਿ ਜਾ ਕੈ ਸਭ ਹਾਥਿ ॥

ਜੀਆ ਕੀ ਜੁਗਤਿ ਜਾ ਕੈ ਬਿਹੁ ਬਾਤਾ۔

ਦ ਪ੍ਰਿਦਾਇਨੁ ਤੋਲ ਵਾਕ ਦੀ ਹਗੇ ਪੇ ਵਾਕ ਕੀ ਦੀ

ਅੰਤਰਿ ਬਾਹਰਿ ਜਾਨਹੁ ਸਾਥਿ ॥

ਅਨੁ ਬਾਹਰ ਜਾਹੁ ਸਾਥਾ۔

ਪੋਹ ਸ਼ੀ ਚੀ ਹਗੇ ਸਤਾਸੁ ਸਰੇ ਦੰਨੇ ਓ ਬੋਰ ਦੀ

کرناہار نانک ایکو جانیਆ ॥۳॥

جن لگا بر اکے نائے-

هغہ باید یوازی خالق رب و پیڑنی

ਜਨੁ ਲਾਗਾ ਹਰਿ ਏਕੈ ਨਾਇ ॥

تس کی آس نہ ہرتھی جائے-

هغہ بندہ چی د ٿبنتن په یو نوم بوخت وي،

ਤਿਸ ਕੀ ਆਸ ਨ ਬਿਰਥੀ ਜਾਇ ॥

سیوک کو سیوا بن آئی-

د هغہ هیله بی ہایه نہ ده

ਸੇਵਕ ਕਉ ਸੇਵਾ ਬਨਿ ਆਈ ॥

حکم بوجہ پرم پد پائی-

د خادم خدمت کول هغہ ٿه دی چی هغہ بنکلی کوی

ਹੁਕਮੁ ਬੁਝਿ ਪਰਮ ਪਦੁ ਪਾਈ ॥

اس تے اوپر نہیں بیچار-

د ٿبنتن د حکم په تعقیب، هغہ لور مقام (نجات) ته رسیری

ਇਸ ਤੇ ਉਪਰਿ ਨਹੀ ਬੀਚਾਰੁ ॥

جا کے من بسیا نرنکار-

هغہ بل هیث نظر نه لري

ਜਾ ਕੈ ਮਨਿ ਬਸਿਆ ਨਿਰੰਕਾਰੁ ॥

بنڈهن توڑ بھئے نر ویر-

د چا په زرہ کی هغہ رب او سیری چی له شکل او صورت ٿخہ پاک دی

ਬੰਧਨ ਤੋਰਿ ਭਏ ਨਿਰਵੈਰ ॥

اندن پوجہ گر کے پیر-

هغہ خپل بندونه ماتوی او بی ڈارہ کیروی

ਅਨਦਿਨੁ ਪੂਜਹਿ ਗੁਰ ਕੇ ਪੈਰ ॥

اه لوک سکੀ پرلوک سہیلے-

او هغہ شپه او ورخ د گرو پینو عبادت کوی

ਇਹ ਲੋਕ ਸੁਖੀਏ ਪਰਲੋਕ ਸੁਹੇਲੇ ॥

صادہ سنگ مل کربو انند-

په دنیا کی هم خوشحاله او په آخرت کی هم خوشحاله دی

ਨਾਨਕ ਹਰਿ ਪ੍ਰਭਿ ਆਪਹਿ ਮੇਲੇ ॥੪॥

نانک بر پربھ آپہ میلے-

ای نانک! رب هری هغہ له ٿانه سره یو ٿای کوی

ਸਾਧਸੰਗਿ ਮਿਲਿ ਕਰਹੁ ਅਨੰਦ ॥

صادਹ ਸਨਗ ਮਲ ਕਰ੍ਹੋ ਅਨੰਦ-

ਪੇ ਕਦੇ ਸਰੇ ਖੋਨਦ ਵਾਖੀ

ਗੁਨ ਗਾਵਹੁ ਪ੍ਰਭੁ ਪਰਮਾਨੰਦ ॥

ਰਾਮ ਨਾਮ ਤੱਤ ਕਰ੍ਹੋ ਬਿਚਾਰ-

ਓਦ ਥਿਨਤਨ, ਸਤਰ ਰੂਹ ਸਤਿਨੇ ਵਕ੍ਰੀ

ਰਾਮ ਨਾਮ ਤੜੁ ਕਰਹੁ ਬੀਚਾਰੁ ॥

ਦਰਾਲਿਆ ਦੇਈ ਕਾ ਕਰ੍ਹੋ ਅਧਾਰ-

ਦਰਾਮ ਦ ਨੁਮ ਹੁਕਿਤ ਤੇ ਪਾਮ ਵਕ੍ਰੀ

ਦੁਲਭ ਦੇਹ ਕਾ ਕਰਹੁ ਉਧਾਰੁ ॥

ਅਮਰਤ ਬੜ੍ਹ ਬ੍ਰਕੇ ਗੁਨ ਗਾਉ-

ਪੇ ਦੀ ਤੋਗੇ, ਦ ਅਨੁਸਾਨ ਦ ਬਦਨ ਸਕੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕ੍ਰੀ, ਕੁਮ ਜੀ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੁਲ ਸਟੋਨਜ਼ਮਨ ਦੀ

ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਬਚਨ ਹਰਿ ਕੇ ਗੁਨ ਗਾਉ ॥

ਪ੍ਰਾਨ ਤ੍ਰਨ ਕਾ ਅਬੀ ਸੌਅ-

ਦ ਕੁਰੂ ਦ ਵਿਧਾਵਨੁ ਅਮਰਤ ਸਨਦੀ ਵਕ੍ਰੀ

ਪ੍ਰਾਨ ਤਰਨ ਕਾ ਇਹੈ ਸੁਆਉ ॥

ਅਤੇ ਪ੍ਰਿਵ ਪ੍ਰਿਵ ਪ੍ਰਿਵ ਨਿਰਾ-

ਦਾ ਸਟਾਸੋ ਦ ਰੂਹ ਸਰੇ ਦ ਬਨੇ ਕੁਲੁ ਲਾਰੇ ਦਾ

ਆਠ ਪਹਰ ਪ੍ਰਭੁ ਪੇਖਹੁ ਨੇਰਾ ॥

ਮਤਾਈ ਅਕੀਅਨ ਬਨਸੀ ਅਨਤੀਹਿਏ-

ਪੇ ਅਤੇ ਨਿਮੋ ਬਗੁ ਰੂਬ ਤੇ ਨਿਦੀ ਵਾਨੀ

ਮਿਟੈ ਅਗਿਆਨੁ ਬਿਨਸੈ ਅੰਧੇਰਾ ॥

ਸਨ ਆਪਿਸ ਬ੍ਰਦੀ ਬਸਾਊ-ਭ੍ਰਾ-

(ਪੇ ਦੀ ਸਰੇ) ਜਹਾਲਤ ਲੇ ਮਨੁਖੇ ਖੀ ਅਤੇ ਨਿਯਾਰੇ ਬੇ ਲੇ ਮਨੁਖੇ ਖੀ

ਸੁਨਿ ਉਪਦੇਸੁ ਹਿਰਦੈ ਬਸਾਵਹੁ ॥

ਜਿਆ ਕੀ ਜੱਗ੍ਹ ਜਾ ਕੀ ਸਿਥੇ ਬਾਤੇ

ਦ ਕੁਰੂ ਤੁਲਿਮਾਤੁ ਤੇ ਗੁਰ ਨਿਸੀ ਅਤੇ ਪੇ ਖੀਲ ਜੀਰੇ ਕੀ ਯੀ ਖਾਇ ਪੇ ਖਾਇ ਕ੍ਰੀ

ਮਨ ਇਛੇ ਨਾਨਕ ਫਲ ਪਾਵਹੁ ॥੫॥

ਮਨ ਅਚੀਅਨ ਨਾਨਕ ਫਲ ਪਾਵਹੁ-

ਅਤੇ ਨਾਨਕ! ਪੇ ਤਾਸੋ ਬੇ ਮੁਲੋਕ ਪਾਲੇ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕ੍ਰੀ

ਹਲਤੁ ਪਲਤੁ ਦੁਇ ਲੇਹੁ ਸਵਾਰਿ ॥

ਬਾਲ ਪਲਤ ਦੋਈ ਲਾਨੂ ਸਾਰ-

ਦਨਿਆ ਅਤੇ ਦਾਰੇ ਬਨਾਇਸਤੇ ਕ੍ਰੀ

رام نامੁ ਅੰਤਰਿ ਉਰਿ ਧਾਰਿ ॥
ਤਸ ਕੀ ਆਸ ਨੇ ਬ੍ਰਤੀ ਜਾਈ-.

د رام نوم په خپل زرہ کی ੜਾਹੀ ਪੇ ੜਾਹੀ ਕ੍ਰੀ

ਪੂਰੇ ਗੁਰ ਕੀ ਪੂਰੀ ਦੀਖਿਆ ॥
ਪੂਰੇ ਗੁਰ ਕੀ ਪੂਰੀ ਦੀਕਹੀਆ-
ਦ ਕਮਲ ਕੁਰੋ ਤੁਲੇ ਬਨੋਵਨੇ

ਜਿਸੁ ਮਨਿ ਬਸੈ ਤਿਸੁ ਸਾਚੁ ਪਰੀਖਿਆ ॥
ਜਸ ਮਨ ਬਸੈ ਤਸ ਸਾਜ ਪ੍ਰਿਕਹੀਆ.
ਦ ਚਾ ਪੇ ਜਰੋ ਕੀ ਚੀ ਦਾ ਓਸਿਰੀ ਹੁਗੇ ਹੁਕਿਤ ਵਿਨੀ

ਮਨਿ ਤਨਿ ਨਾਮੁ ਜਪਹੁ ਲਿਵ ਲਾਇ ॥
ਮਨਿ ਤਨਿ ਨਾਮੁ ਜਪਹੁ ਲਿਵ ਲਾਇ-
ਦ ਖਪਲ ਜਨ ਅਵ ਬਨ ਪੇ ਯਾਹੀ ਕਲੁ ਸਰੇ ਦ ਖਿਣਨ ਨੁਮ ਤਾਲੁਤ ਕ੍ਰੀ

ਦੂਖ ਦਰਦੁ ਮਨ ਤੇ ਭਉ ਜਾਇ ॥
ਦੂਖ ਦਰਦੁ ਮਨ ਤੇ ਭਉ ਜਾਈ-
ਪੇ ਦੀ ਤੁਕਹੇ ਬੇ ਗਮ, ਦਰਦ ਅਵ ਵਿਰੇ ਲੇ ਜਨ ਖੁਖੇ ਵਰਕ ਸ਼ੀ

ਸਚੁ ਵਾਪਾਰੁ ਕਰਹੁ ਵਾਪਾਰੀ ॥
ਸਚੁ ਵਾਪਾਰੁ ਕਰਹੁ ਵਾਪਾਰੀ-
ਅ ਸੁਡਾਕਰਾ! ਨੁ ਰਿਣਿਨੀ ਸੁਡਾਕਰਾ ਵਕ੍ਰੀ

ਦਰਗਹ ਨਿਬਹੈ ਖੇਪ ਤੁਮਾਰੀ ॥
ਦਰਗਹ ਨਿਬਹੈ ਕਹੀਪ ਤਮਾਰੀ-
ਸਟਾਸੋ ਸੁਡਾਕਰਿ ਬੇ ਪੇ ਖੁਨਦੀ ਤੁਕਹੇ ਦ ਖਿਣਨ ਦਰਬਾਰ ਤੇ ਵਰਸਿਰੀ

ਏਕਾ ਟੇਕ ਰਖਹੁ ਮਨ ਮਾਹਿ ॥
ਏਕਾ ਟੇਕ ਰਖਹੁ ਮਨ ਮਾਹਿ-
ਪੇ ਖਪਲ ਜਰੋ ਕੀ ਦ ਰਬ ਮਲਾਤਰ ਰਾਮਿਖਤੇ ਕ੍ਰੀ

ਨਾਨਕ ਬਹੁਰਿ ਨ ਆਵਹਿ ਜਾਹਿ ॥੯॥
ਨਾਨਕ ਬਹੁਰਿ ਨ ਆਵਹਿ ਜਾਹਿ-।
ਅ ਨਾਨਕ! ਤਿਰਾ ਓਕੂਨ (ਦ ਜ਼ਿਰੂਨ ਅਵ ਮੈਨੀ ਦੂਰੋ) ਬੇ ਬਿਆ ਨੇ ਪ੍ਰਿਸਿਰੀ

ਤਿਸ ਤੇ ਦੂਰਿ ਕਹਾ ਕੋ ਜਾਇ ॥
ਤਿਸ ਤੇ ਦੂਰਿ ਕਹਾ ਕੋ ਜਾਈ-
ਅਸਾਨ ਲੇ ਦੀ ਖੁਖੇ ਚਿਰਤੇ ਲਰੀ ਕਿਦੀ ਸ਼ੀ?

ਉਬਰੈ ਰਾਖਨਹਾਰੁ ਧਿਆਇ ॥
ਉਬਰੈ ਰਾਖਨਹਾਰੁ ਧਿਆਇ-।

انسان د ساتونکي پروردگار په مراعت کولو سره نجات ترلاسه کوي

ਨਿਰਭਉ ਜਪੈ ਸਗਲ ਭਉ ਮਿਟੈ ॥

نرਿਹਾਂ ਚੰਗੀ ਸੱਗ ਬਹਾੰ ਮਤਾਂ -

د دਿ ਬਿ ਰਖਮੇ ਰਬ ਪੇ ਯਾਦ ਸਰੇ ਤਾਲੀ ਵੱਡੀ ਲੇ ਮਨੁੰਹੇ ਵਰੀ

ਪ੍ਰਭੁ ਕਿਰਪਾ ਤੇ ਪ੍ਰਾਣੀ ਛੁਟੈ ॥

ਪਰਿਆਕਰਾਤੇ ਪਰਾਨੀ ਚੇਤਾਂ -

د ਥਿਨਤਨ ਪੇ ਫਸਲ ਅਤ ਕਰਮ ਸਰੇ ਅਨਸਾਨ ਅਤਾਂ ਗੁਰਖੀ

ਜਿਸੁ ਪ੍ਰਭੁ ਰਾਖੈ ਤਿਸੁ ਨਾਹੀ ਦੂਖ ॥

ਜਸ ਪ੍ਰਭੇ ਰਾਕਹੀ ਤਸ ਨੈਂਦੂਕੇ -

ਦ ਚਾ ਚੀ ਰਬ ਸਾਨਾ ਕੋਇ, ਹੀਖ ਘਮ ਨਾਨਾ

ਨਾਮੁ ਜਪਤ ਮਾਨਿ ਹੋਵਤ ਸੁਖ ॥

ਨਾਮ ਜੀਪਿ ਮਨ ਬੁਝ ਸੁਕਹੇ

ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਵਿਲੋ ਸਰੇ ਢੜਨ ਖੋਸ਼ਾਲੇ ਕਿਰੀ

ਚਿੰਤਾ ਜਾਇ ਮਿਟੈ ਅਹੰਕਾਰੁ ॥

ਚੰਨਾ ਜਾਂਦੇ ਮਨੀਂ ਅਨਕਾਰ -

ਦ ਅਨਿਧਿਨਾਨੇ ਅਤ ਚੰਗਾਨ ਲ੍ਰੀ ਕੋਇ

ਤਿਸੁ ਜਨ ਕਉ ਕੋਇ ਨ ਪਹੁਚਨਹਾਰੁ ॥

ਤਸ ਜਨ ਕਾਉ ਕੌਠੇ ਨੇ ਪੱਧਨਹਾਰ -

ਦ ਥਿਨਤਨ ਦ ਦਿ ਬਨਦੇ ਸਰੇ ਹਿਖੁਕ ਨਾਨੀ ਕਲੀ

ਸਿਰ ਉਪਰਿ ਠਾਢਾ ਗੁਰੁ ਸੁਰਾ ॥

ਨਾਨਕ ਤਾਕੇ ਕਾਰਜ ਪੂਰਾ -

ਏ ਨਾਨਕ! ਦ ਚਾ ਪੇ ਸਰ ਕੀ ਜਿਗੁਰ ਗੁਰ ਵਾਲਾਂ ਦੀ,

ਨਾਨਕ ਤਾ ਕੇ ਕਾਰਜ ਪੂਰਾ ॥੧॥

ਮਤ ਪੂਰੀ ਅਮਰਤ ਜਾਕੀ ਦਰਸਤ -

ਦ ਹੁਗ ਤੁਲ ਕਾਰਨੇ ਪੂਰੇ ਕਿਰੀ

ਮਤਿ ਪੂਰੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਜਾ ਕੀ ਦਿਸਟਿ ॥

ਦਰਸਨ ਪ੍ਰਿਕਹਤ ਅਦਹਰ ਸਰਸਤ -

ਦ ਚਾ (ਗੁਰੂ) ਉਚਲ ਕਾਮ ਦੀ ਅਤ ਚਾ ਲਿਦ ਅਮਰ ਬਾਰਾਨ ਕੋਇ ,

ਦਰਸਨੁ ਪੇਖਤ ਉਧਰਤ ਸਿਸਟਿ

ਚੰਨ ਕਮਲ ਜਾਕੇ ਅਨੋਪ -

ਦ ਦੋਵ ਪੇ ਲਿਲੋ ਸਰੇ, ਨਰੀ ਬਨੇ ਕਿਰੀ

ਚਰਨ ਕਮਲ ਜਾ ਕੇ ਅਨੁਪ ॥

ਸੇਫਲ ਦਰਸਨ ਸੰਦਰ ਬੁਝੋਪ -

د هغه لوئیس پینی بی مثاله دی

ਸਫਲ ਦਰਸਨੁ ਸੁੰਦਰ ਹਰਿ ਰੂਪ ॥

دهن سیوا سیوا ک پروان۔

د هغه لید بریالی دی او د هغه ظاہر د ੱਖਿਤਨ ਪੇ ਖਿਰ ਬਨਕੀ ਦਿ

ਧੰਨੁ ਸੇਵਾ ਸੇਵਕੁ ਪਰਵਾਨੁ ॥

انترجمਾਂ ਪ੍ਰਖ ਪ੍ਰੰਥਾਨ۔

د هغه خدمت بختੁਰ ਦਿ ਅਵ ਖਦਮਤਗਾਰ ਧੀ ਮਿਹੂਰ ਦਿ

ਅੰਤਰਜਾਮੀ ਪੁਰਖੁ ਪ੍ਰਧਾਨੁ ॥

جس من بسیئ سو بوت نہال۔

ਹਗੇ (ਗੁਰੂ) ਦ ਜੀਰੇ ਪ੍ਰਾਹ ਅਵ ਉਲੀ ਸ੍ਰਿ ਦਿ

ਜਿਸੁ ਮਨਿ ਬਸੈ ਸੁ ਹੋਤ ਨਿਹਾਲੁ ॥

تاکے نکਤ ਨੇ ਆਵ ਕਾਲ۔

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਪੇ ਜੀਰੇ ਕੀ ਗੁਰੂ ਲ੍ਰਿ ਚਾਦਕ ਕਿਓਧੀ

ਤਾ ਕੈ ਨਿਕਟਿ ਨ ਆਵਤ ਕਾਲੁ ॥

امر بھੋਏ ਅਮਾਡ ਪਾਂਥੇ۔

بلਨੇ (ਮਰਗ) ਵਰਤੇ ਨਿਊਦੀ ਨੇ ਰਾਹੀ

ਅਮਰ ਭਏ ਅਮਗਾ ਪਦੁ ਪਾਇਆ ॥

ਬ੍ਰ ਜੰਗ ਮੁਗ੍ਦ, ਸੰਭ ਕਾ ਸਰਦਾਰ ਬੈਂਥੇ۔

ਦਵੀ ਅਭਿ ਸ਼ਵੀ ਅਵ ਦ ਹਿੱਖਲੇ ਨੇ ਮ੍ਰ ਕਿਦੂ ਹਾਲ ਤੇ ਰਸਿਦੀ

ਸਾਧਸੰਗਾ ਨਾਨਕ ਹਰਿ ਧਿਆਇਆ ॥੮॥੨੨॥

ਚਾਦਹਸਨਗ ਨਾਨਕ ਬ੍ਰ ਦਹਿਅਥੇ۔

ਇ ਨਾਨਕ! ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਦ ਸਾਦਹੋ ਪੇ ਮੁੱਲਗ੍ਰਤਿਆ ਕੀ ਦ ਵਾਹ ਗੁਰੂ ਮਾਫ਼ਬੰਦ ਕ੍ਰਿ ਦਿ

ਸਲੋਕੁ ॥

سلوک

শলোকা

ਗਿਆਨ ਅੰਜਨੁ ਗੁਰਿ ਦੀਆ ਅਗਿਆਨ ਅੰਧੇਰ ਬਿਨਾਸੁ ॥

ਬ੍ਰ ਕਰਮ ਕੀ ਬ੍ਰਕਤ ਸੰਭ ਸੰਨਤੋਂ ਕੋ ਬੇਹਿਤਿਆ۔

ਗੁਰੂ ਦ ਸੁਰ ਵਰਕ੍ਰਿ ਦਿ, ਚੀ ਦ ਜਹਾਲ ਤਿਯਾਰ ਲੇ ਮਨੌਹ ਵਰੀ

ਹਰਿ ਕਿਰਪਾ ਤੇ ਸੰਤ ਭੇਟਿਆ ਨਾਨਕ ਮਨਿ ਪਰਗਾਸੁ ॥੧॥

ਬ੍ਰ ਕਰਪਾਤੇ ਸੰਭ ਬੇਹਿਆ ਨਾਨਕ ਮਨ ਪ੍ਰਗਾਸ۔

ਇ ਨਾਨਕ! ਦ ਖਿਤਨ ਪੇ ਫਸਲ ਸਰੇ, ਸੰਭ ਗੁਰੂ ਮਨੁਲ ਸ਼ਵ, ਦ ਚਾਪੇ ਵਾਸਤੇ ਪੇ ਜਨੁ ਕੀ ਦ ਪ੍ਰਾਹੀ ਰਨਾ ਸ਼ਵੇ

ਅਸਟਪਦੀ ॥

اشتپدی
اشتپدی

ਸੰਤਸੰਗ ਅੰਤਰਿ ਪ੍ਰਭੁ ਢੀਠਾ ॥

ਸਟੱਸਨਕ ਅਨ੍ਤਰਿ ਪ੍ਰਭੇ ਦਿਤਾ.

ਦ ਅਲਿਾਵਾ ਪੇ ਮਲਗਤਿਆ ਕੀ, ਖੰਬਣ ਪੇ ਦਾਖਲ ਕੀ ਲਿਦਲ ਕਿਹੋਧੀ

ਨਾਮੁ ਪ੍ਰਭੂ ਕਾ ਲਾਗਾ ਮੀਠਾ ॥

ਨਾਮੁ ਪ੍ਰਭੇ ਕਾ ਲਾਗਾ ਮੀਠਾ.

ਦ ਖੰਬਣ ਨੁਮ ਜਮਾ ਲਪਾਰੇ ਬਿਰ ਖੁਰ ਦੀ

ਸਗਲ ਸਮਿਗ੍ਰੀ ਏਕਸੁ ਘਟ ਮਾਹਿ ॥

ਸੱਗ੍ਲ ਸਮਗਰੀ ਇਕਸ ਗੱਥ ਮਾਬੀ.

ਤੁਲ ਮਖ਼ਲੋਕ ਦ ਯੋ ਰੱਬ ਪੇ ਸ਼ਕਲ ਕੀ ਦੀ

ਅਨਿਕ ਰੰਗ ਨਾਨਾ ਦਿਸਟਾਹਿ ॥

ਅਨਕ ਰੰਗ ਨਾਨਾ ਦਰਸਤਾਬੀ.

ਲੇ ਦੀ ਖੁੱਖੇ ਬਿਰੀ ਮੁਖ ਰਨਗਨੇ ਲਿਦਲ ਕਿਹੋਧੀ

ਨਉ ਨਿਧਿ ਅੰਮਿਤੁ ਪ੍ਰਭੁ ਕਾ ਨਾਮੁ ॥

ਨਾਵੁ ਨਦੇ ਅਮਰਤ ਪ੍ਰਭੇ ਕਾ ਨਾਮ.

ਦ ਖੰਬਣ ਅਮਰਿਤ ਨੁਮ ਨਾਂਦੀ ਦੀ

ਦੇਹੀ ਮਹਿ ਇਸ ਕਾ ਬਿਸਾਮੁ ॥

ਦੇਹੀ ਮਹਿ ਇਸ ਕਾ ਬਿਸਾਮ.

ਦ ਹੁਫੇ ਹਾਂਹੀ ਦ ਅਨੁਸਾਨ ਪੇ ਬੁਨ ਕੀ ਦੀ

ਸੁੰਨ ਸਮਾਇ ਅਨਹਤ ਤਹ ਨਾਦ ॥

ਸੁਨ ਸਮਾਦੇ ਅਨੈਤ ਤੇ ਨਾਦ.

ਦ ਮਾਰਭ ਪੇ ਲਾਰ ਹਾਲ ਕੀ ਯਾਵੀ ਲਾਮਹੁਦ ਕਲਮੇ ਸ਼ਤੁਨ ਲਰੀ

ਕਹਨੁ ਨ ਜਾਈ ਅਚਰਜ ਬਿਸਮਾਦ ॥

ਕੇਹਾਨ ਨਾ ਜਾਈ ਆਚਰਜ ਬਸਮਾਦ.

ਦਾ ਹਿਰਾਨਿਆ ਓ ਹਿਰਾਨਿਆ ਨਥੀ ਬੀਅਨ ਕਿਦੀ

ਤਿਨਿ ਦੇਖਿਆ ਜਿਸੁ ਆਪਿ ਦਿਖਾਏ ॥

ਤਨ ਦੀਕਹੀਆ ਜਸ ਆਪ ਦੀਕਹਾਇਆ.

ਹੁਫੇ ਹੈ ਚੀ ਗੁਰੂ ਪੱਖੀਲੇ ਬਨੀ, ਹੁਫੇ ਗੁਰੀ

ਨਾਨਕ ਤਿਸੁ ਜਨ ਸੋਝੀ ਪਾਏ ॥੧॥

ਨਾਨਕ ਤਸ ਜਨ ਸੋਝੀ ਪਾਈ.

ਅਵ ਨਾਨਕ! ਦਾਸੀ ਅਨੁਸਾਨ ਅਲੁ ਹਾਚਲੀ

ਸੋ ਅੰਤਰਿ ਸੋ ਬਾਹਰਿ ਅਨੰਤ ॥

سو اندر سو باپر اننت.
هغه لامحدود رب دواره دننه او بھر دی

ਘਟਿ ਘਟਿ ਬਿਆਪਿ ਰਹਿਆ ਭਰਾਵੰਤ ॥
ਗੜ੍ਹ ਗੜ੍ਹ ਬਿਅਪ ਰਬਿਆ ਬੇਹਗੁਣਤ
ਖੰਸਨ ਪੇ ਹਰੇ ਝਰੇ ਕੀ ਸ਼ਤੋਨ ਲਰੀ

ਧਰਨਿ ਮਾਹਿ ਆਕਾਸ ਪਇਆਲ ॥
ਦਹਨ ਮਾਹੀ ਆਕਾਸ ਪੈਥਾਲ
ਹਗੇ ਪੇ ਹੱਮਕੇ، ਜੱਨਤ ਓਵੜ ਕੀ ਮੋਹੂਦ ਦੀ

ਸਰਬ ਲੋਕ ਪੁਰਨ ਪ੍ਰਤਿਪਾਲ ॥
ਸਰਬ ਲੁਕ ਪੁਰਨ ਪ੍ਰਤਿਪਾਲ
ਹਗੇ ਦਤਾਲੁ ਜਹਾਨਨੁ ਪੂਰੇ ਰੂਜ਼ਨਕੀ ਦੀ

ਬਨਿ ਤਿਨਿ ਪਰਬਤਿ ਹੈ ਪਾਰਬ੍ਰਹਮੁ ॥
ਭਨ ਤਨ ਪ੍ਰਬੰਦੇ ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ
ਪ੍ਰਾਬਰਾਹਮਾ- ਰਬ ਪੇ ਹੜਕਲਨੁ, ਮਰਗਨੁ ਅਵ ਗਰੁਨੁ ਕੀ ਖੁਪਰ ਸ਼ਾਹੀ ਦੀ

ਜੈਸੀ ਆਗਿਆ ਤੈਸਾ ਕਰਮੁ ॥
ਜਿਸੀ ਆਗਿਆ ਤੈਸਾ ਕਰਮ
ਲਕੇ ਛਨੌ ਚੀ ਹਗੇ ਅਮਰ ਕੀ, ਦ ਅਨੁਸਾਰ ਅਮਲਾਨੇ ਹਮ ਦੀ

ਪਉਣ ਪਾਣੀ ਬੈਸੰਤਰ ਮਾਹਿ ॥
ਪਾਵਨ ਪਾਨੀ ਬੰਸਨਤ ਮਾਹੀ
ਵਾਹ ਗੜ੍ਹ ਪੇ ਹੋਵਾ, ਅਵਾਵਾ ਅਵ ਕੀ ਸ਼ਤੋਨ ਲਰੀ

ਚਾਰਿ ਕੁੰਟ ਦਹ ਦਿਸੇ ਸਮਾਹਿ ॥
ਚਾਰ ਕੱਨਦ ਦੇ ਸਮਾਹੀ
ਹਗੇ ਪੇ ਤਾਲੁ ਸ਼ਾਵਖਾ ਅਵ ਲੁਵਰੁ ਕੀ ਮਹਾਂਸ਼ਾਹੀ ਦੀ

ਤਿਸ ਤੇ ਭਿੰਨ ਨਹੀਂ ਕੇ ਠਾਉ ॥
ਤਸ ਤੇ ਬੇਹਨ ਨੀਬੁ ਕੋ ਤਹਾਂ-
ਬੇਲ ਹਾਂ ਨਿਤੇ

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਨਾਨਕ ਸੁਖੁ ਪਾਉ ॥੨॥
ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦ ਨਾਨਕ ਸੁਖੁ ਪਾਵੁ
ਨਾਨਕ ਦ ਗੁਰੂ ਪੇ ਫੁਲ ਸਰੇ ਖੋਨੀ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕ੍ਰੇ

ਬੇਦ ਪੁਰਾਨ ਸਿੰਮ੍ਰਿਤਿ ਮਹਿ ਦੇਖੁ ॥
ਬੰਦ ਪੁਰਾਨ ਸਰਮਤ ਮੈਨ ਦਿਕੇ
ਦਾ ਵਾਹ ਗੜ੍ਹ ਪੇ ਵਿਦਵਾਨੁ, ਪ੍ਰਾਵਨੁ ਅਵ ਸਮਰਿਤਾਨੁ ਕੀ ਵਗੜੀ

ਸਸੀਅਰ ਸੁਰ ਨਖਤ੍ਰੁ ਮਹਿ ਏਕੁ ॥

سیپیار سور نخیاتر مین ایک۔
هغه د سپورومی، لمرا او ستورو څښتن دی

بَاٽِي پُّو کَيِ سَبُو لَيِ ॥
بنی پربھ کی سب کو بولے۔
هر ژوندی موجود د څښتن غر خبری کوي

آپِي اډلَوْ نَ كَبَرُو ډَلَلَ ॥
آپ ادول نه کبھو دولے۔
هغه ثابت قدم دی او هیڅکله نه ماتیری

سَرَبَ كَلَأَ كَرِي بَلَلَ ॥
سرب کله کړیلے کړیل۔
تول هنر د پیدایښت له لاري (د کائنا تو) لوبه کوي

مَلِلَ نَ پَاسِيَيِ رَعَنَهَ آمَلَ ॥
مول نه پائئے آئی ګنه امول
دا نشي ارزول کيدی، (ځکه) د هغې ورتیا بي ارزښته دی

سَرَبَ جَوَّى مَهِيَ جَازَ جَوَّى ॥
سرب جوت مین جا کی جوت۔
د ګورو رندا د تولو څراغونو څخه روښانه ده

يَارِي رَهِيَّى سَعَامِيَّى ډَتِيَّى ॥
دهار ربیو سوامی اوٹ پوت۔
څښتن د نړۍ جوړښت کنټرول کړي دی

غَرَرَ پَرَسَادِيَّى ټَرَمَ كَأَ نَاسَ ॥
نانک تن مہین اپو بسas۔
ای نانک! د ګورو په فضل سره، د چا شکونه لري شوي،

نَانَكَ تِينَ مَهِيَ إِهَرُ بِسَاسَ ॥۳॥
سنن جنا کا پیکھن سبھ بریم۔
دا څواک د هغه دننه په ویش بدلیری

سَمْتَ جَنَأَ كَأَ پَهَنَ سَبُو بَحَمَ ॥
سنن جنا کے بردائی سبھ دهرم
اولیاء په هر ځای کي رب ویني

سَمْتَ جَنَأَ كَيِ هِيرَدَيِ سَبِيَّ يَرَمَ ॥
سنن جنا سننیه سبھ بچن۔
سنستان تول دین په ذهن کي لري

سَمْتَ جَنَأَ سَنَهِيَ سَبُو بَصَنَ ॥

سرب بیاپی رام سنگ رچن-
اولیاء مبارک کلام ته غور نیسي

ਸਰਬ ਬਿਆਪੀ ਰਾਮ ਸੰਗਿ ਰਚਨ ॥

جن جاتا تنس کی ابی رب-
دوی په هر ارجیزہ رام کی دوب پاتی دی

ਜਿਨਿ ਜਾਤਾ ਤਿਸ ਕੀ ਇਹ ਰਹਤ ॥

ست بچن سادھو سبھ کہت-

چا چی د خدائی (ج) سپیخلی ذات درک کر، د ژوند چلندي ی همداسی کیری

ਸਤਿ ਬਚਨ ਸਾਧੁ ਸਭਿ ਕਹਤ ॥

جو جو بؤئے سوئے سੁਕੇ ਮਨائے-
بو سادو تل رینتیا خبری کوي

ਜੇ ਜੋ ਹੋਇ ਸੋਈ ਸੁਖੁ ਮਾਨੈ ॥

کرن کرو انہار پربھ جانے-

هر خੇ چੀ پیسیری، هغہ د خوبنی په توਕੇ گੜل کیری

ਕਰਨ ਕਰਾਵਨਹਾਰੁ ਪ੍ਰਭੁ ਜਾਨੈ ॥

اندر بسے باਬر بھی اوਬی-

دا پوھیری چੀ ٿبتن د هر خੇ کولو او ترسਰہ کوونکی دی

ਅੰਤਰਿ ਬਸੇ ਬਾਹਰਿ ਭੀ ਓਹੀ ॥

سرب کله کر کھੀلے کھੀل-

د اولیا وو لپاره، ٿبتن هر خائی، دننه او بھر ژوند کوي

ਨਾਨਕ ਦਰਸਨੁ ਦੇਖਿ ਸਭ ਮੇਹੀ ॥੪॥

نانک درسن دیکھ سبھ موبی-

ای نانک! هر خوک د هغہ په لیدو حیران دی

ਆਪਿ ਸਤਿ ਕੀਆ ਸਭੁ ਸਤਿ ॥

آپ سਟ کیا سبھ سਟ-

گورو رینتیا دی او د هغہ کائنات رامنخته کول هم رینتیا دی

ਤਿਸੁ ਪ੍ਰਭੁ ਤੇ ਸਗਲੀ ਉਤਪਤਿ ॥

تس پربھ تے سگلی اتپت-

توله نری له همدي ٿبتن ٿخه رامنخته شوی ده

ਤਿਸੁ ਭਾਵੈ ਤਾ ਕਰੇ ਬਿਸਥਾਰੁ ॥

تس بھاوے تا کرے بستار-

کله چੀ هغہ بنہ احساس کوي، هغہ کائنات پراخوی

ਤਿਸੁ ਭਾਵੈ ਤਾ ਏਕੰਕਾਰੁ ॥

تس بھاوے تا اکنکار۔

که یو څښتن مناسب وگني، هغه پخپله بنه کيروي

अनिक कला लघी नह जाए ॥

انک کلاے لکھي نه جائے-

هغه پېر هنرونہ (قوتونه) لري، چي د بيان ور نه دي

जिसु भावै तिसु लाए मिलाए ॥

جس بھاوے تس لائے ملائے-

هغه څوک چي وغواري له حانه سره اخلي

कवन निकटि कवन कहीऐ दुरि ॥

कون نکت کون کہیئے دور-

دا چي پربر هما له چا خخه لري او له چا سره نبردي کيدلي شي؟

आपे आपि आप भरपुरि ॥

آپے آپ آپ بھرپور-

مگر واه گورو پخپله هر اrixiz دی

अंतरगाति जिसु आपि जनाए ॥

نانک، اس جن کو خدا خود سمجھاتا ہے-

ای نانک! هغه انسان ته (د خپل وجود خخه) خبر ورکوي

नानक तिसु जन आपि बुझाए ॥५॥

وہ خود ہی سب مخلوقات کو پرورش دیتا ہے-

هغه چا ته چي (رب) پخپله د لور داخلي حالت ور انديز کوي

सरब बृत आपि वरतारा ॥

وہ خود ہی سب ناظروں کو دیکھتا ہے-

څښتن پخپله د تولي نږي د خلکو په مینځ کي شتون لري

सरब नैन आपि पेखनहारा ॥

سب کچھ اس کے تن پر منحصر ہے-

هغه خپل ٿان په خپلو تولو ستړگو ويني

सरब समर्गी जा का उना ॥

اپنی تسبیح خود ہی سناتا ہے-

دا د تولي نږي تخلیق د هغه بدن دی

आपन जसु आप ही सुना ॥

آنے جانے کو اک کھیل بنائیا ہے-

هغه خپلہ ستاینه اوري

आवन जानु इकु खेल बनाएआ ॥

آگیاکاری (اگے والے) نے مائیا (مایہ) بنائی ہے۔
د خلکو اوکون (پیدا یافت اور مرگ) د ڈھنٹن لخوا رامینھٹه شوی لو بھ د

ਆریا کاری کی نی مایا ॥
سب کے دلوں میں اُسی کا واسطہ رہے گا
ہغہ ممٹا خپل تابع گرخولی د

سُب کے مَیِّ اَلْلَیْپَتَرَ رَحَ ॥
جو کچھ کہنا ہے، وہ خود ہی کہے گا۔

کہ ٿه هم گرو په هر چا کی دی، ہغہ بی حرکتہ پاتی کیری

ਜِ کِنْدَ کَهْلَنَ مُ آپَےَ كَرَ ॥
آگیاکاری آتی ہے اور آگیاکاری جاتی ہے۔
هر ٿه چی باید وویل شی د ھان لپارہ خبری کوی

آریا آرایے آریا جای ॥
جو بھی بوتا ہے، وہی سکون منتا ہے۔
د ہغہ په حکم سره مخلوقات (دنیا) پیدا کیری او د ہغہ په حکم سره ڙوند پای ته رسیری

نَانَكَ جَا بَرَادِيَ تَلَاءِيَ سَمَاءِ ॥ ۶ ॥
نانک، جو بھاوے وہی سوچ میں لے لینا ہے۔
ای نانک! کله چی ہغہ دا جذبوی، ہغہ مخلوق لہ ھان سره متعدد کوی

إِسْ تَهْدِي مُ نَاهِي بُرَأَ ॥
جو اس سے بوتا ہے، سو برا نہیں بوتا۔
هر ٿه چی د ڈھنٹن لہ خوا کیری، د نری لپارہ بد نہ دی

ਉਰੈ ਕਹਹੁ ਕਿਨੈ ਕਛੁ ਕਰਾ ॥
اور کچھ کرنے والے سے پوچھو، کچھ نہیں کرتا۔
ووایہ! لہ دی رب پرته بل چا ٿه کری دی؟

آپی بُلَالَ كَرَتُّوْتِيَ اَتِيَ نِيَكِي ॥
خود بھلا کاروانی اتنی نیکی ہے۔
ڈھنٹن پخپلہ بنہ دی او د ہغہ کارونہ غورہ دی

آپے جا نے اپنے جی کی ॥
خود بھی اپنے جی کو جانتا ہے۔
ہغہ په خپل زرہ پوھیری

آپی سا سُرَيَ سُبَ سا سُرَ ॥
خود سج کو دھاری ہے، سبھ سج ہے۔
ہغہ پخپلہ حقیقت دی او د ہغہ پیدا شوی کائنات ہم حق دی

اَتِيَ پَئِتِيَ اَپَنَ سَمِيَ رَسَرَ ॥

اُت پُت اپنے سنگ راچہ بنا رکھی ہے۔
د توکر په خیر، دا پخپلہ په تخلیق کی اوبدل شوی دی

ਤਾ ਕੀ ਗਤਿ ਮਿਤਿ ਕਹੀ ਨ ਜਾਇ ॥

اس کی گت مਥ کہੀ ਨੇ جائے۔
د هغی سرعت او شدت نشی بیان کیدی

ਦੂਜਰ ਹੋਇ ਤ ਸੋਝੀ ਪਾਇ ॥

دوسرਾ ہوئے تو سمجھੇ ਪائے گا۔
کਹ ਬਲ ਖੁਕ ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਖਿਰ ਵੇ، ਹਗੇ ਬੇ ਪੋਹ ਸ਼੍ਰੀ

ਤਿਸ ਕਾ ਕੀਆ ਸਭੁ ਪਰਵਾਨੁ ॥

ਤਸ ਕਾ ਕਿਆ ਸਭ ਪ੍ਰਾਵਾਨ۔
ਖਲਕ ਬਾਇਦ ਵਿਨੀ ਚੀ ਗੁਰੂ ਤੇ ਥੇ ਪ੍ਰੀਵਿਨ ਸ਼੍ਰੀ

ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਨਾਨਕ ਇਹੁ ਜਾਨੁ ॥੧॥

ਗੁਰੂਬਾਨ ਕੇ ਫਸਲ ਨਾਨਕ ਯੇ ਜਾਂਦੇ۔
ਏ ਨਾਨਕ! ਦਾ ਹਤਿਕਿਤ ਦ ਗੁਰੂ ਪੇ ਫਸਲ ਦਰਕ ਕ੍ਰੀ

ਜੇ ਜਾਨੈ ਤਿਸੁ ਸਦਾ ਸੁਖੁ ਹੋਇ ॥

ਜੋ ਜਾਨਤਾ ਹੈ, ਤਸ ਚਦਾ ਸਕਹੇ ਹੋਤਾ ਹੈ۔
ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਖੰਨਿਨ ਪੋਹਿਰੀ ਤੱਲ ਖੁਸ਼ਹਾਲੇ ਵੀ

ਆਪਿ ਮਿਲਾਇ ਲਈ ਪੜ੍ਹੁ ਸੋਇ ॥

ਖੁਦ ਮਲੈ, ਲੇ ਪ੍ਰਭੇ ਸੋਹੇ۔
ਹਗੇ ਰਬ ਲੇ ਖੌਲ ਹਾਨ ਸਰੇ ਯੋ ਹਾਂਹੀ ਕੋਵੀ

ਓਹ ਧਨਵੰਤੁ ਕੁਲਵੰਤੁ ਪਤਿਵੰਤੁ ॥

ਤਮ ਤੇ ਬੇਨ ਨਹੀਂ ਕਿਛੇ ਹੋਊਂ।
ਹਗੇ ਬਦਾਇਹ, ਕੁਰਨੀ ਅਵ ਮਿਥੋਰ ਕਿਰੀ

ਜੀਵਨ ਮੁਕਤਿ ਜਿਸੁ ਰਿਦੈ ਭਗਵੰਤੁ

ਵੇ ਦੇਹਨੂਣਤ, ਕਲੋਣਤ, ਪਿਤੋਣਤ ਹੈ।

ਧੋਰਨੀ ਜੀਵਨ ਵੇਖਾਵ ਕੀ ਹੈ ਜੋ ਜੀਵਨ ਵੇਖਾਵ ਕੀ ਹੈ।

ਧੰਨੁ ਧੰਨੁ ਧੰਨੁ ਜਨੁ ਆਇਆ ॥

ਜਿਉਂ ਮਕਤ ਜਸ ਰਦੀ ਬੇਹਗੁਣਤ۔
ਦਦਗੇ ਸੱਤ ਅਨੁਸਾਰ ਦ ਜ਼ਿਪੜਦੀ ਵਰੁੱਧ ਦੀ ਮਾਰਕ ਵੀ

ਜਿਸੁ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਸਭੁ ਜਗਤੁ ਤਰਾਇਆ ॥

ਦੇਹਨ, ਦੇਹਨ, ਦੇਹਨ ਜੇ ਆਇਆ।

ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਫਸਲ ਸਰੇ ਤੱਲੇ ਨਿਰੀ ਜ਼ਗੂਰਲ ਕਿਰੀ

ਜਨ ਆਵਨ ਕਾ ਇਹੈ ਸੁਆਉ ॥

ਜਸ ਫਸਲ ਸੰਭੇ ਜੱਗ ਤਰਾਇਆ।

دا د لوی انسان د راتگ هيله ده

ਜਨ ਕੈ ਸੰਗਿ ਚਿਤਿ ਆਵੈ ਨਾਉ ॥

جن آون کا ابی سواؤ-

د هغه په شرکت کي پاتي کيدل ، نور مخلوقات د واه گورو په نوم يادوي

ਆਪਿ ਮੁਕਤੁ ਮੁਕਤੁ ਕਰੈ ਸੰਸਾਰੁ ॥

جن کے سنگ چت آؤے ناؤ۔

داسي ستر انسان خان خلاصوي او نبری ازادي

ਨਾਨਕ ਤਿਸੁ ਜਨ ਕਉ ਸਦਾ ਨਮਸਕਾਰੁ ॥੯॥੨੩॥

نانک، اس جن کا سدا نمسکار ہوتا ہے۔

ای نانک! مور تل داسي ستر شخصيت تھ سلام کوو

ਸਲੋਕ ॥

سلوک

شلوکا

ਪੁਰਾ ਪ੍ਰਭੁ ਆਰਾਧਿਆ ਪੁਰਾ ਜਾ ਕਾ ਨਾਉ ॥

پورا پربھ آرادھيا پورا جا کا نام

دا كامل نوم د كامل واه گرو لخوا عبادت کيري

ਨਾਨਕ ਪੁਰਾ ਪਾਇਆ ਪੂਰੇ ਕੇ ਗੁਨ ਗਾਉ ॥੧॥

نانک، پورا پائیا پورے کے گن گانو۔

ای نانک! ما كامل رب موندلی دی، تاسو ہم د كامل خبشن ستائیں وکری

ਅਸਟਪਦੀ ॥

اشتپدی

اشتاپدی

ਪੂਰੇ ਗੁਰ ਕਾ ਸੁਨਿ ਉਪਦੇਸੁ ॥

پورے گروہ کا سنو اپدیس۔

د كامل گرو تعليماتو تھ غور و نیسی او

ਪਾਰਬ੍ਰਹਮੁ ਨਿਕਟਿ ਕਰਿ ਪੇਖੁ ॥

پار بربھ نکٹ کر پیکھ

د پار ابراہما نبودی فکر و کری

ਸਾਸਿ ਸਾਸਿ ਸਿਮਰਹੁ ਰੋਬਿੰਦ ॥

ساس ساس سیمرہو گویند۔

گویند په هرہ ساہ کی یاد ساتئ

ਮਨ ਅੰਤਰ ਕੀ ਉਤਰੈ ਚਿੰਦ ॥

من اندر کی اُتری چند۔
دا به ستاسو په ذهن کی دننه اندیښنه لري کري

ਆس انیت تی آگاہو ترہنگ ॥
آس انت تیاگھو ترنگ۔
د خواهشاتو شدت پریروده

سُنجان کی یوئی مان مُنگ ॥
سنٽ جنا کی دُور من منگ۔
د زره له تله د اولیاواو د پیشو دورو لوپاره وغوارئ

آپو ڈھنڈی بِنڈی کرہو ॥
آپ چھوڑ بینتی کربو۔
خپل غرور پریرودی او دعا وکری

سَايَمْسِيْغِي اَرْجَانِي سَايَرُو ترہو ॥
سادھسنگ اگن ساگر تربو۔
د اور (د بدیو) له سمندر څخه په بنه ملګرتیا کی تبر شی

هَرِيَ يَنَ كَے بَرِيَ لَهُو بَنْدَار ॥
بر دهن کے بھر لیهو بهندار۔
خپل خزانی د گورو په بدایه نوم سره ډک کری

نَانَكَ رَعَرَ پُورَ نَمَسَكَار ॥۱॥
نانک گروه پورے نمسکار۔
ای نانک! کامل استاد ته سلام

خَمَ كُوسَلَ سَهَجَ آَنْدَ ॥
کوئیں کشل سچ آند۔
تاسو به آزادی، خوبنی او ریستینی خوبنی ترلاسه کری

سَايَمْسِيْغِي بَرِيَ پَرَمَانِدَ ॥
سادھسنگ بھج پرمانند۔
د اولیاواو په ملګرتیا کی د لوی خبتن عبادت وکری

نَرَكَ نِيَوَارِيَ عِيَارُو جَيِّدَ ॥
نرک نوار آڈھاربو جيو۔
دا به دوزخ ته د تللو مخه ونیسي او روح به تیر شی

گُونَ رَوَبِينَدَ اَرْمَيْتُ رَسُو پَيِّدَ ॥
گن گویند امرت رس پیو۔

د گوبند د فضیلتونو ستاینه وکری او د نام امریت څخه خوند واخلي

صِتِيَ صِتِدَهُ نَارَادِنَ إَكَ ॥

چت چتوہو نارائیں ایک۔
په خپل ذہن کی یو رب ته پام وکرئ

ਏਕ ਰੂਪ ਜਾ ਕੇ ਰੰਗ ਅਨੇਕ ॥
ایک روپ جا کے رنگ اتنیک۔
چی یو شکل او خੋ رنگونہ لری

ਰੋਪਾਲ ਦਮੇਦਰ ਦੀਨ ਦਇਆਲ ॥
گੁਪਾਲ ਦਮੁਦਰ ਦਿਨ ਦੀਆਲ۔
ਹਗੇ ਗੁਪਾਲ, ਦਮੁਦਰ, ਦਿਨ ਦੀਆਲੋ,

ਦੁਖ ਭੰਜਨ ਪੁਰਨ ਕਿਰਪਾਲ ॥
دکھ بھੰਜਨ پੁਰਨ کرپਾਲ
غمਜਨ ਅਵਿਰ ਮਹਰਬਾਨ

ਸਿਮਰਿ ਸਿਮਰਿ ਨਾਮੁ ਬਾਰੰ ਬਾਰ ॥
نانک جیو کا ابی اੱਡਾਰ۔
ای نانک! د هਗੇ ਨੁਮ ਬਿਆ ਤਕਰਾਰ ਕ੍ਰੋ; ਛਕੇ

ਨਾਨਕ ਜੀਅ ਕਾ ਇਹੈ ਅਧਾਰ ॥੨॥
اُਤਮ سلوک سادਹੁ کے بچਨ۔
ਦਾ ਦ ਅਨਸਾਨ ਯਾਵਿਨੀ ਮਲਾਤਰ ਦਿ

ਉਤਮ ਸਲੋਕ ਸਾਧ ਕੇ ਬਚਨ ॥
امليک لال ابی رتن۔
د سادਾਵ ਵਿਨਾ ਤਰ ਤਲੁ ਗੁਰ੍ਹ ਵਿਨਾ ਦਾ

ਅਮੁਲੀਕ ਲਾਲ ਏਹਿ ਰਤਨ ॥
سُਣਤ ਕਮਾਵਤ ہوت اੱਡਾਰ۔
ਦਾ ਕਿਮਤੀ ਜਾਹਰ ਅਵਤੀ ਦਿ

ਸੁਨਤ ਕਮਾਵਤ ਹੋਤ ਉਧਾਰ ॥
آپ ترੈਂ ਲੋਕਾਹ ਨੀਸਟਾਰ۔
ਖੁਕ ਚੀ ਦਾ ਖਬਰੀ ਵਾਹਰੀ ਅਵ ਮਹਿ ਪ੍ਰੀ ਕ੍ਰੀ ਲੇ ਦੀਆ ਖੁਖੇ ਬੇ ਨਜਾਤ ਮੁਮੀ

ਆਪਿ ਤਰੈ ਲੋਕਹ ਨਿਸਤਾਰ ॥
سفل جیون سفل ਤਾ ਕਾ ਸਨਗ۔
ਹਗੇ ਪੱਖਿਲੇ ਦ ਨੀਵੀ ਖੁਖੇ ਤਿਰੀਓ ਅਵ ਦ ਨੁਰੂ ਖਲਕੁ ਸਰੇ ਬਨੇ ਕੌਇ

ਸਫਲ ਜੀਵਨੁ ਸਫਲੁ ਤਾ ਕਾ ਸੰਗੁ ॥
جا کے من لاਕਾ ਬੇਰੁੰਗ۔
ਦ ਹਗੇ ਜ਼ਿਵਨੀ ਬ੍ਰਿਵਾਲੀ ਕਿਰੀ ਅਵ ਦ ਹਗੇ ਸ਼ਰਕਤ ਦ ਨੁਰੂ ਹੀਲੁ ਪੂਰੇ ਕੌਇ

ਜਾ ਕੈ ਮਨਿ ਲਾਗਾ ਹਰਿ ਰੰਗੁ ॥

جے جے سید انابد واجے-
د چا په زرہ کی د گرو مینہ پیدا کیری

ਜै نै سਬدੁ ਅਨਾਹਦੁ ਵਾਜੈ ॥
ਸੁਨ ਸੁਨ ਅਨੰਦ ਕਰੇ ਪ੍ਰਭੇ ਗਾਜੇ-

وی، د چا لਪارہ چی د زرہ ਘਰ ਪੂਰਤੇ ਕਿਰੀ ॥੧॥ ਦਾ

ਸੁਨਿ ਸੁਨਿ ਅਨਦ ਕਰੇ ਪ੍ਰਭੁ ਗਾਜੈ ॥
ਪ੍ਰਕਟੇ ਗੁਪਲ ਮਹਾਨ ਕੇ ਮਾਤੇ-

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਪੇ ਓਰਿਡਲੋ ਖੋਸ਼ਲਾਹ ਕਿਰੀ ਅਵ ਥਿਭਣ ਜਲ ਆਲਾਨੀ

ਪ੍ਰਗਾਟੇ ਗੁਪਾਲ ਮਹਾਂਤ ਕੈ ਮਾਥੇ ॥
ਵੇ ਜੋਂ ਚਾਹੇ ਇਕਨਕਾਰ ਹੋਤਾ ਹੈ-
ਦ ਦਾਸੀ ਸਤਰੋ ਖਲਕੋ ਪੇ ਤਨਦੇ ਕੀ ਰੱਬ ਲਿਦ ਕਿਰੀ

ਨਾਨਕ ਉਧਰੇ ਤਿਨ ਕੈ ਸਾਥੇ ॥੩॥

ਨਾਨਕ ਅੱਡੇ ਰੰਨ ਕੇ ਸਾਥੇ-

ਅਵ ਨਾਨਕ! ਦ ਦਾਸੀ ਸਤਰ ਅਨੁਸਾਰ ਪੇ ਮਲਕੀਆ ਦਿਰ ਖਲਕ ਤੁਹਾਨ ਲਗੂਰ ਕਿਰੀ

ਸਰਨਿ ਜੇਗੁ ਸੁਨਿ ਸਰਨੀ ਆਏ ॥

ਸੁਨ ਜੋਗ ਸਨ ਸਰਨੀ ਆਏ-

ਅਵ ਰਾਬੇ! ਦ ਦੀ ਪੇ ਓਰਿਡਲੋ ਸਰੇ ਚੀ ਤੇ ਦ ਰੜਨਿਦਿਆ ਮੁਗਦਾਤੇ ਦ ਪਨਾਹ ਵਰਕਲੋ ਤਾਨ ਲਾਰੀ, ਮੁਵਰ ਸਤਾ ਪਨਾਹ ਤੇ ਰਾਗਲੀ ਯੋ

ਕਰਿ ਕਿਰਪਾ ਪ੍ਰਭੁ ਆਪ ਮਿਲਾਏ ॥

ਕਰ ਕਰਪਾ ਪ੍ਰਭੇ ਆਪ ਮਿਲਾਏ-

ਰੱਬ ਪੇ ਮਹਰਬਾਨੀ ਸਰੇ ਮੁਵਰ ਲੇ ਖੱਪ ਹਾਨ ਸਰੇ ਯੋਹਾਨ ਕਿਰੀ

ਮਿਟਿ ਗਏ ਬੈਰ ਭਏ ਸਭ ਰੇਨ ॥

ਮਿਟ ਗੇ ਬੈਰ ਬੋਹੇ ਸਿਹੇ ਰੀਨ-

ਓਸ ਜਮੁਰ ਦਿੰਸਨੀ ਖਤਮੇ ਸ਼ਾਵੀ ਅਵ ਮੁਵਰ ਤੁਲ ਦ ਪਿਨ੍ਹੇ ਲਾਨਦੀ ਖਾਵਰੀ ਯੋ

ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਨਾਮੁ ਸਾਧਸੰਗਿ ਲੈਨ ॥

ਅਮਰ ਨਾਮ ਸਾਧਸੰਗ ਲਿਨ-

ਦ ਸਾਦੋ ਪੇ ਚਹੂਤ ਕੀ ਦਾਸੀ ਕਸਾਨ ਥਨੇ ਚੀ ਅਮਰ ਅਖੀ

ਸੁਪ੍ਰਸੰਨ ਭਏ ਗੁਰਦੇਵ ॥

ਸੁਪ੍ਰਸਨ ਬੋਹੇ ਗੁਰਦੀਵ-

ਕੁਰੁਦੀਆ ਜਮੁਰ ਖੁਖੇ ਪ੍ਰਿ ਖੁਭਨ ਦੀ ਅਵ

ਪੂਰਨ ਹੋਈ ਸੇਵਕ ਕੀ ਸੇਵ ॥

ਪੂਰਨ ਬੋਈ ਸ੍ਰਿਵਕ ਕੀ ਸ੍ਰਿਵ

ਖਦਮਤਾਗਰ ਦੀ ਬ੍ਰਿਧਾਲੀ ਦੀ

ਆਲ ਜੰਜਾਲ ਬਿਕਾਰ ਤੇ ਰਹਤੇ ॥

آں جنجال بکار تے رہتے۔
مور له دنیاوی کارونو او بدیو خخہ خلاص بو

رام نام سُرਿ ਰਸਨਾ ਕਰਤੇ ॥
رام نام سُن ਰਸਨਾ ਕੱਹਤੇ۔
د رام نوم په اوریدلو او په خپਲੇ ੜਬੇ ਧੀ ਤਲਫ਼ ਕੁਲ

ਕਰਿ ਪ੍ਰਸਾਦੁ ਦਇਆ ਪ੍ਰਭਿ ਧਾਰੀ ॥
کر پ੍ਰਸਾਦ ਦੀਆ ਪ੍ਰਭ ਧਾਰੀ۔
گੁਰੂ ਪਾ ਮਹਰਬਾਨੀ ਸਰੇ ਦਾ ਸ਼ਫ਼ਤ (ਮੁਰਤੇ) ਬਨੋਦਲੀ ਦੀ

ਨਾਨਕ ਨਿਬਹੀ ਖੇਪ ਹਮਾਰੀ ॥੮॥
ਨਾਨਕ ਨਿਬਹੀ ਕ੍ਰਿਪ ਹਮਾਰੀ۔
ਏ ਨਾਨਕ! ਜਮੌਨ੍ਹ ਮਹਨਤ ਦ ਰੱਬ ਪੇ ਦਰਬਾਰ ਕੀ ਕਾਮਿਆਬ ਸ਼ੁ

ਪ੍ਰਭ ਕੀ ਉਸਤਤਿ ਕਰਹੁ ਸੰਤ ਮੀਤ ॥
ਪ੍ਰਭ ਕੀ ਅਸਤ ਕਰ ਬੁਣ੍ਹ ਸੰਤ ਮੀਤ۔
ਏ ਦਾਹਲ ਸੰਨਤੁ ਮਲਗਰੁ! ਦਰਬ ਥਾਅ ਓ ਹਮਦ ਵਾਇ

ਸਾਵਧਾਨ ਏਕਾਗਰ ਚੀਤ ॥
ਸਾਵਧਾਨ ਆਇਕਾਗਰ ਚੀਤ۔
ਦਾ ਪੇ ਦੱਤ ਓ ਅਹਿਤਾਤ ਸਰੇ ਤਰਸੇ ਕੁਝੈ

ਸੁਖਮਨੀ ਸਹਜ ਗੋਬਿੰਦ ਗੁਨ ਨਾਮ ॥
ਸੁਖਮਨੀ ਸੱਖੀ ਸੱਖੀ ਗੁਨ ਨਾਮ۔

ਦ ਜਿਹੇ ਪੇ ਸੁਲੇ ਕੀ ਦ ਖੋਬਨੀ ਓ ਦ ਗੁਵਹਿੰਦ ਨੁਮ ਓ ਵਿਧ ਸਤਨ ਲ੍ਰੀ

ਜਿਸੁ ਮਨਿ ਬਸੈ ਸੁ ਹੋਤ ਨਿਧਾਨ ॥
ਜਸ ਮਨ ਬਸੈ ਸੁ ਹੋਤ ਨਿਧਾਨ۔
ਦ ਚਾ ਪੇ ਜਨ ਕੀ ਚੀ ਦਾ ਓਸਿਰੀ, ਹਗੇ ਸਤਮਨ ਕਿਹੀ

ਸਰਬ ਇਛਾ ਤਾ ਕੀ ਪੁਰਨ ਹੋਇ ॥
ਸਰਬ ਇਛਾ ਤਾ ਕੀ ਪੁਰਨ ਹੋਇ۔
ਤੁਲ ਅਰਮਾਨਨੇ ਧੀ ਪੁਰੇ ਕਿਹੀ

ਪ੍ਰਧਾਨ ਪੁਰਖੁ ਪ੍ਰਗਟ ਸਭ ਲੋਇ ॥
ਪ੍ਰਚੜਾਨ ਪੁਰਖੁ ਪ੍ਰਗਟ ਸਭ ਲੋਇ۔
ਹਗੇ ਯੋ ਨਾਮਤੁ ਕਸ ਸ਼ੀ ਓ ਪੇ ਤੋਲੇ ਨਿਹੀ ਕੀ ਮਿਥੋਰ ਸ਼ੀ

ਸਭ ਤੇ ਉਚ ਪਾਏ ਅਸਥਾਨ ॥
ਸਭ ਤੇ ਅਚ ਪਾਏ ਅਸਥਾਨ۔
ਹਗੇ ਲੁਰ ਮਕਾਮ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕਿਹੀ

ਬਹੁਰਿ ਨ ਹੋਵੈ ਆਵਨ ਜਾਨੁ ॥

بئر نه ہووے آون جان۔
هغه باید بیا د ژوند او مرگ له چکر نه تیر شی

ਹਰਿ ਧਨੁ ਖਾਟਿ ਚਲੈ ਜਨੁ ਸੋਇ ॥

بر دهن کھات چلے جن سوئے۔
هغه کس د هری نوم شتمنی ترلاسہ کوی او نہی پریردی

ਨਾਨਕ ਜਿਸਹਿ ਪਰਾਪਤਿ ਹੋਇ ॥੫॥

نانک جسੇ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋئے।
ای نانک! هغه خوک چی دا پالی (د ذهن سکون) (د خدائی لخوا) ترلاسہ کوی

ਖੇਮ ਸਾਂਤਿ ਰਿਧਿ ਨਵ ਨਿਧਿ ॥

کھੀਮ ਸਾਂਤ ਰਦਹੁ ਨਿਹ
خوبنی، سولہ، بریا، نਹੇ جਰیانਨਹ،

ਬੁਧਿ ਗਿਆਨੁ ਸਰਬ ਤਰ ਸਿਧਿ ॥

بُدھਿਆਨ ਸਰਬ ਤੇ ਸਿਧੇ
حکمت، پوهہ او تولی لاستہ راویرਨੀ دی مخلوق تھ ورکول کਿਹੀ

ਬਿਦਿਆ ਤ੍ਰਯੁ ਜੋਗੁ ਪ੍ਰਭ ਧਿਆਨੁ ॥

ਇਦਿਆ ਥੱਪ ਜੋਗ ਪ੍ਰਭੇ ਦੇਹਿਅਨ۔
پوهہ، مراقبت، یوਗਾ، ਪੇ ਰੱਬ ਬਾਨੀ ਮਰਾਬਤ،

ਗਿਆਨੁ ਸ੍ਰੇਸ਼ਟ ਉਤਮ ਇਸਨਾਨੁ ॥

ਗੀਅਨ ਸ੍ਰੇਸ਼ਟ ਅਤ ਇਸਨਾਨ۔
غورہ پوهہ، غورہ غسل،

ਚਾਰਿ ਪਦਾਰਥ ਕਮਲ ਪ੍ਰਗਾਸ ॥

چਾਰ ਪਦਾਰਤ ਕਮਲ ਪ੍ਰਗਾਸ۔
ঠেৱৰ শিয়ান (দিন، হৰ্মকে، কার، নজাত)، দ জৰু দ কন্দক ৰে কুল،

ਸਭ ਕੈ ਮਧਿ ਸਗਲ ਤੇ ਉਦਾਸ ॥

سبھ کے مਦਹ ਸੱਗਲ ਤੇ ਆਦਾਸ۔
پੇ ਤੁਲੁ ਕੀ د ژونਦ ਕੁਲੁ ਪ੍ਰਮੇਹਾਲ ਤਰਤੁਲੁ ਨਿਦੀ ਓਸੀ

ਸੁੰਦਰ ਚਤੁਰੁ ਤਤ ਕਾ ਬੇਤਾ ॥

ਸੁਨਦਰ ਚੁਤੁ ਤਤ ਕਾ ਬੇਤਾ۔
بنਕਲਾ، ਹੋਵਨਿਆਤਿਆ ਅਵਲੋਕਣਾ

ਸਮਦਰਸੀ ਏਕ ਦਿਸ਼ਟੇਤਾ ॥

ਸਮਦਰਸੀ ਇਕ ਦਰਸ਼ਿਆ۔
ਦ ਯੋ ਪੇ ਖਿਰ چਲਨ ਕੁਲ ਅਵ ਰੱਬ ਤੇ ਪੇ ਯੋ ਸਤਰਕੇ ਲਿਡਲ،

ਇਹ ਫਲ ਤਿਸੁ ਜਨ ਕੈ ਮੁਖਿ ਭਨੇ ॥

گُر نانک نام بچن من سنے-
ای نانک! دا یولي ميوی هغه تر لاسه کوي،

ਗੁਰ ਨਾਨਕ ਨਾਮ ਬਚਨ ਮਨਿ ਸੁਨੇ ॥੬॥
إه ندهان جپئے من کوئے-

هغه څوک چي د خپلي خولي سره د خوبني جوهر (دماغي سكون) يادونه کوي او د خپل زره سره د گرو
كلمي او د خبتنن د نوم ويابونه اوري

ਇਹੁ ਨਿਧਾਨੁ ਜਪੈ ਮਨਿ ਕੋਇ ॥
سبه جگ مہ تا کی گت ٻوئے-
هر هغه څوک چي د خپل زره څخه د دی فضیلت خزانی يادونه وکري،

ਸਭ ਜੁਗ ਮਹਿ ਤਾ ਕੀ ਗਤਿ ਹੋਇ ॥
گُੰ ਗੁਬਿੰਦ ਨਾਮ ਦੱਨੁ ਬਨ੍ਹੇ-
دا په هر عمر کي گرندي کوير

ਗੁਣ ਗੋਬਿੰਦ ਨਾਮ ਧੁਨਿ ਬਾਣੀ ॥
سمرت ساستر بیب بکھانی
دا د گوبند د جلال او نوم غرب دير

ਸਿਮ੍ਰਿਤਿ ਸਾਸਤ੍ਰੂ ਬੇਦ ਬਖਾਣੀ ॥
سگل مтанت کبول بر نام-
د هغه په اره سمریتونه، شاسترونہ او ویدونه بیانویز

ਸਗਲ ਮਤਾਂਤ ਕੇਵਲ ਹਰਿ ਨਾਮ ॥
گوبਿੰਦ ਬਹੁਤ کی من بਸਰام
د تولو مذہبونو جوهر د گرو نوم دی.

ਗੋਬਿੰਦ ਭਰਾਤ ਕੈ ਮਨਿ ਬਿਸ੍ਰਾਮ ॥
کوٹ اپر ادھ سادھسنگ مਥے-
دا نوم د گکوویند د یو عقیدمند په زره کي اوسيوري.

ਕੋਟਿ ਅਪ੍ਰਾਧ ਸਾਧਸੰਗਿ ਮਿਟੈ ॥
سنت کرپا تے جਮ تے چھੋਟے-
ملیونونه جرمونه د سینਤੇ ਸ਼رکت لخوا له مینਹੇ ورل کيري.

ਸੰਤ ਕ੍ਰਿਪਾ ਤੇ ਜਮ ਤੇ ਛੁਟੈ ॥
جا کے مستک کرم پر بھ پائے-
د اولياوو په فضل سره، انسان د مرگ له خدائ څخه خلاص شوی دی.

ਜਾ ਕੈ ਮਸਤਕਿ ਕਰਮ ਪ੍ਰਭਿ ਪਾਏ ॥
سادھ سرن نانک تے آئے-
ای نانک! هغه څوک چي په سر یي گورو تقدير ليکلی وي،

ਸਾਧ ਸਰਣਿ ਨਾਨਕ ਤੇ ਆਏ ॥੭॥

ਤਮ ਤੇ ਬੇਹਨ ਕੱਚੇ ਹੋئੇ-

ਹਮਾਗੇ ਸਰੀ ਦ ਸਾਡੇ ਤੇ ਪਨਾਹ ਲਾਂਦੀ ਰਾਖੀ.

ਜਿਸੁ ਮਨਿ ਬਸੈ ਸੁਨੈ ਲਾਇ ਪ੍ਰੀਤਿ ॥

ਜਸ ਮਨ ਬੈਂਸੈ ਸੁਨੈ ਲਾਇ ਪ੍ਰੀਤ.

ਹਗੇ ਖੁਕ ਚੀ ਜਰੇ ਤੇ (ਸਖਮਾਨੀ) ਨਨੌਕੀ ਅਥੁਕ ਯੀ ਪੇ ਮਿਨੇ ਓਰੀ.

ਤਿਸੁ ਜਨ ਆਵੈ ਹਰਿ ਪ੍ਰਭੁ ਚੀਤਿ ॥

ਤਿਸ ਜਨ ਆਵੈ ਬ੍ਰਿਪ੍ਰਬੇ ਚੀਤ.

ਹਗੇ ਹਰੀ ਪਰਮਿਸ਼ੁਰ ਯਾਦੀ.

ਜਨਮ ਮਰਨ ਤਾ ਕਾ ਦੂਖੁ ਨਿਵਾਰੈ ॥

ਜੰਮ ਮਰਨ ਤਾ ਕਾ ਦੁਕੁ ਨਿਵਾਰੈ.

ਦ ਹਗੇ ਦ ਜਿਦਿਓਨ ਅਥੁਨੀ ਦਰਦ ਪਾਇ ਤੇ ਰਸਿੰਦੀ.

ਦੁਲਭ ਦੇਹ ਤਤਕਾਲ ਉਧਾਰੈ ॥

ਦੁਲਭ ਦੇਹ ਤਤਕਾਲ ਅੰਧਹਾਰੈ.

ਦਾ ਪੇ ਸਖੀ ਸਰੇ ਤੇ ਲਾਸੇ ਸ਼ਾਵੀ ਬਦਨ ਦ ਚੰਕ ਖਰਾਬਿਦੁ ਖਖੇ ਸਾਤੀ.

ਨਿਰਮਲ ਸੋਭਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਤਾ ਕੀ ਬਾਨੀ ॥

ਨਰਮਲ ਚੋਭੇ ਅਮਰਤ ਤਾ ਕੀ ਬਾਨੀ.

ਦ ਹਗੀ ਬਕਲਾ ਪਾਕੇ ਦੇ ਅਥੁ ਖਬੀ ਦ ਅਮਰਤ ਪੇ ਖਿਰ ਦੀ.

ਏਕੁ ਨਾਮੁ ਮਨ ਮਾਹਿ ਸਮਾਨੀ ॥

ਏਕ ਨਾਮ ਮਾਹਿ ਸਮਾਨੀ.

ਯਾਵਾਂ ਦ ਯੋ ਰੂਬ ਨੁਮ ਦ ਹਗੇ ਪੇ ਢੜਨ ਕੀ ਪਾਤੀ ਦੀ.

ਦੂਖ ਰੋਗ ਬਿਨਸੇ ਭੈ ਭਰਮ ॥

ਦੁਕਹ ਰੂਗ ਬਿਨਸੇ ਭੈ ਭਰਮ.

ਰਨ੍ਹ, ਮਰ੍ਝ, ਓਬੇਰੇ ਅਥੁ ਸ਼ਕ ਤ੍ਰੀ ਲ੍ਰੀ ਕ੍ਰੀਡੀ.

ਸਾਧ ਨਾਮ ਨਿਰਮਲ ਤਾ ਕੇ ਕਰਮ ॥

ਸਾਧ ਨਾਮ ਨਰਮਲ ਤਾ ਕੇ ਕਰਮ.

ਦ ਹਗੇ ਨੁਮ ਸਾਡੇ ਸ਼ਾਵੀ ਅਥੁ ਨਿਵਾਰੈ.

ਸਭ ਤੇ ਉਚ ਤਾ ਕੀ ਸੋਭਾ ਬਨੀ ॥

ਸਭ ਤੇ ਅਜ ਤਾ ਕੀ ਚੋਭੇ ਬਨੀ.

ਦ ਹਗੇ ਉਤਮ ਲੁਵਰੀ ਬੀਰੀ.

ਨਾਨਕ ਇਹ ਗੁਣਿ ਨਾਮੁ ਸੁਖਮਨੀ ॥੮॥੨੪॥

ਨਾਨਕ ਇਹ ਗੁਣ ਨਾਮ ਸੁਖਮਨੀ.

ਇ ਨਾਨਕ! ਦ ਦੀ ਹਾਂਕਗਰਤਿਾਵੋ ਲੇ ਅਮਲੇ (ਦ ਕੁਰੂ), ਦਾ ਕਲਮੇ ਸਕਮਨੀ ਨੁਮਿਡੀ.

ਅਰਦਾਸ

اردس
لمونخ

੧੭ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਡਤਹਿ॥

ایک-اونکار。واہی گورو جੀ کੀ ਫਤਹ
ਖਾਇ ਬਿਓ ਦੀ。ਤੋਲੇ ਬਰਿਆ ਦ ਹਿਰਾਨਿਆ ਕੁਰੂ (ਖਾਇ) ਦੇ।

ਸ੍ਰੀ ਭਰੌਤੀ ਜੀ ਸਹਾਇ।

ਸ੍ਰੀ ਬਹਾਗੂਤੀ ਜੀ ਸੱਥੀ

ਜਮਾ ਉਤਸਤ ਤੁਰੇ (ਖਾਇ ਦ ਬਦਕਾਰਾਨ੍ਹ ਦ ਵਿਚਾਰਨਕੀ ਪੇ ਸ਼ਕਲ ਕੀ) ਜ਼ਮੂਰ ਸਰੇ ਮਰਸਤੇ ਵਕ਼ਰੀ।

ਵਾਰ ਸ੍ਰੀ ਭਰੌਤੀ ਜੀ ਕੀ ਪਾਤਸ਼ਾਹੀ ੧੦॥

ਵਾਰ ਸ੍ਰੀ ਬਹਾਗੂਤੀ ਜੀ ਕੀ ਪਾਲਿਸ਼ਾਬੀ ਦਸੀਵਿ

ਦ ਦਰਨਾਵੀ ਤੁਰੇ ਓਡ ਦ ਲਸਮ ਕਾਰੂ ਲਖਾ ਤਾਲਵਾ ਸ਼ਾਵੀ।

ਪ੍ਰਿਖਮ ਭਰੌਤੀ ਸਿਮਰਿ ਕੈ ਗੁਰ ਨਾਨਕ ਲਈਂ ਧਿਆਇ॥

ਪ੍ਰਤਹਮ ਬਹਾਗੂਤੀ ਸਮਰ ਕੀ, ਕਾਰੂ ਨਾਨਕ ਲੰਨੇ ਦੇਹਾਏ

ਲੁਮੰਗੀ ਤੁਰੇ ਯਾਦ ਕੀਰੇ (ਖਾਇ ਦ ਬਦਕਾਰਾਨ੍ਹ ਦ ਤਬਾਹ ਕੁਨਕੀ ਪੇ ਸ਼ਕਲ); ਬਿਆ ਨਾਨਕ ਯਾਦ ਕੀਰੇ (ਦ ਹੁਗੇ ਪੇ ਰੂਹਾਨੀ ਮਰਸਤੇ ਕੀ ਓਸੀ)।

ਫਿਰ ਅੰਗਦ ਗੁਰ ਤੇ ਅਮਰਦਾਸੁ ਰਾਮਦਾਸੈ ਹੋਈਂ ਸਹਾਇ॥

ਅੰਗ੍ਦ ਕਾਰੂ ਤੇ ਅਮਰ ਦਾਸ, ਰਾਮਦਾਸੀ ਬੌਨੇ ਸੱਥੀ

ਬਿਆ ਕੁਰੂ ਅਨਕਾਦ, ਕੁਰੂ ਅਮਰ ਦਾਸ ਯਾਦ ਕਾਰੂ ਰਾਮ ਦਾਸ ਯਾਦ ਮਰਸਤੇ ਵਕ਼ਰੀ। (ਦ ਦੋਵਾਂ ਪੇ ਮਨੁਕੀ ਵਿਨ੍ਦੀ ਬਾਨ੍ਦੀ ਓਸਿਦਲ)

ਅਰਜਨ ਹਰਗੋਬਿੰਦ ਨੇ ਸਿਮਰੌ ਸ੍ਰੀ ਹਰਿਰਾਇ॥

ਅਰਜਨ ਬ੍ਰਗੁਬਿੰਦ ਨੇ ਸ੍ਰੀ ਸ੍ਰੀ ਬ੍ਰਾਨੀ

ਦ ਕੁਰੂ ਅਰਜਨ, ਕੁਰੂ ਹਰਗੁਬਿੰਦ ਅਤੇ ਅਹਿਰਾਮ ਵਰ ਕੁਰੂ ਹਰ ਰਾਇ ਪੇ ਯਾਦ ਵਿਲ੍ਰੀ ਅਤੇ ਮਰਾਫ਼ਤ ਵਕ਼ਰੀ। (ਦ ਦੋਵਾਂ ਪੇ ਮਨੁਕੀ ਵਿਨ੍ਦੀ ਬਾਨ੍ਦੀ ਓਸਿਦਲ)

ਸ੍ਰੀ ਹਰਿਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਧਿਆਈਂਐ ਜਿਸ ਡਿੱਠੈ ਸਭਿ ਦੁਖ ਜਾਇ॥

ਸ੍ਰੀ ਹਰਿਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਦੇਹਿਆਈ, ਜਸ ਦੇਹਿ ਸਭੇ ਜੁਕੇ ਜਾਈ

ਦ ਅਹਿਰਾਮ ਵਰ ਕੁਰੂ ਹਰ ਕਰਸ਼ਨ ਪੇ ਯਾਦ ਵਿਲ੍ਰੀ ਅਤੇ ਮਰਾਫ਼ਤ ਵਕ਼ਰੀ, ਦ ਹੁਗੇ ਪੇ ਲਿਦ੍ਵਾ ਸਰੇ, ਤੀਲ ਦਰਦਨੇ ਲੇ ਮਨੁਖੇ ਹੈ।
(ਦ ਦੋਵਾਂ ਪੇ ਮਨੁਕੀ ਵਿਨ੍ਦੀ ਕੀ ਪਾਤੀ ਥੀ)

ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਸਿਮਰਿਐ ਘਰ ਨਉ ਨਿਧਿ ਆਵੈ ਧਾਇ॥

ਤੀਗ ਬਹਾਦਰ ਸਮੈਤੇ, ਕੁਰੂ ਨੁਹੈ ਆਵੇ ਦਹਾਨੀ

ਕੁਰੂ ਨੁਹੈ ਬਹਾਦਰ ਪੇ ਯਾਦ ਵਿਲ੍ਹੇ ਅਵੇ ਬਿਆਦੀ।

ਸਭ ਥਾਂਈ ਹੋਇ ਸਹਾਇ॥

ਬੇਖ ਤੇਹੀ ਬੌਨੇ ਸੱਹਾਨੀ

ਅਵੇ ਖਾਡਾਇ! ਮਹਰਬਾਨੀ ਵਕੀਰੀ ਮੁਬਰ ਤੇ ਦ ਲਾਰੀ ਪੇ ਬਨੂਦਲੁ ਸਰੇ ਹਰਚਿਰੀ ਮਰਸ਼ਟੇ ਵਕੀਰੀ।

ਦਸਵਾਂ ਪਾਤਸ਼ਾਹ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਸਾਹਿਬ ਜੀ! ਸਭ ਥਾਂਈ ਹੋਇ ਸਹਾਇ॥

ਦਸਵਾਂ ਪਾਤਸ਼ਾਹ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਨਗੇ ਜੀ, ਬੇਖ ਤੇਹੀ ਬੌਨੇ ਸੱਹਾਨੀ

ਦ ਦਰਨਾਵੀ ਲਸਮ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਪੇ ਯਾਦ ਵਿਲ੍ਹੇ (ਦ ਹੁਗ ਪੇ ਰਾਵਾਨੀ ਵਿਨਾਵੀ ਕੀ ਰਾਵਨ ਵਕੀਰੀ)। ਅਵੇ ਖਾਡਾਇ! ਮਹਰਬਾਨੀ ਵਕੀਰੀ ਮੁਬਰ ਤੇ ਦ ਲਾਰੀ ਪੇ ਬਨੂਦਲੁ ਸਰੇ ਹਰਚਿਰੀ ਮਰਸ਼ਟੇ ਵਕੀਰੀ।

**ਦਸਾਂ ਪਾਤਸ਼ਾਹੀਆਂ ਦੀ ਜੋਤ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ਦੇ ਪਾਠ ਦੀਦਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਧਰ ਕੇ
ਬੋਲੋ ਜੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ!**

ਦਸਾਂ ਪਾਤਸ਼ਾਹੀਆਂ ਦੀ ਜੋਤ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ, ਦੇ ਪਾਠ ਦੀਦਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਧਰ ਕੇ
ਬੋਲੋ ਜੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ

ਪੇ ਦਰਨਾਵੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰਾਨ ਸਾਹਿਬ ਕੀ ਦ ਲਸੋ ਪਾਚਾਹਾਨੋ ਅਹੀ ਰਨਾ ਬਾਨਦੀ ਫਕਰ ਵਕੀਰੀ ਅਵੇ ਖਾਡਾਨੀ
ਫਕਰਨੇ ਦ ਅਹੀ ਤੁਲਿਮਾਤੇ ਵਿਲ੍ਹੇ ਵਾਰਵੀ ਅਵੇ ਦ ਕੁਰੂ ਗ੍ਰਾਨ ਸਾਹਿਬ ਪੇ ਲਿਦ੍ਵ ਸਰੇ ਖੁਣੀ ਤ੍ਰਲਾਸੇ ਕੀਰੀ; ਇਤ ਵਾਹ
ਕੁਰੂ (ਦ ਹਿਰਾਨਿਆ ਖਾਡਾਇ)!।

**ਪੰਜਾਂ ਪਿਆਰਿਆਂ, ਚੌਹਾਂ ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦਿਆਂ, ਚਾਲ੍ਹੀਆਂ ਮੁਕਤਿਆਂ, ਹਠੀਆਂ ਜਪੀਆਂ, ਤਪੀਆਂ,
ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨਾਮ ਜਪਿਆ, ਵੰਡ ਛਕਿਆ, ਦੇਗ ਚਲਾਈ, ਤੇਗ ਵਾਹੀ, ਦੇਖ ਕੇ ਅਣਡਿੱਠ ਕੀਤਾ,
ਤਿਨ੍ਹਾਂ ਪਿਆਰਿਆਂ, ਸਚਿਆਰਿਆਂ ਦੀ ਕਮਾਈ ਦਾ ਧਿਆਨ ਧਰ ਕੇ, ਖਾਲਸਾ ਜੀ ! ਬੋਲੋ ਜੀ
ਵਾਹਿਗੁਰੂ!**

ਪੰਜ ਪਿਅਰਿਆਂ, ਚੌਹਾਂ ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦਿਆਂ, ਚਾਲ੍ਹੀਆਂ ਮੁਕਤਿਆਂ, ਹਠੀਆਂ ਜਪੀਆਂ, ਤਪੀਆਂ,
ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨਾਮ ਜਪਿਆ, ਵੰਡ ਛਕਿਆ, ਦੇਗ ਚਲਾਈ, ਤੇਗ ਵਾਹੀ, ਦੇਖ ਕੇ ਅਣਡਿੱਠ ਕੀਤਾ,
ਤਿਨ੍ਹਾਂ ਪਿਆਰਿਆਂ, ਸਚਿਆਰਿਆਂ ਦੀ ਕਮਾਈ ਦਾ ਧਿਆਨ ਧਰ ਕੇ, ਖਾਲਸਾ ਜੀ ! ਬੋਲੋ ਜੀ
ਵਾਹਿਗੁਰੂ।
ਤੀਗ ਵਾਹੀ, ਦਿਕੀ ਕੇ ਅਨਹੇ ਕਿਤਾ, ਤਿਹਾ ਪਿਅਰਿਆਂ, ਸਚਿਆਰਿਆਂ ਦੀ ਕਮਾਈ, ਦਾ ਧਿਆਨ ਧਰ ਕੇ
ਦ ਪਿਨ੍ਹੋ ਅਵਿਨਾਨ ਦ ਅਨਹੇ ਪੇ ਏਰੇ ਫਕਰ ਵਕੀਰੀ, ਦ ਖਲੂਰੋ ਰਾਮਨੋ (ਦ ਕੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ); ਦ ਖਲੂਬਿੰਸਤੋ ਸ਼ਹੀਦਾਨੋ
ਦ ਜ਼ਰੂਰ ਸਕਹਾਨੋ ਦ ਨੇ ਮਨ੍ਹਾਨੋ ਵਰ ਅੜਮ; ਦ ਨੁਮ ਪੇ ਰੱਨਕ ਕੀ ਦੁਬ ਸ਼ਵੀ ਪ੍ਰਿਵਾਨ; ਦ ਹਗੁ ਕਸਾਨੋ ਖੜ੍ਹੇ ਚੀ ਪੇ ਨੁਮ
ਕੀ ਜੰਬ ਸ਼ਵੀ ਵੀ; ਦ ਹਗੁ ਕਸਾਨੋ ਖੜ੍ਹੇ ਚੀ ਨੁਮ ਵੀ ਯਾਦ ਕੇ ਅਖੀ ਵਿਲ੍ਹੇ ਖਾਡਾਨੀ ਵਿਲ੍ਹੇ ਕੀ ਸ਼ਰੀਕ ਕੀਲੇ;
ਦ ਹਗੁ ਕਸਾਨੋ ਖੜ੍ਹੇ ਚੀ ਵਿਲ੍ਹੇ ਕੀ ਪੀਲੇ ਕੀ; ਦ ਹਗੁ ਕਸਾਨੋ ਖੜ੍ਹੇ ਚੀ ਖੀਲੀ ਨੁਰੀ ਵੀ ਚੀਲੀ (ਦ
ਹਿਰਾਨਿਆ ਲਿਵਾਰੇ); ਦ ਹਗੁ ਕਸਾਨੋ ਖੜ੍ਹੇ ਚੀ ਦ ਨੁਰੋ ਨਿਮੰਗ੍ਰਤਿਵਾਵੀ ਵੀ ਲੇ ਪਾਮੇ ਗੁਰਹੌਲੀ; ਪੁਰਨੀ ਤੀਲ
ਪਾਕ ਅਵੇ ਰਿਵੀਨੀ ਮਨੀਕਾਨ ਵੀ. ਅਨੇਕ ਵਿਲ੍ਹੇ ਕੁਰੂ (ਦ ਹਿਰਾਨਿਆ ਖਾਡਾਇ)!

**ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਸਿੰਘਾਂ ਸਿੰਘਣੀਆਂ ਨੇ ਧਰਮ ਹੇਤ ਸੀਸ ਦਿੱਤੇ, ਬੰਦ ਬੰਦ ਕਟਾਏ, ਖੋਪਰੀਆਂ ਲੁਹਾਈਆਂ,
ਚਰਖੜੀਆਂ ਤੇ ਚੜੇ, ਆਰਿਆਂ ਨਾਲ ਚਿਰਾਏ ਗਏ, ਗੁਰਦੁਆਰਿਆਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਲਈ**

ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ, ਧਰਮ ਨਹੀਂ ਹਾਰਿਆ, ਸਿੱਖੀ ਕੇਸਾਂ ਸੁਆਸਾਂ ਨਾਲ ਨਿਬਾਹੀ, ਤਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ
ਕਮਾਈ ਦਾ ਧਿਆਨ ਧਰ ਕੇ ਖਾਲਸਾ ਜੀ! ਬੇਲੇ ਜੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ!

جنا سنگها سنگھنیا نے دھرم حت سیس دتھے، بند بند کتے، کھوپریا لوپیا، چارکریا تے چڑھے، آریا نال چڑھائے گئے، گردوارئے دی سیوا لئے قربانیاں کیتھیاں، دھرم نہیں باریے، سکھی کیسا سواسا نال نبایپاں، تنا دی کمانی دا دھیان دھر کے بولو جی واپیگرو

د هغو زیورو سکهانو او بنحو له خوا د بی ساري خدمت په اره فکر و کړئ او په یاد ولرئ، چې خپل سرونه یې قرباني کړل، مګر خپل سیکه مذهب بی تسلیم نه کړ؛ چا چې ځانونه د بدنه له هري جوري ځخه توټي توټي کړل؛ چا خپل سرونه لري کړل؛ څوک چې تړل شوي او په څرخونو باندي ګرځول شوي او توټي توټي شوي؛ څوک چې د آري په واسطه پري شوي وو؛ څوک چې ژوندي وو هل شول؛ چا چې د کوردووارانو د وقار ساتلو لپاره ځانونه قربان کړل؛ چا خپل سکه عقیده نه پريښوده؛ چا چې خپل سکه مذهب ساتلي او تر وروستني ساه یې خپل اوږده وېښتنان ساتلي دي. انتر واه ګورو (د حیرانیا خدای)!

ਪੰਜਾਂ ਤੁਖਤਾਂ, ਸਰਬੱਤ ਗਰਦਾਰਿਆਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਧਰ ਕੇ ਬੋਲੋ ਜੀ ਵਾਹਿਗੁਰ!

سارے تختہ سریت گردواریاں دا دھیان دھر کے یوں جو واپسیگرو

خیل فکر د سکه مذهب تولو خوکیو او تولو گوردوارو ته واروئ؛ واه گورو (د حیرانتیا خدای)!

ਪ੍ਰਿਥਮੇ ਸਰਬੱਤ ਖਾਲਸਾ ਜੀ ਕੀ ਅਰਦਾਸ ਹੈ ਜੀ, ਸਰਬੱਤ ਖਾਲਸਾ ਜੀ ਕੇ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਵਾਹਿਗੁਰੂ, ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਚਿਤ ਆਵੇ, ਚਿੱਤ ਆਵਨ ਕਾ ਸਦਕਾ ਸਰਬ ਸਖ ਹੋਵੇ।

پرتهمے سربت خالصا جی کی ارداس بے جی، سربت خالصا جی کو واپیگرو واپیگرو واپیگرو چت

اوے چت اون کا سدکا سُرپ سُکھ ہووے

لومړی ټول محترم خالصه دا دعا وکړي چې دوی ستاسو په نوم یاد کړي؛ او ممکن ټولی خوبنۍ او

ਜਹਾਂ ਜਹਾਂ ਖਾਲਸਾ ਜੀ ਸਾਹਿਬ, ਤਹਾਂ ਤਹਾਂ ਰਫ਼ਿਆ ਰਿਆਇਤ, ਦੇਗ ਤੇਗ ਫਤਹਿ,
ਬਿਰਦ ਕੀ ਪੈਜ, ਪੰਥ ਕੀ ਜੀਤ, ਸ੍ਰੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ਸਹਾਇ, ਖਾਲਸੇ ਜੀ ਕੇ ਬੋਲ ਬਾਲੇ, ਬੋਲੇ ਜੀ
ਵਾਂਗਿਤਾਰਾ!

جہاں خالصا جی ساحب، تہاں تہاں رُچھیا ریاعت، دیگ تیگ فتح، بیرا کی پیج، پنٹھ کی جیت،
سید، ساحب ح، سام، خالصا ح، کو بول، بالے، بولو ح، وائیگرو

په هر خای کي چي عزتمند خالصه شتون لري، خپل ساتنه او فضل راکړئ. وريا پخنځي او توره دي هيڅکله ناكامه نشي؛ د خپلو بندګانو عزت وساته؛ سکهانو ته بریا ورکړه؛ د قدر ور توره دي تل زموږ مرسته، ته، اشد؛ خالصه ده، ته، وبارونه ته لاسه کړي؛ انت واه ګووو (د حد انتنا خدا)،

ਸਿੱਖਾਂ ਨੂੰ ਸਿੱਖੀ ਦਾਨ, ਕੇਸ ਦਾਨ, ਰਹਿਤ ਦਾਨ, ਬਿਬੇਕ ਦਾਨ, ਵਿਸਾਹ ਦਾਨ, ਭਰੋਸਾ ਦਾਨ,
ਦਾਨਾਂ ਸਿਰ ਦਾਨ, ਨਾਮ ਦਾਨ, ਸ੍ਰੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਜੀ ਦੇ ਇਸ਼ਨਾਨ, ਚੌਕੀਆਂ, ਝੰਡੇ, ਬੁੰਗੇ, ਜੁਗੇ
ਜਗਾ ਅਟੱਲ, ਧਰਮ ਕਾ ਜੈਕਾਰ, ਬੰਦੇਲੇ ਜੀ ਵਾਹਿਗੁਰਾਤ!!!!

سکھا نوں سکھی دان، کیس دان، رہت دان، ببیک دان، بھروسہ دان، دانا سر دان نام دان، چونکیا
جھنڈے بنگے جگے جگے اتا، دھرم کا جٹے کار بولو ہے، واسیگھ

به مهر بانی سر ه سکانو ته د سکه مذهب دالی، د او د ویستو دالی، د سکه قوانینه لدو دالی، د الی

پوھی چالی ، د قوي باور چالی ، د باور چالی او د نوم تریلو لوی چالی. اي خدايه! کوژدي، ماني او بینرونہ دی ٹل پاتي وي؛ حق ٹل بريالي شي؛ واه گورو (د حیرانیا خدائی)!

ਸਿੱਖਾਂ ਦਾ ਮਨ ਨੀਵਾਂ, ਮਤ ਉੱਚੀ ਮਤ ਦਾ ਰਾਖਾ ਆਪ ਵਾਹਿਗੁਰੂ।
سکھا دا من نیوا، مت اوجی، مت پت دا راکھا آپ وابیگرو

د تولو سیکਾਨ੍ਹ ਜ਼ਹਨਨੇ ਉਗਜ਼ ਓਦ ਦੋਵੀ ਹਕਮਤ ਲੁਰ ਸ਼ੀ؛ اي خدايه! ਤਾਸੋ ਦ ਹਕਮਤ ਸਾਤਾਨ੍ਹਕੀ ਯਾਸਟ!

ਹੇ ਨਿਮਾਣਿਆਂ ਦੇ ਮਾਣ, ਨਿਤਾਣਿਆਂ ਦੇ ਤਾਣ, ਨਿਓਟਿਆਂ ਦੀ ਓਟ, ਸੱਚੇ ਪਿਤਾ, ਵਾਹਿਗੁਰੂ!
ਆਪ ਦੇ ਹਜੂਰ.....ਦੀ ਅਰਦਾਸ ਹੈ ਜੀ।

بے نਮਾਨਿਆਂ ਦੇ ਮਾਣ، ਨਿਮਾਣਿਆਂ ਦੇ ਤਾਣ، ਨਿਓਟਿਆਂ ਦੀ ਓਟ، ਸੱਚੇ ਪਿਤਾ ਵਾਹਿਗੁਰੂ (ਅਪ ਦੀ ਹਜੂਰ... ਦੀ ਅਰਦਾਸ ਬੇ ਜੀ)۔

ای رਿੰਨਿੰਨੀ ਪਲਾਹੇ، ਵਾਹ گورو! ਤਾਥ ਦ ਉਗਜ਼ਾਨ੍ਹ ਉਤ, ਦ ਬੀ ਵੱਲ ਹੋਵਾਕ, ਦ ਬੀ ਸਰਪਨਾਹ ਪਨਾਹ ਹਾਂ ਹੀ, ਮੁਰ ਪੇ ਉਗਜ਼ੀ ਸਰੇ ਸਤਾਸੋ ਪੇ ਹਹਿਤ ਕੀ ਦੁਆ ਕੁਝੇ। (ਤਲਾਵ ਦ ਮੁਕੁਤ ਯਾ ਦੁਆ ਹਾਂ ਨੀਵੀ!)!

ਅੱਖਰ ਵਾਧਾ ਘਾਟਾ ਭੁੱਲ ਚੁੱਕ ਮਾਫ ਕਰਨੀ। ਸਰਬੱਤ ਦੇ ਕਾਰਜ ਰਾਸ ਕਰਨੇ।
اਕਹਰ ਵਾਹਾ ਗਹਾਨਾ ਬੱਹੁੰਤ ਕੀ ਮਾਫ ਕਰਨੀ، ਸਰਬ ਦੇ ਕਾਰਜ ਰਾਸ ਕਰਨੇ۔

د پੁਰਤੀਵੀ ਦੁਆਕਾਨ੍ਹ ਪੇ ਲੁਸਟਾਵੀ ਕੀ ਜ਼ਮੂਰ ਤ੍ਰਿਪ੍ਰਤੀਵੀ ਅਤੇ ਨਿਮੰਗ੍ਰਤੀਵੀ ਵੱਖੱਵੱਖੇ। ਪੇ ਮਹਰਬਾਨੀ ਸਰੇ ਦ ਤੁਲੋ ਸ਼ਿਾਨ੍ਹ ਪੂਰੇ ਕੁਲ।

ਸੇਈ ਪਿਆਰੇ ਮੇਲ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਮਿਲਿਆਂ ਤੇਰਾ ਨ ਚਿੱਤਾਵੇ। ਨਾਨਕ ਨਾਮ ਚੜ੍ਹਦੀ ਕਲਾ, ਤੇਰੇ
ਭਾਣੇ ਸਰਬੱਤ ਦਾ ਭਲਾ।

سੇ ਪੀਵਾਰੇ ਮੀਲ، جਨਾ ਮਲਿਆ ਤੇਰਾ ਨਾਮ ਚੱਤ ਆਏ، ਨਾਨਕ ਨਾਮ ਚੜ੍ਹੇ ਕਲਾ, ਤੀਰੇ ਬਹਾਨੇ ਸਰਬ ਦਾ ਬੋਹਲਾ
ਮਹਰਬਾਨੀ ਵੱਖੱਵੱਖੇ ਮੁਰ ਤੇ ਦ ਹੁਗੇ ਰਿੰਨਿੰਨੀ ਪਿਰਾਨਾਨ੍ਹ ਸਰੇ ਲਿਦ੍ਵਾ ਲਾਮਲ ਸ਼ੋ ਚੀ ਦ ਦੋਵੀ ਪੇ ਲਿਦ੍ਵਾ ਸਰੇ ਮੁਰ ਕੁਲੀ
ਸ਼ਵ ਸਤਾ ਨੁਮ ਧਾਵ ਅਤੇ ਧਾਵ ਕੀ ਕੁਝੇ। ਇ ਖਾਡਾਵੀ! ਦ ਰਿੰਨਿੰਨੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਲੇ ਲਾਰੀ, ਸਤਾਸੋ ਨੁਮ ਦੀ ਲੁਰ ਸ਼ੀ, ਅਤੇ ਸਤਾਸੋ
ਦ ਅਵਾਦੀ ਸਰੇ ਸਮ ਦੀ ਤੁਲ ਖੋਸ਼ਹਾਲੇ ਸ਼ੀ।

ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕਾ ਖਾਲਸਾ, ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫਤਹਿ
ਵਾਬਿਗ੍ਰੂ ਜੀ ਕਾ ਖਾਲਸਾ, ਵਾਬਿਗ੍ਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫਤਹਿ

ਖਾਲਸੇ ਪੇ ਖਾਡਾਵੀ ਪੂਰੀ ਲੁਝੀ; ਤੁਲੇ ਬਰਿਆ ਦ ਖਾਡਾਵੀ ਬਰਿਆ ਦੇ।

د سفر لپاره فلسفه

د سک مذهب فلسفه د منطق، جامعیت او د روحانی او مادی نړۍ لپاره د هغې "پرته له تاو تریخوالي" طریقی سره ځانګړتیا لري. د هغې الهیات د سادګی لخوا نښه شوي. د سکه اخلاقو کي د ځان او د تولني (سنگت) په وړاندي د فرد د وظيفي ترمینځ هیڅ شخړه نشي.

سکه مذهب د نړۍ تربیلو څوان مذهب دی چې شاوخوا 500 کاله دمځه د ګرو نانک لخوا تاسیس شوي. دا په یو ستر ذات او د کاثانتو خالق (واهګورو) باندي عقیده تینګار کوي. دا د ابدی خوبنۍ لپاره یوه ساده مستقیمه لار وړاندي کوي او د مینې او نږیوال ورورکلوي پیغام خپروي. سکھزم په ګلکه یو توحیدی عقیده ده او خدای یوازی د هغې په توګه پېژنې چې د وخت یا ځای محدودیتونو تابع نه دی.

سک مذهب په دی باور دی چې یوازی یو خدای دی، چې خالق، ساتونکۍ، ويچارونکۍ دی او د انسان بنه نه اخلي. د اوتابار تیوري په سکه مذهب کي هیڅ ځای نلري. دا د خدایانو او خدایانو او نورو معیودانو لپاره هیڅ ارزښت نلري.

په سکھزم کي اخلاق او مذهب یوځای هي. یو خوک باید د معنوی پرمختګ په لور ګام پورته کولو لپاره په وړخنې ژوند کي اخلاقی ځانګړتیاوي او فضیلتونه رامینځته کړي. د صداقت، شفقت، سخاوت، صبر او عاجزی په خیر ځانګړتیاوي یوازی په هڅو او استقامت سره رامینځته کیدی شي. زموږ د سترو استادانو ژوند په دی لار کي د الهام سرچينه ده.

د سک مذهب درس ورکوي چې د انسان د ژوند هدف د زیرون او مړینې دوری ماتول او له خدای سره یوځای کول دي. دا د ګورو د لارښوونو په تعقیب ، د سپیڅلی نوم (نوم) په مراقبت او د خدمت او خیرات کارونو ترسره کولو سره ترسره کیدی شي.

دنوم مارګ هره ورڅ د خدای په یاد باندي تینګار کوي. د نجات د ترلاسه کولو لپاره باید پنځه احساسات لکه کام (خواهش)، کرود (غوسه)، لوح (لالج)، موه (دنيا وصل) او احنکار (کبر) کنټرول کړي. اتحاد په سکه مذهب کي د روژۍ او زیارت په خیر دودونه او معمول عملونه رد شوې دي. د انسان د ژوند هدف د خدای سره یوځای کول دي او دا د ګرو ګران صاحب د تعليماتو په تعقیب سره بشپړېږي. سکه مذهب د بګتی مارګ یا د عقیدي په لاره تینګار کوي. په هرصورت، دا د ګیان مارګ (د پوهې لاره) او کرم مارګ (د عمل لاره) اهمیت پېژنې. دا روحانی هدف ته د رسیدو لپاره د خدای فضل ترلاسه کولو اړتیا باندي خورا لوی فشار اچوي.

سکه مذهب یو عصری، منطقی او عملی دین دي. دا په دی باور دی چې نورمال کورنې ژوند (ګرهاست) د نجات په وړاندي خند نه دی. د نجات د لاسته راولو لپاره د دنیا بربریت یا ترک کول اړین ندي. دا ممکنه ده چې د نړۍ د بدختیو او لالچونو په مینځ کي جلا ژوند وکړئ. یو عبادت کوونکی باید په نړۍ کي ژوند وکړي او بیا هم خپل سر د معمول فشار او ګډوډی څخه پورته وساتي. هغه باید یو عالم سرتیری وي، او د خدای لپاره سنت وي.

سکھزم یو کاسموپولیتان او "سیکولر مذهب" دی او په دی توګه د ذات، عقیدي، نسل یا جنسیت پر بنستې تول توپېړونه ردوي. دا باور لري چې تول انسانان د خدای په نظر کي مساوی دي. ګورو د بنټو په مساوات تینګار وکړ او د بنټینه زیرون وژنی او ستنی (کونډی سوڅولو) دود یې رد کړ. دوی همدارنګه په فعله توګه د کونډو بیا ودونو تبلیغ وکړ او د پرده سیستم یې رد کړ (بنټی چې حجاب اغوندي). د دی لپاره چې ذهن په هغه باندي متمنکر پاتې شي ، یو خوک باید د سپیڅلی نوم (نوم) مراقبت وکړي او د خدمت او خیرات اعمال ترسره کړي. دا د عزت ور ګنل کېږي چې د صادقانه کار (کېرات کرن) له لاري خپل معاش ترلاسه کړي نه د سوال کولو یا بي ايمانی له لاري. له نورو سره یې شريکول هم یو تولنیز مسوولیت دی. له فرد څخه تمہ کېږي چې د داسوند (د هغه د عايد 10٪) له لاري اړمنو سره مرسته وکړي. خدمت، د تولنی خدمت هم د سکھزم یوه لازمي برخه ده. د تولنی وریا پخانۍ (لنګر) په هره ګوردواره کي موندل کېږي او د تولو مذهبونو خلکو ته خلاص دی د دی تولنی خدمت یوه څرګندونه ده.

سک مذهب د خوشبینی او اميد ملاتر کوي. دا د بدمرغی نظریه نه مني.

گورو په دي باور وو چي دا ژوند يو هدف او هدف لري. دا د حان او خدای احساس لپاره فرصت وراندي کوي. برسيره پر دي، انسان د خپلو اعمالو مسؤل دي. هغه نشي کولي د خپلو کرنو له پايلو څخه د معافيت ادعا وکړي. له همدي امله هغه باید په هغه څه کي خورا محاطاوي چي هغه کوي.

د سکه کتاب، گرو گران صاحب، ابدی گرو دي. دا یوازینې دين دي چي سپیڅلی کتاب یې د دینې مبلغ حیثیت ورکړي دي. په سکه مذهب کي د ژوندي انسان گرو (دهداري) لپاره هیڅ ځای نشته.

په مهربانۍ سره

د پکری اهمیت

پکری تل د سکه یوه نه بیلیدونکی برخه ده. د 1500 میلادی کال راهیسی او د سکه مذهب بنسته ایندونکی گرو نانک وخت راهیسی، سیکانو پکری اغوسنی.

پکری با "پکری" اکثرا "پک" یا "دستر" ته لندیوی د ورته مقالی لپاره په مختلف ژبو کی مختلف کلمی دي. دا ټول ټکي هغه جامو ته اشاره کوي چي د نارینه او بندخنه دوارو لخوا دسر پتولو لپاره اغوسنل کیري. دا یوه سر پوېش دی چي د اوورد سکارف په خير د توکر یوه توته دسر شاوخوا زخم یا حیني وختونه داخلی "خولی" یا پتکا لري. په هند کي په دودیز بول، پکری یوازي په توله کي د لور رتبه نارینه وو لخوا اغوسنل کېده. د تیت رتبه او تیت ذات سري ته اجازه نه وو چي پکری واغوندي.

یاد عقیدي له پنځو مادو څخه د یوه په توګه امر شوی K's که څه هم د غیر سیوري ویشنو ساتل د گورو گوبند سینک لخوا د پنځو و، دا په 1469 کي د سکي د پېل راهیسی د سکه مذهب سره نردی تراو لري. سکه مذهب په نږي کي یوازنې مذهب دي. چي پکری اغوسنل د ټولو بالغو نارینه وو لپاره لازمي دي. په لوپدیخو هبواونو کي پېری خلک چي پکری اغوندي، سیکمان دی. د سک پکدې ته دستار هم ویل کیري. دستار فارسي کلمه ده دا د "د خدای لاس" معنی لري چي د هغه برکت معنی لري.

سکهان د خپلو پکری او خانګرو پکریو لپاره مشهور دي. په دودیز بول، پکری د ردناوي استازیتوب کوي، او له اوږدي مودي راهیسی یوه شی دی چي یوه وخت یوازي د شرافت لپاره ساتل کيده. په هند کي د مغولو د واکمنی پر مهال یوازي مسلمانانو ته اجازه وو چي پکری واغوندي. تول غږ مسلمان په کلکه منع شوی وو چي یوه جامي اغوسنی.

گورو گوبند سنګه د مغولو دی سر غړونې په مقابل کي له خپلو تولو سکانو وغونېتل چي پکری واغوندي. دا باید د لوړو اخلاقی معیارونو په پېښنډه کي اغوسنل شی چي هغه د خپلو خالصه پېړوانو لپاره جور کوي و. هغه غونېتل چي د هغه خالصه جلا وي او هود ولري چي "دنوري نړۍ څخه ودریږي". هغه غونېتل چي دوی هغه ځانګري لاره تعقیب کړي چي د سکه گورو لخوا تاکل شوی وه، په دی توګه، یو پکری لرونکي سک تل د خلکو څخه ولاړ دی، لکه ځنګه چي د گورو اراده وه، ځکه چي هغه غونېتل چي د هغه "سینټ - سرتیری" نه یوازي په اسانۍ سره د پېښنډو وړوي، بلکي په اسانۍ سره هم وموندل شي.

کله چي یوه سک سري یا بشخه پکری اغوندي، پکری یوازي د توکر یوه توته پاتي کیري. ځکه چي دا د سکه سر سره یوه شان کیري. پکری، او همدارنګه د عقیدي څلور نوري مادي چي د سکهانو لخوا اغوسنل کیري، خورا لوی معنوی او لندمهاله اهمیت لري. پداسي حال کي چي د پکری اغوسنل سمولونه بېرى دي - حاکمیت، وقف، خان ته درناوي، زیورتیا او تقوی، مګر، اصلی دليل چي سکهان د پکری اغوسنل دي - د دوی مینه، اطاعت او د هغه د بنسته ایندونکي لپاره درناوي بنوډل شوی. خالصه گورو گوبند سینک.

پورته روښانه تکي باید د بل څه سره بدل شي. کیدای شي د 'دلیل' وي

پکری مور ته زمور د گرو دالي ده. دا مور ځنګه خان د سنګسار او کور په توګه تاج کوو چي زمور خپل لور شعور ته د ژمنتیا" په تخت ناست دي. د نارینه او بشخه لپاره یوه شان، دا پروژيکي هویت د شاهینتوب، فضل او انفرادیت څرګندوی. دا نورو ته یوه سینګنال دی چي مور د انيټې په عکس کي ژونډ کوو او د ټولو خدمت کولو ته وقفت یوه. پکری د بشیر ژمنتیا پرته بل څه نه څرګندوی. کله چي تاسو د خپل پکری په تړلو سره د خان څرګندولو انتخاب کوي نو تاسو د یوه واحد په توګه په وېره سره ودریږي. د شپور مليارده خلکو څخه یوه سري ولاړ دی. دا خورا غوره عمل دي. (د سکنیت څخه نقل شوی)

په سیک مذهب کي د بنخو رول

د سکه مذهب اصول وایی چي بنخی د نارینه وو په خیر ورته روح لري او د دوى دروحانیت د ودى مساوي حق لري. دوى کولي شي د مذهبی غوندو منشري وکري، د اخند په لاره کي برخه واخلي (د مقدس صحيفو دوامداره تلاوت)، کيرتان (د جماعت سندری ويل) ترسره کري، د گرانتيانو (پادريانو) په توکه کار وکري. دوى کولي شي په تولو مذهبی، کلتوري، ټولنیزو او سیکولر فعالیتونو کي برخه واخلي. سکھزم د نړۍ لومرۍ لومړي مذهبونه وو چي نارینه او بنخینه ته یې مساوات ورکول. گرو نانک، د جنسیت پر بنستې مساوات تبلیغ وکر، او هغه ګورو چي د هغه وروسته یې بنخی و هڅولي چي د سکه عبادت او عمل په تولو فعالیتونو کي بشپړه برخه واخلي.

گرو گرانات صاحب وایی،

«بنخی او نارینه، تول د خدای لخوا جور شوي دي. دا تول د خدای لوبه ده. نانک وایی، ستا تول مخلوق بنه او سپیځلی دی» پانه ۳۰۴ SGGA

د سیک تاریخ د بنخو رول ثبت کړی دی چي دوى د نارینه وو په وراندي د خدمت، عقیدي، قرباني او زیورتیا په توګه مساوي دي. د سیکانو په دود کي د بنخو د اخلاقی وقار، خدمت او Ҳان قرباني دېری مثالونه ليکل شوي.

د سکه مذهب له مخي، نارینه او بنخینه د یوی سکي دوه اړخونه دي. د مقابلو اړیکو او انحصار په سیستم کي چېږي چي سری له بنخی څخه زېریدلی او بنخه د سری له تخم څخه زېریدلی. د سکه مذهب له مخي یو سری نشي کولي په خپل ژوند کي د یوی بنخی پرته خوندي او بشپړ احساس وکري، او د نارینه بریالیتوب د هغې بنخی په مينه او ملاتر پوري اړه لري چي خپل ژوند ورسره شریکوی، او بر عکس. گرو نانک وویل:

«[دا] بنخه د چي نسل ته دوام ورکوی او دا چي مور باید «بنخه لعنتي او محاکومه ونه ګنو، [کله چي] له بنخی څخه مشران او پاچاهان پیدا کيري» ۴۷۳ پانه

نجات:

گرو گرانات صاحب وایی: یو مهم تکی دا دی چي آیا یو مذهب بنخه د نجات، د خدای د پیژنډلو یا د لوړ روحانی ځای د ترلاسه کولو ویر ګنې.

«په تولو مخلوقاتو کي رب پراخ دي، رب په تولو دولونو نر او بنخینه کي پراخ دي» (گرو گران صاحب، مخ ۶۰۵) د گرو گران صاحب له پورتني بيان څخه، د خدای رندا د دوارو جنسونو سره مساوي پاتي کيري. له همدي امله دواره نارینه او بنخینه کولي شي د ګورو لارښونو تعقیبیلو سره مساوي نجات ترلاسه کري. په دېری مذهبونو کي، بنخه د سری د روحانیت په وراندي خند ګنل کيري، مګر په سکھزم کي نه. ګورو دا ردوی. په "سیکھزم باندي او سني فکرونه" کي، الیس بسارک وایی،

«لومرۍ ګرو بنخه د سری سره مساوي کړه ... بنخه د سری لپاره خند نه وه، مګر د خدای په خدمت کي او د نجات په لته کي شریکه وه».

واده

ګورو نانک د غرستا سپارښته وکړه - د کوروالي ژوند، د بر همني او ترک کولو پر ځای، میره او بنخه مساوي شریکان وو او وفاداري په دواره باندي فرض شوي وه. په سپیڅلو آیتونو کي، کورنۍ خوبنۍ د یو غوره ایدیال په توګه وراندي کيري او واده د خدای لپاره د ميني څرګندولو لپاره یو روان استعاره وراندي کوي. بهای ګورداس، د سکه مذهب لوړنۍ شاعر او د سکه عقیدي یو مستند ټبارونکي، بنخو ته لوړه درناوی کوي. هغه وایی:

«یوه بنسخه په خپل پلارني کور کي غوره ده، د مور او پلار لخوا بيره مينه لري، د خپل خسر په کور کي، هغه د کورني ستنه ده، د هفه د نيكمرغى تضمين ... په روحاني حکمت کي شريکول. او روښانتيا او د غوره خانگرتياو سره، يوه بنسخه، د نارينه نيمائي برخه، هغه د آزادى دروازې ته رسوي». (واران، ۱۶ مخ)

مساوي حالت

د نارينه او بنسخينه تر منع د مساوي حیثیت د یقیني کولو لپاره، گورو د نوبنت، لارښوني یا په سنگت (مقدس ملګرتیا) او پنگت (بیوچای خورل) فعالیتونو کي د گډون په برخه کي د جنسونو ترمنځ هیڅ توپیر نه دی کړي. د سروپ داس بهلا، مهیما پرکاش په وینا، ګرو امر داس د بنسخو لخوا د حجاب کارول رد کړل. هغه بنسخی ته دنده وسپارله چې په پیروانو کي د ځینو تولنو ځارنه وکړي او د ستی دود په ورلاندي تبلیغ وکړي. د سکه تاریخ د څو بنسخو نومونه ثبتوي، لکه مانا ګجري مای بهګو، مانا سندري، رانی صاحب کور، رانی سادا کور او مهاراني جند کور چې د خپل وخت په پیښو کي مهم رول لوپولی و.

زده ګره

په سیک مذهب کي تعليم خورا مهم ګنل کېږي. دا د هر چا د برياليتوب کلی ده. دا د شخصي پرمختګ پروسه ده او همدا لامل دی چې دریم ګورو بیرونی جور کړل. ګورو ګران صاحب وايی،

«ټول الهی پوهه او فکر د ګرو له لاري ترلاسه کېږي.» (ګورو ګران صاحب، مخ ۸۲۱)

زده ګره د تولو لپاره اړينه ده او هرڅوک باید کار وکړي ترڅو غوره وي چې دوی یې کېږي شي. د دریم ګورو لخوا لېړل شوی د سیک مشنریانو پنځه دوه میرمنې وي. داکتر موهدنر کور ګیل په "د سیک میرمنو رول او دریخ" کي ليکي: «ګورو امر داس په دی باور وو چې هیڅ تعليم تر هغه وخته پوري ریښه نشي نیولی چې د بنسخو لخوا منل شوی نه وي».

په جامو باندي بندیزونه

د بنسخو لپاره د حجاب نه کولو د اړتیا سرېږه، سیک مذهب د جامو د کود په اړه یو ساده مګر خورا مهم بیانوی. دا د جنسیت په پام کي نیولو پرته په تولو سکهانو باندي تطبیق کېږي. ګورو ګران صاحب وايی،

«د هغو جامو له اغوسټلو ډډه وکړئ چې بدن یې نارامه وي او ذهن یې له بدو افکارو ډک وي» ۱۶ پانه SGGS

په دی توګه، سیکان به پوه شي چې کوم ډول جامي ذهن له بدو افکارو ډکوي او باید ډډه وکړي. د سیک بنسخو څخه تمہ کېږي چې د خپل ځان دفاع په کرپان (توره) او نورو سره وکړي، دا د بنسخو لپاره ځانګړۍ دی ځکه چې دا په تاریخ کي لومړۍ حل دی چې د بنسخو څخه د ځان دفاع تمہ کېږي او د فزیکي خوندېتوب لپاره د نارينه وو د انحصار تمہ نه کېږي.

د SGGS نقل قولونه :

«په ځمکه او اسمان کي، زه هیڅ ثانیه نه وينم. د تولو بنسخو او نارينه وو په منع کي، د هغه رنیار ۲۱۶ پانه SGGA روبنانه ۵۵»

له بنسخی څخه سری پیدا کېږي؛ په بنسخه کي، سری زېږيدلی؛ له بنسخی سره یې کوژده شوي او واده شوي ده. بنسخه د هغه ملګرۍ شي؛ د بنسخی له لاري، راتلونکي نسلونه راھي. کله چې د هغه بنسخه مره شي، هغه بله بنسخه لټوي. هغه بنسخه پوری ترلي ده. نو ولې ورته بد وايی؟ له هفه څخه، پاچاهان پیدا کېږي. له بنسخی څخه بنسخه پیدا کېږي؛ پرته له بنسخی، هیڅوک به نه وي. ګرو نانک، ۴۷۳ SGGS پانه

د مهر په باره کي: "اي زما ربه، ماته خپل نوم زما د واده دالي او مهر راکره." شري گرو رام داس جي، پانه ۷۸،
کربنه ۱۸ SGGS

د پرده د دود په اره وايبي: "پاخيروه، اي لورکي، خپل مخ په حجاب مه پتوه، په پاى کي به دا نيمه مرمى هم نه راويري،
هغه خوک چي له تاسو مخکي به يي مخ پتاوه. د هغې په قدمونو پسي مه گرخه، ستاد مخ د پتولو یواخيني فضيلت دا دى
چي د خو ورخو لپاره به خلک ووايبي چي "اڅه بنایسته ناوي راغلي ده" ستا پرده به یوازي هغه وخت ريبنتيا وي چي ته
د سپېڅلي سندري، نڅا او سندري ووايبي. د خداي ستائنه. SGGS ۴۸۴ پانه،

بنځي او په حقیقت کي تول روحونه د روحاني ژوند کولو لپاره په کلکه هڅول شوي وو: "راشئ، زما ګرانۍ خویندي او
روحاني ملګري؛ ما په خپل غړو کي نبودي کړئ، راخن چي یوځای شو، او د خپل تول څوکمن میره رب کيسې ووايو." -
ګورو نانک، پانه ۱۷ SGGS

"ملګري، نور تول اغوستل خوبني له منځه وري، هغه اغوستل چي په غرو کي وي عذاب دی، او په ناسم فکر سره ذهن
ډکوي" - SGGS پانه ۱۶.

د عاجزی گلیدی جوهر ستاسو په سفر کي

عاجزی د سکھزم یو مهم اړخ دی. د دی له مخي، سکھان باید د خدای په وراندي په عاجزی سره سجده وکړي. عاجزی یا نمرتا، په پنجابي کي نردی کلمي دي. نمرتا یو فضيلت دی چي په ګرباني کي په ګلکه وده شوي. نمرتا یو فضيلت دی چي په ګرباني کي په ګلکه وده شوي. د دی پنجابي کلمي ژباره "عاجزی"، "بنیوالنس" یا "عاجزی" ده. هغه څوک چي ذهن یې په دی فکر کي نه وي چي هغه د بو چا څخه غوره یا دېر مهم دی.

د ستونزی ساحه - پورته یوه سمه جمله نه ده

دا د تولو انسانانو لپاره یو مهم کيفيت دی چي پالنه کوي او دا چي د سک ذهن یوه اړینه برخه ده او دا کيفيت باید هر وخت د سکه سره وي. د سک آرسنال نور څلور ځانګرتیاوي په لاندی دول دي:

حقیقت (ست)، قناعت (ستنوح)، شفقت (دنيا) او مینه (پیار).

دا پنځه ځانګرتیاوي د سک لپاره اړین دی او دا د دوی دنده ده چي د ګرباني مراقبت او یاد کري ترڅو دا فضيلونه رامينځته کړي او دوی د خپل شخصيت برخه کړي.

ګوربانی مور ته څه وايی:

د عاجزی میوه روانی سوله او خوبني ده. په عاجزی سره دوی د خدای پاماني ته دوام ورکوي ، د غوره والي "خرانه. د خدای هوښيار انسان په عاجزی کي دوب دي. هغه څوک چي زره یې په رحم سره د تل پاتي عاجزی "سره برکت لري. سک مذهب عاجزی ته د سوال کولو په څير معامله کوي. د خدای په وراندي کاسه

ګرو نانک، د سکه مذهب لوړۍ ګرو:

«په خپل ذهن کي د ميني او عاجزی سره اوريدل او باور کول خپل ځان د نوم سره پاک کړئ، په مقدس زيارت کي ژوره» ۴ پانه SGGS.

«قناعت خپل غورونه، عاجزی خپل د سوال کولو ټخوره، او مراقبت هغه اирولو چي تاسو یې په خپل بدن کي پلي کوي» ۶ پانه SGGS.

«د عاجزی په ډګر کي، کلمه بشکلا ده. هلتنه د بې ساري بشکلا بولونه جور شوي دي» ۸ پانه SGGS.

«حاضری، عاجزی او شعوري پوهه زما مور او خسر دي» ۱۵۲ پانه SGGS.

د روحانیت په لور سفر

دی گرو ژوندی ختمیدونکی نه یو صاحب گران گورو د ، سیکانو د ، مسلمان او هندوانو گورو . ده ډالی ته انسانانو ټولو لاری له هغه د لخوا خدای د لیکنه . بنه شعر د سنتانو ټول کوم له پرته بنست پر عدالت د خدای د چي لري لید ټولنی یوي د صاحب گرانت درناوی او منی صحيفي اسلام او هندویزم د متن چي کي حال داسي په . وي څخه غم کوي ، کي صاحب گران گرو په . بنبي نه پخلاينه بنه سره مذهبونو دواړو دي دا ، بنټو دي په او لري روح څير په وو نارينه د بنځي . شوی درناوی مساوی څير په وو نارينه د ته مساوی کي لته په خلاصون د او کري رامینځته روحانیت خپل چي لري حق مساوی توګه دیني ټولو په شي کولي بنځي . ولري فرصتونه ، ګلتوري ، کي کارونو سکولر او ټولنیزو . واخلي برخه ګډون په غوندو مذهبی لوړۍ د .

مساوات د مذهب سکه ، عدالت ټولنیز ، زغم د لپاره مذهبونو نورو د او خدمت ته انسانیت او عقیده روحاني لپاره خدای د کي وخت هر په پیغام لازمي مذهب سکه د . کوي پلوی دی درناوی ، مهرباني د کي ژوند ورځني په چي کي حال پداسي . صداقت ، او عاجزی يادول او کول پام خدای د : لري اصول اساسی درې سکهړم . کوي تمرین نظرونه سخاوت ، کول کار لپاره ژوند صادقانه د ، شريکول سره نورو د او .

نبردي ته اصلی هيڅکله ژباره . مبارکي کولو هڅه کولو پیں سفر روحانی دی د لپاره روح د نشي کيدی ، د او وي کي آيت په آيت ټول صاحب گران گورو د چي کله توګه ځانګري په کي پیغام الهی په . کوي ستونزمن خورا کار کارول استعارو ، افسانوي مسلمان او هندو د پرهلاد وختونه دیری کيسی ، هرنکاشن ، لکشمی ، . کيري کارول نور داسي او برهمما درک پیغام يا معنى شا تر دوی د مګر ولوی مه توګه لفظي په دوی وکړئ مهرباني انسان د کيدل ځای یو سره هغه له او دی یو خدای چي دی حقیقت دی په تمرکز . کړئ . ده دنده ژوند د .

پیغام خدای د ته تاسو ترڅو کيري ترسره لخوا رضاکارانو ډیرو د راهیسي کلونو د کار دا لرئ پونښنه کومه تاسو که . ورسوي ژبه په ستاسو ، وکړئ احساس وریا وکړئ مهرباني waln@outlook.com تاسو کي سفر پدی چي یو خوبن مور او ورکړئ بریښنالیک ته بشو یوځای سره .